Future Point

सरल
हस्तरेखा शास्त्र

लेखिका
भारती आनंद

प्रकाशक
अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ (पं.)
X-35, ओखला फेस–2, नयी दिल्ली–110020
Phone (फोन): (011) 40541000 (20 Line)
इमेल– **mail@aifas.com**

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

सर्वाधिकार ©

अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ

Future Point

संस्करण 2008

संघ के पाठ्यक्रम के लिए विशेष रुप से प्रकाशित

प्रकाशक :

X–35, ओखला फेस–2, नयी दिल्ली–110020
Phone (फोन): (011) 40541000 (20 Line)
ईमेल– **mail@aifas.com**

विषय सूची

क्र.सं. पृ.सं.

1. हस्तरेखा शास्त्र का इतिहास 1
2. सच क्या है हाथों की लकीरों का 4
3. हाथ देखने के नियम 8
4. हाथों की बनावट और प्रकार 10
5. उंगलियां और नाखून के प्रकार 24
6. अंगूठा 32
7. विभिन्न रेखाएं 36
   (1) जीवन रेखा 38
   (2) मणिबंध रेखा 52
   (3) सूर्य रेखा 54
   (4) बुध रेखा 58
   (5) अन्तर्ज्ञान रेखा 59
   (6) स्वास्थ्य रेखा 60
   (7) मंगल रेखा 61
   (8) विवाह रेखा 63
   (9) मस्तिष्क रेखा 68
   (10) भाग्य रेखा 85
   (11) हृदय रेखा 104
   (12) संतान रेखा 119
   (13) यात्रा रेखा 120
8. रेखाओं का दोष और निवारण 121
9. हस्त रेखाएं और नौ ग्रह 123
   (i) गुरु पर्वत (ii) शनि (iii) सूर्य (iv) बुध (v) मंगल
   (vi) शुक्र (vii) चंद्र (viii) राहु (ix) केतु पर्वत
10. मुद्रिकाएं 133
11. तिलों का विवरण 135
12. विभिन्न चिह्नों का विवरण 137
13. हस्तरेखाओं में छिपा है मृत्यु का कारण 148

Future Point

14. हस्तरेखाओं के दोष से होता है बांझपन 149
15. अवैध संबंध और हस्तरेखाएं 151
16. व्यवसाय का चुनाव हस्तरेखाओं के आधार पर 154
17. मानसिक अशांति और हस्तरेखाएं 156
18. क्यों होता है तलाक 160
19. हस्तरेखा विज्ञान एवं धन 164
20. कुछ वास्तविक हस्तचित्रों का सामान्य विवरण
एक सुखी व सफल पुरुष का हाथ 175
एक महिला का हाथ 177
वास्तविक अपराधी का हाथ 179
आसाराम बापू का हाथ 181
एक धनी व्यक्ति का हाथ 182
मध्यमवर्गीय व्यक्ति का हाथ 183
एक निर्धन व्यक्ति का हाथ 185
एक धनवान महिला का हाथ 187
पाकिस्तानी प्रधानमंत्री एच. एस. सुहरावर्दी 188
फिल्म कलाकार अशोक कुमार का हैन्डप्रिंट 189
फिल्म कलाकार मनोज कुमार का हैन्डप्रिंट 190
बहुत रेखाओं वाला हाथ 191
कम रेखाओं वाला हाथ 192

Future Point

प्रस्तावना

हस्तरेखा विशेषज्ञ का कार्य एक डॉक्टर जैसा होता है। डॉक्टर दवाई देकर शरीर का रोग दूर करता है, हस्तरेखा विशेषज्ञ को मन की चिकित्सा करनी होती है, जो शरीर की चिकित्सा से कठिन है।

परमात्मा ने मानव–शरीर में कोई भी चीज़ व्यर्थ नहीं बनाई है। प्रत्येक अंग का कोई उपयोग है, प्रयोजन है। हाथ की रेखाएं भी जीवन की घटनाओं को बताने के लिए बनाई गई हैं। इसलिए फिंगर प्रिंट तो कभी नहीं बदलते हैं किंतु हस्तरेखाएं बदलती रहती हैं। शास्त्रों में भी लिखा है कि सुबह उठकर सर्वप्रथम अपनी हथेली का दर्शन करना चाहिए। पामिस्ट्री एक विज्ञान, एक कला, एक दैवीय ज्ञान है जिसकी मदद से व्यक्ति के जीवन की पथ–यात्रा को समझा और बताया जा सकता है।

भारती आनंद

Future Point

Future Point

लेखिका परिचय

भारती आनंद भारत की लोकप्रिय हस्तरेखा शास्त्री है। उनके पास आने वाले जिज्ञासुओं में राजनेता, अभिनेता, प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति, पत्रकार, लेखक, डॉक्टर, इंजीनियर, जज, वकील व सामान्य वर्ग के लोग भी शामिल हैं। वे सफल ज्योतिषि होने के साथ–साथ सफल लेखिका भी हैं। ज्योतिष विशारद तथा ज्योतिष श्री जैसे सम्मानित पुरस्कार से सुशोभित भारती जी की कई पुस्तकें व सैकड़ों लेख विभिन्न उच्चस्तरीय पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं।

भारती आनंद फ्यूचर पाइंट द्वारा प्रकाशित मासिक ज्योतिष पत्रिका फ्यूचर समाचार में भी अपने लेख नियमित रूप से लिखती रही है और उनके लेख पाठकों को हमेशा प्रिय रहे हैं। उनके लेखों में शोध का अंश अवश्य रहता है। हस्तरेखा क्षेत्र में जितना काम उन्होंने किया है शायद आज के समय में बहुत कम विद्वान ही ऐसे होंगे।

अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ के सामुद्रिक शास्त्र पाठ्यक्रम के लिए भी उन्होंने पुस्तकें लिखी हैं। ये सभी पुस्तकें विद्यार्थियों के लिए अभूतपूर्व ज्ञान का संकलन है।

हस्तरेखा के अद्भुत ज्ञान के साथ आध्यात्मिकता, धर्म शास्त्र, मनोविज्ञान, सम्मोहन, टैलीपैथी, विभिन्न धर्मों के तंत्र–मंत्र और पारलौकिक चमत्कारों के बारे में भी वे प्रकांड ज्ञान रखती हैं।

भारत की विख्यात हस्तरेखाविद्, विदुषी लेखिका, निपुण गृह सज्जाकार, कुशल ब्युटिशियन, सरल संवादकर्ता, अलौकिक व अन्तर्यामी विषयों में दक्ष तथा ज्ञान के प्रति सदा जिज्ञासु जैसे गुणों से परिपूर्ण हैं। उनकी यह किताब लीक से हटकर तो है ही, साथ ही इसमें हस्तरेखा शास्त्र की ऐसी ज्ञानपूर्ण जानकारी भी संलग्न है जो अन्य पुस्तकों में अप्राप्तनीय है।

अरुण बंसल
अध्यक्ष, अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ

Future Point

Future Point

PUBLISHED BY

ALL INDIA FEDERATION OF ASTROLOGERS' SOCIETIES

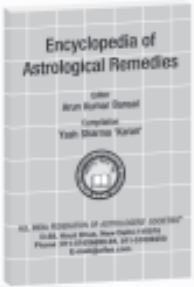

ASTROLOGY

* A Text Book of Astrology	Rs. 200/-
* Encyclopedia of Astrological Remedies	Rs. 300/-
* Longitudes & Latitudes of the World	Rs. 125/-
* Prediction through Dasha System	Rs. 100/-
* Horoscope Matching	Rs. 100/-
* Muhurat (Electional Astrology)	Rs. 100/-
* Remedies of Astrological Science	Rs. 100/-
* Principals of Ashtak Varg Siddhant	Rs. 200/-
* Transit of Planets	Rs. 100/-
* A Text Book on Shadabala	Rs. 100/-
* Horary for Beginners	Rs. 100/-
* Timing of Events Through Dasha & Transit	Rs. 100/-
* Mundane Astrology	Rs. 200/-
* Jaimini Systems	Rs. 100/-
* Krishnamurthi Paddhati	Rs. 100/-
* Analysis of Longevity	Rs. 100/-

VASTU

* Remedies of Domestic Vastu	Rs. 100/-
* Remedies of Vastu	Rs. 200/-
* Vastu Shastrachrya-I	Rs. 200/-

PALMISTRY

* Remedies of Palmistry	Rs. 100/-

NUMEROLOGY

* An Introduction to Numerology	Rs. 200/-

लाल किताब	Rs. 200/-
फेंग सुई	Rs. 200/-

ENCYCLOPEDIA OF ASTROLOGICAL REMEDIES'

Encyclopedia of Astrological Remedies' is a consolidated effort to combine the various types of remedial measures available in vedic astrology, vedas, mythology, mantra shastra, Lal Kitab, gemology, science of yantras and other reliable sources of our cultural heritage which include all sorts of effective astrological remedies. Method of the uses of gems, rudraksha, yantras, rosaries, crystals, rudraksha kavach, parad, rings, conch, pyramids, coins, lockets, fengshui, remedial bags, colors, talismans, fasting and meditation with mantras have been incorporated in this book which would certainly become a matter of pleasure for the lovers of occult and Astrology. The present book may prone to be a milestone in the area of Remedial Astrology. Book lovers would find it as a unique compendium of anything which alleviates, placates, and cures

Price : Rs 300/-
Pages : 275
Publisher : All India Federation of Astrologer's Societies

ज्योतिष

* सरल ज्योतिष	Rs. 200/-
* सरल दशाफल निर्णय	Rs. 100/-
* सरल अष्टक वर्ग सिद्धान्त	Rs. 200/-
* सरल अष्टकूट मिलान	Rs. 100/-
* सरल मुहूर्त बोध	Rs. 100/-
* सरल उपाय विचार	Rs. 100/-
* सरल गोचर विचार	Rs. 100/-
* षड्बल	Rs. 100/-
* प्रश्न शास्त्र	Rs. 100/-
* घटना का काल निर्धारण	Rs. 100/-
* मेदनीय ज्योतिष	Rs. 200/-
* जैमिनि पद्धति	Rs. 100/-
* आयुनिर्णय	Rs. 100/-

वास्तु

* सरल गृह वास्तु उ. विचार	Rs. 100/-
* सरल वास्तु उपाय विचार	Rs. 100/-
* सरल गृह वास्तु	Rs. 200/-

हस्तरेखा

* सरल हस्त रेखा शास्त्र	Rs. 200/-
* सरल मुखाकृति विज्ञान	Rs. 100/-
* सरल हस्तरेखा उ. विचार	Rs. 100/-

अंक ज्योतिष

* सरल अंक ज्योतिष	Rs. 200/-

To order send money order, bank draft or a check payble in Delhi in the name of **All India Federation of Astrologers' Society** on the following address. For an order of less than Rs. 500 also include Rs. 50 for postal charges.

卐 **Future Point** 卐

Head Office:
X-35, Okhla Industrial Area, Phase-II, Delhi-110020
Ph.: 91-11-40541000 (40 Line) Fax : 40541001

Branch Office:
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 40541020 (10 Line) Fax : 40541021

E-mail: mail@futurepointindia.com, Web: www.futurepointindia.com

Future Point

A house of complete Astrology Solutions

समग्र ज्योतिषीय समाधान

लियो गोल्ड

लियो पाम

लियो गोल्ड (गृह संस्करण)

रिसर्च जॉर्नल

फ्यूचर समाचार पत्रिका

प्रकाशन

रुद्राक्ष

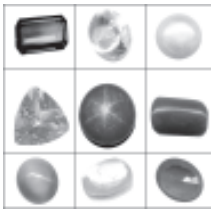

उपलब्ध सामग्री

वेब साईट

आयोजन गतिविधियां

शिक्षा

परामर्श

卐 **Future Point (P) Ltd** 卐

Head Office- X-35, Okhla Industrial Area, Phase-2, New Delhi - 20
Ph : 40541000 (20 Line), Fax : 40541001
Branch Office -H-1A, Hauzkhas, New Delhi - 110016
Ph : 40541020 (10 Line), Fax : 40541021
Email : mail@futurepointindia.com, Web :www.futurepointindia.com

Future Point

अध्याय 1

हस्तरेखा शास्त्र का इतिहास

संसार में 78 प्रतिशत लोग ज्योतिष विज्ञान में विश्वास रखते हैं। फ्रांस में तो 47 प्रतिशत लोग ज्योतिष में विश्वास करते हैं। अमेरिका में 5000 बड़े ज्योतिष दिन–रात काम में लगे रहते हैं। 'ज्योतिष : अद्वैत का विज्ञान' पुस्तक के अनुसार ज्योतिष विज्ञान में केवल सामान्यजन ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक, विचारक और बुद्धिजीवियों तक का एक बड़ा वर्ग विश्वास रखता है। अब तो विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों में भी ज्योतिष विज्ञान पढ़ाया जाने लगा है।

हस्तरेखा विज्ञान भारतीय समाज और परिवेश में तो युगों पहले से ही प्रचलित है। माना जाता है कि समुद्र ऋषि ऐसे पहले भारतीय ऋषि थे, जिन्होंने क्रमबद्ध रूप से ज्योतिष विज्ञान की रचना की। अतः ज्योतिष शास्त्र या हस्तरेखा विज्ञान को सामुद्रिक शास्त्र भी कहा गया। वैदिक धर्म ग्रंथों में कश्यप मुनि ने 18 आचार्यों को ज्योतिष शास्त्र का महान विद्वान व निपुण ज्ञाता माना है, ये हैं – 1. सूर्य 2. भीष्म पितामह, 3. व्यास, 4. वशिष्ठ, 5. अत्रि, 6. पराशर, 7. कश्यप, 8. नारद, 9. गर्ग, 10. मरीचि, 11. मनु, 12. अंगिरा, 13. लाभेश, 14. पौलिश, 15. च्यवन, 16. भुवन, 17. भृगु, 18. शौनिक।

हस्त संजीवन के श्लोकानुसार मनुष्य का हाथ एक ऐसी जन्मपत्रिका है, जो कभी नष्ट नहीं होती और इसके रचियता स्वयं ब्रह्मा हैं। सृष्टि के आदि रचनाकार ब्रह्मदेव द्वारा बनाई गई हस्त रूपी जन्मकुंडली में संकटकाल के समाधान हैं और गणितीय त्रुटि की संभावना नहीं है। हस्तरेखाएं भी ग्रहों–नक्षत्रों के समान अटल फलादेश प्रदान करती हैं तथा भावी जीवन का मार्गदर्शन करती हैं।

जिस तरह किन्हीं भी दो व्यक्तियों का जीवन, भाग्य, विचारधारा और परिस्थितियां एक जैसी नहीं होतीं, ठीक उसी तरह दो व्यक्तियों की हस्तरेखाएं भी एक जैसी नहीं होतीं। पेरिस के महानतम हस्तरेखा विशेषज्ञ डिसबाररोल्लस ने तो यहां तक घोषणा कर दी थी कि संपूर्ण संसार में कोई भी मनुष्य मुझे दो हाथों की एक समान हस्तरेखाएं लाकर देगा तो मैं अपना जीवन एवं दौलत उसके नाम कर दूंगा।

हर मनुष्य के हाथ की रेखाएं अलग–अलग होती हैं –यह एक निश्चित और अटल तथ्य है। हर मनुष्य का ठीक उसी तरह से भाग्य और व्यक्तित्व भी अलग–अलग होता है। यहां तक कि जुड़वां भाइयों में भी कुछ–न–कुछ असमानताएं अवश्य होती हैं।

दुःख की बात यह है कि भारतीय संस्कृति की यह प्राचीन धरोहर जितनी पुरानी है, उतनी ही तिरस्कृत भी है। आचार्य रजनीश ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि मनुष्य जाति के इतिहास में, ऐसा कोई भी समय या सभ्यता नहीं थी – जब ज्योतिष ज्ञान मौजूद नहीं था।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

ईसा से 26 हजार वर्ष पूर्व सुमेर सभ्यता में मिली हड्डियों के अवशेषों में भी ज्योतिष ज्ञान के चिह्न पाए गए हैं।

ईसा से पूर्व ग्रीक हस्तरेखा शास्त्री एरिस्टॉटिल (314–322 ई. पूर्व) ने 'काइरोमेन्टीया एरीस्टोलिस कम फिगरिस' तथा 'डी सिओईओ हट मन्डीकाउंट' नामक दो महान पुस्तकों की रचना की।

यूरोप में अल्बरटस मैगनस ने 1205–1280 में 'हैंड व्हर्जुसगेन' नामक हस्तरेखा पर अद्‌भुत पुस्तक की रचना की।

चीन में हस्तरेखा ज्ञान ईसा के जन्म से 3000 वर्ष पूर्व ही प्रचलित हो चुका था। इतिहास में लिखा है कि हिसपानदा ने स्वर्ण अक्षरों से लिखी हस्तरेखा पर आधारित एक पुस्तक सम्राट सिकंदर को भेंट की।

सन् 1500 में इटैलियन विद्वान कोश्वस एंड्रीज ने 'लॉ आर्ट डी साइरोमैनस' नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की।

16वीं शताब्दी में टेस्नियर ने 'पोपस मैथमैटिक्स' पुस्तक की रचना की, जिसमें हस्तरेखा व ग्रहों के विषय पर विशेष गणितीय सारणियां चित्रित थीं।

17 वीं शताब्दी में अंग्रेज पामिस्ट रिचर्ड सेंडर ने हाथों की रेखाओं को देखकर मृत्यु की तिथियां बताना शुरू कर दिया। यही नहीं, सेंडर ने 'बाइबिल' में उल्लिखित भविष्यवाणियों को हस्तरेखाओं के चिह्नों से जोड़ा और उनके इस प्रयोग से उनका स्वरचित ज्योतिष साहित्य सम्पूर्ण ब्रिटेन एवं यूरोप में चर्चित हो गया।

18 वीं शताब्दी में फेब्रिरीसिज, जोनन अर्ल्बट ने 1668–1736 में कई उल्लेखनीय व ज्ञानवर्द्धक हस्तरेखा शास्त्र लिखे।

19 वीं शताब्दी में तो हस्तरेखा शास्त्र से संबंधित अनगिनत पुस्तकें लिखी गईं। हस्तरेखा साहित्य के लिए यह काल श्रेष्ठ तथा स्वर्ण काल रहा।

सन् 1801–1883 में डेसबारोल्स ने मिस्र के पादरियों और हिंदू ब्राह्मणों की पुस्तकों का गहन अध्ययन किया। इसके अलावा उन्होंने अरबी, इटली, रोमन, फ्रांसिसी तथा जर्मनी भाषाओं के हस्तरेखा शास्त्र का भी अध्ययन किया। इनकी लिखी पुस्तक 'लेस मिस्ट्रीज डी लॉ मेन' अपने में एक चमत्कारिक व अद्‌भुत पुस्तक है।

19 वीं शताब्दी के सर्वाधिक चर्चित अंकविद्या ज्ञाता और हस्तरेखा के विद्वान कीरो ने लिखा है – "विश्वास कीजिए कि सृष्टि का परमपिता कभी नहीं चाहता कि उसकी सृष्टि या उसकी सर्वश्रेष्ठ रचना मानव किसी भी प्रकार का कष्ट उठाए और अंधकार में भटके।"

इसी कारण परमपिता परमेश्वर ने मानव की सहायता हेतु विभिन्न प्रकार के ज्ञान की रचना की है। मानव को सुखद परिस्थितियां देने के लिए परमात्मा ने मनुष्य के हाथों में इस प्रकार की रेखाएं अंकित की हैं,

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

जिनकी सहायता से वह जान सके कि कौन–सी स्थितियां, प्रवृत्तियां या कारण उसे दुखों और कष्टों की ओर धकेल रहे हैं और कौन से कारक सुख प्रदानकर्ता हो सकते हैं।

द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने भी मनुष्यों के शुभ–अशुभ लक्षण जानने की जिज्ञासा भगवान शंकर के समक्ष प्रकट की थी।

आदि कवि महर्षि बाल्मीकि ने भी रामायण के प्रमुख चरित्रों के अंग लक्षणानुसार उनके गुण–अवगुण तथा शुभ–अशुभ का वर्णन किया है। हिन्दु मिथक इतिहास के अनुसार यह रचना त्रेता युग की है।

ओशो रजनीश ने ज्योतिष विद्या के ऊपर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा है – "भविष्य एकदम अनिश्चित नहीं है। हमारा ज्ञान अनिश्चित है। वैज्ञानिक अभी दस वर्षों में एक नई बात कह रहे हैं कि प्रत्येक प्राणी के पास कोई ऐसी अलौकिक इंद्रिय है, जो भावी घटनाओं या जगतिक प्रभावों को अनुभव करती है।" (जैसे जानवरों को भूकम्प का अहसास हो जाना या मछलियों को ज्वार भाटा का पता चल जाना, या किसी की मृत्यु से पूर्व कुत्ते का रोना अथवा सर्दी का मौसम आने से एक माह पूर्व ही पक्षियों का पलायन करने लगना।)

ऐसी ही अलौकिक क्षमता शायद मनुष्य के पास भी है। वास्तव में पशु–पक्षी सदियों से निपट गंवार, ठोस प्राकृतिक व अवैज्ञानिक बने रहे इसलिए उनकी यह पारलौकिक क्षमता गुम नहीं हुई, किंतु मनुष्य ने बुद्धिमानी, अप्राकृतिक अवस्था तथा वैज्ञानिक सुविधाओं में इस योग्यता को खो दिया। हस्तरेखा शास्त्र एक प्राचीन विद्या है, जिसे संसार के 78 प्रतिशत लोग मानते हैं। संसार की इतनी बड़ी आबादी को कुछ–न–कुछ तथ्य और सत्य नजर आता ही होगा हस्तरेखाओं के समाधान में, तभी वे इसे मानते हैं।

जैसे मनुष्य संकट–दुख में या अपनी परीक्षा अथवा इंटरव्यू के दौरान ईश्वर से प्रार्थना करता है, जबकि नास्तिक लोग ईश्वर से इंकार करते हैं।

पितृ–श्राद्ध के दिनों में लोग अपने–अपने पूर्वजों की आत्माओं की शांति के लिए भोज–आयोजन करते हैं। ऐसा भी देखने में आता है कि कुछ लोगों को बुरी आत्माएं जकड़ लेती हैं तो उन्हें उतरवाने के लिए लोग पीर, पंडित के पास या किसी धार्मिक स्थल पर जाते हैं।

वैज्ञानिक आत्मा के अस्तित्व का बहिष्कार करते हैं, किंतु इस प्रकार के आधुनिक बहिष्कार या इंकार से लोगों की श्रद्धा कम नहीं हुई और ईश्वर से प्रार्थना, पितृ श्राद्ध, आत्माओं का सम्मान, पीर–मजार को सज्दा तथा धर्म–स्थल की पूजा आज भी जारी है और आगे भी जारी रहेगी। ठीक उसी तरह हस्तरेखाओं का महत्त्व, उनकी उपयोगिता, उनके प्रति जनमानस की श्रद्धा और हस्तरेखाओं की अटल भविष्यवाणियां सदियों से आज तक जारी हैं और आगे भी हस्तरेखाओं के लिए जनमानस का सम्मान और विश्वास जारी रहेगा।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 2

सच क्या है हाथों की लकीरों का?

कहते हैं, इंसान का सफल होना, असफल होना, खुशहाल होना या बदहाल होना, सब किस्मत का खेल है। ऐसे आम प्रचलित जुमलों को बकवास मानने वाले भी कम नहीं हैं, और फिर बकवास माना भी क्यों न जाए – अगर किसी बात के पीछे विज्ञान और तर्क का जोर न हो? लेकिन अब ऐसा नहीं है। यह भी किस्मत का ही खेल है कि अब बदले माहौल में भी हाथों की लकीरें ही इंसान की तकदीर बताएंगी। लेकिन उसके पीछे अब किसी पोंगा पंडित की मूर्खतापूर्ण लफ्फाजी नहीं, बल्कि विज्ञान और तर्क का ठोस आधार होगा।

नवीनतम जानकारी

दुनिया के तमाम देशों में इस समय हाथ की रेखाओं के वैज्ञानिक आधारों की तलाश का काम जोर–शोर से चल रहा है। मैनचेस्टर युनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और बार्सीलोना विश्वविद्यालय ने इस बारे में तमाम नई जानकारियां सामने रखी हैं। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय ने अपने एक ताजातरीन शोध में एक बहुत ही दिलचस्प जानकारी दी है कि हाथों की लकीरें किसी भी व्यक्ति के आइक्यू यानी मानसिक स्तर का आईना हैं। शोध के अनुसार किसी भी व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता का अनुमान उसकी हथेलियों पर मौजूद लकीरों के अलाइनमेंट यानी तारतम्यता को देख कर लगाया जा सकता है। जिन लोगों का बौद्धिक स्तर औसत से भी कम यानी 70 से कम आंका गया, उनके हाथ की लकीरों में कुछ अलग तरह का समीकरण पाया गया। जिन लोगों की हथेली में बहुत ज्यादा समानांतर रेखाएं पाई जाती हैं या फिर जगह–जगह गड्ढे पाए जाएं या उंगलियों की छाप कुछ अलग तरह की हो, तो ऐसे लोगों की बौद्धिक क्षमता हमेशा सवालिया घेरे में रहती है।

वैज्ञानिकों का दावा है कि इन लकीरों के माध्यम से गर्भावस्था के दौर में आए परिवर्तनों तक को समझा जा सकता है। उनका दावा है कि अगर गर्भावस्था के दौरान मां को कोई संक्रमण हुआ है और उसकी वजह से बच्चे में कोई मानसिक विकृति आई है, तो हथेली की रेखाओं के झुकाव के अध्ययन से यह पता चल सकता है।

यही नहीं तमाम अन्य बीमारियों की थाह भी हाथ में मौजूद रेखाएं दे सकती हैं। हथेली पर अगर दो ऊर्ध्वगामी लकीरें मौजूद हैं तो व्यक्ति को भविष्य में डायबिटीज का खतरा बना रहेगा। ऐसा एक शोध से प्रकाश में आया है कि जिन लोगों पर यह खतरा ज्यादा होता है, उनके हाथ की रेखाओं का मिलन हथेली के मध्य से अधिकतम दूरी पर होता पाया गया।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

वैज्ञानिकों ने अपने शोध प्रबंध में तमाम साक्ष्यों और प्रमाणों के माध्यम से बहुत ठोस तरीके से यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि हस्त रेखाओं का बारीक विश्लेषण हृदय रोग, मानसिक बीमारियों और यहां तक कि मौत की स्थितियों तक की तस्वीर को पेश कर सकता है। बार्सीलोना विश्वविद्यालय ने हस्त रेखाओं पर एक ताजा अध्ययन करवाया है।

यह अध्ययन 140 बच्चों पर किया गया। इस अध्ययन ने मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के बारे में बहुत पुख्ता जानकारी दी। ऐसा पाया गया कि जो बच्चे मानसिक रूप से कमजोर थे, उनके हाथों की लकीरों में असामान्यता और उंगलियों में बहुतायत में आर्च और कोष्ठ पाए गए।

यही नहीं मानसिक रूप से कमजोर बच्चों की उंगलियों की छाप भी असामान्य पाई गई। इस अध्ययन में बताया गया है कि गर्भस्थ शिशु की उंगलियों की छाप आमतौर पर गर्भ के 13वें सप्ताह के आसपास बनना शुरू होती है और 18वें सप्ताह तक बन कर तैयार हो जाती है। इसी दौर से मस्तिष्क का विकास भी शुरू होता है। यही वह खास वजह है कि हस्त रेखाओं का दिमाग की हालत से गहरा ताल्लुक होता है। इस दौरान अगर मां कुपोषण की गिरफ्त में आती है तो तुरंत गर्भस्थ शिशु की हस्त रेखाओं पर उसका असर होता है , साथ ही अन्य अंग तो प्रभावित होते ही हैं।

एक अन्य अध्ययन में ऐसे तथ्य प्रकाश में आए कि जिन लोगों के हाथ में पूरी हथेली के एक से दूसरे छोर तक जाती ढेरों रेखाएं पाई जाती हैं, उनकी मौत आमतौर पर दम घुटने जैसी किसी बीमारी के कारण होती है।

ऐसा नहीं है कि आधुनिक विज्ञान की इन नई जानकारियों की जड़ें एकदम ताजा हैं। हैरतअंगेज बात यह है कि अगर देखा जाए तो इन नूतन खोजों का आधार भारतीय पराज्योतिष की किताबों में काफी विस्तृत रूप में मिलता है। भारतीय हस्त रेखा विज्ञान में हृदय रोग से लेकर आधुनिक रोग एलर्जी तक का विवरण पाया जाता है और उसकी वजह तथा निदान के संभावित उपायों का भी वर्णन पूरे विस्तार से दिया गया है।

हस्तरेखाओं का उपयोग

संसार में ईश्वर द्वारा, प्रकृति द्वारा अथवा मानव द्वारा बनाई गई हर वस्तु का कुछ न कुछ उपयोग भूत, भविष्य, वर्तमान बताने में होता है। संसार में 73 प्रतिशत लोग इसमें विश्वास रखते हैं और यह भी निश्चित है कि एक कुशल, अनुभवी हस्तरेखाशास्त्री अगर हाथ की रेखाओं से जीवन–विवरण बताता है तो 99.99 प्रतिशत वह सत्य होता है। आज हस्तरेखा शास्त्र को विश्वविद्यालयों, शिक्षाशास्त्रियों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी मान्यता देना प्रारंभ कर दिया है। वैज्ञानिक भी कहते हैं कि व्यक्ति के विचारों और स्वास्थ्य में अगर कुछ परिवर्तन होता है तो वह हाथ में स्पष्ट नजर आता है। जैसे क्रोध आने पर हाथ की बंद मुट्ठी अथवा पीलिया होने पर हथेली में पीलापन।

हस्तरेखाएं एवं भविष्यवक्ता

यह हस्तरेखाशास्त्र का सबसे पुराना उपयोग है। हस्तरेखाशास्त्र का ज्ञान सीखकर आप एक सफल भविष्यवक्ता के रूप में कैरियर बना सकते हैं। आजकल उद्योगपति, फिल्म स्टार, राजनीतिज्ञ, पत्र–पत्रिकाएं आदि अपना एक स्थायी व निजी हस्तरेखाशास्त्री रखते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

हस्तरेखा शास्त्र एवं शिक्षण कार्य

हस्तरेखा विज्ञान के लिए दो सौ साल से बंद विश्वविद्यालय के द्वार अब खुल गए हैं। इस विषय में उच्चतम डिग्री प्राप्त करके आप किसी कालेज या संस्थान में प्रोफेसर, लेक्चरार या अध्यापक पद प्राप्त कर सकते हैं।

हस्तरेखा विज्ञान एवं चिकित्सा विज्ञान

जैसे आंख, दांत, दिल के विशेषज्ञ डाक्टर होते हैं, उसी तरह आप हस्तरेखाशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करके केवल स्वास्थ्य, रोग, चिकित्सा क्षेत्र के हस्तरेखा विशेषज्ञ बन सकते हैं। हाथों द्वारा रोग पकड़ लेना व आयुर्वेद पद्धति से निदान करना भी एक विज्ञान है, किंतु ध्यान रहे इसमें अत्यंत सावधानी व अनुभव की आवश्यकता है।

हस्तरेखा कला एवं स्वरोजगार

हस्तरेखाशास्त्री होकर आप जीवन विवरण बताने वाली इस कला द्वारा अपना पामिस्ट्री कार्यालय खोल सकते हैं, निजी शिक्षण संस्थान खोल सकते हैं, अथवा विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में इस विषय पर लेख लिखकर उचित पारिश्रमिक कमा सकते हैं। आप इस विषय पर सटीक पुस्तकें भी लिख सकते हैं।

हस्तरेखा ज्ञान व समाज सेवा और व्यक्तित्व विकास

हस्तरेखाविद बनकर आप परिचितों व अपरिचितों की हस्तरेखाएं देखकर उनके जीवन के उतार–चढ़ाव बताकर उन्हें मानसिक संतुष्टि प्रदान कर सकते हैं। किंतु दुखी व संकटग्रस्त व्यक्ति के लिए आपको मनोवैज्ञानिक ढंग से सपनों का सौदागर बनना चाहिए। संतापग्रस्त व्यक्ति को कटु सत्य नहीं बताना चाहिए।

हस्तरेखा ज्ञान से आप उत्सव या पार्टी की जान बन सकते हैं। आपके इर्द–गिर्द युवक–युवतियों का झुंड होगा और आप बीच में शान से कोमल व कठोर हाथ देखकर अपना व्यक्तित्व खास बना सकते हैं।

जब आप के विषय में समाज को, आपके परिचितों या संबंधियों को यह पता चलता है कि आप हाथ देख सकते हैं, तो आपके पास तुरंत ही हाथ दिखाने को इच्छुक, जिज्ञासु व उत्सुक लोग आना शुरू हो जाते हैं। आप देखेंगे कि उनमें से 95 प्रतिशत लोग आपसे केवल धन के विषय में प्रश्न पूछेंगे। वर्तमान भौतिकवादी युग में धन है भी एक सर्वोच्च आवश्यकता।

अतः इस पुस्तक में 'धन व हस्तरेखाएं' विषय पर अलग से एक अध्याय विद्यार्थियों व पाठकों की सुविधा के लिए दिया गया है।

हस्तरेखाओं का पढ़ना एक विज्ञान है और भविष्यवाणी या विवरण देना एक कला। हस्तरेखा अध्ययन एक प्राचीन शास्त्र है, जिसकी सहायता से आधुनिक, आर्थिक, भौतिक व सामाजिक समस्याएं सुलझाई जा सकती हैं। हस्तरेखाएं मानव जीवन पर समुचित प्रभाव डालती हैं, किन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि चाय, अखबार, सड़क पर मामूली चहलकदमी, कलम की निब या लाइट का चला जाना इत्यादि सभी से ग्रह, नक्षत्र या हस्तरेखाओं का संबंध है। हस्तरेखा विज्ञान का उचित उपयोग केवल मानवीय विवेक व वैज्ञानिक तर्कों से परिपूर्ण व्यक्ति ही कर सकते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

हैन्डप्रिंट लेने की विधियां

जब कोई व्यक्ति एक प्रोफेशनल या लोकप्रिय हस्तरेखा शास्त्री बन जाता है अथवा लोगों को पता चल जाता है कि वह हस्तरेखा अध्ययन का भी अनुभव रखता है तो कुछ लोग उससे अपने उन रिश्तेदारों का भविष्य भी जानना चाहते हैं, जो स्थानीय शहर में मौजूद नहीं हैं। ऐसी स्थिति में अनुपस्थित या दूरस्थ लोगों का हैंडप्रिंट लेना चाहिए।

यदा–कदा ऐसा भी होता है कि दूसरे शहर या देश के लोग पत्र लिखकर किसी हस्तरेखा शास्त्री से अपना भविष्य पूछते हैं और स्वयं आने में असमर्थ होते हैं। ऐसी स्थिति में उनसे भी हैन्डप्रिंट लेना पड़ता है।

क्या है हैन्ड प्रिंट ?

हैन्डप्रिंट यानि व्यक्ति के हाथों का चित्र। इसे हस्त चित्र भी कहते हैं। ऐसे चित्र, जिनमें व्यक्ति के दोनों हाथ स्पष्ट दिखते हों एवं एक–एक रेखा बारीकी से पता चलती हो, उत्तम व श्रेष्ठ हस्तचित्र अर्थात् हैंडप्रिंट कहलाते हैं। हैन्डप्रिंट लेने की विभिन्न विधियां हैं, जिनमें प्रमुख इस प्रकार हैं :–

1. स्याही या इंकपैड द्वारा निर्मित हैन्डप्रिंट – कोई भी साधारण स्याही लें, उसे पूरे हाथ अर्थात् पंजे पर अच्छी तरह रूई से लगाएं और किसी सफेद कागज पर छाप ले लें। कागज़ पर हाथ रखते समय जोरदार पर स्थिर व अडिग दबाव डालना चाहिए, जिससे एक–एक रेखा स्पष्ट आ जाए। रेडिमेड इंकपैड पर भी हाथ रखकर कागज के ऊपर छाप ली जा सकती है। यह प्रयोग कार्बन पेपर भी किया जा सकता है।

2. फोटोग्राफ द्वारा निर्मित हैन्डप्रिंट –हैन्डप्रिंट लेने की यह सर्वश्रेष्ठ विधि है। एक बढ़िया कैमरे से प्रत्येक कोण परखकर नजदीक से हाथ की फोटो ली जाए तो उत्तम चित्र आता है जिसमें सभी रेखाएं व ग्रहों का पता चलता है। चित्र साईज 8x10 का हो तो सोने पर सुहागा। ध्यान रहे कैमरे से हैंडप्रिंट की तस्वीर खींचते समय प्रकाश समुचित हो व पृष्ठभूमि भी सरल हो। संभव हो तो गहरे रंग का कोई प्लेन कपड़ा लगा लें।

3. स्कैनर द्वारा निर्मित हैन्डप्रिंट– यह भी एक सर्वश्रेष्ठ विधि है। स्कैनर एक इलैक्ट्रोनिक यंत्र होता है, जो कंप्यूटर से संबंधित होता है। स्कैनर पर हाथ रखकर लिया गया चित्र कम्प्युटर की मैमोरी में चला जाता है और उसकी फ्लॉपी या सीडी भी तैयार की जा सकती है। इस विधि द्वारा लिया गया चित्र स्पष्टतः कम्प्यूटर–स्क्रीन पर देखा जा सकता है। आवश्यकतानुसार इस हैन्डप्रिंट का कागज पर चित्र भी ले सकते हैं।

ध्यान रखें

हैंडप्रिंट के साथ जिज्ञासु का नाम, पता, व्यवसाय, जन्मतिथि, मुख्य प्रश्न अवश्य लिखे होने चाहिए। जीवन में अगर जीवन को प्रभावित करने वाली कोई विशेष घटना हो या कोई बिमारी हुई हो तो उसका भी जिक्र अवश्य करें।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अध्याय 3

हाथ देखने के नियम

प्रकृति सारी सृष्टि नियमानुसार चलाती है, सूर्य का समय पर उदय और समय पर अस्त होता है, समय पर रात और दिन निकलते हैं, समय पर स्कूल, ट्रैफिक, कार्यालय आदि चलते हैं। नियम न हो, तो ये सारी व्यवस्था चरमरा जाए। ठीक इसी प्रकार हाथ देखने के भी कुछ नियम होते हैं, अगर नियम न हों तो हस्तरेखाविद् का कार्य भी गड़बड़ा जाएगा। प्रस्तुत हैं हाथ देखने के आवश्यक नियम–

1. इसके लिए उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था का होना आवश्यक है।
2. हाथ देखते समय सबसे पहले हाथों के आकार का निरीक्षण करना चाहिए जैसे हाथ की मोटाई, लम्बाई, रंग व झुकाव।
3. उसके बाद हाथ की बनावट देखनी चाहिए। हाथ सात प्रकार के होते हैं, सभी हाथों की बनावट को ध्यान में रखना है कि ये चमसाकार हैं, समकोण हैं, छोटे हैं या बड़े हैं आदि।
4. तत्पश्चात् अंगुलियों और अंगूठे की बनावट देखनी चाहिए जैसे उनकी लम्बाई, मोटाई, चौड़ाई आदि। वे छोटी हैं या बड़ी, आगे की तरफ झुकी हुई हैं या पीछे की तरफ, नरम हैं या, सख्त या फिर टोपाकार।
5. ये सब निर्णय लेने के बाद जीवन रेखा का अध्ययन किया जाए जैसे रेखा मोटी, द्वीप से युक्त, साफ या अधूरी है और इसका उद्‌गम स्थल कहां से है।
6. मस्तिष्क रेखा का आकार, प्रकार, लम्बाई या अन्त किस प्रकार हो रहा है यह भी देखना चाहिए।
7. फिर भाग्य रेखा भी ठीक इसी प्रकार से देखनी चाहिए। इसकी मोटाई, गहराई, पतलेपन, अधूरेपन, मस्तिष्क पर झुकी है, हृदय रेखा पर समाप्त है अथवा सीधे शनि पर आदि पर भी ध्यान देना चाहिए।
8. इसके अतिरिक्त अन्य छोटी रेखाएं जैसे सूर्य रेखा, चंद्र रेखा, विवाह रेखा, मंगल रेखा, बुध रेखा, बृहस्पति मुद्रिका, शनि मुद्रिका, सूर्य मुद्रिका, शुक्र मुद्रिका, त्रिकोण, जाली, चतुष्कोण, मणिबंध रेखाएं व हाथों के धब्बे देखने चाहिए।
9. ग्रहों के बिना भी हस्त रेखा का ज्ञान अधूरा है, इसलिए ग्रहों की स्थिति को जाने बिना भी फलादेश करना गलत होगा। इसके लिए हमें देखना होगा कि कौन सा ग्रह उन्नत है, या दबा है, अथवा इसकी स्थिति कहां है।

तत्पश्चात् हाथ देखने का कार्य अपने इष्टदेव को याद करके शुरू करें।

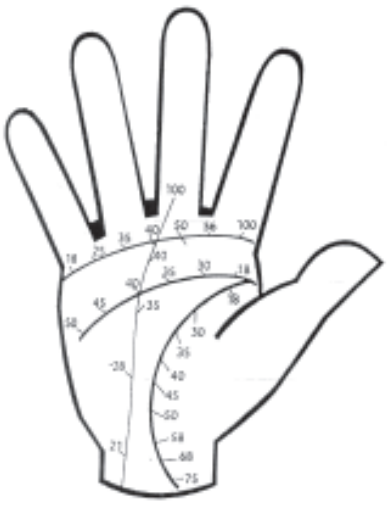

हाथों में आयु का हिसाब

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

हस्तरेखाएं सदैव सुबह से दोपहर तक देखनी चाहिए, प्रयत्न करना चाहिए रात में हाथ न देखें, दिन के समय प्रकाश की व्यवस्था समुचित होती है। हाथ देखते समय प्रकाश उचित मात्रा में होना चाहिए। मैग्नीफाईंग ग्लास व कलम समीप होने चाहिए।

कौन सा हाथ देखें

दोनों ही हाथ देखने चाहिए। अगर प्रथम हाथ में कुछ लक्षण स्पष्ट नहीं हैं, तो द्वितीय हाथ देखें। स्वनिर्भर व दायें हाथ से कार्य करने वाले स्त्री–पुरुषों का सदैव दायां हाथ देखना चाहिए तथा परनिर्भर, असक्षम व बायें हाथ से कार्य करने वाले स्त्री–पुरुषों का सदैव बायां हाथ देखें।

सचिन तेन्दुलकर अक्सर अपना बायां हाथ प्रयोग करते हैं, उनका बायां हाथ ही देखना होगा। किरण बेदी एक शक्तिशाली व स्वनिर्भर महिला हैं, उनका दायां हाथ देखना ही उचित होगा।

इस भ्रम में न पड़ें कि स्त्रियों का उल्टा हाथ देखना ठीक है, क्योंकि वे वामा हैं।

हाथ देखते समय सर्वप्रथम हाथ का प्रकार, रंग, उंगलियां, अंगूठा और नाखून देखने चाहिए। तत्पश्चात हाथ की प्रमुख रेखाएं व ग्रह देखने चाहिए।

विवरण देने से पूर्व अपने इष्टदेव को अवश्य स्मरण करें। यह स्मरण आत्मविश्वास, दृढ़ता व अतीन्द्रिय शक्तियों की ऊर्जा बढ़ाता है।

हाथ देखते समय की सावधानियां व नैतिक जिम्मेदारी

केवल एक रेखा या चिह्न से निष्कर्ष न निकालें, अन्य लक्षण भी देखें। प्रत्येक रेखा, ग्रह, चिह्न व लक्षण को देखें।

नवजात शिशुओं, हिंसक पागलों और हस्तरेखाओं का कुटिलता से मजाक उड़ाने वाले या शराबी व्यक्ति का हाथ देखने का प्रयत्न न करें।

हस्तरेखाविद् को आवश्यक तौर पर संवेदनशील, समानुभूतिपूर्ण तथा मनोवैज्ञानिक गुणों से परिपूर्ण होना चाहिए। किसी व्यक्ति को सदमा पहुंचाने वाली सूचना तुरन्त नहीं देनी चाहिए।

अधिकतर व्यक्ति धन, विवाह, कैरियर, पद, विद्या, संतान, रोग, मुकदमा, संपत्ति, परिवार, क्लेश, मधुर या अवैध संबंध, प्रेम, नौकरी, सुख, दुख इत्यादि के विषय में ही पूछताछ करते हैं , अतः इन्हीं विषयों पर ध्यान केन्द्रित रखें, अत्यंत गोपनीय, दुखदायक या निजी मुद्दों में हस्तक्षेप यथासंभव न करें।

जितना हो सके, विभिन्न प्रकार का हस्तरेखा साहित्य पढ़ें, यह अध्ययन ज्ञान, कुशलता व अनुभव की वृद्धि करता है।

अभ्यास

1. हथेली की मुख्य एवं गौण रेखाओं के नाम बतायें ?
2. हस्तरेखा विशेषज्ञ का दायित्व एवं व्यवहार बतायें ?
3. हाथ देखने का उचित समय एवं सामग्री लिखें ?
4. हस्तरेखा देखने में विशेषज्ञ को कौन–कौन सी परेशानियां सामने आती हैं ?

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 4

हाथों की बनावट और प्रकार

हस्तरेखाओं को सीखने या देखने के लिए केवल हाथ का नहीं अपितु हाथ की बनावट का भी ज्ञान होना आवश्यक है। इसके लिए सर्वप्रथम हाथ का बारीक परीक्षण करना चाहिए, जिसमें हाथ के आकार, बनावट, अंगुलियों, त्वचा, नाखूनों व रंग का निरीक्षण करना होता है। ये इस ज्ञान के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसमें लोगों के स्वभाव और आर्थिक स्थिति का पता आसानी से लगाया जा सकता हैं। हाथ मुख्यतः सात प्रकार के होते हैं।

1. चमसाकार हाथ

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, चमसाकार यानी चमचे के आकार का हाथ। इस हाथ की उंगलियां आगे से फैली हुई होती हैं। इन हाथों की अंगुलियों में छिद्र पाये जाते हैं तथा हाथों पर रेखाओं का जाल होता है। ये रेखाएं धीरे–धीरे पनपती हैं। ऐसे हाथों की रेखाओं में कोई न कोई दोष अवश्य पाया जाता है।

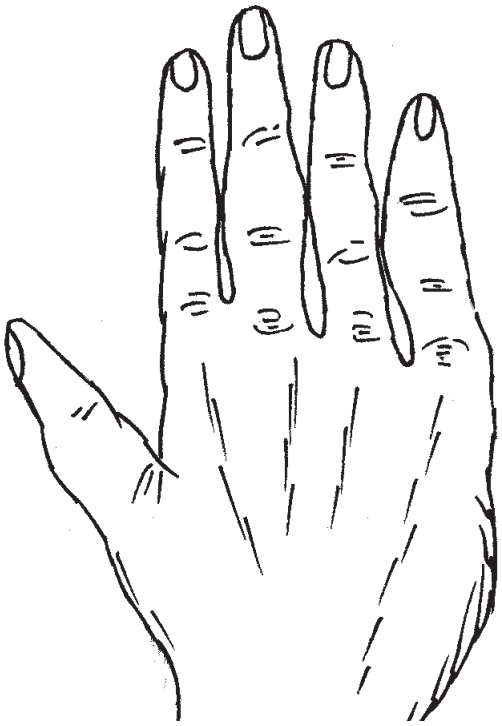

1. चमसाकार हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

ऐसे लोगों में व्यावहारिकता बहुत होती है। ऐसे लोग अपनी मनमर्जी करने वाले, किसी की बात बर्दाश्त न करने वाले होते हैं। ऐसे व्यक्तियों के जीवन में बड़ी अजीब–अजीब घटनाएं घटती हैं। ऐसे लोगों का जीवन अपने ही बलबूते पर बनता है।

अनेक कार्यों की इन्हें जानकारी होती है। ये प्रत्येक विषय पर थोड़ा बहुत काम करना चाहते हैं। ऐसे लोगों को अवसर तो बहुत मिलते हैं, किन्तु ये उनका पूर्णतया लाभ नहीं उठा पाते हैं। ये लोग बहुत ही लापरवाह किस्म के होते हैं।

चमसाकार हाथ वालों की सबसे नहीं निभती है। इनकी रिश्तेदारों से भी थोड़ी सी अनबन रहती है। जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, ये तरक्की करते जाते हैं। इन्हें नए–नए काम करने का शौक होता है तथा ऐसे लोग कई प्रकार की खोज भी कर डालते हैं। खाली बैठना इन्हें अच्छा नहीं लगता। इनके जीवन में गृहस्थ सुख का अभाव रहता है। अगर इनके हाथ में सूर्य व गुरु की उंगली ऊपर की तरफ से बराबर हो, तो इन्हें शायरी, जुए व तुकबंदी का शौक होता है। कभी–कभी इनके साथ वैसा ही घटित हो जाता है जैसा कि वह सोचते हैं। कभी–कभी जुए से इन्हें लाभ भी होता है। अगर गुरु की उंगली सूर्य की उंगली से छोटी हो, तो इन्हें हानि होती है।

अक्सर ऐसे लोग वैज्ञानिक, खोजकर्ता, ज्योतिषी होते हैं या पुलिस में पाये जाते हैं।

ऐसे लोग दूसरों की प्रशंसा कम तथा अपनी प्रशंसा सुनना अधिक पसंद करते हैं। इनकी संतान भी शुरू से ही तेज स्वभाव की पाई जाती है तथा अक्सर लापरवाह होती है। संतान के विचार मां–बाप से कम ही मिलते हैं, जैसा कि स्वयं इनके साथ ही होता है, या यूं कहें कि सबकी खिचड़ी अलग–अलग पकती है, चाहे आपस में इन्हें प्रेम भाव रहता हो। ऐसे लोगों के साथ मेल–जोल रखने से कोई हानि नहीं होती।

2. कोमल या नरम हाथ

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, कोमल हाथ अर्थात् नरम हाथ जो दिखने में कोमल होते हैं। इनका मन भी कोमल होता है। यह बहुत ही भावुक होते हैं। ऐसे लोग प्रायः बौद्धिक कार्य करने वाले होते हैं। इन्हें अपने जीवन में बहुत ही लाभ होते हैं जैसे लाटरी लग जाना, उपहार आ जाना आदि। अनजाने में भी लोग इनकी मदद करते देखे गये हैं।

ऐसे लोग प्रायः अध्यापक, वैज्ञानिक, फिल्मकार, निर्माता, समाज सेवक आदि होते हैं। ऐसे लोगों का स्वास्थ्य नाजुक रहता है। कोई न कोई छोटा मोटा रोग इन्हें अवश्य लगा रहता है। यह स्वास्थ्य की बहुत अधिक चिन्ता करने वाले होते हैं। अगर भाग्य रेखाएं हाथ में एक से अधिक हों, तो दान–पुण्य भी अवश्य करते हैं।

कोमल हाथ वाले यदि साथ में भारी हाथ भी रखते हों, तो उनका जन्म प्रतिष्ठित व धनी परिवार में होता है। जन्म से ही सभी सुख–सुविधाएं इन्हें मिल जाती हैं। इनका जीवन दूसरों को खुश करने तथा अपने काम को बढ़ाने में ही लगा रहता है। ऐसे लोग एक साथ कई–कई व्यवसाय करते देखे गये हैं। ये अक्सर

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

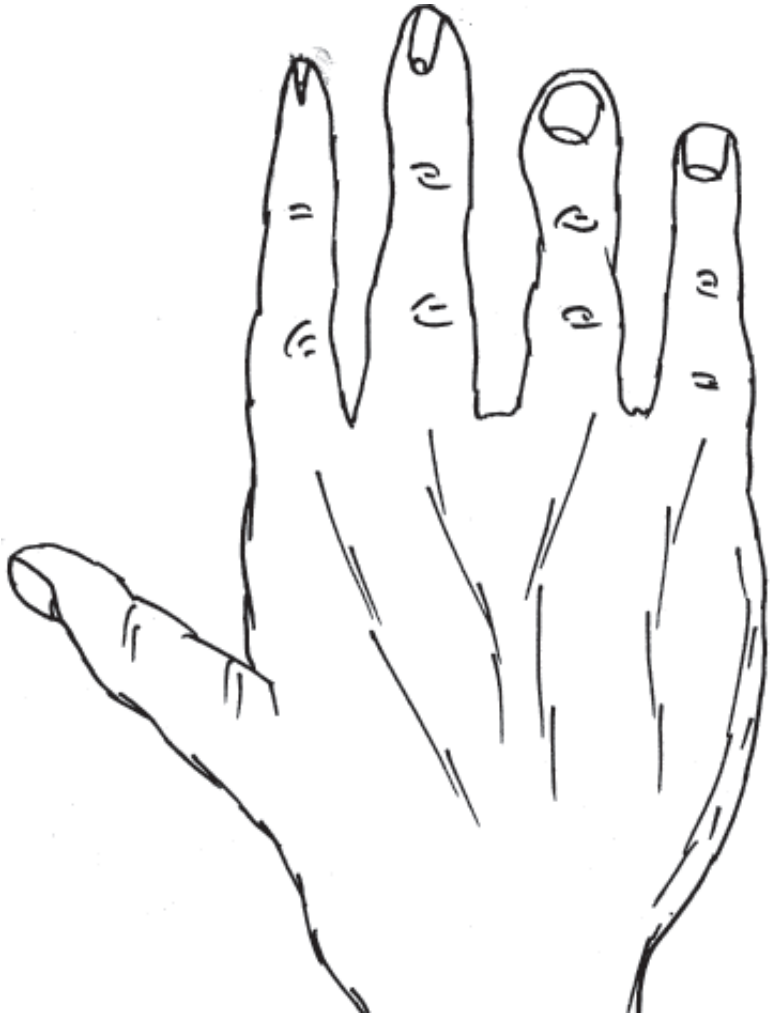

2. कोमल या नरम हाथ

मानसिक तनाव में देखे जाते हैं। इन्हें अपनी तरफ से लड़ाई–झगड़े करने का कोई शौक नहीं होता है। अगर सिर पर पड़ ही जाए, तो ये बड़ी कुशलता से उसका मुकाबला करते हैं। ये लोग दिमाग से भी तेज पाए जाते हैं। इन्हें अपने भले–बुरे की समझ होती है। इनका दिमाग बहुत ही कामुक होता है। अगर भाग्यरेखा में द्वीप बन जाये, तो इनके कई बार अनेक अनैतिक संबंध भी बन जाते हैं और ये चाह कर भी यह संबंध खत्म नहीं कर पाते हैं।

नरम हाथ वालों की संतान भी बहुत समझदार और सबसे घुल–मिल जाने वाली होती है। नरम हाथ वालों के संबंध बहुत प्रसिद्ध व सम्मानित लोगों के साथ होते हैं। अगर अन्य रेखाओं में कोई बड़ा दोष न हो तो ऐसे लोगों को पाकर समाज धन्य हो जाता है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

3. वर्गाकार हाथ

इस हाथ को चतुष्कोण या समकोण हाथ भी कह सकते हैं। यह हाथ भी अपने नाम से ही अपनी आकृति दर्शा रहा है अर्थात् वर्ग जैसा हाथ। ऐसे हाथ प्रायः उन लोगों के होते हैं, जो डॉक्टर, वकील, जज, उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, कथावाचक हों, अर्थात् बहुत सम्मानित व्यक्ति। ऐसे लोगों के हाथ बहुत सुन्दर, चौकोर होते हैं व सभी रेखाएं साफ सुथरी होती हैं या कोई भी बड़ा दोष लिए नहीं होतीं। ऐसे लोगों का जन्म अगर प्रतिष्ठित परिवार में न हो, तो भी वे बहुत तरक्की करने वाले होते हैं। अगर यह हाथ बहुत भारी हो, तो मानो तरक्की इनके लिए चल कर आती है। ऐसे लोगों के एक से अधिक व्यवसाय होते हैं।

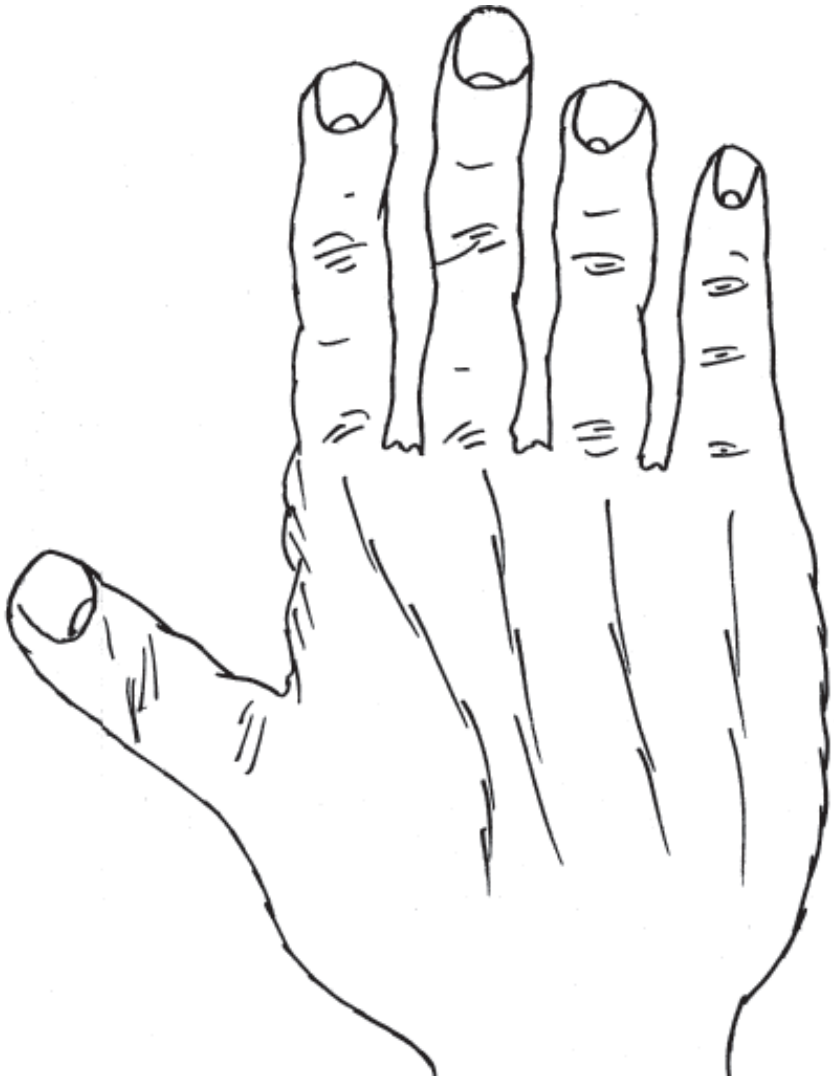

3. वर्गाकार हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

ऐसे लोग बहुत ही चतुर मस्तिष्क के व धनी होते हैं। इन्हें अपने परिवार का बहुत योगदान मिलता है। इनकी पत्नी भी इन्हें सहयोग देती है। अगर ऐसे लोग पार्टनरशिप में काम करते हैं तो अक्सर देखा गया कि पार्टनर इन्हें अच्छे ही मिलते हैं। इनके जीवन का अधिकांश समय अच्छा बीतता है। कभी–कभी इनका दिया हुआ उधार डूब जाता है। इन्हें सम्पत्ति से विशेष लगाव होता है तथा ये एक से अधिक सम्पत्ति का निर्माण भी करते हैं।

इनके जीवन के ठाठ निराले ही होते हैं और इन्हें प्रत्येक वस्तु 'स्टैन्डर्ड' की ही चाहिए होती है।

रोग के विषय में अगर कहा जाये तो, इनका शरीर ज्यादातर ठीक रहता है। अगर बीमार हो जायें, तो इन्हें ठीक होने में अच्छे खासे दिन लग जाते हैं। अगर शुक्र ग्रह पर अधिक रेखाएं हों, तो इन्हें दिल से संबंधित रोग व रक्तचाप की शिकायत हो जाती है। वर्गाकार हाथ वाले व्यक्ति बहुत ही स्वाभिमानी होते हैं। ऐसे लोगों को अगर कोई बात पसंद न आये तो, ये अपना नुकसान उठाने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें व्यर्थ का झगड़ा मोल लेने का शौक नहीं होता।

पैसों के मामले में ये बहुत ही समझदार होते हैं तथा सोच–समझकर खर्च करने वाले होते हैं। इन्हें फालतू खर्च करना पसंद नहीं होता। अगर भाग्य रेखाएं अधिक हों, तो यथासंभव दान पुण्य व दूसरों की मदद भी करते हैं। इन्हें जीवन में प्रायः सभी प्रकार के सुख मिलते हैं। अगर रेखाओं में दोष न हो, तो ये अपने साथ–साथ कुटुंब का भी कल्याण करने वाले होते हैं।

4. दार्शनिक हाथ

दार्शनिक हाथ वाले लोग चिन्तन करने वाले या अधिक सोच–विचार करने वाले होते हैं। ऐसे लोगों का हाथ समकोण हाथ से बहुत मिलता–जुलता है। इनकी उंगलियां लम्बी व सटी हुई होती हैं। इनका जीवन संघर्षपूर्ण होता है। इन्हें अपने जीवन के उत्तरार्ध में ही सफलता मिलती है।

इनके सोचने–विचारने तथा काम करने का अपना ही ढंग होता है। ये छोटी से छोटी बात को दिल में लगा लेते हैं। इनको प्रकृति से प्यार होता है। यह निष्पक्ष राय देने वाले व अपने कार्य को देर से अंजाम देने वाले होते हैं। इनके कार्यों में रुकावटें भी बहुत अधिक आती हैं। परंतु एक बार अगर काम शुरू हो जाता है तो फिर ज्यादा परेशानी नहीं आती। ऐसे व्यक्तियों की सोच अन्य लोगों से अलग होती है। ये क्या–क्यों में बहुत उलझे रहते हैं।

अगर चंद्र व शुक्र पर्वत उठे हुए हों तथा वहां अन्तर्ज्ञान रेखा हो, तो सोचने की हद ही हो जाती है। ऐसे लोग अपने दिमाग पर अंकुश नहीं लगा पाते। परिणामस्वरूप अगर अन्य लक्षणों के अनुसार भी हाथ दोषपूर्ण हों, तो दिमागी खराबी भी कई बार हो जाती है।

इनके विचार अपनी सन्तान से भिन्न होते हैं हालांकि ये मिलनसार स्वभाव के होते हैं। इनका स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं रहता, पर यह हाथ की प्रकृति के ऊपर भी निर्भर करता है कि हाथ छूने में कैसा है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

4. दार्शनिक हाथ

5. कोणिक हाथ

इस हाथ में अंगुलियों का झुकाव अंगूठे वाली दिशा की तरफ होता है। ऐसा लगता है मानो उंगलियां अंगूठे की तरफ गिर रही हैं। ये हाथ नरम, वर्गाकार, चमसाकार, आदर्शवादी या दार्शनिक किसी का भी रूप लिए हो सकते हैं।

ऐसे हाथ जिस किसी के भी हों, वह अपने जीवन में बहुत तरक्की करने वाला होता है। अगर हाथ भारी हों, तो ये मस्तिष्क के धनी भी होते हैं। ऐसे लोग अक्सर 'पार्टनरशिप' में काम करते हैं। बड़े–बड़े उद्योगपतियों या बौद्धिक कार्य करने वालों के हाथ भी इस प्रकार के पाये जाते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

इन्हीं की तरह इनकी संतान भी बहुत तेज होती है। अगर अंगुलियों पतली हों, तो ये बहुत ही समझदार होते हैं। कई बार नाहक ही बाल की खाल निकालने की वजह से ये अपने साथ–साथ दूसरों को भी परेशान कर देते हैं। अगर ऐसे हाथ में मस्तिष्क रेखा मंगल से मंगल तक हो तथा हाथ पतला या काला हो, तो ये लोग अपराधी भी होते हैं। ऐसे लोग किसी भी प्रकार का कार्य करते समय झिझकते नहीं हैं।

Future Point

5. कोणिक हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

6. आदर्शवादी हाथ

यह हाथ कुछ–कुछ वर्गाकार हाथ से मिलता–जुलता और भारी होता है। ऐसे हाथ कुछ वर्ग की आकृति लिए होते हैं। उंगलियां सटी हुई होती हैं। अंगूठा कुछ छोटा होता है (विशेष पहचान के लिए) जीवन रेखा व मस्तिष्क रेखा पूर्णतः निर्दोष नहीं होती। अन्य रेखाओं में, जैसे भाग्य रेखा में द्वीप या कोई अन्य दोष भी हो सकता है।

ऐसे हाथ वाले व्यक्ति जीवन में अन्त समय के करीब बहुत तरक्की करने वाले होते हैं। ऐसे लोगों का जीवन संघर्षमय होता है।

इनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं होता है, क्योंकि सभी रेखाएं स्पष्ट फल नहीं दिखातीं। ऐसे लोग अपने जीवन में कई बार तो बहुत ही तरक्की करते हैं।

अगर भाग्यरेखा पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो, तो इन्हें किसी के साथ मिलकर व्यापार नहीं करना चाहिए, अन्यथा इन्हें हानि ही होती है। ऐसे लोगों की संतान का स्वास्थ्य भी पूरी तरह से ठीक नहीं होता है। अगर भाग्यरेखा मोटी से पतली हो, तो इन्हें अपने जीवन में मेहनत का पूरा फल मिल पाता है, नहीं तो काफी समय तक मध्यम स्तरीय जीवन ही व्यतीत करते हैं।

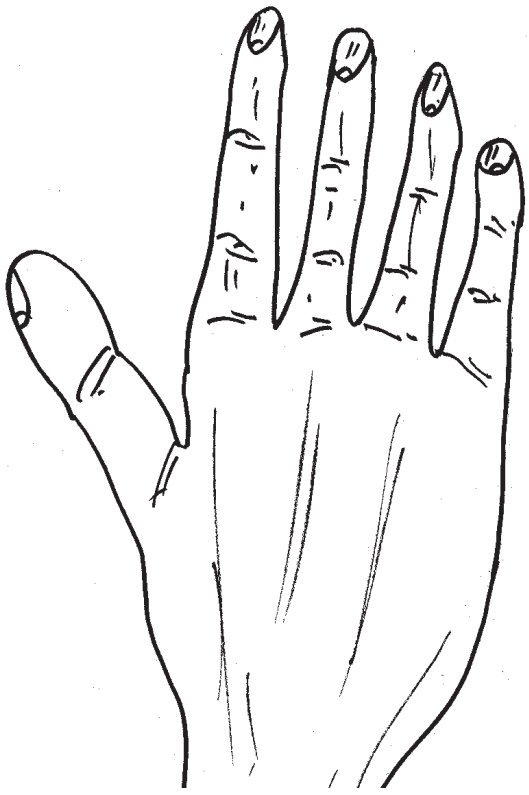

6. आदर्शवादी हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

7. छोटा हाथ

जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है छोटा हाथ, अर्थात जो हाथ दिखने में छोटा हो व उसकी हथेली तथा उंगलियां दोनों ही छोटी हों, उसे छोटा हाथ कहते हैं

ऐसे व्यक्ति सफल राजनीतिज्ञ, व्यापारी व सर्वोत्तम पदों पर कार्यरत होते हैं। छोटे हाथ वालों की बौद्धिक विशेषता अलग ही प्रकार की होती है। ऐसे लोग ऐसा कोई काम नहीं करते जिसमें उनके समय व धन का अकारण नाश हो। वे वहां पर ही दो पैसे लगायेंगे जहां चार पैसे आने की उम्मीद हो। इनका उद्देश्य हमेशा इनके सामने रहता है, पर ऐसा तभी संभव है जब हाथ भारी हो।

हाथ छोटा हो तथा उंगलियां पतली हों, तो वे बहुत ही बुद्धिमत्ता से काम लेने वाले होते हैं। अगर मस्तिष्क रेखा निर्दोष हो तो अति उत्तम। ऐसे लोग दूसरों को तो बुद्धू बना सकते हैं, पर स्वयं इन्हें बुद्धू बनाना अति कठिन कार्य है। ऐसे व्यक्ति जल्दी घबराते नहीं हैं। अगर इस हाथ में मस्तिष्क रेखा एक मंगल से निकल कर दूसरे मंगल तक पहुंचती हो, तो ऐसे लोग अपना बदला लेकर ही दम लेते हैं।

ऐसे व्यक्ति कुशलता व चतुराई से काम लेने वाले होते हैं, जिससे जैसा बनता है वैसा ही व्यवहार करने वाले होते हैं। अगर हाथ का रंग काला हो, तो धोखाधड़ी या हेराफेरी से धन कमाने वाले होते हैं। अगर इस हाथ में भाग्यरेखाएं एक से अधिक हों तो कभी–कभार दिखावे के लिए ही सही दान–पुण्य या किसी की मदद भी कर देते हैं।

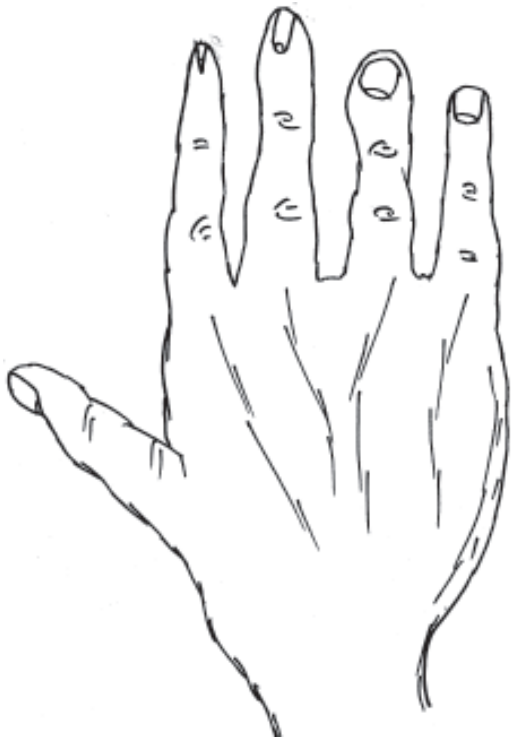

7. छोटा हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

8. प्रारम्भिक हाथ

प्रारम्भिक हाथ के स्वामी प्रायः या तो सीमित बुद्धि के स्वामी होते हैं या फिर कम बुद्धि होती है, ऐसे लोगों का निम्न या साधारण व्यक्तित्व होता है। इस प्रकार के हाथ वाले कुछ जातक अपराधी, और बुद्धिहीन होते हैं। इनकी मानसिक क्षमता न के बराबर होती है क्योंकि जो थोड़ी बहुत बुद्धि इनमें होती भी है, उसका ये उपयोग नहीं कर पाते तथा परिश्रम करने में भी ये लोग पीछे होते हैं।

ऐसे लोगों का हाथ देखने पर सरलता से ज्ञात हो जाता है कि तर्क और विचार नाम की वस्तु इनके पास नहीं होती है। सिर्फ पीना, खाना, और वासना इनके जीवन का मुख्य उद्देश्य होता है। इस प्रकार की हथेली सामान्य वर्ण की अधिक पायी जाती है तथा अंगुलियाँ छोटी और कड़ी होती हैं। इनमें आवेग अधिक पाया जाता है तथा उसका नियन्त्रण करना इनके लिए बहुत कठिन होता है। ये लोग इस तर्क को मानते हैं कि– **यावज्जिवेत् सुखं जिवेत् ऋणं कृत्वा घृतं पिवेत्।** जब तक जियो सुखी जियो ऋण लेकर घी पियो। यही इनका आदर्श वाक्य होता है। रंग, रुप, और संगीत पर ये ज्यादा गौर फरमाते हैं स्वास्थ्य और अध्ययन को बेकार समझते हैं। किसान, मजदूर, कारीगर, श्रमिक फेरी वाला, नाविक, कसायी, आदि लोगों का हाथ इसी प्रकार का होता है ऐसे हाथों की अंगुलियों का नाखून छोटे होते हैं। अगर ऐसा हाथ अध्ययन किया जाय, तो प्रायः अंगुलियों की लम्बाई लगभग हथेली के बराबर होती है। अगर हथेली की अपेक्षा अंगुलियों की लम्बाई अधिक होगी, तो बौद्धिक क्षमता अधिक होगी। कभी–2 कुछ हाथ अविकसित होते हैं, जिनमें रेखाओं का अभाव होता है। अगर ऐसी स्थिति में गहन अध्ययन किया जाय तो यह हिंसक प्रवृत्ति उत्पन्न करने वाला हाथ कहा जा सकता है। इनमें इच्छाओं और कार्यों पर कोई नियन्त्रण नहीं होता है रुप रंग सौंदर्य आदि के प्रति भी ज्यादा रुचि नहीं होती है तथा कुछ लोगों में धूर्तता भी पायी जाती है।

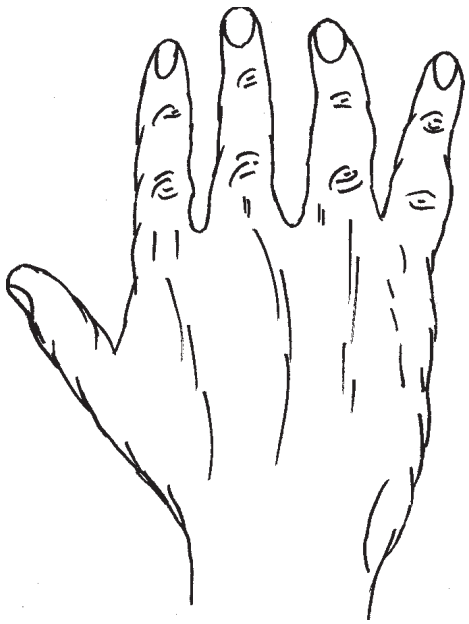

8. प्रारम्भिक हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

9. कर्मठ हाथ

कर्मठ हाथ का ऊपरी हिस्सा (अंगुलियों का क्षेत्र) कुछ नुकीला होता है तथा मणिबन्ध और शुक्र (चन्द्र पर्वत के आस–पास का भाग) मांशलयुक्त एवं चौड़ा होता है। ऐसे हाथों के जातक अधिक समय तक लगातार कार्य करने में असमर्थ होते हैं। बौद्धिक, कलात्मक कामों में ऐसे लोग ज्यादा सफल पाये गये हैं इन्हें स्वतन्त्र कार्य करने में ज्यादा रुचि होती है तथा किसी भी नये कार्य को परिश्रम पूर्वक पूरा करते हैं। ऐसे हाथ के स्वामी पूरे भारत में पाये जाते हैं, इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण विश्व में पाये जाते हैं। ऐसे हाथ में अंगूठे और तर्जनी के मध्य ज्यादा खाली स्थान होने पर दया, प्रेम तथा मानवीय गुण ज्यादा होता है।

इनमें यह विशेषता भी पायी जाती है कि कभी–2 अपना कार्य बड़ी चालाकी से दूसरों द्वारा सम्पन्न करवा लेते हैं। सुख–दुख का इन्हें ज्ञान होता है तथा देशभ्रमण करने के शौकीन भी होते हैं। इनमें कार्य के समय उत्साह नजर आता है। पराविज्ञान में इनकी न ही आस्था होती है न प्रेम तथा धर्म, योग आदि विषयों में पीछे होते हैं। अगर अंगुलियां नरम होंगी तो थोड़ा चिड़चिड़ापन होगा। अगर यही अंगुलियाँ चपटी होगी तो नौकरी और सेवा कार्य की ओर ज्यादा झुकाव होगा। ऐसे हाथों के लोग भारत में हिमालय की पहाड़ियों तथा उत्तरी क्षेत्रों में ज्यादा पाये जाते हैं।

ऐसे जातक कार्य करके अपने आप को संतुष्ट पाते हैं, यह हाथ जब अधिक भारी हो जाता है तो जातक को निराश एवं काम चोर बनाता है। यदि ऐसे हाथ की उंगलियां अधिक लम्बी हों तो जातक मनमानी तथा कट्टरवादी होता है। ऐसे हाथ की रेखायें सामान्य पायी जाती है।

9. कर्मठ हाथ

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

10. मिश्रित हाथ

जिस हाथ में कई प्रकार की अंगुलियाँ पाई जाती हैं उसे मिश्रित हाथ कहते हैं। इस हाथ की उंगलियां किसी एक प्रकार की नहीं होती हैं। इसमें शुभ और अशुभ दोनों गुण विद्यमान होते हैं। ऐसे जातक एक ओर दयालु होते हैं और दूसरी ओर क्रोधी होना इनका स्वभाव होता है। बार–2 परिवर्तन इनकी विशेषता होती है। समाज में ऐसे जातक का कोई सम्मान नहीं होता तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कठिनता उत्पन्न होती है। ऐसे हाथों को किसी एक श्रेणी में नहीं सामिल किया जा सकता है। मिश्रित हाथ के स्वामी चतुर तो होते हैं परन्तु बुद्धि का प्रयोग करते समय संयमित नहीं होते हैं।

ऐसे जातक अपने जीवन में कई तरह के कार्य एक साथ ही करते हैं तथा उसे अंजाम देने के समय कदम लड़खड़ा जाता है और स्वतः ही हानि कर बैठते हैं। ऐसे हाथ की अनामिका अगर बड़ी होती है, तो ऐसे जातक जुआ, सट्टा, लाटरी आदि कार्य करते हैं। इनके स्वतः के विचारों में विभिन्नता होती है तथा दूसरे के विचारों को सहजता से स्वीकार करते हैं। हर प्रकार के कार्य में खुश रहते हैं और जन समूह में ज्यादा तर्क–वितर्क करने से बचते हैं। लेकिन ऐसे जातक अलग–अलग लोगों से बातें करके सबको उल्लू बना सकते हैं। इनके अंगूठे का आकार छोटा होता है तथा इनका चित्त स्थिर नहीं होता है। प्रत्येक कार्य को अंजाम देने से पूर्व मध्य काल में स्थगित कर देना इनका स्वभाव होता है। ऐसे स्वभाव के परिणाम स्वरूप ऐसे जातक को असफलता ही हाथ आती है और जीवन में निराशापन ज्यादा होता है। इनके जीवन में सफलता के लिए अधिकाधिक संघर्ष होता है।

10. मिश्रित हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

टुन्डा व्यक्ति अथवा हाथ विहीन व्यक्ति

अगर किसी व्यक्ति का एक हाथ ही न हो, तो उसके दूसरे हाथ या पांव की रेखाएं देखनी चाहिए। आम तौर पर हाथविहीन व्यक्ति दुःखी जीवन व्यतीत करने वाला होता है। वह कलाकार भी हो सकता है और छठी इन्द्रीय भी उसमें औरों से अधिक होती है। अक्सर हाथविहीन लोग हिम्मत न हारते हुए किसी न किसी कला या हुनर में निपुणता हासिल कर लेते हैं और नाम व धन कमा लेते हैं। किन्तु कुछ हाथविहीन व्यक्ति जीवन से हार मान लेते हैं।

यहां उल्लेख आवश्यक है कि हाथ का अलग होना दुर्भाग्य से जुड़ी घटना हो सकती है, किन्तु हाथविहीन होने के पश्चात खुद को असहाय, बेचारा, दयनीय बना लेना व्यक्ति का अपना दोष है, हस्तरेखाओं का नहीं। अगर अंगविहीन व्यक्ति का इरादा, संघर्ष, प्रयत्न व हौसले मजबूत हों, तो भाग्य की गलत रेखाएं भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकतीं। अखबारों–पत्रिकाओं में ऐसे अंगविहीन व्यक्तियों की खबरें अक्सर आती रहती हैं, जो अपनी मेहनत, कोशिश और मजबूत इरादों के बल पर सफल खिलाड़ी, लेखक, गीतकार, गायक, चित्रकार, पर्वतारोही, टेक्नीशियन, नर्तक इत्यादि बने।

तात्पर्य यह कि अंगविहीन व्यक्ति में परमात्मा अतिरिक्त दैवीय शक्ति भर देता है, जिसके उपयोग से वह विधि का विधान भी बदल सकता है।

छह उंगलियों वाला हाथ

यदि हाथ भारी हो, सभी रेखाएं साफ सुथरी हों, हथेली गुदगुदी हो, रंग गुलाबी हो, हाथ में अंगूठा डबल हो, तो ऐसे लोग जिस भी काम में हाथ डालते हैं, कामयाबी तुरंत मिल जाती है। वर्तमान में रितिक रोशन इसके उदाहरण हैं, भूतकाल में किंग नीशे।

किसी भी उंगली के साथ अगर एक और उंगली हो, तो जीवन संघर्षपूर्ण, मेहनत भरा, लांछनों से भरा रहता है। काफी कोशिश करने के बाद ही इन्हें कामयाबी मिलती है। किन्तु अगर हाथ में रेखाएं व ग्रह प्रबल हों, तो व्यक्ति सफल जीवन भी बिता सकता है।

चार उंगलियों वाला हाथ

हाथ में अगर कुल 4 उंगलियां हों, तो ऐसे लोगों के जीवन में अस्थिरता रहती है, पैसे खूब आते और जाते हैं। ये धनी हों, तो लोग इनका शोषण करते हैं। ये लोग नाम–यश अच्छे कमा लेते हैं। किन्तु ये लोग तनाव का शिकार रहते हैं। ध्यान रहे, हाथ में अन्य लक्षण होने पर चार उंगलियों वाले व्यक्तियों का जीवन अभावहीन या तनावहीन भी संभव है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

बहुत अधिक रेखाओं वाला हाथ

हाथ में बहुत अधिक रेखाएं हों तो वे दो प्रकार की होती हैं:–

1. मोटी–मोटी रेखाएं : हाथ में यदि मोटी–मोटी रेखाओं का जाल बनता हो, सभी रेखाएं एक दूसरे को काटें, तो यह अच्छा लक्षण नहीं है। खासकर यदि मोटी रेखाएं हृदय रेखा से गिर कर मस्तिष्क रेखा या जीवन रेखा को काटें, तो इससे मनुष्य के जीवन में सफलता का मार्ग अवरुद्ध हो जाता है, अन्य रेखाएं बहुत अच्छी हों, ऊबड़ खाबड़ न हों, हाथ भारी हो, तो अधिक रेखाओं का दोष कम हो जाता है।

2. बारीक रेखाएं : यदि हाथ में बारीक रेखाएं बहुत ज्यादा हों, हाथ सख्त भी हो, तो जीवन में कई प्रकार की समस्याएं, तनाव, उलझनें, परेशानियां, संघर्ष व असफलताएं आती हैं।

जला हाथ होने पर

हाथ जलना दुर्भाग्यवश एक दुर्घटना है। ऐसा देखा गया है कि जले हाथों वाले लोग पेशे से जूस विक्रेता, मैकेनिक, फोटोफ्रेम मेकर या कारीगर मजदूर थे।

जले हाथ से रेखाओं पर फर्क नहीं पड़ता। कुछ मुद्दत या अवधि पश्चात रेखाएं फिर यथावत अपना स्थान बना लेती हैं।

ऐसे हाथों को यथासंभव माइक्रोस्कोप या माइक्रो मैग्नीफाइंग ग्लास से देखा जाना चाहिए।

अभ्यास

1. मु.ख्यतः कितने प्रकार के हाथ पाये जाते हैं ?
2. दार्शनिक हाथ का गुण स्पष्ट करें ?
3. मिश्रित हाथ के स्वामी स्वभाव से कैसे होते हैं ?
4. पूर्वी देशों में अधिकांशतः किस प्रकार के हाथ पाये जाते हैं ?
5. चमसाकार और कलात्मक हाथों के गुण और स्वभाव में क्या अंतर पाया जाता है ?
6. छोटे हाथ के स्वामी की क्या विशेषता होती है ?
7. हाथ में पायी जाने वाली उंगलियों की संख्या छः होने से जातक पर क्या प्रभाव होता है ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 5

उंगलियां और नाखून के प्रकार

हथेली में जिस प्रकार रेखाएं अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं, उसी प्रकार उंगलियों का महत्व भी कम नहीं है। अगर किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में जानना चाहते हैं और वह हाथ दिखाने में संकोच करता हो और उसके बावजूद आपके मन की जिज्ञासा शांत नहीं हो रही हो, तो उसकी अंगुलियों को देखकर उसके स्वभाव के बारे कुछ हद तक सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अंगुलियों की लम्बाई, मोटापन, पतलापन, तिरछापन, सीधापन या टेढ़ापन ध्यानपूर्वक देखना होता है।

1. लम्बी उंगलियां

लंबी अंगुलियां वालों चाहे वह स्त्री हो या पुरुष, का स्वभाव दूसरों की मदद करने वाला होता है। अपने प्रति थोड़े लापरवाह होते हैं। ऐसे लोग अपनी जिन्दगी अपनी ही तरह से जीने वाले होते हैं। ये बहुत आसानी से किसी में भी घुलमिल जाते हैं। अगर ये उंगलियां पतली भी हों, तो इनकी समझ का क्या कहना। ये सबके साथ निष्पक्ष व्यवहार करते हैं। अपनी शक्ति के अनुसार सभी की मदद करने के कारण इनका गृहस्थ जीवन कोई विशेष सुखी नहीं होता। ऐसे लोग जब किसी की आर्थिक मदद करते हैं, तो नुकसान ही उठाते हैं। अगर उंगलियां मोटी हों तो इनसे स्वतः भी गलतियां होती रहती हैं और इनके कामों में थोड़ी बहुत अड़चन भी आती रहती है। अगर अंगूठा आगे की तरफ से थोड़ा फैला हुआ (चपटा) हो, तो अड़चनें कुछ ज्यादा आती हैं जिससे इनका मन थोड़ा परेशान सा रहता है।

ऐसे लोगों को दूसरों के मसले हल करने का शौक होता है। अगर शुक्र ग्रह हथेली में थोड़ा उठा सा हो, तो मस्तिष्क वासनामय होता है। परंतु अगर गुरु ग्रह उठा हो, तो ये अपनी वासना को दबा कर रखते हैं। अगर हथेली में चंद्र पर्वत भी उठा हो और साथ में शनि ग्रह भी उन्नत हो, तो प्यार, हमदर्दी व लगाव की भावना इनके मन में ज्यादा होती है। इनका मन कभी भी झगड़े की पहल नहीं करता। हमेशा शांति बनाये रखना ही इनका ध्येय होता है। इसलिए इनका कोई नुकसान भी हो जाये, तो सह लेते हैं।

अगर लड़कियों की उंगलियां लम्बी और थोड़ी सी मोटी हों तो, इन पर विपरीत लिंग का प्रभाव बहुत जल्दी पड़ता है और यह बड़ी जल्दी किसी से प्रभावित हो कर द्रवित हो उठती हैं। फलस्वरूप इनसे कई बार गलत काम भी हो जाते हैं, क्योंकि इनसे इनकार नहीं किया जाता। ऐसे लोगों को बहुत ज्यादा लालची नहीं कहा जा सकता। किंतु, अगर गुरु ग्रह प्रबल हो, तो कभी–कभी लालच की भावना बहुत प्रबल हो जाती है।

2. पतली उंगलियां

जैसा कि ऊपर लम्बी उंगलियों का वर्णन किया गया है, लम्बी होने के साथ–साथ उंगलियां अगर पतली भी हों तो लोग बहुत ही समझदार होते हैं। यानि हाथ किसी भी प्रकार का हो, सीधी और पतली उंगलियां

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अच्छे–बुरे का फैसला करने का निर्णायक और बुद्धिमत्ता की परिचायक हैं। इसके साथ–साथ अगर अंगूठा भी पतला हो तो इन पर प्रकृति मेहरबान रहती है। इनके कार्यों में अड़चनें भी कम आती हैं। अगर पतली उंगलियों के साथ–साथ बुध ग्रह उठा हुआ हो और यह उंगली टेढ़ी हो, तो इनके अंदर परख शक्ति, चतुरता, चालाकी भी कमाल की होती है।

अगर हाथ में भाग्यरेखाएं एक से अधिक हों तो यथासंभव दान–पुण्य व सामाजिक कार्य करने वाले भी होते हैं। अगर गुरु की उंगली लम्बी हो, अन्य उंगलियां पतली और छोटी हों तो ऐसे व्यक्तियों की संतान उत्तम होती है। ऐसे व्यक्तियों को कई प्रकार के पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जाता है। ऐसे व्यक्तियों में सम्मान की भावना भी बहुत अधिक पाई जाती है, जिससे वे कोई अनैतिक कार्य नहीं कर पाते हैं और अपनी भावनाओं को दबा कर रखने वाले होते हैं।

3. छोटी उंगलियां

वैसे तो उंगलियां हमेशा हथेली से छोटी होती हैं, पर आधी या चौथाई इंच छोटी हों (हथेली से) तो छोटी उंगलियां कहलाती हैं।

छोटी उंगलियों वाले लोगों को दोस्ती या ज्यादा भाईचारे रखने का शौक नहीं होता है। अगर बनाते भी हैं तो अपना फायदा देखते हुए ही दोस्ती करते हैं। ऐसे लोग हमेशा फायदा ही उठाते हैं। यह बात अलग है कि किसी रेखा या ग्रह चाल की वजह से इनका नुकसान हो रहा हो।

ऐसे लोग कोई भी काम बगैर फायदे के नहीं करते हैं। अगर मकान खरीदेंगे तो सोचेंगे कि इसको कर्मिशियल करके कैसे लाभ लें या बच्चों को पढ़ायेंगे तो पूरा–पूरा हिसाब रखते हैं कि यह क्या बनेगा, उससे कितना फायदा होगा। अगर उंगलियां मोटी हों तो अनैतिक कार्य करने वाले होते हैं और अगर पतली हों तो अपना मतलब किसी न किसी न किसी तरह से निकाल ही लेते हैं। अगर ऐसे लोग राजनीति में हों या समाजसेवक हों तो अपना लाभ भी हमेशा सामने रखकर चलते हैं और इन्हें फायदा भी होता है। इनके परिवार में सभी लोग प्रायः चालाक देखे जाते हैं। हाथ भारी हो और उंगलियां पतली हों तो विशेष सफलता पाते हैं। इन्हें अपना समय बड़ा कीमती लगता है। ये व्यर्थ के झगड़े निपटाने में रुचि नहीं लेते और बीच सड़क में फंसे हुए किसी की मदद बहुत कम ही करते हैं। ऐसे लोग अपना काम स्वयं करो की नीति पर चलने वाले होते हैं। दूसरों पर निर्भर रहना इन्हें पसंद नहीं होता। वैसे यह समझदार भी बहुत होते हैं। फालतू खर्च न करने की वजह से इनके पास पैसे नकद भी पाये जाते हैं।

4. मोटी उंगलियां

सभी प्रकार की उंगलियों का वर्णन करने के साथ–साथ मोटी उंगलियों के बारे में भी समझने की थोड़ी बहुत कोशिश की जाए। इस प्रकार की उंगलियों में कुछ विशेष लक्षण लोगों में होते हैं जैसे कि ऐसे लोगों का मस्तिष्क कुछ कम विकसित होता है। इससे कुछ दुर्गुण इनके अन्दर आसानी से पनप जाते हैं। ऐसे लोग क्रोधी, लापरवाह, मूडी व चिड़चिड़े होते हैं। दया आ जाये तो क्या कहने। ऐसे लोग अक्सर मेहनत करने वाले होते हैं जैसे किसान, मजदूर आदि।

इन लक्षणों के साथ–साथ अगर अंगूठा भी छोटा और मोटा हो तो गुस्से में इन्हें अपने–पराये का ज्ञान

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

नहीं होता। अगर अंगूठा छोटा भी हो तो अपनी करने वाले होते हैं तथा नुकसान उठाने वाले होते हैं। इसके साथ–साथ अगर अंगूठा थोड़ा कम खुलता हो यानी हथेली की तरफ झुकने वाला हो तो इन्हें अपने जीवन में लाभ कम ही होते हैं।

अगर उंगलियां इस लक्षण के साथ–साथ लम्बी हों और अंगूठा अत्यधिक मोटा न हो तो, इन्हें सफलता जरूर मिलती है।

ऐसे व्यक्तियों को एक जगह टिक कर काम करने का शौक नहीं होता। इस कारण कभी एक काम की तलाश में तो कभी किसी दूसरे काम की तलाश में रहते हैं। शुक्र अगर अधिक उठा हो तो बहुत ही कामुक स्वभाव के होते हैं। अपनी वासना को तृप्त करने के लिए ये अजीबो–गरीब तरीके अपनाते हैं। इनके पत्नी के साथ भी संबंध अच्छे नहीं देखे जाते हैं। इनके बच्चे भी कुछ लापरवाह होते हैं। स्वयं को या बच्चों को अध्ययन में भी थोड़ी बहुत रुकावटें आती हैं। ऐसे लोगों से बहुत ही सोच–विचार कर मेलजोल रखना चाहिए।

इसके अतिरिक्त उंगलियों की लम्बाई या कौन सी उंगली किस उंगली से बड़ी या छोटी है, इसका ध्यान रखना भी अत्यावश्यक है। उंगलियों के मध्यमा से छोटे–बड़े होने या तर्जनी का सूर्य की उंगली से बड़ा या छोटा होना भी काफी महत्वपूर्ण बातें बताता है।

जैसे तर्जनी उंगली अनामिका उंगली से बड़ी हो और हाथ में किसी प्रकार के खराब लक्षण हों तो यह थोड़ी बहुत कमी अवश्य करते हैं। ऐसे लोगों के दुर्गुण थोड़े से गुणों में बदल जाते हैं। ये अपना कर्तव्य निभाने वाले, जिम्मेदारी को समझने वाले होते हैं। ये अगर किसी के लिए कुछ करते हैं तो इन्हें फल अवश्य मिलता है।

ऐसे लोग धार्मिक व सात्विक प्रवृत्ति वाले होते हैं। अगर हाथ भारी व कोमल हो, तो स्वयं तथा इनकी संतान भी काफी योग्य होती है। यदि यह किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में भाग लेते हैं तो इन्हें सम्मान अवश्य मिलता है।

इसके विपरीत अगर तर्जनी उंगली अनामिका उंगली से छोटी हो, तो इन्हें समाज में यश कम मिलता है। हाथ मध्यम हो तो ऐसे व्यक्ति दयालु भी देखे जाते हैं। इन्हें छोटी–छोटी बात पर गुस्सा भी बड़ी जल्दी आ जाता है। यही लक्षण अगर पतले हाथ में हो, तो ऐसे लोग अनैतिक कार्य करने वाले भी होते हैं।

इनका विवाहित जीवन ठीक–ठाक होता है। अगर हाथ में अन्य दोष हों जैसे शुक्र उठा हो व भाग्यरेखा में द्वीप हो तो ऐसे लोगों के संबंध एक से अधिक लोगों से होते हैं। अगर तर्जनी उंगली थोड़ी सी तिरछी हो तो इन्हें अपने खानदान या संतान की तरफ से भी परेशानी उठानी पड़ती है।

मस्तिष्क रेखा बहुत अच्छी हो और हृदय रेखा जंजीराकार हो तथा बुध की उंगली तिरछी हो, तो धोखाधड़ी या ऊटपटांग कार्य करने से धन लाभ होता है। अगर गुरु की उंगली या तर्जनी उंगली छोटी हो, तो ऐसे लोग विश्वास के काबिल नहीं होते। इन लक्षणों में हाथ का भारीपन या मोटापन भी काफी महत्व रखता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

5. मध्यमा उंगली

मध्यमा उंगली भी विशेष महत्व रखती है। यह शनि ग्रह के ठीक ऊपर होती है। प्रबल, सीधी और लम्बी होने पर जैसे सोने पे सुहागे का काम करती है। ऐसे व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति अच्छी रहती है। स्वभावतः ऐसे लोग धार्मिक व दानी होते हैं। इन्हें सत्संग सुनना, संगीत सुनना भाता है तथा जानवरों के प्रति इनकी रुचि होती है। मस्तिष्क रेखा लम्बी होकर चंद्रमा पर चली जाये तो इनका स्वभाव दार्शनिक जैसा हो जाता है। इनकी सहित्य या लेखन में रुचि होती है।

अगर मध्यमा उंगली थोड़ी सी टेढ़ी हो या इसका झुकाव साथ वाली उंगली पर हो, तो इनके जीवन में किसी न किसी प्रकार की अशांति बनी रहती है। पारिवारिक सदस्यों के साथ इनके संबंध बहुत मधुर नहीं होते हैं। अगर शुक्र ग्रह थोड़ा सा उठा हुआ हो, तो इन्हें फिल्मों में रुचि रहती है। हाथ अच्छा हो, तो ये सम्मानित भी होते रहते हैं।

6. अनामिका उंगली

सभी उंगलियों का सीधा होना एक बहुत अच्छा लक्षण है। उसी प्रकार अनामिका उंगली अगर सीधी हो, तो भी कई महत्वपूर्ण लक्षण उभर कर आते हैं। जैसे व्यक्ति के सम्मानित होने का योग, पारिवारिक संबंध ठीक होना आदि। अन्य उंगलियां भी सीधी हों तो ऐसे लोग लेखक, साहित्यकार, तथा किसी क्षेत्र में कार्यरत होकर प्रसिद्ध भी होते हैं। अगर तर्जनी और अनामिका बराबर हों, तो इन्हें भक्ति करने या धार्मिक विचारों को ग्रहण करने का शौक भी होता है।

मध्यमा उंगली भी सीधी हो तो इन्हें अपने जीवन में दूसरों की मदद करने का श्रेय भी मिलता है।

अगर तर्जनी और अनामिका बराबर हों, तो न काहू से दोस्ती न काहू से बैर जैसा स्वभाव होता है।

7. कनिष्ठिका उंगली

इसका भी अन्य उंगलियों की तरह अपना महत्व है। इस उंगली का अन्य उंगलियों की तरह सीधा होना बहुत अच्छी बात नहीं है, क्योंकि यह उंगली सीधी होने पर व्यक्ति भी बहुत सीधा होता है और जीवन में कई बार पीछे रह जाता है। अगर हाथ में चालाकी के लक्षण न हों, तो यह जीवन में थोड़े पीछे रह जाते हैं। अगर यही उंगली थोड़ी सी टेढ़ी हो तो अवसर देखते हुए अपना काम बना लेते हैं। इनके परिवार के साथ संबंध बहुत अच्छे नहीं पाये जाते हैं।

अगर यह उंगली साधारण से भी छोटी हो, तो इनके जीवन में संघर्ष बहुत होता है। अगर यह टेढ़ी हो तो, ऐसे लोग गुप्त रहस्य ढूंढ़ निकालने में सफल होते हैं। अगर यह टेढ़ी हो तो व्यक्ति चालाक व तरकीब से काम निकालने वाला होता है। अगर हाथ में मस्तिष्क रेखा अच्छी हो, व राहु रेखाएं ज्यादा न हों, तो इन्हें अपने जीवन में हानि के अवसर कम ही मिलते हैं।

अगर हाथ का रंग काला हो, मस्तिष्क रेखा साफ सुथरी हो, उंगली टेढ़ी हो, बुध पर क्रास का चिह्न बना हो, हृदय रेखा जंजीराकार हो तो अनैतिक कार्य करने वाले होते हैं। ऐसे लोग झूठ बोलने वाले व धोखेबाज भी होते हैं।

अक्सर राजनीतिज्ञों , साहित्यकारों, कथावाचकों या बड़े–बड़े व्यापारियों के हाथ की कनिष्ठिका उंगली टेढ़ी होती है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

उंगलियों से व्यक्ति की पहचान

प्रसिद्ध शायर अली सरदार जाफरी ने कहा है– 'इन्सानी शख्सियत में मुझे सबसे ज्यादा इन्सान के हाथ पसंद हैं। दोस्ती करते समय हाथ सबसे पहले आगे बढ़ते हैं और दुश्मनी में भी हाथ ही हमला करने में मदद करते हैं।'

जब हम एक दूसरे से मिलते हैं तो हाथ मिलाकर स्वागत करते हैं। स्वागत की इस परम्परा के सूत्रपात के पीछे शायद यही कारण रहा होगा कि इससे हम एक दूसरे के व्यक्तित्व से काफी हद तक परिचित हो सकते हैं। हाथों की उंगलियां विशेष रूप से किसी भी व्यक्ति के स्वभाव की सबसे अच्छी पहचान हैं। यद्यपि इन उंगलियों के आधार पर कोई ज्योतिषी ही किसी के स्वभाव का सही आकलन कर सकता है, लेकिन एक आम नागरिक भी यदि ज्योतिष में थोड़ी बहुत रुचि रखता है, तो किसी आदमी की पहचान अच्छी तरह कर सकता है। इस सम्बन्ध में कुछ सूत्रों का उल्लेख यहां किया जा रहा है :

छोटी उंगलियां

जिन लोगों की उंगलियां छोटी होती हैं, वे बहुत स्वार्थी होते हैं। वे सदैव स्वयं एवं अपने परिवार के विषय में ही सोचते रहते हैं। देश एवं समाज के विषय में विचार करना उन्हें बेवकूफी प्रतीत होता है। ऐसे लोग दोस्ती भी उसी से करते हैं जिससे कोई लाभ प्राप्त हो सके। यदि इनके हाथ की मस्तिष्क रेखा विभाजित है एवं उंगलियां पतली एवं सुंदर हैं तो अपने मकान का भी व्यावसायिक रूप से लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। अगर ऐसे लोगों का हाथ काला, पतला एवं उंगलियां मोटी हों, तो वे अनैतिक काम करने से भी नहीं चूकते जैसे चोरी, बेईमानी या ठगी इत्यादि। अगर इनकी भाग्य रेखा भी मोटी हो, तो यह किसी भी प्रकार से पैसा कमाना उचित समझते हैं। यदि ऐसी उंगलियों वाले लोगों की हाथ की रेखाएं अच्छी हों, तो वह जीवन में विशेष सफलता प्राप्त करते हैं। राजनीति में इनकी सफलता की संभावनाएं बहुत अधिक होती हैं, क्योंकि ये लोग अवसर देखकर लाभ उठाने वाले होते हैं।

मोटी उंगलियां

मोटी उंगलियों वाले व्यक्ति बुद्धि की अपेक्षा हाथ से काम करते हैं। अगर इनके हाथ सख्त हों, तो ये क्रोधी, जल्दबाज एवं तानाशाह होते हैं। अगर इनकी मस्तिष्क रेखा मंगल पर जाए, तो ये लोग परिणाम की चिंता नहीं करते एवं आवश्यकता पड़ने पर किसी का कत्ल भी कर सकते हैं। पढ़ने लिखने में ऐसे लोगों की रुचि नहीं होती एवं इनका गृहस्थ जीवन भी सुखी नहीं होता। बुद्धिमान लोगों के साथ इनकी पटरी कभी नहीं बैठती।

ऐसे व्यक्ति दूसरों की बुराई में विशेष रुचि लेते हैं। अगर शुक्र विशेष रूप से उठा हो, तो वे बहुत ही कामुक हो जाते हैं तथा किसी के साथ अनैतिक रूप से बदला लेने में भी संकोच नहीं करते। अगर इनकी उंगलियां लम्बी हों, तो वे अपनी आर्थिक स्थिति काफी बेहतर बना लेते हैं।

लम्बी उंगलियां

किसी के हाथ की उंगलियां यदि लम्बी एवं पतली हों तथा हाथ का रंग गुलाबी हो, तो वह व्यक्ति सच्चे रूप में इंसान होता है। ऐसे लोग दयालु, मददगार एवं उदार होते हैं जिससे इनकी प्रगति धीमी हो जाती है। ऐसे लोग सभी के साथ मानवता का व्यवहार करते हैं तथा चलते फिरते भी किसी से दोस्ती कर

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

लेते हैं और दूसरों की बातों में जल्दी आ जाते हैं। ऐसी उंगलियों वाली स्त्रियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि वे प्रत्येक व्यक्ति पर शीघ्रता से विश्वास कर लेती हैं। जिन लोगों की उंगलियां लम्बी हों एवं शुक्र उठा हो वे अपनी काम वासना को दबाकर रखते हैं और, बदनामी से डरते हैं। कवि, साहित्यकार, कलाकार इत्यादि की उंगलियां प्रायः लम्बी एवं पतली होती हैं। अगर इनमें बुध की उंगली टेढ़ी हो, तो वे जरूरत से ज्यादा चालाक, धूर्त व कपटी होते हैं।

सख्त एवं न झुकने वाली उंगलियां

ऐसे व्यक्ति स्थिर विचारों वाले होते हैं एवं इन्हें क्रोध भी बहुत अधिक आता है। ऐसे लोग जिस काम के बारे में एक बार सोच लेते हैं उसे कर ही डालते हैं। वे आसानी से किसी को माफ नहीं करते एवं सभी पर अपना रौब डालने की कोशिश करते हैं। ये लोग अपने कार्य में किसी प्रकार का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करते। ये लोग बचपन से ही जिद्दी किस्म के होते हैं एवं किसी के साथ सम्बन्ध रखते हुए भी सैद्वांतिक स्तर पर विरोध बनाए रखते हैं।

ऐसे लोगों की उंगलियां यदि टेढ़ी हों एवं मंगल पर तारा बनता हो, अंगूठा टोपाकार हो, तो ये क्रोध में किसी की हत्या भी कर सकते हैं। ऐसे लोग अपनी बीबी–बच्चों पर भी बहुत हाथ उठाते हैं।

नाखून की वनावट और प्रकार

रसाद रक्तं ततो मांस मांसान्मेदा जायते। मेदसेऽस्थि ततो मज्जा ततः शुक्र सम्भवः।।

नखों से विशेषतः शरीर की व्याधि और कुछ अन्य रोगों की जानकारी प्राप्त होती है। नखों पर होने वाला चिह्न किसी आने वाले अग्रिम व्याधि को सूचित करता है। साफ, और चौड़ा नख अच्छे स्वास्थ्य का सूचक होता है।

नखों के प्रकार

1. लम्बा नाखून– लम्बे नाखून शारीरिक शक्ति के प्रतीक नहीं होते, इनकी अपेक्षा छोटे और चौड़े नाखून वालों की शारीरिक शक्ति अधिक होती है। ऐसे लोग ज्यादा तर्क–वितर्क नहीं करते और न ही आलोचना करते हैं। ये जातक कविता, कला, संगीत, चित्रकारिता आदि के प्रेमी होते हैं तथा इनमें सिरदर्द, गले में खराबी आदि की बीमारी होने की स्थिति पायी जाती है।

2. छोटा नाखून– छोटे नख वाले व्यक्ति तार्किक होते हैं तथा अन्य लोगों से भिन्न होकर कठोर आलोचक होते हैं। इनमें सोचने की शक्ति अधिक होती है, परन्तु निर्णय में उतावले होते हैं। दिल के कुछ कठोर होते है तथा इनमें सहन शक्ति कम होती है, कभी–कभी तथ्य को न समझ पाने की स्थिति में उसे मजाक बनाकर बच निकलते हैं, ऐसे लोगों में दिल के दौरे की बीमारी होने की सम्भावनायें अधिक पायी जाती हैं तथा इनमें चिड़चिड़ापन भी होता है।

3. चौकोर और छोटा नख– यह सामान्य कमजोरी का सूचक होता है ऐसे लोगों में ह्रदय से सम्बन्धी अनेक रोग पाये जाते हैं। नख पर किसी प्रकार का गड्ढा आदि होने पर डेंगू बुखार एवं आन्तरिक पीड़ा का संकेत पाया जाता है तथा बदला लेने की भावना इनमें अधिक होती है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. त्रिभुजकार नख– ऐसे नख वालों को गला, लकवा, और श्वास प्रवास से सम्बन्धी बीमारी होती है तथा ऐसे नाखून में चन्द्राकृति न होने पर जातक मनमाने स्वभाव का होता है।

5. चौड़ा नख– यह अच्छे स्वास्थ्य का संकेत है, ऐसे जातक खाने–पीने के शौकीन होते हैं।

6. उभरा हुआ नख– ऐसे नख के स्वामी का फेफड़ा कमजोर होता है, तथा कण्ठमाला जैसी बीमारी का सामना करना पड़ता है।

7. रेखाओं सहित नख– ऐसे नख वाले व्यक्ति को कमला की बीमारी होती है, तथा कभी–कभी श्वास एवं दमा की शिकायत होती है।

विकसित नख

सामान्य गोलाकार नख

वर्गाकार नख

अधिक चौड़ा वर्गाकार नख

त्रिभुजाकार नख

कमजोर नख

आविकसित नख

कठोर नख

विकृतियुक्त नख

संकरा नख

अधिक बड़ा नख

लम्बा नख

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

कठोर एवं संकरा नख

पतला एवं लम्बा नख

लम्बा एवं कठोर नख

लंबा चौड़ा नख

आविकसित नख

पूर्ण नख

बेडोल नख

गोल नख

अभ्यास

1. अंगुलियों के पोर पर पाये जाने वाले चिन्हों का नाम लिखें ?
2. नाखून कितने प्रकार के होते हैं ?
3. अंगुलियों में दूरी का क्या महत्व है ?
4. अनामिका और मध्यमा की समान लम्बाई होने पर जातक के जीवन में क्या प्रभाव पड़ता है?
5. यदि अंगुलियां धनुष के समान पीछे मुड़ने वाली हों तो जातक का स्वभाव कैसा होगा?
6. तर्जनी और मध्यमा की समान लम्बाई होने से जातक के जीवन में क्या प्रभाव पड़ता है?
4. कम व अधिक अंगुलियों वाले जातकों के स्वभाव में परस्पर क्या अंतर पाये जात

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 6

अंगूठा

अंगूठा व्यक्ति के चिन्तन व विचारों का आईना होता है। अंगूठे का अध्ययन हाथ में रेखाओं के अध्ययन के समान महत्वपूर्ण है। अंगूठे के गुणों तथा दुर्गुणों से रेखाओं के फल में अन्तर आ जाता है। अतः कोई भी फलादेश कहने से पहले अंगूठे का अध्ययन जरूर करना चाहिए।

अंगूठा मनुष्य के व्यवहार की खुली किताब है। इससे व्यक्ति के गुण, अवगुण, कमजोरी आदि का पता लगाया जा सकता है। अतः अंगूठे के बारे में सभी को जानकारी अवश्य होनी चाहिए।

लम्बा अंगूठा

लम्बा अंगूठा मनुष्य के सुलभ गुणों के बारे में बताता है और लंबे अंगूठे वाला व्यक्ति उदार, शांत, बुद्धिमान, शौकीन व बड़े दिल का होता है।

लंबा अंगूठा

अगर अंगूठा लम्बा होकर गुरु की उंगली के दूसरे पोर तक आ जाए, तो ऐसे लोग किसी का बुरा करना तो दूर, सोचते भी नहीं हैं।

अगर अंगूठा लम्बा, मस्तिष्क रेखा निर्दोष और बुध की उंगली उत्तम हो, तो ऐसे लोग निर्णय की क्षमता वाले होते हैं। किसी भी बात को बहुत जल्दी समझ लेते हैं। ये लोग उलझी से उलझी हुई बात का निर्णय भी बड़ी जल्दी कर देते हैं। अतः लम्बा अंगूठा मानवता के गुणों में वृद्धि करता है। ऐसे व्यक्ति जिम्मेदार व अनुशासित होते हैं।

छोटा अंगूठा

छोटा अंगूठा व्यक्ति के पशु प्रवृत्ति के होने का सूचक है। ऐसे लोग गुस्सैल, वहमी, जल्दबाज, अकड़ू, छोटे काम करने वाले, अधिक मेहनत करने वाले, सीधे विश्वास करके दूसरे के कहने पर चलने वाले होते हैं। वे अपने आपको बहुत ही बुद्धिमान और दूसरों को सामान्य समझते हैं। इनके घर का वातावरण भी ठीक नहीं रहता है। ऐसे लोग अपने घर में रौब बहुत जमाते हैं। अगर इनकी मस्तिष्क रेखा खराब हो, तो स्मरण शक्ति कमजोर होती है।

छोटा अंगूठा

अगर अंगूठा छोटा व मोटा हो, तो सभी से इनका विरोध रहता है। इनका दिया हुआ पैसा डूब जाता है। ये जल्दबाज बहुत होते हैं। इस कारण इन्हें जीवन में कई बार हानि उठानी पड़ती है। ये एक क्षण में कुछ, दूसरे क्षण में कुछ और सोचते हैं। अगर हाथ में अन्य दोष हों, तो ऐसे लोग कातिल व जेल जाने वाले भी होते हैं।

अगर इनकी उंगलियां भी मोटी हों, तो इनमें राक्षसी प्रवृत्ति होती है। इनसे ज्यादा मेल–जोल नहीं रखना

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

चाहिए। इनकी शत्रुता भी हानिकारक होती है। अगर उंगलियां पतली हों तो दुर्गुणों में कमी जरूर आ जाती है।

मोटा अंगूठा

मोटा अंगूठा

मोटे अंगूठे के गुण लगभग छोटे अंगूठे से मिलते – जुलते हैं। ऐसे लोग जल्दबाज व गुस्से वाले होते हैं।

मोटा अंगूठा यदि लम्बा हो, तो ये झगड़ा कम पसंद करते हैं। अगर इनके साथ अन्याय होता है तो चिल्ला–चिल्ला कर न्याय लेने वाले होते हैं। ऐसे लोगों की सन्तान भी लापरवाह होती है। इनका गृहस्थ जीवन भी क्लेशमय होता है। घर में खर्च बहुत अधिक होते हैं। ऐसे व्यक्ति किसी न किसी नशीली चीज का सेवन करते हैं और जुआ खेलना पसंद करते हैं।

कठोर तथा न झुकने वाला अंगूठा

कठोर तथा न झुकने वाला अंगूठा

ऐसा अंगूठा लम्बा या मोटा, किसी भी प्रकार का हो सकता है, पर यह पीछे की ओर नहीं मुड़ता है। ऐसा होने पर व्यक्ति मेहनती, ईमानदार व दृढ़प्रतिज्ञ होता है। ऐसा व्यक्ति कोई भी निश्चय करने पर उसे मरते दम तक पूरा करने वाला होता है।

ऐसे लोग खुलकर विरोध करते हैं। अतः इनका भी लोग बहुत विरोध करते हैं। ऐसे लोग संघर्ष के बाद निरंतर सफलता पाते हैं। इनकी घरवालों से नहीं बनती है। ये सभी को दबा कर रखते हैं। अगर अंगूठा मोटा और छोटा हो तो ऐसे व्यक्ति अपने अपमान का बदला जरूर लेते हैं। सख्त व लम्बा अंगूठा फौज के अफसरों में देखा जाता है। ऐसे लोग वफादार तथा कर्त्तव्य निभाने वाले होते हैं।

झुकने वाला नरम अंगूठा

झुकने वाला नरम अंगूठा

पीछे की ओर मुड़ने वाला व नरम अंगूठा मानव के गुणों में वृद्धि करने वाला होता है। ऐसे लोग सभी से प्यार करने वाले होते हैं। ये लोग किसी से बिगाड़ते नहीं हैं, जिससे नाराज हो जाएं उसे भुलाते नहीं हैं। माफी मांगने पर माफ कर देते हैं। बहुत ही भावुक होते हैं। जल्दी ही किसी बात पर रो पड़ते हैं। ऐसे लोग मन के साफ होते हैं तथा कोई बात छुपा कर नहीं रखते। अगर इन्हें कोई जरा भी विश्वासपात्र लगे तो गुप्त बातें भी बता देते हैं। इनका जीवन खुली किताब की तरह होता है।

ये विद्वान और दयालु होते हैं तथा बेकार के झगड़े में नहीं पड़ते हैं। ऐसे लोगों से सभी लाभ उठाते हैं। अगर मस्तिष्क रेखा दोषपूर्ण हो तो इनमें सहनशीलता कम होती है। ये कटु आलोचना करने वाले होते हैं, किंतु दीन–हीन लोगों के लिए सदैव उदार होते हैं।

ऐसे लोग प्रेम के वातावरण में रहना पसंद करते हैं। विचारों में ये क्रांतिकारी भी होते हैं। ये अपनी आंखों देखी बात पर विश्वास करते हैं। अगर स्त्रियों के अंदर ये गुण हों तो बगैर किसी से झगड़ा मोल लेकर

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अपने आप को धीरे–धीरे अलग कर लेती हैं। और यदि इन्हें किसी में बुराई नजर आती है, तो उससे संबंध खत्म कर लेती हैं।

ये लोग स्पष्टवादी भी बहुत होते हैं। अगर इनकी मस्तिष्क रेखा मंगल पर जाती है, तो कठोर भी हो जाते हैं। अगर चंद्र पर जाती हो तो इन्हें महामानव कहेंगे। ये एकांतप्रिय होते हैं।

कम खुलने वाला अंगूठा

अंगूठा अगर कम खुले तो यह लक्षण दोषपूर्ण होता है। ऐसे लोगों को देर से सफलता प्राप्त होती है। कितना भी अच्छा हाथ हो अगर हाथ खुले कम तो सफलता कम मिलती है। ऐसे लोग सीधे–सादे , सख्त व स्पष्ट वक्ता होते हैं। इनके हर कार्य में रुकावट होती है। ऐसे लोग एक स्थान पर नहीं रह पाते हैं। वे बहुत संवेदनशील होते हैं और अधिक धन नहीं बचा पाते हैं। यह बात समझदारी जैसी करते हैं, पर काम मूर्खों जैसे करते हैं।

टोपाकार अंगूठा

यह भी एक दोषपूर्ण लक्षण है। कभी–कभी अंगूठे के अंतिम पोर पर एक गांठ सी उभरी होती है या अंगूठा बहुत उभरा हुआ होता है। इसलिए इसे टोपाकार कहते हैं। अगर इसके साथ हाथ भी पतला हो तो ये लोग जीवन में कहीं भी संतुष्ट नहीं होते हैं। अगर हाथ भारी हो तो उन्नति करते हैं। इन्हें बहुत अधिक गुस्सा आता है। ये बहुत कठोर बोलने वाले हाते हैं एवं इनका सभी जगह विरोध होता है। अगर टोपाकार अंगूठा मोटा भी हो तो किसी के साथ संबंध हमेशा अच्छे नहीं रहते हैं।

अगर इसके साथ उंगलियां सख्त हों, अंगूठा मोटा हो और मस्तिष्क रेखा मंगल से निकल कर मंगल पर जाए तो ये हत्यारे होते हैं।

ऐसा अंगूठा हर काम में विघ्न डालता है। ऐसे अंगूठे वाले के शत्रुओं की संख्या अधिक होती है । ये शक्की और आलोचक होते हैं पर जरूरत पड़ने पर सहायता भी करते हैं।

पतला अंगूठा

इनमें नियंत्रण शक्ति बहुत अधिक होती है। ऐसे लोग क्रोध, वासना, भावुकता आदि पर भली भांति नियंत्रण कर लेते हैं। अगर अंगूठा पतला व लम्बा हो तो इनमें दिखावे का गुस्सा होता है।

इन्हें कोई बात चुभती है तो अपने तक रखते हैं। ऐसे लोग ईमानदार, दयालु व शीघ्र निर्णय लेने वाले होते हैं। जीवन में लगातार सफल होते हैं। समय के अनुसार चलने वाले तथा दिमाग पर नियंत्रण रखने वाले होते हैं। ये गलती बार–बार नहीं दोहराते हैं। ये व्यवहारकुशल होते हैं तथा सभी लोग इनका सम्मान करते हैं। ऐसे लोग देवतुल्य होते हैं।

अधिक खुलने वाला अंगूठा

अगर अंगूठे और तर्जनी के बीच फासला अधिक हो तो ऐसे लोग धैर्य रखने वाले व महान व्यक्तित्व होते हैं। इनके चरित्र में गुणों की वृद्धि होती रहती है। समाज में इन्हें अच्छा स्थान मिलता है। सभी से प्रेम करने वाले, परोपकारी व धनी होते हैं। ऐसे लोग परोपकार के साथ अपना भी पूरा ध्यान रखते हैं।

अधिक खुलने वाला अंगूठा

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

चौड़ा अंगूठा

इन्हें कोई न कोई बुरी आदत अवश्य लग जाती है जैसे शराब या तम्बाकू पीना आदि। ये खर्च भी अधिक करते हैं। अगर उंगलियां छोटी हों तो जीवन में सफल होते हैं।

दो अंगूठे

कभी–कभी देखने में आता है कि किसी के हाथ में दो अंगूठे होते हैं। ऐसे अंगूठे वाले गुस्सैल नहीं होते हैं। पर इनके प्रायः सभी लक्षण टोपीदार अंगूठे वालों से मिलते हैं। ऐसे लोग जल्दबाज व बुद्धिमान होते हैं। अगर अंगूठा लम्बा हो तो वे विद्वान व सफल होते हैं।

गदा के आकार का अंगूठा

छोटा अंगूठा बीच में पतला और पोर मोटा तथा निचला भाग भी मोटा होगा तो अपराधी वर्ग का जातक कहा जायेगा ये अंगूठे प्रायः गद्दे की तरह गोल, मांसल और संकरे नाखून वाले अंगूठे होते हैं जो कि कातिलों और अपराधियों में अधिक पाये जाते हैं, इनकी इच्छा शक्ति अविकसित स्वभाव अस्थिर तथा खूंखार होता है। इन्हें अच्छे बुरे का ज्ञान नहीं होता तथा इन्हें हमेशा खून की पिपासा प्रताड़ित करती है। यह अंगूठा अपराधी वर्ग के जातकों का होता है ये हथियारों के भयानक उपयोग से भी नहीं घबराते हैं और बिना सोचे समझे भयावह कार्य कर बैठते हैं इनका स्वभाव अस्थिर और खूंखार होता है।

गदा के आकार का अंगूठा

अभ्यास

1. सामान्यतः हाथों के अंगूठे की लम्बाई बतायें ?
2. अंगूठा कितने प्रकार के होते हैं ?
3. जन्म से ही अंगूठा न होने पर व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
4. सीधा अंगूठा क्या दर्शाता है ?
5. क्या पीछे की ओर झुकने वाला अंगूठा अच्छा प्रभाव देता है ?
6. सर्वोत्तम अंगूठे की क्या पहचान है ?

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 7

विभिन्न रेखाएं

रेखाओं की अध्ययन विधि

हाथ तथा अंगुलियों पर अनेक छोटी–2 रेखायें होती हैं जिनका निर्माण गर्भ के तेरहवें सप्ताह से होना शुरु हो जाता है। यह लगभग बीसवें सप्ताह तक पूर्ण रुप से बन जाती है और इसी समय वर्तमान, भविष्य का विषय हाथ की रेखाओं में स्पष्ट हो जाता है। इसी समय त्वचा में भी रेखाएँ बनना शुरु हो जाती हैं, गर्भ में हाथ की अंगुलियाँ पहले बनती हैं, बाद में हथेली बनती है। कुछ विद्वानों का कहना है कि पैर में कभी–2 पद्म रेखा पायी जाती है जो हाथ में भाग्य रेखा की भांति होती है।

हाथ एवं त्वचा की अनेक बारीक रेखाओं के बारे में एन. जेक्विन ने अपनी पुस्तक में अच्छा प्रकाश डाला है। वास्तव में मनुष्य का व्यक्तिगत भाग्य गुप्त संस्कारों की प्रतिछाया है, जो अेचतन रुप से छिपा पड़ा है।

स्वस्थ्य व्यक्ति की बारीक रेखाएँ मलेरिया या तीव्र रोग में अथवा विष आदि के प्रभाव से प्रभावित होती देखी गयी हैं तथा उनका आकार–प्रकार भी बदलता जाता है।

हाथ में निम्नलिखित रेखाएं प्रमुख होती हैं :–

1. जीवन रेखा
2. मणिबंध रेखा
3. सूर्य रेखा
4. बुध रेखा
5. अंर्तज्ञान रेखा
6. स्वास्थ्य रेखा
7. मंगल रेखा
8. विवाह रेखा
9. मस्तिष्क रेखा
10. भाग्य रेखा
11. हृदय रेखा
12. संतान रेखा
13. यात्रा रेखा

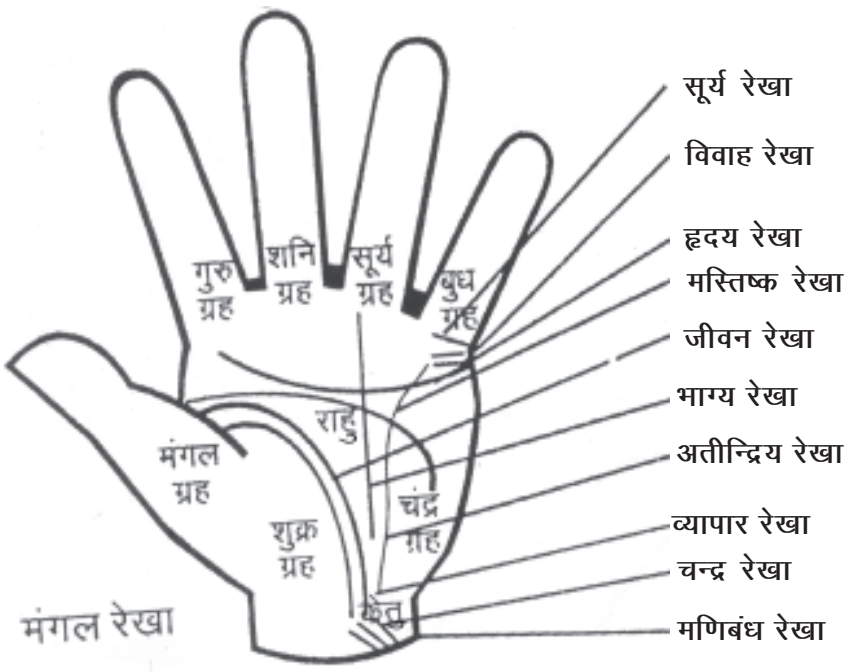

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

हथेली में ग्रह व रेखाओं का परिचय

1. अधूरी जीवन रेखा
2. शनि व सूर्य की अंगुलियों का आधार बराबर
3. हृदय रेखा शाखान्वित
4. शाखान्वित मस्तिष्क रेखा
5. हृदय रेखा की शाखा मस्तिष्क रेखा तक
6. जीवन रेखा से एक शाखा गुरु पर्वत पर
7. अतीन्द्रिय ज्ञान रेखा (7क)
8. राहु रेखा
9. विवाह रेखा
10. स्वास्थ्य रेखा
11. व्यापार रेखा

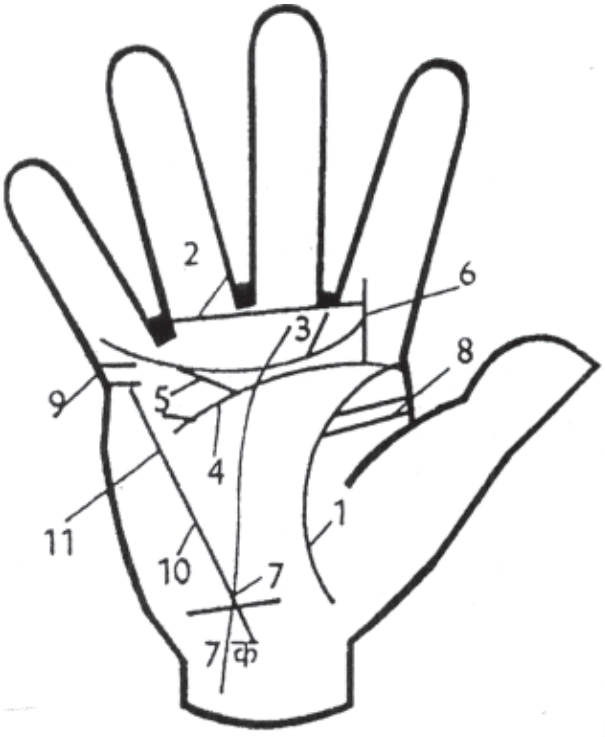

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

1. जीवन रेखा

यह रेखा जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस रेखा के विषय में पूरी जानकारी हासिल कर कई महत्वपूर्ण रहस्यों का पता लगा सकते हैं। अगर सूक्ष्मता से इसकी जानकारी हासिल करनी हो तो इसकी लम्बाई, रंग, मोटापन व चौड़ापन आदि के बारे में जानकारी हासिल करने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंच पायेंगे। इसके अतिरिक्त कौन सी रेखाएं जीवन रेखा को काटती हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। तो सबसे पहले देखते हैं कि जीवन रेखा को अन्य रेखाएं काटें तो इसके क्या परिणाम होते हैं।

i. जीवन रेखा को काटती हुई रेखाएं

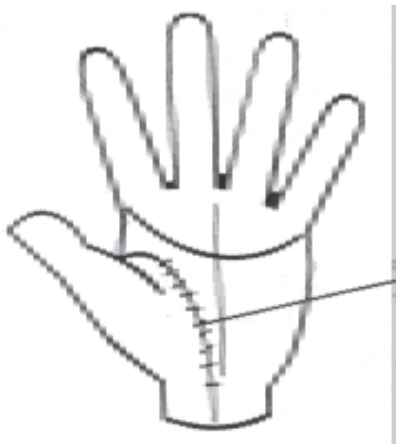

जीवन रेखा को काटती हुई रेखाएं

1. अगर ये रेखाएं जीवन रेखा को काटें तो, व्यक्ति के जीवन में मानसिक परेशानी सामान्य से अधिक होती है।
2. इनके अहितचिंतकों की संख्या अधिक होती है व इनके बने–बनाये कामों में अड़चनें भी बहुत अधिक आती हैं।
3. अगर ये रेखाएं अधिक मात्रा में बनती हों तो इन्हें अपने जीवन से विशेष प्रेम नहीं रहता, या यूं कहें कि इनकी अधिकतर इच्छाएं मर सी जाती हैं।
4. इन्हें पेट के रोग भी रहते हैं।
5. जीवन रेखा को रेखाएं काटती हों तो इन्हें परेशान करती रहती हैं। जब तक इसका दोषपूर्ण समय न निकल जाये तब तक परेशानी खत्म नहीं होती।
6. इनकी कई लोगों से बगैर बात के दुश्मनी हो जाती है।
7. ऐसे लोग जहां पर भी रहते हैं या जिसके साथ भी रहते हैं उनके संबंध इनके साथ मधुर नहीं रहते हैं।
8. दोनों हाथों में ऐसी रेखाएं हों तो नुकसान अधिक होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

9. स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं रहता।
10. इन्हें बात–बात पर गुस्सा भी बहुत आता है।

ii. चंद्रमा के क्षेत्र पर जाती जीवन रेखा की एक शाखा

जैसा कि आप चित्र में देख रहे हैं, जीवन रेखा की शाखा चंद्रमा क्षेत्र पर निकल रही है। अगर यह रेखा चंद्रमा पर जाये तो इसके कई अर्थ होते हैं। जैसे–

1. इनका अन्त समय अपने घर नहीं होता।
2. अन्त समय इनके पास धन की मात्रा सामान्य जीवन से अधिक होती है।
3. इनके जीवन में स्थिरता कम होता है।
4. ऐसे लोग नौकरी करते हुए पाये जाते हैं, किन्तु तब जब ये रेखाएं चंद्रमा तक ही रुक जाएं। अगर ये रेखाएं आगे की तरफ बढ़ कर कलाई की तरफ जाती हों तो ये स्व–व्यवसाय करते हैं। अगर दोनों प्रकार की रेखाएं हों तो ऐसे लोगों के जीवन में परिवर्तन भी बहुत अधिक होते हैं।

iii. जीवन रेखा से रेखाएं अगर ऊपर की तरफ जाती हों तो इनका फल जीवन में लाभदायक होता है। ऐसा होने पर–

1. लोग जिस भी कार्य क्षेत्र में होते हैं, उन्हें सामान्य से अधिक लाभ मिलता है।
2. अगर हाथ में रेखाएं अधिक न हों तो इन रेखाओं का फल और अधिक हो जाता है।
3. अधिक रेखाएं हों तो इसका फल साधारण हो जाता है। कम रेखाएं होने पर और सीधे शनि के स्थान की ओर जाने पर इन्हें अपने साथ व्यवसाय करने वालों से लाभ मिलता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

4. अगर नौकरी करने वालों के हाथ में ये रेखाएं हों तो इनकी पदोन्नति होती है।
5. अगर ये रेखाएं विपरीत दिशा में हों तो इन्हें लाभ की बजाय हानि होती है और जिस–जिस आयु में ये रेखाएं नीचे गिरती हैं, स्वास्थ्य, धन व सन्तान आदि की तरफ से कोई विशेष लाभ नहीं होता।
6. कई बार जीवन रेखा की रेखाएं अंदर की तरफ गिरती हैं, इसके साथ मस्तिष्क रेखा में भी दोष हो तो इन्हें स्वास्थ्य की तरफ से विशेष कष्ट आता है।

iv. कटी–फटी व उलझी हुई सी जीवन रेखा

इस प्रकार की जीवन रेखा अगर पतले हाथों में पाई जाए तो जीवन अधिक कष्टमय होता है, पर अगर यह भारी व सुन्दर हाथों में हो तो कष्ट कम होता है। अगर यह जीवन रेखा सख्त हाथ में हो और अंगुलियों का आकार भी कुछ भिन्न प्रकार का हो तो इस दोष के कारण मनुष्य का स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता। इनमें श्रवण दोष भी देखा गया है। कई बार इनसे ठीक प्रकार से बोला भी नहीं जाता। ऐसे लोगों को फेफड़ों से संबंधित रोग भी हो जाते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण ऐसे लोग व्यापार या नौकरी की तरफ पूरा ध्यान नहीं दे पाते हैं, जिसकी वजह से आर्थिक स्थिति भी पतले हाथों या मध्यम हाथों के कारण खराब हो जाती है।

v. जीवन रेखा में उत्पन्न यव चिह्न

अगर जीवन रेखा में कहीं–कहीं पर यव बन जाये तो व्यक्ति का जीवन कष्टमय हो जाता है। इससे जीवन में कई प्रकार की समस्याएं आती हैं।

1. महिलाओं को यह यव शरीर में आलस्य व गर्भाशय के रोग पैदा कर देता है। अगर मस्तिष्क रेखा में भी इसी प्रकार के यव हों तो इनमें हर्निया व ल्यूकोरिया रोग पाये जाते हैं। हाथ नरम और गुदगुदा हो तो इनमें हर्निया व ल्यूकोरिया रोग निश्चित पाये जाते हैं। हाथ अधिक गुदगुदा हो तो इन्हें सांस के रोग, खून की कमी होना या 'डिलीवरी' के समय कष्ट अधिक होता है।
2. ये यव पेट के रोगों के अलावा जीवन में कई प्रकार के नुकसान भी करवाते हैं। जैसे व्यवसाय में उधार डूब जाना। अगर इस यव के साथ–साथ एक अन्य रेखा जीवन रेखा के भीतर चले, मस्तिष्क रेखा में भी दोष हो तथा हाथ सामान्य हो तो उन्हें कष्ट व संकट अधिक आते हैं। यह समय उनके जीवन में विशेष कठिनाइयां लेकर आता है।

3. अगर इस यव के साथ–साथ हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा में भी इसी प्रकार का लक्षण दिखाई दे तो इन्हें पढ़ाई में कठिनाई का सामना भी करना पड़ता है और ऐसे लोग बहुत ही जल्दी घबरा जाते हैं। किसी स्त्री के हाथ में अगर यव ठीक शुरु में हो, अर्थात गुरु की उंगली के नीचे हो तो गर्भपात हो जाते हैं। अधिक यव होन पर एक से अधिक गर्भपात की संभावना रहती है पर इसके साथ–साथ अन्य लक्षणों का मिलान करना भी अति आवश्यक है।
4. इन्हें धन संबंधी चिन्ता बहुत रहती है। अगर ऊपर से लम्बे यव बनते हों व हाथ थोड़ा नरम हो तो सन्तान का योग भी बनता है।
5. यही यव अगर जीवन रेखा के खत्म होने पर बनता हो तो इन्हें मानसिक शान्ति कम मिलती है। इनके जीवन में बहुत अजीब–अजीब परिवर्तन होते हैं। अगर जीवन रेखा सीधी हो तो सारी जिन्दगी यूं ही

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

गुजर जाती है। अगर गोलाई लिए हो तो कष्ट अधिक नहीं रहता। अगर यह यव लम्बा सा बनता हो, जीवन रेखा कैसी भी हो, तो अन्त का समय बहुत अच्छा नहीं होता।

vi. जीवन रेखा में चलते–चलते रिक्त स्थान का आ जाना

1. अगर इस प्रकार से जीवन रेखा में रिक्त स्थान आ जाये तो भी यह एक अच्छा लक्षण नहीं माना जाता। यह लक्षण हाथ में हो तो मनुष्य का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता है।
2. अगर रिक्त स्थान जीवन रेखा में हो और मस्तिष्क रेखा साफ सुथरी हो तो ऐसे लोगों में धोखाधड़ी करके धन अर्जित करने की इच्छा प्रबल रहती है। इस रेखा के साथ यदि अन्य लक्षण निम्न हों–
   1. उंगलियां छोटी
   2. हृदय रेखा जंजीरादार
   3. गुरु की उंगली सूर्य की उंगली से छोटी हो तो व्यक्ति झूठ बोलने वाला तथा धोखेबाज होता है। ऐसे व्यक्ति अपनी मर्जी करने वाले होते हैं।

3. इनकी संतान भी अपनी मनमर्जी करने वाली और थोड़ी लापरवाह होती है।
4. इनका गृहस्थ सुख भी बहुत अच्छा नहीं होता है। आपस में कहा–सुनी चलती रहती है।
5. अगर रिक्त स्थान के समय उसके ऊपर चर्तुभुज बन गया हो तो दोष का फल नगण्य रह जाता है।
6. यह हाथ अगर कोमल हो तो ऐसे लोग बहुत ही कामुक होते हैं।
7. अगर रिक्त स्थान वाली जीवन रेखा सीधी हो तो इनके ऊपर उलटे–पुलटे लांछन लगते रहते हैं।
8. स्त्रियां होने पर इन्हें मासिक धर्म में तकलीफ ज्यादा होती है तथा कई बार यह लक्षण मोटापे का भी कारण बन जाता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

9. अगर यह रेखा रिक्त स्थान बनाने के बाद शुक्र क्षेत्र को और अधिक घेर लेती है तो इन्हें फायदे भी बहुत होते हैं। पर याद रखें, ऐसी स्थिति में हाथ भारी भी होना चाहिए।
10. इन्हें अपने जीवन में रिक्त स्थान वाली आयु बीत जाने के बाद ही चैन मिलता है। इन्हें गुस्सा भी बहुत आता है। इनको पेट के रोग रहते हैं तथा काम में मन भी नहीं लगता है।
11. संतान में, माता या पिता के इस दोष के कारण थोड़ी लापरवाही रहती है। इनके कार्यों में रुकावटें बहुत आती हैं। अगर ऐसे लोग 'प्रोपर्टी डीलर' का काम करते हैं तो मकान दिखाने के बाद ही कहीं जाकर मुश्किल से इनका सौदा तय होता है और तंग आकर यह चाहते हैं कि यह काम छोड़ो और दूसरा काम करो और यह सोच अपने काम छोड़ भी देते हैं।
12. अगर रिक्त स्थान में से एक–एक शाखा दूसरे स्थान से मिल जाती है तो जीवन में दोषपूर्ण लक्षण कम प्रभाव डाल पाते हैं। अगर अन्य रेखाएं हाथ में पोजिटिव हों तो इनके जीवन में सभी सुख रहते हैं।

vii. जीवन रेखा के साथ चलती एक अन्य जीवन रेखा

जीवन रेखा के साथ चलती एक अन्य जीवन रेखा हाथ में अच्छा लक्षण नहीं मानी जाती। इस लक्षण के हाने पर कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आते हैं। पर याद रखें, अन्य रेखाओं की तरह इसका भी अलग से महत्व कम हो जाता है। अगर हाथ में अन्य लक्षण अच्छे हों जैसे – हाथ का भारी, गुदगुदा व कोमल होना तो इसके बुरे फल में कमी ला देते हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखकर ही फलादेश करें।

1. इनके जीवन में अशान्ति के कई लक्षण सामने आते हैं। इनका अपनी पत्नी या पति से विचारों का तालमेल कम ही बैठता है।
2. संतान भी माता या पिता के इस दोष के कारण लापरवाह रहती है। ऐसे लोगों को अपने रिश्तेदारों से विशेष लाभ नहीं मिलता।
3. ऐसे लोगों का स्वभाव सामान्यता कुछ अलग प्रवृत्ति का होता है। स्वभाव में चतुरता भी रहती है।
4. इस रेखा के जीवन रेखा के साथ चलने पर और हाथ के नरम न होने, मस्तिष्क रेखा में भी दोष होने,

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

भाग्य रेखा के भी जीवन रेखा के साथ होने पर तथा इसकी लम्बाई कम होने पर गृहस्थ सुख में बहुत बाधा आती है।

5. मस्तिष्क रेखा में भी दोष हो तो दुर्घटना होने की संभावना रहती है।
6. इस जीवन रेखा के साथ एक अन्य सटी हुई रेखा होने पर मनुष्य का जीवन दीर्घ समय तक संघर्षमय रहता है, धन की बचत नहीं हो पाती और खर्च बहुत होता है। मन का कहीं न लगना, छोटी–छोटी बात से मन का अशान्त हो जाना आदि लक्षण बने रहते हैं।
7. ऐसे लोगों का स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं रहता। इन्हें पेट व हृदय से संबंधित रोग होने की पूरी–पूरी आशंका बनी रहती है। मंगल क्षेत्र पर अगर रेखाएं हों तो पेट के रोग अवश्य होते हैं।
8. हाथ सख्त होने पर यह गुस्सैल स्वभाव के होते हैं व काले होने पर कोई न कोई ऐब इन्हें लग जाता है।
9. इनकी शिक्षा में भी रुकावटें आती हैं और हाथ अच्छा होने पर थोड़ी लापरवाही होती है।

viii. जीवन रेखा का मोटा व पतला होना

जीवन रेखा के मोटे व पतले होने का प्रभाव मनुष्य की जिन्दगी पर अन्य लक्षणों की तरह पड़ता है। पतली जीवन रेखा उसे कहते हैं जो अन्य रेखाओं से पतली हो, जैसे मस्तिष्क रेखा, हृदय और भाग्यरेखा की तुलना में पतली हो।

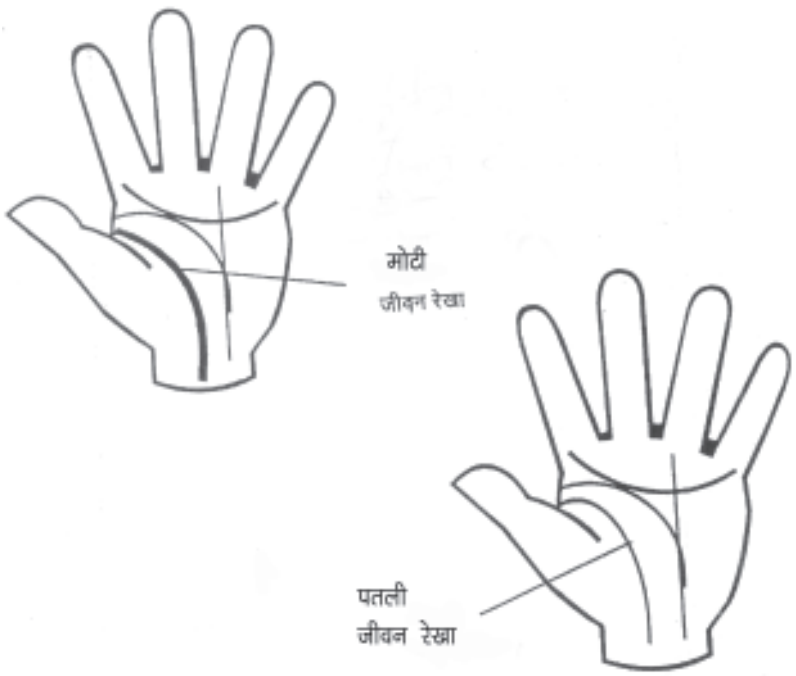

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

ठीक इसके विपरीत मोटी जीवन रेखा उसे कहते हैं जो भाग्य रेखा, मस्तिष्क रेखा और हृदय रेखा की तुलना में मोटी हो।

इस प्रकार जीवन रेखा अन्य रेखाओं की तुलना में मोटी हो तो ऐसे में व्यक्ति को बहुत अधिक कष्ट सहन करना होता है।

इस रेखा के मोटे होने पर और भाग्य रेखा के इसके साथ होने पर जीवन में संघर्ष और आये दिन कोई न कोई समस्या चलती रहती है।

यह रेखा अगर अपना पूरा स्वरूप ही इसी प्रकार से रखे तो जिन्दगी कश्मकश में गुजर जाती है। हाथ पतला हो व उंगलियां टेढ़ी–मेढ़ी हों तो ऐसे लोग अनैतिक कार्य करने वाले होते हैं। चोरी–चकारी, धोखेबाजी करना इनके लिए कोई बड़ी बात नहीं होती है।

अक्सर ऐसे व्यक्ति अपने जन्म स्थान से दूर रहते पाये गये हैं। इस रेखा के साथ अगर अन्य कोई रेखा भी थोड़ी बराबर मोटाई लिए हो तो दोष के लक्षणों में थोड़ी कमी अवश्य आ जाती है। ऐसे व्यक्तियों का स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं होता।

अस्थिर जीवन होने की वजह से इन्हें गुस्सा भी बहुत जल्द आ जाता है। भाग्यरेखा में भी दोष हो तो बगैर बात के झगड़ा मोल लेते हैं। हाथ सख्त हो तो इनके अन्दर बुराइयां भी स्थान ले लेती हैं।

जीवन रेखा के मोटे होने पर हाथ नरम तथा भाग्य और मस्तिष्क रेखाओं की स्थिति ठीक होने पर इनके जीवन में आर्थिक स्थिति ठीक रहती है।

स्त्रियों के हाथ में ऐसी रेखा गर्भाशय से संबंधित विकार पैदा करती है। अगर जीवन रेखा पतली है तो अन्य रेखाओं की तुलना में यह भी एक दोषपूर्ण लक्षण है। इस लक्षण के होने पर मनुष्य के जीवन में कई प्रकार की घटनाएं होती हैं जैसे :

1. इनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता व इनमें जीवन भावना का संचार भी भली भांति नहीं हो पाता है।
2. इनके घर का वातावरण अशांत होता है। गृहस्थ जीवन भी विशेष अच्छा नहीं होता है। इन्हें संतान की चिन्ता भी हमेशा बनी रहती है।
3. इन्हें परिवार वालों का सहयोग कम ही मिल पाता है।
4. इन्हें अक्सर पेट, फेफड़ों तथा आंतों का रोग आदि कुछ न कुछ लगा रहता है।
5. मस्तिष्क रेखा में भी दोष हो तो इनमें या इनकी संतान में गूंगा–बहरा होने या तुतलाने के लक्षण पाये जाते हैं।

ix. आधी जीवन रेखा

किसी–किसी हाथ में जीवन रेखा आधी होती है। हाथ में अन्य दोषपूर्ण लक्षण हों तो ऐसी जीवन रेखा भी बहुत कष्टमय होती है और कई प्रकार की परेशानियां जिन्दगी में खड़ी कर देती है।

1. आधी जीवन रेखा हो व मस्तिष्क रेखा में दोष हो तो ऐसे व्यक्ति को आर्थिक समस्याएं बनी रहती हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. ऐसे लोग धार्मिक स्वभाव के होते हैं। अगर मस्तिष्क रेखा साफ–सुथरी हो तो ये अपने ही ढंग से पूजा व ध्यान करते हैं। हृदय रेखा में दोष हो, हाथ पतला हो तो ऐसे व्यक्ति को घबराहट भी बहुत अधिक होती है, किंतु वे संवेदनशील होते हैं और कोई घटना घटे, तो उस पर बहुत लम्बे समय तक विचार करने वाले होते हैं।

3. ऐसे व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में, रहें इन्हें कुछ समय नौकरी में अवश्य देना पड़ता है या किसी के अधीन कार्य करना पड़ता है।
4. इनका दिया हुआ उधार डूब जाता है। इन्हें व्यापार में हानि होती है। अगर ये 'पार्टनरशिप' में काम करते हैं तो इन्हें नुकसान होता है।
5. इन्हें अगर नौकरी मिलती है तो वहां मन नहीं लगता। अगर अपना व्यवसाय हो तो बदलने की सोचते रहते हैं।
6. हाथ नरम होने पर इन्हें खुद परिश्रम करना अच्छा नहीं लगता।
7. स्वास्थ्य खराब हो जाने की दशा में हाय–तौबा नहीं मचाते या परवाह नहीं करते हैं।
8. पति–पत्नी के संबंध भी बहुत मधुर नहीं रहते हैं। इनकी पत्नी का स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं रहता है।
9. दोनों हाथों में यह रेखा अधूरी हो तो स्थिति ज्यादा कष्टमय होती है।
10. भाग्यरेखा जीवन रेखा के अधिक पास हो तो उन्हें खराब आर्थिक स्थिति का सामना करना पड़ता है और परिवार के सदस्यों का सहयोग भी कम मिल पाता है।
11. हाथ भारी हो तो इनके चाहनेवाले बहुत होते हैं। इन्हें अपने जीवन में किसी बड़े विशिष्ट व्यक्ति का स्थान मिलता है। फिर भी थोड़ा बहुत झंझट अवश्य रहता है।
12. मस्तिष्क रेखा दोषपूर्ण हो तो इन्हें ससुराल वालों से लाभ नहीं मिलता। थोड़ी अनबन भी हो जाती है।
13. 'पाटर्नर' भी इन्हें नुकसान पहुंचाने वाले होते हैं। फलस्वरूप अधूरी जीवनरेखा का समय निकल जाने के बाद इनकी जिन्दगी में लाभ होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

14. हृदय रेखा, मस्तिष्क रेखा व भाग्य रेखा में दोष होने पर ऐसा व्यक्ति बहुत हानि उठाता है और उसका किसी न किसी से झगड़ा चलता रहता है।

x. एक साथ दो जीवन रेखाएं

बहुत कम हाथों में यह महत्वपूर्ण लक्षण सामने आता है। इस लक्षण के सही प्रकार से अंकित होने पर मनुष्य को जीवन में बहुत लाभ होता है और खराब होने पर नुकसान होता है। अन्य महत्वपूर्ण लक्षण भी अगर इस रेखा के साथ–साथ चलते हों तो सोने पर सुहागे का काम करते हैं।

1. दो जीवन रेखाएं अगर निर्दोष स्थिति में हों तो इनका सबसे प्रमुख कार्य खतरों से रक्षा करना होता है।
2. अगर एक जीवन रेखा में दोष हो जैसे टूटी हुई सी या मोटी या पतली हो, तो कष्ट बहुत कम आता है और आगे दोष निकल जाने के बाद कष्ट की पूर्ति हो जाती है।

3. अगर इन रेखाओं के साथ मस्तिष्क रेखा भी दोषपूर्ण हो, तो बहुत बड़ी समस्याएं आती हैं।
4. ऐसे व्यक्ति स्वास्थ्य के मामले में निश्चिंत नहीं होते हैं और न खाने–पीने के मामले में संयमी होते हैं।
5. अगर ये दोनों रेखाएं प्रबल हों तो मनुष्य के जीवन में उत्तम पत्नी व उत्तम संतान होती है।
6. ऐसे लोगों को एक ही आय से संतोष नहीं होता। इस कारण देखा जाता है कि ये एक साथ दो काम करने वाले होते हैं। अगर इतनी क्षमता न हो तो कहीं न कहीं से ये अपनी आय का स्रोत दुगुना कर ही लेते हैं। जैसे नौकरी में होने पर ये 'ओवर वर्क' करने वाले होते हैं और अपनी आय में बढ़ोतरी करते हैं।
7. इन्हें जमीन जायदाद खरीदने का भी शौक होता है। इसलिए यह पैसा जमा करने में बहुत रुचि रखते हैं।
8. हाथ में एक से अधिक भाग्यरेखा हो, हाथ भारी और गुदगुदा तथा उंगलियां सीधी हों तो ऐसे लोग अपने वंश का नाम रोशन करने वाले और अपने खानदान में सबसे अधिक प्रगति करने वाले होते हैं।

ऐसे लोग बचपन से ही बहुत समझदार होते हैं और जल्दी ही अपना लक्ष्य तय कर लेते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

xi. गोलाई लिए हुए जीवन रेखा

अक्सर कई हाथों में जीवन रेखा गोलाई लिए होती है। यह लक्षण हाथ में उस अवस्था में अधिक फल देता है जब इसके साथ अन्य लक्षण भी महत्वपूर्ण हों जैसे हाथ का भारी होना, अन्य रेखाओं का स्पष्ट होना, रंग गुलाबी व अंगुलियों का सीधा होना। गोलाई लिए हुए जीवन रेखा एक अच्छा लक्षण दर्शाती है। इसके होने से निम्न फलादेश होते हैं –

1. अगर मस्तिष्क रेखा भी साफ–सुथरी हो तो ऐसे व्यक्ति बहुत ही कर्त्तव्यनिष्ठ होते हैं।
2. भाग्य रेखा एक से अधिक और जीवन रेखा गोलाई लिए हो तो इन्हें अपने जीवन में तरक्की के मार्ग बहुत अधिक मिलते हैं।

3. अगर जीवन रेखा को मंगल क्षेत्र से आड़ी रेखाएं न काटें और साफ–सुथरी गोल जीवन रेखा हो तो इन्हें अपने जीवन में, संबंधियों का सहयोग मिलता है।
4. दोनों हाथों में जीवन रेखा गोलाई लिए हुए हो, हाथ भारी हो और हाथ का रंग गुलाबी हो तो इन्हें अपने जीवन में नौकरी मिलती है, प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होती है और यदि व्यवसाय में हैं तो उत्तम कोटि के व्यवसायी होते हैं।
5. इन्हें ईश्वरीय मदद बहुत मिलती है। इनके रुके हुए काम भी किसी न किसी की मदद से बन जाते हैं।
6. धन कमाने का इन्हें बहुत शौक होता है, इसलिए धन संचय कर पाने में भी बहुत निपुण होते हैं।
7. गोलाई लिए हुए जीवन रेखा से भाग्य रेखा थोड़ी दूरी पर हो तो इन्हें जीवन में तरक्की बहुत ही जल्दी मिल जाती है।
8. ऐसे लोग लड़ाई–झगड़े से दूर रहने वाले और अपने परिवार के सदस्यों को चाहने वाले होते हैं।
9. ऐसे लोग शिक्षा में भी अच्छे होते हैं, मस्तिष्क रेखा यदि निर्दोष हो और सूर्य रेखा साफ–सुथरी हो, तो सारा जीवन छात्र की भांति गुजार देते हैं।
10. हाथ अच्छा होने पर इनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

xii. सीधी जीवन रेखा

सीधी जीवन रेखा का हाथ में होना कोई विशेष अच्छा लक्षण नहीं होता है। यह व्यक्ति के जीवन में कई प्रकार की समस्याएं लेकर आती है। सीधी जीवन रेखा होने से या जहां से सीधापन ज्यादा हो वहां से निम्न लक्षण उभर कर सामने आते हैं :–

1. इन्हें जीवन में संघर्ष अधिक करना पड़ता है। इनका मन अशान्त रहता है, ये जिस भी व्यापार में आते हैं, इन्हें लाभ कम मिल पाता है।
2. हाथ का रंग काला, उंगलियां आगे की तरफ मोटी और भाग्यरेखा जीवन रेखा के नजदीक हो, तो इन्हें जीवन में इच्छा के विरुद्ध या दूसरों की इच्छा पर अनैतिक काम करने पड़ते हैं। बाद में यह इनका स्वभाव ही बन जाता है।

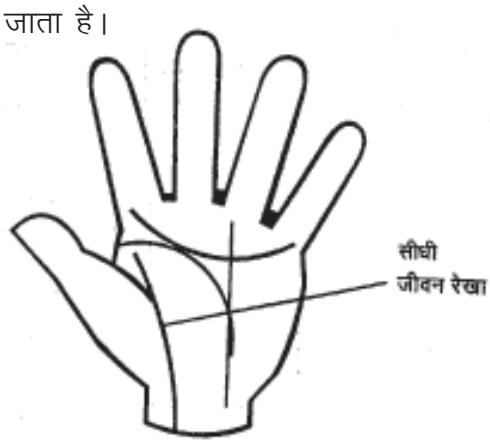

3. शुक्र हाथ में उठा हो, जीवन रेखा सीधी हो, भाग्य रेखा का अन्त हृदय रेखा पर हो, मस्तिष्क रेखा में दोष हो तो इनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहता है तथा दाम्पत्य जीवन में भी कई बार कटुताएं आती हैं।
4. हाथ भारी हो, मुलायम हो और मस्तिष्क रेखा निर्दोष हो तो उनके जीवन में सीधी जीवन रेखा कम बाधा डालती है।
5. इन्हें पेट रोग की संभावना व जीवन साथी के स्वास्थ्य की भी चिन्ता बनी रहती है।
6. स्त्रियों के हाथ में सीधी जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा के नीचे यदि द्वीप बने हों, जीवन रेखा को आड़ी रेखाएं अगर काटती हों, तो गर्भ संबंधी रोग पाए जाते हैं। गर्भपात भी हो जाता है। मासिक धर्म भी कष्टपूर्ण होता है। भाग्य रेखा में दोष हो तो कष्ट ज्यादा होता है।
7. हाथ अच्छा होने पर सन्तान अयोग्य होती है। अयोग्य होने पर संतान लापरवाह होती है तथा उसकी शिक्षा में कोई न कोई रुकावट आती है।
8. मस्तिष्क रेखा साफ सुथरी होने पर ऐसे लोग बहुत ही कामुक होते हैं। इन्हें अपने पत्नी से संबंधों से सन्तुष्टि नहीं मिलती।
9. हाथ सख्त होने पर इन्हें गुस्सा भी बहुत अधिक आता है।
10. इनके परिवार के सदस्यों का भी स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं होता।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

xiii. जीवन रेखा की शुरुआत व अन्त

जीवन रेखा की शुरुआत व अन्त भी कम महत्वपूर्ण लक्षण नहीं है। इसका भी मानव जीवन पर प्रभाव पड़ता रहता है। यहां पर मैं आपको बताऊंगी कि जीवन रेखा की शुरुआत कहां–कहां से होती है।

1. इसकी शुरुआत हथेली में मंगल ग्रह के स्थान से संभव है,
2. गुरु ग्रह के स्थान से,
3. ठीक दोनों ग्रहों (जैसे मंगल और गुरु के बीच में) से भी होती है।

a. मंगल ग्रह से शुरुआत : अगर इसकी शुरुआत मंगल से हो तो ये लोग शुरु से अपनी मनमर्जी करने वाले होते हैं। इन्हें हस्तक्षेप पसंद नहीं होता।

क्रोधी और मनमर्जी करने वाले होते हैं। अकसर ऐसी रेखा अपराधियों के हाथों में, कसाइयों के हाथों में, अनैतिक रूप से कार्य करने वालों के हाथों में व गुस्सैल प्रवृत्ति या अस्वस्थ लोगों के हाथों में होती है। इसकी वजह से जीवन में लांछन भी लग जाते हैं।

b. गुरु पर्वत से शुरुआत : अगर गुरु ग्रह से जीवन रेखा की शुरुआत हो तो ऐसे लोग अपने निर्णय स्वयं लेने वाले, समझदार तथा जीवन में तरक्की करने वाले होते हैं। कामयाब लोग चाहे किसी भी क्षेत्र के हों, उनके हाथ में यह जीवन रेखा पाई जाती है। हाथ भारी और सभी रेखाएं स्पष्ट होने पर व्यक्ति अपना जीवन स्वयं बनाने वाला होता है।

c. मंगल और गुरु के बीच से शुरु जीवन रेखा : इस प्रकार की शुरुआत हो तो व्यक्ति में गुण–अवगुण दोनों पाए जाते हैं। वह ऊंचाई पर भी चढ़ेगा और संघर्ष भी बहुत होगा। गुस्सा भी बहुत आयेगा और शांत भी हो जाएगा। ऐसे लोगों को समझदार ही कहा जाएगा।

जीवन रेखा का अंत

जीवन रेखा का अंत केतु ग्रह पर और चंद्र पर्वत पर होता है। जिस प्रकार शुरुआत होने पर उनके अर्थ में काफी अन्तर आ जाता है उसी प्रकार अन्त होने पर भी लक्षणों में काफी अन्तर आ जाता है।

शुक्र पर अन्त होने पर अगर जीवन रेखा निर्दोष है तो इसका फल साधारण से कुछ अच्छा होता है। ऐसे व्यक्ति का अन्त समय ठीक–ठाक होता है तथा रेखाएं अच्छी हों तो आर्थिक स्थिति भी ठीक रहती है।

चन्द्रमा पर अन्त होने पर

जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है। ये अपने जीवन में कई बार कारोबार बदलने की सोचते हैं और कई बार बदल भी डालते हैं। इनके जीवन का अन्तिम समय अच्छा होता है, पर इनका गृहस्थ जीवन विशेष अच्छा नहीं होता।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

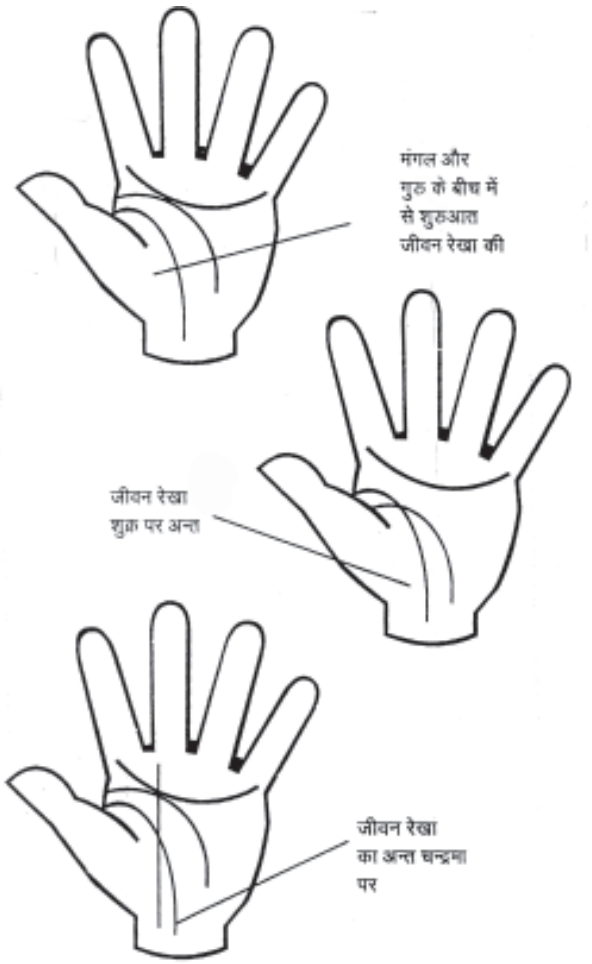

अभ्यास

1. किन मुख्य रेखाओं के अध्ययन से भविष्य बताया जा सकता है ?
2. यदि शनि पर्वत से एक मोटी रेखा आकर जीवन रेखा को काटे तो जातक के जीवन में क्या घटित होगा ?
3. सीधी और गोल जीवन रेखा के प्रभाव में क्या अंतर है ?
4. जीवन रेखा के तीन अन्य नाम बतायें ?
5. जीवन रेखा हाथ में न होने पर जातक को क्या प्रभाव होगा ?

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. मणिबंध रेखा

मणिबंध रेखा हथेली में कलाई के ऊपर स्थित होती है। इसे अंग्रेजी में 'ब्रैसलेट' लाईन कहते हैं। हाथ में इसका अपना ही स्थान है। विदेशी विद्वानों ने इस पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया परन्तु भारतीय विद्वानों ने मणिबंध को महत्व दिया और इसे आयु गणना का आधार माना। नेपाल व तिब्बत में राजा व प्रधानमंत्री के लिए मणिबंध रेखाओं का ज्ञान जरूरी माना जाता था।

1. प्रत्येक मणिबंध रेखा को 25 वर्ष की आयु माना गया है अर्थात् पूरी मणिबंध रेखा होने पर जातक की आयु 25 वर्ष होगी और अगली रेखा साबुत (बिना टूट–फूट) होने पर 50 वर्ष। इस प्रकार इस रेखा से आयु की गणना की जाती है।

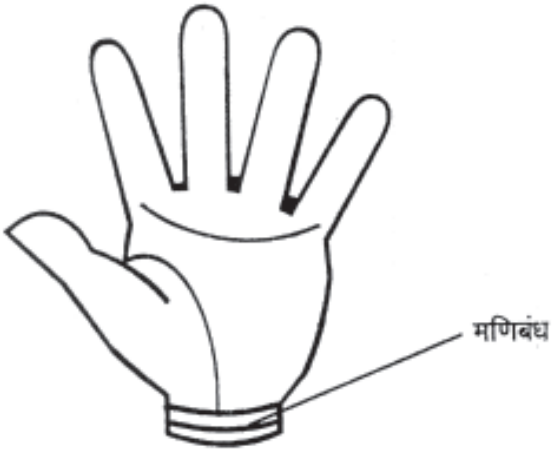

2. मणिबंध रेखा में टूट–फूट और भाग्य रेखा के मोटे होने पर व्यक्ति कंजूस होता है।
3. प्रथम मणिबंध रेखा के वलयाकार होने व उसमें छोटे–छोटे द्वीप होने तथा हाथ के नरम होने से जातक अपने काम को पूरा कर उसमें सफलता प्राप्त करता है।
4. जंजीराकार मणिबंध रेखाएं अगर तीन हों, तो बहुत शुभ मानी जाती हैं। इन्हें अपने जीवन में कई बार धन लाभ होता है।
5. मणिबंध रेखा के ऊपर त्रिकोण बनने से मनुष्य को वृद्धावस्था में पराया धन और सम्मान प्राप्त होता है।
6. पहली मणिबंध रेखा हथेली में धनुष का आकार बनाती हो, और यदि यह रेखा स्त्रियों के हाथ में हो, तो संतान पैदा करने में बाधा डालती है।
7. गहरी मणिबंध रेखा वाले जातक आराम से जिंदगी बिताने वाले होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

8. ज़ंजीरनुमा मणिबंध रेखा होने से, व्यक्ति को बातचीत करने का बहुत शौक होता है।
9. तीनों मणिबंध रेखाएं टूटी न होने पर व्यक्ति दूसरों की सहायता करने वाला व तकनीकी ज्ञान में कुशल होता है।
10. हाथ सख्त व दो मणिबंध रेखाएं होने पर जातक की शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न होता है।
11. मणिबंध रेखाएं टूटने पर व्यक्ति के कार्य में व्यवधान डालती हैं।
12. मणिबंध क्षेत्र से रेखाएं चन्द्र क्षेत्र पर आने से इन्हें विदेश यात्रा का बहुत अधिक शौक होता है और अन्य सहायक रेखाएं होने पर वे विदेश जाते भी हैं।

अभ्यास

1. प्रत्येक मणिबंध रेखा की आयु कितनी होती है ?
2. मणिबंध रेखा में टूट–फूट और भाग्य रेखा के मोटे होने पर व्यक्ति कैसा होता है।
3. मणिबंध रेखा के ऊपर त्रिकोण बनने से मनुष्य को क्या फल प्राप्त होता है।
4. मणिबंध क्षेत्र से रेखाएं चन्द्र क्षेत्र पर आने से किस परिणाम को दर्शाता है।
5. धनुषाकृति मणिबन्ध जातक को क्या प्रभाव करता है ?
6. मणिबन्ध जातक के जीवन की किन बातों को दर्शाता है ?
7. अच्छे मणिबन्ध का लक्षण बतायें ?
8. विश्व भ्रमण करने वाले जातक की यात्रा रेखा की क्या पहचान है ?
9. मणिबन्ध से मंगल पर्वत की ओर जाने वाली यात्रा रेखा क्या प्रभाव करती है ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

3. सूर्य रेखा

सूर्य रेखा का स्थान हथेली में अनामिका अंगुली के नीचे होता है। किसी–किसी हाथ में सूर्य रेखा की संख्या एक से अधिक होती है। एक से अधिक सूर्य रेखाएं होने पर मनुष्य का स्वभाव नम्र एवं दूसरों की मदद करने वाला होता है। इन्हें अचानक ही तरक्की मिलती है।

सूर्य रेखा का अंत कई प्रकार से होता है जैसे जीवन रेखा पर, भाग्यरेखा पर, मस्तिष्क या हृदय रेखा पर, मंगल के स्थान पर और चंद्र के स्थान पर आदि। एक सूर्य रेखा का अंत भिन्न–भिन्न स्थानों पर होने से फलादेश में भी अन्तर आ जाता है।

i. जीवन रेखा पर सूर्य रेखा का अन्त

जीवन रेखा पर सूर्य रेखा का अन्त एक बहुत ही अच्छा लक्षण है, यह लक्षण प्रायः कम ही हाथों में होता है। इस प्रकार से सूर्य रेखा का अन्त होने पर, हाथ यदि भारी हो, तो व्यक्ति बहुत ही तरक्की करने वाला होता है। ऐसे लोग एक साथ कई कार्य करने वाले होते हैं। वे प्रायः राजनीति में भाग लेने वाले और अपने कार्य क्षेत्र में यश–मान पाने वाले होते हैं। अंगूठा पीछे की तरफ तथा उंगलियां लम्बी होने पर अपना काम छोड़ कर दूसरों की मदद करने या सुख–दुख बांटने वाले होते हैं। प्रायः ऐसे व्यक्ति पत्रकार, जज या इंजीनियर होते हैं।

ii. सूर्य रेखा का अन्त भाग्य रेखा पर :

सूर्य रेखा का अन्त भाग्यरेखा पर होने से व्यक्ति में कई गुण आ जाते हैं।

किंतु इसके साथ–साथ लक्षणों का उत्तम होना भी आवश्यक है। जैसे, हाथ का भारी होना, अंगुलियों का सीधा होना व ग्रहों का भी उठा होना। इस प्रकार के गुण होने पर इनके काम करने का ढंग निराला

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

होता है। इन्हें आकस्मिक धन लाभ होता है और यदि यह विद्या के क्षेत्र में प्रवेश करें तो इन्हें नाम, यश, की प्राप्ति भी होती है। वे बहुत ही समझदार होते हैं। इस लक्षण के साथ ही मस्तिष्क रेखा का द्विभाजित होना अति उत्तम है। वे निष्पक्ष राय देने वाले और दूसरों को सही गलत की पहचान से अवगत कराने वाले होते हैं। वे अपने जीवन में शीघ्र ही सफल होते हैं। यदि मस्तिष्क रेखा में दोष हो, तो इन्हें रुक–रुक कर सफलता मिलती है। अन्त समय इनका बहुत ही अच्छा रहता है।

iii. सूर्य रेखा का मस्तिष्क रेखा पर अन्त :

सूर्य रेखा का मस्तिष्क रेखा पर अन्त होने से मनुष्य को तरक्की थोड़ी देर से मिलती है। भाग्य रेखा एक से अधिक होने व सूर्य रेखा दोहरी होने तथा, हाथ नरम होने पर इन्हें सफलता मिल ही जाती है। इन्हें पारिवारिक मदद भी मिलती है। ये अपने मस्तिष्क के जरिए कई प्रकार की योजनाओं को अन्जाम देने वाले होते हैं। इन्हें अपने जीवन में धन तथा प्रसिद्धि भी प्राप्त होती है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

iv. हृदय रेखा पर सूर्य रेखा का अन्त

हृदय रेखा पर सूर्य रेखा का अन्त होने से मनुष्य को संघर्ष के बाद तरक्की मिलती है। भाग्य रेखा के टूटे फूटे होने या द्वीपयुक्त होने से सारा जीवन ही जैसे व्यर्थ चला जाता है। यदि ऐसे लक्षण न हों तो अन्त में सफलता मिलती है। इस लक्षण के होने से और सूर्य रेखा के एक से अधिक होने पर 30 या 35 वर्ष के बाद तरक्की का योग बन जाता है। ये लोग दिल के साफ होते हैं। इन्हें अपनों से धोखा मिलता है। इस रेखा के टूटे–फूटे होने से किसी प्रकार का सहयोग व्यक्ति को नहीं मिल पाता है। मस्तिष्क रेखा के निर्दोष होने से इन्हें किसी न किसी प्रकार की मदद मिल ही जाती है और वे अपनी आर्थिक स्थिति को जैसे–तैसे ठीक कर ही लेते हैं।

v. मंगल के स्थान से निकलती सूर्य रेखा

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

मंगल के स्थान से सूर्य रेखा कम ही हाथों में निकलती हुई देखी जाती है। ऐसे व्यक्तियों का स्वास्थ्य बचपन में प्रायः अच्छा नहीं होता। यह घूमफिर कर बाद में उन्नति करते हैं। इससे इन्हें जीवन में सफलता देर से मिलती है। कई बार यह उल्टे पुलटे काम भी करते रहते हैं जिससे इन्हें कानूनी समस्याओं का सामना भी करना पड़ता हैं। इनके जीवन में कुछ न कुछ अशांति बनी रहती है। इनका पारिवारिक जीवन भी बहुत अच्छा नहीं होता। गुस्सा भी इन्हें जल्द आ जाता है।

अभ्यास

1. जीवन रेखा पर सूर्य रेखा का अन्त का प्रभाव बतायें।
2. सूर्य रेखा का अन्त भाग्य रेखा पर होने से क्या दर्शाता है।
3. सूर्य रेखा का मस्तिष्क रेखा पर अन्त किस परिणाम को दर्शाता है।
4. हृदय रेखा पर सूर्य रेखा का अन्त होने से क्या प्रभाव होता है ?
5. मंगल के स्थान से निकलती सूर्य रेखा क्या दर्शाता है।
6. सूर्य रेखा किन–2 बातों को प्रकट करती है ?
7. सर्वोत्तम सूर्य रेखा के बारे में प्रकाश डालें ?
7. अभिनय, कहानी, नाटक आदि से जुड़े लोगों की सूर्य रेखा के बारे में लिखें ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. बुध रेखा

बुध रेखा का हथेली में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है, पर यह रेखा सभी हाथों में नहीं पाई जाती। हाथ में यह रेखा साफ–सुथरी होने पर एक विशेष गुण रखती है।

इसका स्थान हाथ में हृदय रेखा के ऊपर, बुध क्षेत्र से शुरू होकर चंद्र के स्थान पर होता है। यह रेखा आई. पी. एस. अधिकारी, राजदूत, व्यापारी, कारखानों के मालिकों व राजनीतिज्ञों के हाथों में होती है। इस रेखा के होने पर व्यक्ति नौकरी के साथ–साथ व्यापार भी करता है या पूर्णतः व्यापारी बन जाता है और धन की श्रेष्ठ स्थिति को प्राप्त करता है।

यह रेखा साफ–सुथरी हो, हाथ का रंग गुलाबी हो या हाथ नरम हो, तो ये बहुत उन्नति करते हैं। इनका व्यापार साझेदारी में भी होता है। यह दूसरों को भी उत्तम राय देते हैं। व्यापार की बारीकियों की इन्हें अच्छी समझ होती है। इस रेखा के होने से मनुष्य के अन्दर अन्तर्ज्ञान भी शामिल हो जाता है। इसके टूटे–फूटे होने से जीवन में कई प्रकार के नुकसान होते हैं और स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं रहता है। इस रेखा को भी अन्य रेखाओं से मिलाकर ही भविष्यफल करना चाहिए।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

5. अन्तर्ज्ञान रेखा

अन्तर्ज्ञान रेखा हथेली में बुध पर्वत से निकलकर मस्तिष्क रेखा या उससे थोड़ा–सा पहले समाप्त हो जाती है। कभी–कभी यह चंद्र पर्वत पर चंद्राकार सी बनी होती है। दोनों ही स्थितियों में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कभी–कभी यह हाथों में दोनों प्रकारों से उपस्थित होती है। ऐसा होने से यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

जैसाकि नाम से ही व्यक्त हो रहा है, अन्तर्ज्ञान रेखा अर्थात दूराभास होना या आने वाली घटनाओं का पता लग जाना। यह रेखा स्पष्ट होने पर व्यक्ति बहुत अधिक समझदार होता है। इन्हें सत्संग और ईश्वर के प्रति रुचि तथा ईश्वर को पाने का बहुत अधिक शौक होता है। यह साफ तथा कोमल हृदय के होते हैं। इनमें 'मैं' की भावना कम ही होती है।

शनि की अंगुली के बीच का पोर बड़ा होने पर तथा अन्तर्ज्ञान रेखा के उपस्थिति रहने से ऐसे व्यक्ति अच्छे ज्योतिषी या भविष्यवेत्ता सिद्ध होते हैं। यह अध्यात्म का भी लक्षण है। यदि यह रेखा टूटी–फूटी हो, तो इन्हें सपने डरावने आते हैं। यह बिल्कुल सरल हृदय मानव होते हैं। व्यापार करने पर कई दफा नुकसान उठाते हैं। पूजा–भक्ति में इनकी एकाग्रता कम होती है। फिर भी यह तहेदिल से ईश्वर को धन्यवाद करने वाले होते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

6. स्वास्थ्य रेखा

हथेली में स्वास्थ्य रेखा की स्थिति

यह रेखा जीवन रेखा से या उस ओर से निकलती हुई हृदय रेखा तक जाती है।

जैसा कि नाम से ही पता चलता है, इसका सम्बन्ध मनुष्य के स्वास्थ्य से है, इसलिए इसका नाम स्वास्थ्य रेखा पड़ा। इस रेखा के टूटे–फूटे होने से मनुष्य की सेहत अच्छी नहीं रहती। शरीर टूटा–टूटा सा महसूस होता है। सिर में भारीपन रहता है तथा पेट भी ठीक नहीं रहता है। इसमें त्रिकोण बन जाने पर ऑपरेशन का भी डर रहता है। जब भी स्वास्थ्य खराब होता है इस रेखा का रंग थोड़ा सा बदल जाता है। यदि यह निर्दोष अवस्था में पाई जाए तो व्यक्ति को टेक्नीकल कामों में रुचि और काम करने का उत्साह होता है। इन्हें नई–नई वस्तुएं खरीदने का शौक होता है। इनकी रुचि व्यापार में ही रहती है, भाग्यवश चाहे इन्हें नौकरी करनी पड़े। जिस स्तर का हाथ होता है, उसी के अनुसार यह रेखा फल देती है।

अभ्यास

1. स्वास्थ्य रेखा किन नामों से जानी जाती है ?
2. स्वास्थ्य रेखा का उद्‌गम स्थान बतायें ?
3. टेढ़ी मेढ़ी जाती हुई स्वास्थ्य रेखा कौन–कौन सी बिमारी उत्पन्न करती है ?
4. स्वास्थ्य रेखा न होने पर किस रेखा द्वारा स्वास्थ्य की जानकारी हासिल की जाती है?
5. एक पागल जातक के हाथों की रेखा आदि का लक्षण बतायें।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

7. मंगल रेखा

मंगल रेखा हाथ में बहुत महत्पूर्ण भूमिका निभाती है। यह मनुष्य में आत्मविश्वास, निर्भयता और साहस आदि गुणों का समावेश करती है। निर्दोष होने पर यह 'सोने में सुहागे' का कार्य करती है।

मंगल रेखा का हथेली में स्थान

मंगल रेखा हथेली में जीवन रेखा के साथ–साथ समानान्तर चलती है। कई बार यह मंगल के क्षेत्र से भी उदय होती है।

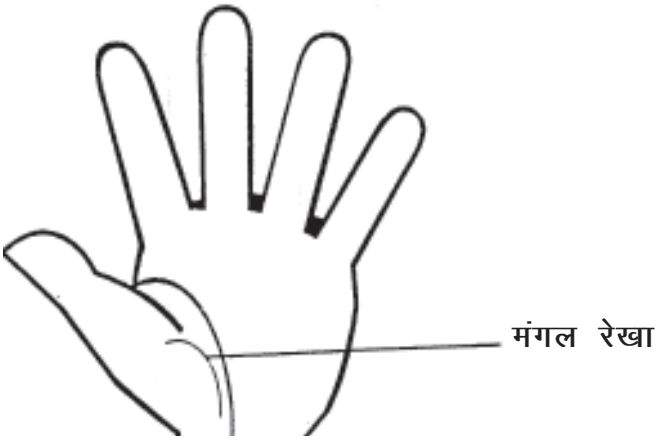

मंगल रेखा के गुण

1. मंगल रेखा के जीवन रेखा के पास होने व निर्दोष अवस्था में रहने से मनुष्य का विवाह जल्दी होता है और उसका गृहस्थ जीवन भी ठीक–ठीक रहता है।
2. हृदय रेखा या मस्तिष्क रेखा में किसी भी प्रकार का दोष हो, पर मंगल रेखा निर्दोष हो, तो मनुष्य को स्वास्थ्य संबंधी व पारिवारिक परेशानी ज्यादा नहीं आती। अगर आती भी है तो मंगल रेखा उसे काफी हद तक कम कर देती है।
3. मंगल रेखा निर्दोष, शनि ग्रह उन्नत, उंगलियां सीधी व हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा के बीच बने फासले में सुन्दर–सा कट होने पर इन्हें अन्तर्ज्ञान, चमत्कार व साहस के कार्यों से प्रसिद्धि मिलती है।
4. निर्दोष मंगल रेखा और भाग्य रेखा को चंद्र क्षेत्र से आकर रेखाएं काटें व शुक्र उठा हुआ हो, तो इन्हें प्रेम–सम्बन्धों से लाभ होता है।
5. मंगल रेखा निर्दोष, भाग्य रेखा मोटी, मंगल क्षेत्र उन्नत व शनि की अंगुली लम्बी होने पर इन्हें खेती बाड़ी, बाग बगीचे के कार्यों में रुचि होती है तथा आय का उत्तम साधन भी मिलता है।
6. सूर्य रेखा जीवन रेखा से निकले, मंगल रेखा स्पष्ट हो, शनि की अंगुली लम्बी तथा सीधी हो, तो इन्हें कलाकार बनने का शौक होता है व लेखन से लाभ होता है।
7. मंगल रेखा साफ–सुथरी हो, जीवन रेखा को काटती एक रेखा हृदय रेखा तक पहुंचे, सूर्य रेखा साफ सुथरी हो और सूर्य की अंगुली सीधी हो, तो इन्हें सभी से लाभ प्राप्त होता है। इनके सम्बन्ध

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

बड़े–2 लोगों के साथ होते हैं।

8. यह रेखा जीवन रेखा को मजबूती प्रदान करती है और कुछ हद तक अन्य रेखाओं के दोषों में, खास कर जीवन रेखा के दोष में, कमी कर देती है।

मंगल रेखा के अवगुण

1. मंगल रेखा टूटी–फूटी हो या रुक कर चलती हो, रंग काला हो व जीवन रेखा इसके साथ सीधी हो, तो, मनुष्य के जीवन में कठिनाइयां बहुत आती हैं।
2. मंगल रेखा के काली या लाल होने पर इन्हें क्रोध बहुत आता है। गुस्से में यह बहुत कुछ ऊटपटांग कर देते हैं। इन्हें दूसरों को चुनौती देने की आदत होती है।
3. हृदय रेखा से शाखाएं मस्तिष्क रेखा में आती हों, भाग्य रेखा में त्रिकोण हो व दोषपूर्ण मंगल रेखा हो तो व्यक्ति का वैवाहिक जीवन सुखी नहीं रहता है।
4. मंगल रेखा टेढ़ी–मेढ़ी हो या कभी पास कभी दूर हो, तो इनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता, या कोई और भी दोष हो, तो इन्हें बड़ी–बड़ी बीमारियां जैसे कैंसर, एड्स आदि घेर लेती हैं। पर इसके साथ अन्य रेखाओं का विश्लेषण करना भी आवश्यक है।
5. मंगल रेखा दोषपूर्ण हो, अंगूठा आगे की तरफ हो तथा जीवन रेखा सीधी होने पर मनुष्य के जीवन में धन को लेकर हमेशा समस्या बनी रहती है।
6. हाथ सख्त हो, मंगल रेखा भी ठीक न हो तथा मस्तिष्क रेखा में कोई विभाजन न हो, तो मनुष्य को अपने रिश्तेदारों से कोई लाभ नहीं होता है, न ही वे रिश्तेदारों की मदद कर पाते हैं।
7. मंगल रेखा व शुक्र उठे हुआ हों, हृदय रेखा की एक शाखा गुरु पर्वत तथा दूसरी शनि पर्वत पर हो, भाग्य रेखा में द्वीप, उंगलियां मोटी व अंगूठा सख्त हो, तो ऐसे लोग प्रेम में बदनामी पाते हैं तथा घर से भागने पर पकड़े जाते हैं। कोई भी काम दूरदर्शिता से नहीं करते। फलस्वरूप लांछन भी कई प्रकार के लगवा लेते हैं।
8. मंगल रेखा, जीवन रेखा के ज्यादा समीप हो और उस पर तिल या काले धब्बे हों, तो इन्हें शराब या भोजन में ज़हर मिला कर मार देने का प्रयास किया जाता है। दोनों हाथों में यह लक्षण होने पर इनकी मृत्यु हो जाती है।
9. मंगल रेखा, जीवन रेखा और भाग्य रेखा को आड़ी रेखाएं काटती हों, तो मनुष्य के कामों में बड़ी–बड़ी रुकावटें आती हैं।
10. शुक्र पर तिल हो, मंगल रेखा में दोष हो व हाथ में कई स्थानों पर काले–काले धब्बे बने हों, तो मनुष्य को यौन रोग व अन्य कई बीमारियां होने का खतरा रहता है।

अभ्यास

6. मंगल रेखा शरीर के किन–किन अवयवों को प्रभावित करती है ?
7. मंगल रेखा के गुणों का वर्णन करें ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

8. विवाह रेखा

विवाह रेखा का सम्बन्ध मनुष्य के वैवाहिक जीवन,प्रेम–सम्बन्ध, आपसी तालमेल व कुछ हद तक स्वास्थ्य के साथ भी होता है। इसका अपना अलग से कोई महत्व नहीं है। सभी रेखाओं के साथ समन्वय करने के बाद ही इस रेखा के लिए फलादेश कर सकते हैं। अक्सर देखने में आया है कि लोग जितनी विवाह रेखाएं देखते हैं, उतने ही विवाह होने की भविष्यवाणी कर देते हैं जो ठीक नहीं है।

विवाह रेखा हथेली में बुध की अंगुली व हृदय रेखा की शुरुआत के स्थान के बीच में, समानान्तर रूप से स्थित होती है।

चित्र न. 1

1. विवाह रेखा में यदि टुकड़े–टुकडे हों और वह इसी प्रकार से आगे बढ़े तो गृहस्थ जीवन के सुख में रुकावट डालती है। इनकी पत्नी रूठ कर मायके चली जाती है या कुछ दिन तक इनकी आपसी बातचीत कम हो जाती है।

चित्र न. 2

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. विवाह रेखा यदि मुड़कर हृदयरेखा पर या उससे नीचे चली जाए व हृदय रेखा में भी दोष हो, मस्तिष्क रेखा के मंगल के स्थान से निकले व मस्तिष्क रेखा में शनि पर्वत के नीचे दोष हो, तो व्यक्ति में गुस्से की मात्रा बहुत अधिक बढ़ जाती है। वह अपनी पत्नी पर हाथ उठाने से भी नहीं झिझकता। यदि इन्हीं लक्षणों के साथ अंगूठा आगे की तरफ झुकता हो, तो ऐसे लोग गुस्से में आकर किसी की जान तक ले लेते हैं।

चित्र न. 3

3. यदि विवाह रेखा ऊपर की तरफ अर्थात उंगलियों को देख रही हो, तो यह गृहस्थी के लिए एक अच्छा लक्षण है। ऐसे लोगों का गृहस्थ जीवन सुखी रहता है। किंतु यह तभी संभव है, जब अन्य रेखाओं में भी कोई दोष न हो। (देखें चित्र न. 3 में)

चित्र न. 4

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. विवाह रेखा के हृदय रेखा पर आ जाने से पति होने पर पत्नी का और पत्नी होने पर पति का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। साथ ही यदि इस रेखा पर क्रास आ जाए या सितारा बन जाए तो अलगाव या विधवा योग होता है। (देखें चित्र न. 4 में)

चित्र न. 5

5. विवाह रेखा लम्बी होकर गुरु की अंगुली तक जाए और वह निर्दोष हो, तो व्यक्ति को ससुराल से धन आदि की प्राप्ति करवाती है। (देखें चित्र न. 5 में)

चित्र न. 5

6. विवाह रेखा आगे से द्विभाजित होने से विवाह सम्बन्धों में खटास व आये दिन मनमुटाव पैदा करती है। इनका वैवाहिक जीवन कांटों की धार पर चलता है। ऐसी स्त्रियां छोटी–छोटी बातों को बहुत अधिक महसूस करने वाली होती हैं। (देखें चित्र न.6 में)

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

चित्र न. 6

7. शुक्र ग्रह उठा हो, हृदय रेखा से शाखाएं मस्तिष्क रेखा पर जाती हों, जीवन रेखा व मस्तिष्क रेखा का जोड़ लम्बा हो और भाग्य रेखा में द्वीप हो, तो ऐसे लोगों के अतिरिक्त यौन सम्बन्ध होते हैं। विवाह रेखा कटी–फटी होने पर सुख–शान्ति का अभाव घर में बना रहता है।
8. विवाह रेखाओं के एक से अधिक होने, भाग्य रेखा मोटी से पतली होते जाने, भाग्यरेखा की शुरुआत में द्वीप के आ जाने, शुक्र के उठे होने व मस्तिष्क रेखा साफ–सुथरी होने पर मनुष्य के सम्बन्ध कई स्त्रियों से हो जाते हैं। कई बार ये लक्षण होने पर प्रेम–विवाह भी हो जाता है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

9. भाग्य रेखा निर्दोष हो, विवाह रेखा सुन्दर हो, भाग्य रेखा जीवन रेखा से थोड़ी दूरी पर हो, अंगूठा पीछे की तरफ तथा अंगुलियां सीधी व पतली हों, जीवन रेखा गोलाकार हो, हृदय रेखा साफ सुथरी व हाथ का रंग गुलाबी हो, तो वैवाहिक जीवन सुखी होता है। ऐसे पति–पत्नी एक–दूसरे की जरूरतों का ध्यान रखने वाले होते हैं।

10. मस्तिष्क रेखा के द्विभाजित होने के साथ–साथ विवाह रेखा भी द्विभाजित होने पर, ऐसी स्त्रियों को वासनापूर्वक चाहने वाले कई लोग होते हैं ओर न चाहते हुए भी इनके सामाजिक रूप से आमान्य सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं।

अभ्यास

1. कई विवाह रेखा होने से किस विवाह रेखा द्वारा विवाह का निर्णय किया जाता है ?
2. पति–पत्नी के सम्बन्ध विच्छेद की रेखायें बतायें ?
3. अधिक काम भावना वाले जातकों की रेखाओं को बतायें ?
4. सुखी वैवाहिक जीवन के बारे में रेखाओं का विवेचन करें ?
5. अच्छी संतान रेखा का विवरण लिखें ?
6. संतान रेखा के अंत में द्वीप होने से क्या फल होता है ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

9. मस्तिष्क रेखा

मस्तिष्क रेखा– जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, यह रेखा मनुष्य के मस्तिष्क से सम्बन्ध रखती है। मस्तिष्क रेखा का सम्बन्ध सिर्फ यहीं तक नहीं है, बल्कि यह रेखा जीवन से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण घटनाएं भी बताती है। जैसे कितनी तरक्की होगी, स्वास्थ्य कैसा रहेगा, आर्थिक स्थिति, आत्म–विश्वास कितना होगा, लोगों के साथ सम्बन्ध कैसे रहेंगे, मनः स्थिति कैसी है आदि। मनः स्थिति मनुष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके नियंत्रण में होने से मनुष्य में बहुत तरक्की कर सकता है।

मनुष्य अपनी कल्पना अपने मस्तिष्क के जरिए ही कर पाता है। कल्पना ही उसे जिन्दगी की एक राह दिखाती है।

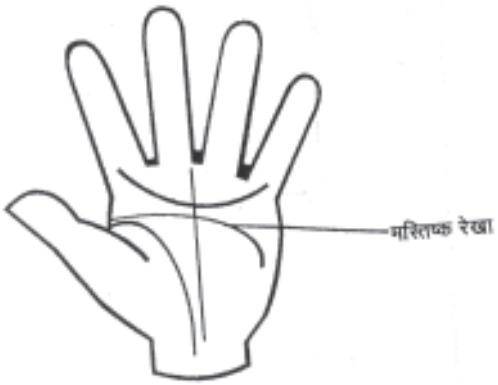

शरीर में मनुष्य का मस्तिष्क खोपड़ी के नीचे होता है। यह मानव शरीर का एक बेहद नाजुक अंग है। अगर मानव मस्तिष्क का पोस्टमार्टम करें या किसी अन्य प्रकार से खोज करें कि मनुष्य किस स्वभाव का होगा तो यह संभव नहीं होगा। इसके लिए मस्तिष्क रेखा देखनी होगी। यह रेखा हथेली को दो भागों में विभाजित करती है और हथेली के बीचों–बीच में स्थित होती है।

मस्तिष्क रेखा कई प्रकार की होती है जैसे, दोषयुक्त, दोष रहित, जंजीराकार, टूटी, छोटी या लम्बी मस्तिष्क रेखा आदि। विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए इनके विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है।

i. दोषपूर्ण मस्तिष्क रेखा–

ज्यादातर लोगों में दोष वाली मस्तिष्क रेखा अधिक होती है। ये दोष कई प्रकार की होती हैं। जैसे, टूटी हुई, उलझी हुई, मोटी और पतली।

ऐसा होने के साथ–साथ अन्य रेखाओं में भी दोष हों, तो–

1. ऐसे मनुष्य को मानसिक परेशानियों का सामना बहुत करना पड़ता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

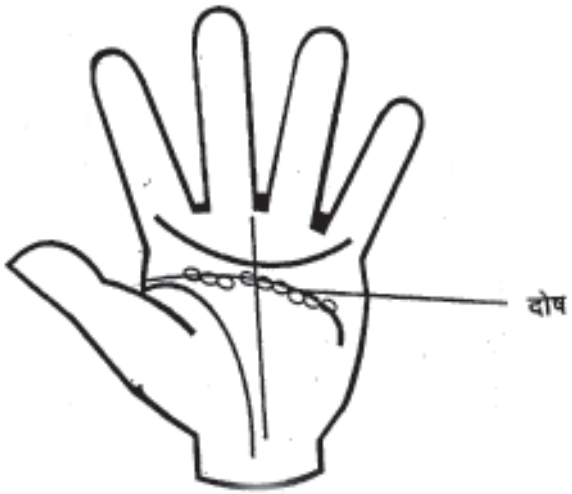

2. इस रेखा के साथ–साथ यदि हृदय रेखा में दोष हो या रेखा मोटी हो तो ऊटपटांग सपने आते हैं। ऐसे लोग कई बार सपने में बहुत डर या सहम जाते हैं।
3. मस्तिष्क रेखा में दोष और मंगल ग्रह पर आड़ी–तिरछी रेखाएं हों, तो इनके पेट में तकलीफें होती हैं।
4. दोनों हाथों में मस्तिष्क रेखा टूट जाए और भाग्य रेखा वहां पर मोटी होकर रुके तो इन्हें जीवन साथी का सुख उम्र भर नहीं मिलता।
5. मस्तिष्क रेखा में दोष हो, शुक्र ग्रह उठा हो, तो, ऊटपटांग सपने आते हैं, गृहस्थ सुख का अभाव होता है तथा ऐसे व्यक्ति वासनात्मक प्रवृत्ति के होते हैं। अपनी वासनापूर्ति के लिए तरह–तरह के तरीके भी अपनाते हैं।
6. ऐसे लोगों का मन दृढ़ निश्चयी नहीं होता है। मन बहुत ही चंचल होता है। इसी चंचलता के कारण इनके कई काम अधूरे रह जाते हैं। दिमाग से लगातार काम नहीं लिया जा सकता है। इन्हें विश्राम की सख्त आवश्यकता होती है, क्योंकि लगातार कोई भी काम यह नहीं कर पाते हैं। अगर ये चाहें तो भी स्वास्थ्य साथ नहीं देता।
7. मस्तिष्क रेखा में दोष हो, तो उन्हें खुद ही समझ में नहीं आता है कि किसी व्यक्ति से मिलने के लिए वे क्यों उत्सुक हूं। अगर इन्हें किसी से प्रेम हो और वह प्राप्त न हो, तो, बहुत जल्दी तनाव के शिकार हो जाते हैं व ऊटपटांग बातें करते हैं।
8. मस्तिष्क रेखा में दोष होने भाग्यरेखा के छोटा होने व हृदय रेखा में भी दोष होने पर ये झूठ बोलने वाले व गलत काम करने वाले होते हैं।
9. किसी स्त्री की मस्तिष्क रेखा में दोष होने पर उसका पति भी कुछ लापरवाह होता है। अगर औरतों के हाथ में ऐसा लक्षण हो, तो इन्हें ज्यादा देर अकेले रहना खलता है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

10. इस रेखा में दोष हो और भाग्यरेखा भी छोटी हो, तो 'पाटर्नरशिप' रास नहीं आती है।
11. स्त्रियों के हाथ में इस रेखा में ज्यादा दोष होने पर मासिक धर्म के रोग या रक्त का स्राव अधिक या पेट में दर्द भी अधिक होता है।
12. दोष की स्थिति में पैसा लेना तथा देना, दोनों ही रास नहीं आते। अगर हाथ में अन्य लक्षण अच्छे हों तो दोष में कमी आ जाती है।
13. इनका व्यवसाय भी रुक–रुक कर चलता है। यदि भाग्यरेखा हाथ में अधिक हों, तो दोष में कमी आ जाती है। पर फिर भी, मुश्किलों का सामना इन्हें करना ही पड़ता है।
14. ऐसे व्यक्ति अगर दोष की स्थिति में जमीन–जायदाद का सौदा करते हैं, तो ज्यादा लाभ नहीं होता है।
15. इनके खर्चे बहुत अधिक होते हैं। पैसा भी इनके हाथों में प्रायः कम ही टिकते देखा गया है। पैसा आया नहीं कि पहले ये उसे खर्च करने की योजनाएं बनानी शुरू कर देते हैं।
16. अन्य सभी रेखाओं के साथ इस रेखा में भी दोष अधिक हो, तो उन्हें ऋण नहीं लेना चाहिए। इनके अपने सम्बन्धियों से भी संबंध मधुर नहीं रहते।
17. यदि इस रेखा के साथ–साथ भाग्य रेखा में भी दोष हो, तो मनुष्य का कहीं न कहीं प्रेम संबंध पाया जाता है। युवावस्था कुछ अधिक संघर्षमय हो जाती है।
18. इस दोष की अवस्था में कई बार देखने में आया है कि इनका शरीर टूटा–टूटा सा महसूस होता है तथा सिर में भारीपन व सिर के रोग इत्यादि लगे रहते हैं।
19. इस दोष के साथ जीवन रेखा के भी शुरू में टूटा होना या द्वीप सा बन जाने पर शिक्षा में ट्रेनिंग में रुकावट आ जाती है।
20. अगर मस्तिष्क रेखा में कम दोष हों, तो ऐसे व्यक्ति अहसान फरामोश नहीं होते। कोई अगर इनके साथ थोड़ी सी भी उदारता दिखाता है तो इनकी भी कोशिश होती है कि उसका कोई ऋण न रखें।
21. ऐसे लोगों को धोखा बहुत मिलता है क्योंकि जल्द ही किसी पर भी विश्वास कर लेते हैं।
22. इन्हें अपने जीवन में प्यार की कमी बहुत महसूस होती है।
23. कोई भी अप्रिय घटना होने पर हिम्मत बड़ी जल्दी हार जाते हैं।
24. अगर ऐसे लोगों को कोई जरा सी भी बात कहे तो यह उसकी बहुत बुराई करते हैं।
25. जब यह दोष समाप्त हो जाता है तो स्थिति सामान्य हो जाती है। फिर भी अगर स्थिति असामान्य हो, तो अन्य लक्षणों का दोष होता है।
26. अन्त में हम कह सकते हैं कि मस्तिष्क रेखा का दोष व्यक्ति के जीवन में कई पहलुओं से तरक्की में बाधा उत्पन्न कर देता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

ii. दोषरहित मस्तिष्क रेखा

अगर मस्तिष्क रेखा दोषरहित हो, तो व्यक्ति के जीवन में सफलता के कई अवरुद्ध मार्गों की रुकावटें दूर कर देती है।

इन्हें अपने जीवन में प्रकृति का भी सहयोग मिलता है। अगर हाथ सुन्दर हो, तो चहुंमुखी तरक्की करने वाले होते हैं।

1. मस्तिष्क रेखा जितनी दोषरहित होगी उतना ही व्यक्ति का मानसिक विकास अच्छा होता है। यह शीघ्रग्राही होते हैं।

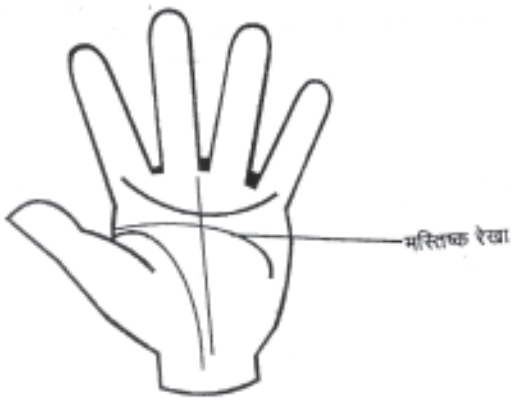

2. सुन्दर मस्तिष्क रेखा होने पर व्यक्ति में कामुकता की मात्रा सामान्य से कुछ अधिक होती है, हाथ नरम होने पर यह लक्षण ज्यादा देर तक स्थायी नहीं रहता है।
3. अगर मस्तिष्क रेखा दोषरहित हो और हृदय रेखा व जीवन रेखा की लम्बाई उंगलियों के अन्त तक हो, तो ऐसे लोग बड़ी सफाई से झूठ बोलने वाले, चालाकी से काम निकालने वाले व दूसरों की नज़रों में अपने आपको बहुत ही अच्छा साबित करने वाले होते हैं।
4. दोषरहित मस्तिष्क रेखा के साथ भाग्य रेखा मोटी हो और उसकी लम्बाई उंगलियों के अंत तक हो, तो बहुत ही लालची होते हैं। हाथ का रंग काला होने पर अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए कुछ भी कर सकते हैं।
5. यदि जीवन रेखा टूटी हो या दोषपूर्ण हो, तो यह मस्तिष्क रेखा पर अपना थोड़ा बहुत प्रभाव अवश्य डालती है। ऐसे लोगों को अपने कार्य में प्रशंसा नहीं मिलती।
6. ऐसे लोग एक गलती को बार–बार नहीं करते और अपनी गलतियों से बहुत कुछ सीख लेने वाले होते हैं।
7. इन्हें सभी पर सन्देह बना रहता है। ऐसे व्यक्ति पुलिस विभाग, सी, आइ. डी., पत्रकार, जज, वकील आदि क्षेत्रों में कार्यरत हों तो अन्य व्यक्ति पर इनका विश्वास आसानी से नहीं बन पाता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

8. अगर गुरु के साथ–साथ सूर्य भी उठा हो, तो इनमें आत्मविश्वास व घमंड अधिक होता है।
9. अपनी चतुराई की वजह से यह सभी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाना जानते हैं।
10. जीवन रेखा गोल हो, सूर्य रेखा अच्छी हो व मस्तिष्क रेखा दोषरहित हो, तो शिक्षा में भी अग्रणी होते हैं।
11. ऐसे लोग अपने नियम स्वयं बनाते हैं या बनाने की कोशिश करते हैं। दूसरों के अधीन रहना इन्हें अच्छा नहीं लगता। जो इन्हें अच्छा लगता है, ये वही करते हैं।
12. यदि अन्य रेखाए भी साफ सुथरी हों, तो इनके जीवन में संकट कम आते हैं।
13. इन्हें अपने माता–पिता या भाई–बहनों का सहयोग भी मिलता रहता है।
14. भाग्य रेखाएं अधिक होने पर दूसरों की मदद करने वाले व परोपकारी होते हैं।

इस प्रकार दोषरहित मस्तिष्क रेखा होने से मनुष्य को निरंतर तरक्की व समाज में उच्च स्थान मिलता है।

iii. लम्बी मस्तिष्क रेखा

अन्य रेखाओं की तरह लम्बी मस्तिष्क रेखा के भी अपने गुण–दोष हैं। यह मस्तिष्क रेखा तभी लम्बी मानी जाती है जब यह बुध की अंगुली के नीचे हथेली के दूसरे छोर तक जाती है या मणिबंध रेखा पर या उसके ऊपर समाप्त होती है।

वैसे मस्तिष्क रेखा अगर लम्बी होने की स्थिति में दोष रहित हो, तो उत्तम मानी जाती है। नीचे इस रेखा के गुण–दोषों का उल्लेख प्रस्तुत है।

1. लम्बी मस्तिष्क रेखा वाले व्यक्ति बहुत ही समझदार होते हैं। ये छोटी से छोटी बात को भी बड़ी असानी से समझ लेते हैं।
2. जीवन रेखा हाथ में गोल हो व हाथ भी भारी हो, तो ये लोग शिक्षा में अग्रणी भूमिका निभाने वाले होते हैं।
3. ऐसे व्यक्ति अपनी बात को बहुत अधिक महत्व देने वाले होते हैं। किसी से दोस्ती करते हैं तो पूरी तरह निभाते हैं और जिससे बैर रखते हैं उनके साथ कभी भी अपना व्यवहार ठीक नहीं रखते।
4. लम्बी मस्तिष्क रेखा बीच में से टूट जाए तो पेट से सम्बन्धित रोग होता है।
5. अगर मस्तिष्क रेखा मोटी हो, तो इन्हें दाम्पत्य सुख पूरी तरह से नहीं मिल पाता।
6. मस्तिष्क रेखा में द्वीप से बन जाएं तो ऐसे लोग शिक्षा में लापरवाह हो जाते हैं, पर बाद में ठीक हो जाते हैं।
7. यदि मस्तिष्क रेखा चन्द्रमा के स्थान तक जाए, तो ऐसे व्यक्ति अत्यधिक संवदेनशील होते हैं। छोटी–छोटी बातों को दिल से लगा लेते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

8. मस्तिष्क रेखा में द्वीप न हो, तो इनका अपनी बात को दूसरों तक पहुंचाने का ढंग अनोखा होता है। इनकी वाकशक्ति बहुत अच्छी होती है। लोग इनकी बातों से भी बहुत प्रभावित होते देखे गये हैं।
9. इन्हें अपनी जिन्दगी में संभल कर चलने की बहुत आदत होती हैं। इसलिए बड़ी–बड़ी गलतियां न यह करते हैं, न ही दोहराते हैं। हां, ध्यान देने योग्य बात यह है कि भाग्य रेखा में यदि यह दोष हो, तो गलतियां हो सकती हैं।
10. मुसीबत पड़ने पर उसका मुकाबला धैर्य से करने वाले होते हैं और युक्ति से उसका हल निकालकर सफल होते हैं।
11. ऐसे लोगों को 'प्लानिंग' मास्टर भी कहा जाता है।
12. मंगल उत्तम होने पर बहुत ही बहादुर होते हैं एवम् किसी से झगड़ा होने पर उसे हरा कर ही दम लेने वाले होते हैं।

इस प्रकार लम्बी मस्तिष्क रेखा के ऊपर विचार करते समय सभी ग्रहों जैसे सूर्य, चंद्र, गुरु आदि को भी ध्यानपूर्वक निरीक्षण करके देखें तो फलादेश में और सफलता मिल सकती है।

iv. छोटी मस्तिष्क रेखा

छोटी मस्तिष्क रेखा हाथ में एक दोष मानी जाती है। प्रायः यह कम ही लोगों के हाथों में होती है पर जिन लोगों के हाथों में ऐसी रेखा पाई जाती है और हाथ के अन्य लक्षणों में भी दोष होता है, तो इसका फल बहुत ही खराब होता है। पर अगर अच्छे लक्षण हों, तो यह बुरा फल नाममात्र का ही रह जाता है।

आइये, अब इस लक्षण की विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

1. इस प्रकार की मस्तिष्क रेखा होने पर इनका अपना या पत्नी का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता।

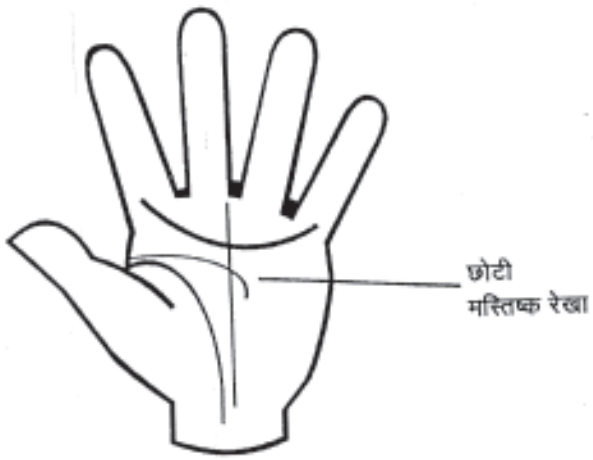

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. अगर इस रेखा के साथ–साथ जीवन रेखा में भी दोष हो, तो ऐसे लोग बहुत ही जल्दीबाजी में निर्णय लेने वाले होते है। इसलिए इन्हें कई बार जीवन में नुकसान उठाने पड़ते हैं।
3. छोटी मस्तिष्क रेखा हो व इस में यव हो, तो अनेक बार गलतियां करने वाले होते हैं।
4. गुस्से में यह अपना भी बहुत नुकसान करते हैं।
5. छोटी मस्तिष्क रेखा, शुक्र उठा हुआ, अंगुलियां छोटी व मोटी, भाग्य रेखा मोटी आदि इन्हें अत्यधिक कामुक बना देते हैं और इस कारणवश ये गलत काम भी कर लेते हैं।
6. कोई भी विपत्ति आने पर घबरा भी बड़ी जल्दी जाते हैं।
7. इन्हें काफी संघर्ष के बाद ही सफलता मिलती हैं।
8. ऐसे लोगों की जुबान पर भरोसा नहीं करना चाहिये। इन्हें वादे करने का शौक होता है, पर निभाने का नहीं।
9. हाथ भारी हो, अंगुलियां पतली हो, रंग गुलाबी हों, मस्तिष्क रेखा दोहरी हो या भाग्यरेखा मोटी से पतली हो, तो दोष नाममात्र का ही होता है और जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं।
10. ऐसे लोग दूसरों की बातों में बड़ी जल्दी आ जाते हैं और कोई भी लत इन्हें असानी से लग सकती है।

अगर हाथ में अच्छे लक्षण हों, तो दोष में कमी कर देते हैं। इसी प्रकार अच्छे लक्षणों का भी भली–भांति निरीक्षण करना चाहिए।

v. मोटी मस्तिष्क रेखा

यह भी मस्तिष्क रेखा का एक दोष है। इस प्रकार का दोष होने पर लक्षण इस प्रकार होते हैं :

1. मोटी मस्तिष्क रेखा होने पर स्वास्थ्य अच्छा नहीं होता है। सिर में भारीपन तथा पेट के रोग रहते हैं व मधुमेह का भी भय बना रहता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. इस अवस्था में इनके प्रत्येक कार्य में रुकावट आती है। व्यवसाय में भी रुक–रुक कर आमदनी होती है।
3. मोटी मस्तिष्क रेखा हो, शुक्र व चंद्रमा उठे हों, तो व्यक्ति की प्रवृत्ति बहुत ही कामुक होती है।
4. यदि इस लक्षण के साथ अंगुलियां मोटी तथा हाथ सख्त हों, तो संतान लापरवाह होती है।
5. इनके पति या पत्नी का स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता है।
6. ऐसे लोगों में धैर्य की कमी होती है, छोटी–मोटी बात होने पर घबरा भी जाते हैं।
7. इनका स्वभाव चिड़चिड़ा होता है। गुस्सा बहुत जल्दी आ जाता है। इन्हें मूडी कहा जाता है।
8. शिक्षा में रुकावट आती है। मस्तिष्क पर अधिक बोझ यह नहीं झेल सकते।
9. इन्हें पारिवारिक मदद कम मिलती है। परिवार के सदस्यों के साथ इनकी पटरी कम ही बैठती है।
10. जब तक यह मोटाई मस्तिष्क रेखा में रहती है, मानसिक रूप से ये लोग अशान्त रहते हैं। सभी कामों में रुकावट आती है, दोष निकल जाने पर फिर से शांति हो जाती है।

vi. पतली मस्तिष्क रेखा

मोटी मस्तिष्क रेखा की तरह पतली मस्तिष्क रेखा भी हाथ में एक दोष मानी जाती है। पतली मस्तिष्क रेखा उसे कहते हैं जब वह जीवनरेखा, भाग्यरेखा व हृदय रेखा के मुकाबले पतली हो। पतली रेखा होने पर निम्नलिखित फल लागू होते हैं :–

1. पतली मस्तिष्क रेखा हो ओर उसमें दोष हो, तो व्यक्ति की याददाश्त कमजोर होती है, इनका मन एक जगह नहीं लगता।
2. ऐसी रेखा होने पर जीवनरेखा सीधी और मस्तिष्क रेखा को कुछ रेखाएं काटें, तो इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं होता। इन्हें मस्तिष्क से सम्बन्धित कोई न कोई रोग अवश्य हो जाता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

3. अगर पतली मस्तिष्क रेखा में कोई दोष न हो, तो इन्हें मस्तिष्क सम्बन्धी कोई रोग नहीं होता और इनका दिमाग तेज होता है।
4. इनके बच्चों का स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं होता व पत्नी होने पर पति का व पति होने पर पत्नी का स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं होता।
5. इनकी आर्थिक स्थिति निर्दोष मस्तिष्क रेखा होने पर ठीक होती है।
6. अगर मस्तिष्क रेखा सीधी और लम्बी हो, साथ में दोषरहित भी हो, तो ऐसे व्यक्ति ऊट पटांग काम करने वाले होते हैं। अगर हाथ का रंग गुलाबी हो, तो दोष में कमी आ जाती है।
7. चन्द्रमा की ओर रेखा निर्दोष होकर बढ़े तो इन्हें धार्मिक बना देती है। ऐसे लोग दार्शनिक स्वभाव के व धर्म के प्रति बहुत निष्ठा रखने वाले होते हैं।
8. दोष होने पर इन्हें पारिवारिक मदद पूरी तरह से नहीं मिलती, पर दोषरहित होने पर ऐसा कम होता है और अपना जीवन अपने ही बलबूते पर बनाने वाले होते हैं।
9. हृदयरेखा में द्वीप होने की स्थिति में व जीवनरेखा सीधी होने की स्थिति में जीवन में काफी कष्ट आते हैं।
10. इन्हें गुस्सा बहुत आता है व छोटी–छोटी बातों को दिल से लगा लेते हैं ।इसलिए यह बहुत संवेदनशील होते हैं।

इस अध्ययन के समय ग्रह दोष का भी ध्यान रखें, क्योंकि ग्रहों का प्रभाव भी इन रेखाओं पर पड़ता है।

vii. गुरु ग्रह से उदित मस्तिष्क रेखा

मष्तिष्क रेखा अगर गुरु ग्रह से उदित हो, तो व्यक्ति में अनेक विशेषताएं आ जाती हैं। जैसे–

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

1. ऐसे लोग बहुत ही समझदार होते हैं। प्रत्येक काम बहुत ही समझदारी से करते हैं व जल्दबाजी में निर्णय लेने वाले नहीं होते।
2. ऐसे लोगों में आत्मविश्वास भी कूट–कूट कर भरा होता है तथा शासन करने की योग्यता भी इनमें पाई जाती है।
3. इन्हें जो काम करना होता है, उसके पीछे रात–दिन एक कर देते हैं। इन्हें सफलता भी अवश्य मिलती है।
4. इनका बौद्धिक स्तर सामान्य से अधिक होता है इसलिए गलतियां भी कम करते हैं।
5. ऐसे व्यक्ति जिनकी मस्तिष्क रेखा गुरु ग्रह से उदित होती है, अपनी पत्नी की प्रशंसा भी बड़ी मुश्किल से करते हैं और रूठ जाने पर पत्नी को ही मानना पड़ता है, यह स्वयं कोशिश नहीं करते।
6. इनकी दोस्ती जिसके साथ होती है, उसका साथ पूरी तरह से निभाते हैं।
7. इनकी सन्तान बहुत होशियार होती हैं। बचपन से ही इन्हें अपने–पराये का ज्ञान हो जाता है।
8. इस मस्तिष्क रेखा में दोष हो और मंगल क्षेत्र पर एक शाखा जाए, तो अपने दुश्मन से बदला अवश्य लेते हैं।
9. साधारणतया ऐसे लोग–दयालु, मदद करने वाले, माफ करने वाले तथा दूसरों का दुख समझने वाले होते हैं।

viii. मंगल से उदित मस्तिष्क रेखा

मंगल से मस्तिष्क रेखा उदित होने पर मनुष्य से व्यवहार में विभिन्नता आ जाती है। इसके गुण–दोषों से जीवन कैसे प्रभावित होता है, इसका विवरण इस प्रकार है–

1. मंगल से मस्तिष्क रेखा निकलने पर व मस्तिष्क रेखा के निर्दोष होने पर व्यक्ति बहुत ही साहसी और हर प्रकार की मुसीबत का सामना डटकर करने वाला होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. साफ–सुथरी मस्तिष्क रेखा होने पर कोई छोटी मोटी बात हो जाने पर एक दम झगड़ा मोल वाले होते हैं।
3. अक्सर यह रेखा बहादुरी के काम करने वालों या खेलों में रोमांचक करतब दिखाने वालों के हाथों में होती है। जैसे सर्कस, क्रिकेट, धावक आदि।
4. हृदय रेखा में द्वीप हो व मस्तिष्क रेखा में भी द्वीप हो, तो क्रोध में अपना आपा खो बैठते हैं। इन्हें ज्यादा गुस्सा रास नहीं आता है।
5. यदि अंगुलियां मोटी हों और मस्तिष्क रेखा का अन्त मंगल पर हो, भाग्य रेखा मोटी हो और हाथ का रंग काला हो, तो ऐसे व्यक्ति कत्ल करने वाले व ऊटपटांग काम करने वाले होते हैं।
6. प्रथम मंगल से मस्तिष्क रेखा निकले और दूसरे मंगल पर्वत पर इसका अन्त हो, तो इन्हें जीवन में कभी न कभी मांस, मदिरा या अन्य किसी नशीले पदार्थ का सेवन करने की लत अवश्य होती है।
7. मस्तिष्क रेखा व हृदय रेखा दोनों में ही दोष होने की स्थिति में इनकी पटरी अन्य लोगों से कम ही बैठती है। यह बचपन में बहुत ही जिद्दी होते हैं। इनका व्यवहार अपने माता–पिता से भी मेल नहीं खाता।
8. इन्हें रक्त सम्बन्धी दोष या चमड़ी का कोई न कोई रोग किसी भी अवस्था में अवश्य होता है।
9. हाथ सख्त होने पर स्वभाव भी सख्त होता है। भाग्यरेखा मोटी होने पर दया की मात्रा भी कम होती है।

ix. जीवन रेखा को छूकर निकली हुई मस्तिष्क रेखा–

जीवन रेखा को छूकर निकली हुई मस्तिष्क रेखा की भी अलग–अलग विशेषताएं हैं। यह रेखा अधिकतर हाथों में पाई जाती है। इसका अच्छा फल तभी होता है जब अन्य रेखाओं में दोष न हो–

1. ऐसे व्यक्ति सुलझे हुए व प्रत्येक कार्य को सोच समझ कर करने वाले होते हैं।

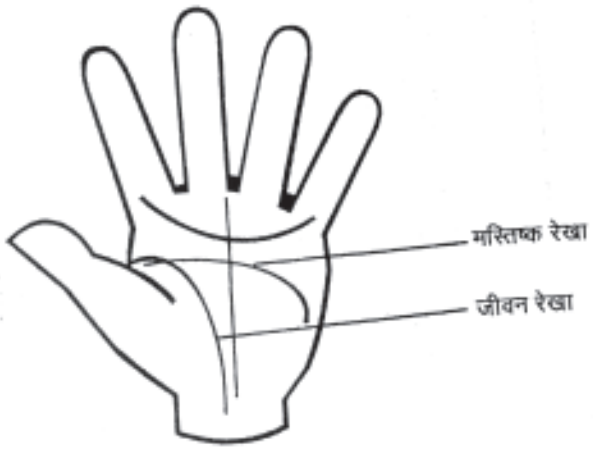

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. इस रेखा के साथ मस्तिष्क रेखा भी यदि साफ–सुथरी हो, तो इन्हें अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना धैर्यपूर्वक करने में प्रकृति भी बहुत साथ देती है।
3. अंगुलियां पतली और छू कर मस्तिष्क रेखा निकलती हो, तो इनमें दया भावना भी बहुत होती है।
4. यदि यह मस्तिष्क रेखा अन्त में द्विभाजित हो जाए तो बहुत ही समझदार होते हैं और शिक्षा में भी अव्वल होते हैं।
5. ऐसे व्यक्ति स्वयं तथा इनकी संतान दोनों ही जिम्मेदारी निभाने वाली होते हैं।
6. जीवन रेखा यदि मस्तिष्क रेखा के पास हो, तो ये अपने परिवार के सदस्यों की खातिर अपने कई शौकों को तिलांजलि दे देने वाले होते हैं पर फिर भी इन्हें यश नहीं मिलता है।

x. चंद्र क्षेत्र पर जाती हुई मस्तिष्क रेखा

किसी–किसी हाथ में मस्तिष्क रेखा चंद्रमा पर चली जाती है। यह अधिक मुड़ कर यदि चंद्रमा पर चली जाए तो एक दोष की स्थिति बनाती है।

यदि साधारणतया मुड़ कर चली जाए तो दोष नहीं माना जाता है। चन्द्र ग्रह शीतलता का अहसास करवाता है। इसलिए ऐसी रेखा वाले लोगों के स्वभाव में शीतलता होती है। अन्य लक्षण इस प्रकार से होते हैं–

1. मस्तिष्क रेखा यदि चंद्रमा पर जाए तो इनका स्वभाव दार्शनिकों जैसा होता है और ये कल्पनाशील तथा सौन्दर्य के उपासक होते हैं।
2. यदि हाथ का रंग गुलाबी हो व साफ–सुथरी मस्तिष्क रेखा हो, तो इनकी बातों में मधुरता होती है।
3. यह दूसरों की मदद करने वाले व हितैषी होते हैं। अगर भाग्य रेखा की संख्या एक से अधिक हो, तो इनमें दान पुण्य करने की भी प्रवृत्ति होती हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. ऐसे लोग लड़ाई–झगड़े में नहीं पड़ते हैं और बहुत ही तरक्की करने वाले होते हैं।
5. अधिक रेखाएं होने पर इनमें कल्पना की मात्रा बहुत अधिक होती है तथा प्रतिपल विचार बदलते रहते हैं।
6. यह रेखा साहित्यकारों के हाथों में होने पर विशेष तरक्की देने वाली होती है।
7. अगर यह रेखा एक दम मुड़कर चंद्रमा क्षेत्र की तरफ चली जाए व मस्तिष्क रेखा में दोष भी हो, तो छोटी–छोटी बातों पर भी आत्महत्या का विचार बन जाता है। अधिक दोष होने पर ये आत्महत्या भी कर लेते हैं।
8. ऐसे लोगों की अंगुलियां पतली व सीधी होने पर इन्हें कला या साहित्य के क्षेत्र में सफलता बहुत मिलती है।

इस प्रकार चंद्र की ओर जाने वाली मस्तिष्क रेखा एक प्रकार से मानवीय गुणों का समावेश करती है।

xi. मंगल क्षेत्र पर जाती हुई मस्तिष्क रेखा

मस्तिष्क रेखा अगर मंगल पर जाये तो इसके फल किस स्थिति में अच्छे व किस स्थिति में बुरे होते हैं, इसका विवरण प्रकार है:

1. मंगल पर जाने की स्थिति में यदि रेखा निर्दोष हो व अंगुलियां छोटी व पतली हों, तो व्यक्ति बहुत ही समझदार होते हैं व इनकी संतान भी तेज होती है।
2. अगर हृदय रेखा से बारीक–बारीक रेखाएं मंगल पर से जाती हुई मस्तिष्क रेखा पर जाएं तो ऐसे लोग बहुत ही संदवेदनशील होते हैं। हाथ नरम हो (छूने में) तो ये बहुत ही कामुक स्वभाव के होते हैं।

3. जीवन रेखा गोल व अंगूठा की तरफ जाने वाला हो, तो इनकी शिक्षा–दीक्षा अच्छी होती है।
4. यदि यह रेखा अंगूठे वाले मंगल से निकलती हो, तो, उन्हें जल्दबाजी में काम करने की आदत होती है। बातें भी बहुत करते हैं। अगर यह हाथ काला या लाल हो, तो ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहना चाहिए। गुरु की अंगुली अगर सूर्य की अंगुली से छोटी हो, तो सोच–समझकर इनके साथ

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

मेल–मिलाप करना चाहिए, क्योंकि ये कोई भी अनैतिक काम कर सकते हैं।

5. निर्दोष मस्तिष्क रेखा होने पर यह शान्त स्वभाव के होते हैं। अंगुलियां यदि मोटी हों, तो इन्हें गुस्सा भी आ जाता है।
6. मंगल पर जाने की स्थिति में जीवनरेखा गोल हो व भाग्यरेखा की संख्या एक से अधिक हो, तो इन्हें मुकदमे में जीत मिलती है व दिया हुआ धन कम ही डूबता है।
7. ऐसे लोगों में दूरदर्शिता बहुत होती है। हाथ भारी व अंगुलियां पतली होने पर तो जैसे चार चांद ही लग जाते है। इनके जीवन में धोखा खाने के अवसर बहुत कम आते हैं।

नोट– हाथ के भारीपन और पतलेपन का प्रभाव भी इन रेखाओं पर पड़ता है। इसका अध्ययन करने के पश्चात् ही फलादेश करें।

xii. मस्तिष्क रेखा से यदि एक अन्य रेखा निकलती हो–

मस्तिष्क रेखा से यदि एक अन्य मस्तिष्क रेखा भी निकले तो मस्तिष्क रेखा के प्रभाव को दुगना कर देती है। आइये, अब इनके प्रभावों का विश्लेषण करें।

1. ऐसे व्यक्ति बहुत ही समझदार व विचारशील होते हैं। इन्हें अपने जीवन में बहुत कुछ करने का अवसर मिलता है।
2. अपनी बात को स्पष्ट कहने की वजह से इनकी पटरी कम लोग के साथ ही बैठती है। इनमें सहनशीलता भी कम होती है।
3. मस्तिष्क रेखा में से एक अन्य शाखा निकलने पर क्रोध पर भी नियन्त्रण रखना आता है। ये आपे से बाहर कभी नहीं होते।
4. ऐसी रेखा बनने पर इनमें शासन करने की योग्यता बहुत होती है। ये बड़ा या छोटा किसी प्रकार का भी कार्य करते हों, शासनात्मक प्रवृत्ति विद्यमान रहती है।
5. एक खास बात यह है कि ये अपने साथ–साथ दूसरों का भी ध्यान रखने वाले होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

6. यह लोग किसी के दबाव में रहना पसन्द नहीं करते, और अपना जीवन अपने ही बलबूते पर बनाने वाले होते हैं। दोस्ती निभाने वाले होते हैं। इन्हें अपनी चालाकी में कामयाबी नहीं मिलती या इन्हें ज्यादा चालाकी रास नहीं आती। यह अगर सोचते भी हैं तो ज्यादा देर तक अपनी इस बात पर स्थायी नहीं रहते हैं।
7. यह रेखा साफ–सुथरी हो तथा गुरु पर्वत व शुक्र पर्वत भी उठे हों तो इन्हें आसानी से किसी पर विश्वास नहीं होता।
8. यह अपने परिवार का दायित्व निभाने वाले होते हैं या कह सकते हैं कि एक अन्य शाखा निकलने पर जिम्मेदारी निभाने वाले होते हैं।
9. अपनी बात को दूसरों तक पहुंचाने वाले या गहरे रहस्यों को सरलता से समझाने वाले होते हैं।
10. इन्हें अपने जीवन में स्वयं की सम्पत्ति का सुख होता है। हाथ उत्तम प्रकार का होने पर यह एक से अधिक सम्पत्ति का अर्जन करने वाले होते हैं।
11. इनकी संतान भी इनकी तरह बहुत समझदार होती है। इनमें बचपन से ही दूरदर्शिता आ जाती है।
12. इनमें अधिक संवेदना होती है, जिसकी वजह से यह रो भी पड़ते हैं। अपनी प्रशंसा सुनने पर भावविह्वल हो उठते हैं।

नोट– इसकी शाखा घूम कर जिस ग्रह पर भी पहुंचे उस ग्रह की विशेषता भी इनमें आ जाती है।

xiii. मस्तिष्क रेखा में त्रिकोण

मस्तिष्क रेखा में छोटे व बड़े दोनों प्रकार के त्रिकोण बनते हैं। इन त्रिकोणों के मानव जीवन पर कई प्रकार के प्रभाव पड़ते हैं। इसका निरीक्षण बहुत ही सावधानी से करना चाहिए क्योंकि छोटे, बड़े व मध्यम प्रकार के त्रिकोण तीनों का फलादेश अलग–अलग होता है।

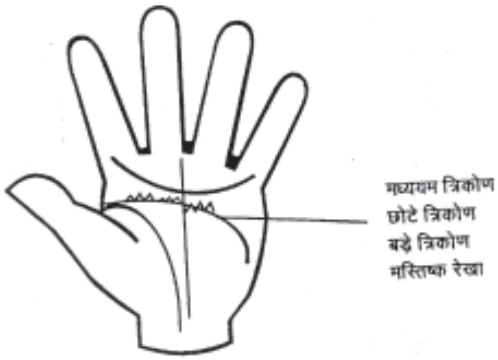

1. मस्तिष्क रेखा में छोटे–छोटे द्वीप या त्रिकोण बने होने पर सिर में भारीपन रहता है। इनका मन बहुत ही संवेदनशील होता है। जब तक यह छोटे–छोटे त्रिकोण हाथ में रहते हैं, इन्हें अपने जीवन में संतोष भी नहीं मिलता।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. ऐसे लोग, जिनके हाथ में मध्यम या छोटे–छोटे त्रिकोण बनते हैं, एक क्षण में कुछ व दूसरे क्षण में कुछ और सोचते हैं। एक जगह टिक कर काम करना इनके लिए थोड़ा मुश्किल होता है।
3. इनका पेट भी ठीक नहीं रहता। यह स्पष्टवादी होते हैं व आत्मविश्वास की इनमें कमी पाई जाती है।
4. इनमें कामुकता बहुत होती है। इसलिए दाम्पत्य जीवन में भी कभी–कभी टकराव हो जाता है ।
5. अगर मस्तिष्क रेखा का झुकाव चंद्र पर्वत पर हो व हृदय रेखा में भी दोष हो, तो इनके मन में आत्महत्या का विचार बहुत जल्दी आ जाता है।
6. प्रेम सम्बन्ध होने पर प्रेमिका से बात–बात पर रूठ जाना और स्वयं मना लेना आदि इनमें चलता रहता है।
7. हाथ नरम होने, त्रिकोण बने होने व अंगूठा लचीला होने पर खुद के स्वभाव से भी कई बार परेशान हो जाते हैं।
8. बड़े–बड़े त्रिकोण होने पर इनको बड़ी आयु में पैरों में दर्द हो जाता है।
9. इनके कार्यों में रुकावटें बहुत अधिक आती हैं। इसका इन्हें धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए।
10. बड़ा त्रिकोण यदि मस्तिष्क रेखा के ऊपर या नीचे की ओर बनता हो, तो इन्हें उस आयु में आर्थिक लाभ होता है। यदि यह बड़ा त्रिकोण जीवन रेखा व मस्तिष्क रेखा के बीच में बनता हो, तो निश्चय ही कोई बड़ी आर्थिक मदद या लाभ मिलता है।
11. यदि बड़े–बड़े त्रिकोण हों और हाथ का रंग गुलाबी हो व हाथ भारी हो, तो ये लोग अवश्य ही धनी होते हैं।

नोटः अधिक रेखाओं के प्रभाव से इन त्रिकोणों के फल में कमी आ जाती है। अगर ये बड़े–बड़े त्रिकोण कम रेखाओं वाले हाथों में हों और साफ सुथरे बने हों तो बहुत ही उत्तम फल देने वाले होते हैं।

xiv. मस्तिष्क रेखा के साथ सटी हुई एक अन्य मस्तिष्क रेखा

मस्तिष्क रेखा के साथ यदि एक पतली सी सटी हुई रेखा बनती हो, तो यह मस्तिष्क रेखा के गुणों में कमी कर देती है। इसके उपस्थित होने पर :

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

1. व्यक्ति को मस्तिष्क सम्बन्धी या पेट सम्बन्धी रोग हो जाते हैं।
2. इनके जीवन में दुर्घटना का भय बना रहता है या चोटें बहुत लगती हैं।
3. इन्हें अपने रिश्तेदारों का सहयोग नहीं मिलता।
4. इनका व्यवसाय लगातार नहीं चलता।
5. बेकार के झगड़े व मुकद्दमे इन्हें अनावश्यक रूप से तंग करते हैं।
6. लोग इनसे वायदा करके भी पूरा नहीं करते और यह स्वयं भी कभी–कभी इस आदत के शिकार हो जाते हैं।
7. जब तक यह रेखा रहती है तब तक जीवन में कठिनाई विशेष रूप से बनी रहती है।

नोट– पूजा या हवन द्वारा इसे शांत किया जा सकता है। इसके लिए ईश्वरीय शरण में जाना अति आवश्यक है।

अभ्यास

1. सीधी और स्पष्ट शीर्षरेखा के बारे में बतायें ?
2. शनि पर्वत की ओर झुकने वाली शीर्षरेखा का प्रभाव बतायें ?
3. शीर्षरेखा छोटे–छोटे द्वीप और रेखा युक्त होने से जातक के जीवन में क्या प्रभाव करती है ?
4. शीर्ष रेखा का अंत चन्द्र क्षेत्र पर होने से क्या प्रभाव होता है ?
5. शीर्ष रेखा द्वारा किन–किन बातों का निर्णय किया जाता है ?
6. शीर्ष रेखा न होने से जातक के जीवन पर क्या प्रभाव होता है ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

10. भाग्य रेखा

भाग्य रेखा का परिचय :

नैवाकृति फलति नैव कुलं न शीलं।
विद्याऽपि नैव न च यत्न कृतापि सेवा।

भाग्यानि पूर्वतपस्य खलु सच्चितानि।
काले फलन्ति पुरुषस्य यथैव वृक्षा।।

भर्तृहरि के नीतिशतक के इस श्लोक के अनुसार पुरुष की सुन्दर आकृति कुछ फल नहीं देती और उत्तम कुल, शील विद्या तथा यत्न से की हुई सेवा, इनमें से कोई भी फल भाग्य बिना नहीं मिलता। पूर्व तपस्या से संचित किया हुआ भाग्य ही मनुष्यों को समय आने पर वृक्ष के तुल्य फल देता है।

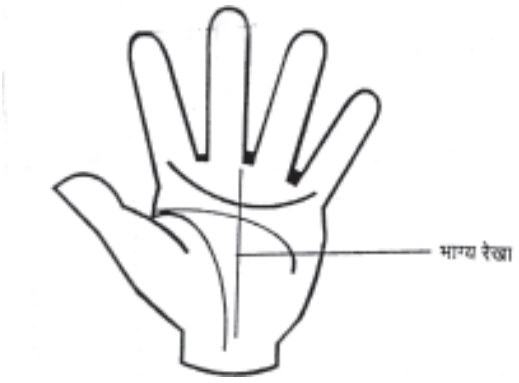

भाग्य रेखा उसे कहते हैं, जो जीवन रेखा से थोड़ी दूरी से निकलकर शनि क्षेत्र पर या शनि से थोड़े नीचे समाप्त होती है।

भाग्य रेखा से मनुष्य के जीवन के कई आयामों का पता चलता है जैसे, धन, व्यापार, सम्पत्ति, सवारी सुख आदि।

भाग्य रेखा का हाथ में सूक्ष्म निरीक्षण करना अति आवश्यक है। अन्य रेखाओं व ग्रहों को भी मद्देनज़र रखने के बाद ही इसका फलादेश करना चाहिए। भाग्यरेखा का पूर्ण रूप से अपना अलग अस्तित्व नहीं है। एक सर्वेक्षण में रिक्शा चालकों व भीख मांगने वालों के हाथों में बहुत अच्छी भाग्य रेखा देखी गई है। पर उनकी स्थिति बहुत ही दयनीय थी। इससे पता चलता है कि भाग्यरेखा का अलग से महत्व या फल नहीं होता है। अन्य रेखाओं का कुप्रभाव भाग्य रेखा के गुणों को खत्म कर देता है या गुणों में कमी भी ला देता है।

अक्सर कई हस्तरेखा विशेषज्ञ फलादेश, केवल भाग्य रेखा को देखकर ही करते हैं और कहते हैं कि भाग्यरेखा फल नहीं दे रही है पर उनकी रेखा बहुत अच्छी है। यह ज्ञान तब ऐसे महानुभवों की सीमा

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

से भी परे हो जाता है। अगर सभी रेखाओं का फल ध्यान में रखकर देखा जाए तो भाग्य रेखा के फल में कमी दिखाई देगी। कई बार रेखाएं अच्छी होने के बावजूद कोई ग्रह दोष या अन्य कोई दोष हो सकता है, जिसका निवारण करवाकर हम इसके दोषों में कमी ला सकते हैं।

यहां उन कारणों का उल्लेख किया जा रहा है जिनसे भाग्य में उन्नति व अवनति होती है। कई लोगों के हाथ में भाग्य रेखा में दोष होता है। इसलिए सबसे पहले भाग्य रेखा के दोषपूर्ण लक्षण का उल्लेख आवश्यक है।

i. दोषपूर्ण भाग्य रेखा

जब भाग्यरेखा पूरी तरह शनि ग्रह पर समाप्त न हो या मोटी हो, पतली हो, बड़े–बड़े त्रिकोण से आरंभ हो, तो भाग्यरेखा में दोष उत्पन्न होता है। इन दोषों के कारण मनुष्य के जीवन पर कई प्रकार के दुष्प्रभाव पड़ते हैं। जैसे प्रत्येक कार्य में बाधा आती है, दिया हुआ धन डूब जाता है या कोई भी व्यापार करने पर सफलता नहीं मिलती आदि।

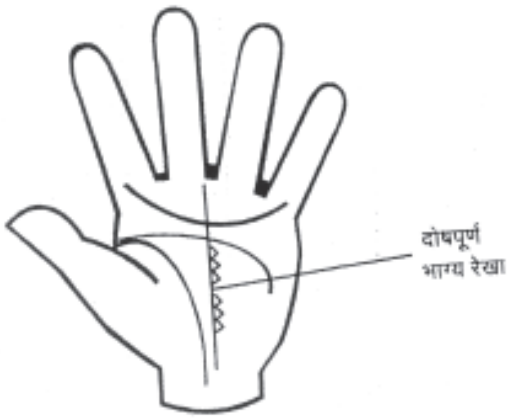

सम्बन्धियों की मदद भी नहीं मिलती, स्वयं संघर्ष करके जीवन बनाना पड़ता है अथवा आय से अधिक व्यय होता है।

दाम्पत्य जीवन में भी अशांति बनी रहती है। मनुष्य के स्वभाव में निराशा छा जाती है।

मन कहीं पर टिकता नहीं है, स्वभाव से जल्दबाज या उतावले हो जाते हैं, जिससे से नुकसान भी होने लगते हैं। पैसा लेने पर समय पर चुकता नहीं कर पाते हैं।

कामुक प्रवृत्ति बढ़ती जाती है, अपनी तृप्ति हेतु कई बार प्रेम सम्बन्ध या अनैतिक सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास करते हैं।

दोष की अवस्था में उन्हें यह अच्छा नहीं लगता कि उनकी कही हुई बात को परिवार वाले काटें। अगर परिवार वाले ऐसी बातें करते हैं तो इनके मन में घर को छोड़ देने की 'प्लानिंग' बनती रहती है, पर छोड़ भी नहीं पाते।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

इन्हें जो लत लग जाती है उसको बदलना इनके लिए कठिन हो जाता है। इनको अपने जीवन का पूर्ण मकसद मिल ही नहीं पाता। अगर मिलता है तो धनाभाव के कारण इस अवस्था में उनका मकसद पूरा नहीं हो पाता। इधर उधर मारे–मारे फिरते हैं।

कई बार देखने में आया है कि इस दोष की वजह से इनमें चोरी–चकारी जैसी आदतें आ जाती हैं या लड़की होने पर अपने आपको बेचने को मजबूर हो जाती हैं। कुछ औरतों के हाथों के अध्ययन से पता चलाकि वे ऐसा करने को इसलिए मजबूर थीं क्योंकि उनके आर्थिक कष्ट सुलझा नहीं पा रहे थे।

अगर विवाह की बात हो, तो रिश्ते आने पर बात नहीं बन पाती और मन टूट सा जाता है।

नोट– इस दौर में अगर भाग्य रेखा की शांति हेतु पाठ या ध्यान करें तो कष्ट में अवश्य राहतें मिलती हैं।

ii. निर्दोष भाग्य रेखा

भाग्य रेखा के निर्दोष होने पर मनुष्य को अनेक प्रकार से लाभ मिलते हैं किन्तु बिलकुल निर्दोष भाग्य रेखा विरले ही लोगों के हाथ में होती है।

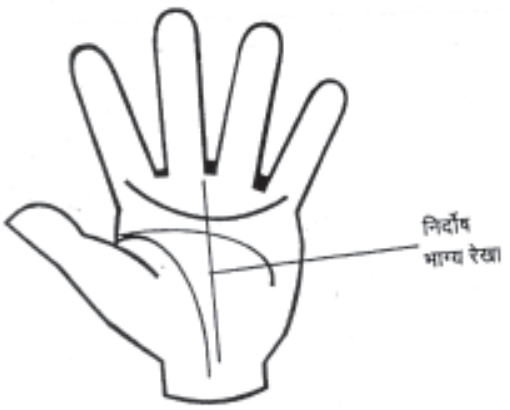

बहुत अच्छी किस्मत होने पर यही यह रेखा हाथ में होती है। इसके होने पर कई लाभ होते हैं परन्तु इसके साथ कुछ दूसरे अनिवार्य लक्षण होना भी जरूरी है जैसे भाग्य रेखा की संख्या का एक से अधिक होना, जीवन रेखा से अन्य भाग्य रेखा का निकलना आदि। यहां निर्दोष भाग्यरेखा के गुणों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत है :

1. निर्दोष भाग्यरेखा के होने पर व्यक्ति में मिलनसार होने का गुण व एक से अधिक भाग्य रेखाएं होने पर दूसरों की मदद का गुण स्वभाविक रूप से आ जाता है।
2. इनका जीवन इनकी मेहनत से आगे बढ़ता है और इन्हें अपने जीवन में लगातार सफलता मिलती रहती है। यह अपनी आय के साधनों में भी बढ़ोतरी करते रहते हैं।
3. इनके सम्बन्ध प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. ऐसे लोगों को जीवनसाथी, सम्पत्ति, सवारी आदि सभी चीजों का सुख प्राप्त होता है और इन्हें सहायता करने वालों की कमी नहीं होती। यह खुद भी दूसरों की मुसीबत में काम आने वाले होते हैं।
5. हाथ का रंग यदि गुलाबी हो, तो इन्हें आज्ञाकारी संतान मिलती हैं, जो जीवन में तरक्की करने वाली होती हैं।
6. इनकी सेहत भी बहुत अच्छी होती है। बदलते मौसम का प्रभाव इन पर कम ही पड़ता है तथा पाचनशक्ति भी अच्छी होती है।
7. ऐसे लोग निष्पक्ष राय देने वाले होते हैं। सभी ग्रह उठे हों तो राय देने के साथ–साथ मदद करने वाले भी होते हैं।
8. भाग्यरेखा सुन्दर होने पर यदि जीवन रेखा में दोष आ जाये तो यह गुणों की महत्ता कम कर देती है।
9. अच्छे भाग्यरेखा होने पर मनुष्य को संघर्ष की स्थिति में प्रकृति की तरफ से ही बल प्राप्त हो जाता है और वे सफलता हासिल करते हैं।
10. इनकी दी हुई रकम डूबती नहीं है। मकान इत्यादि बनाने पर इन्हें लाभ ही होता है। सभी ग्रह उच्च होने पर बहुत ही बड़े–बड़े पदों पर प्रतिष्ठित होते हैं और जीवन का अधिकतर समय कुशलपूर्वक बीतता है।

नोट : अन्त में यह कहना आवश्यक है कि यदि अन्य रेखाओं में दोष है, तो भाग्य रेखा सुफल में थोड़ी बहुत कमी अवश्य कर देती है।

iii. जीवन रेखा से उदय होती भाग्य रेखा

भाग्य रेखा का निकास हाथ में कई स्थानों से होता है जैसे जीवन रेखा, शनि के स्थान, मस्तिष्क रेखा, चन्द्रमा, मंगल, हृदय रेखा आदि से। अब हम सर्वप्रथम जीवन रेखा भाग्य रेखा से निकलने के परिणाम का विश्लेषण करेंगे।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

1. भाग्यरेखा यदि जीवन रेखा से उदय हो तो ऐसे लोगों को पारिवारिक मदद नहीं मिलती। वे अपना जीवन अपने बलबूते पर बनाने वाले होते हैं।
2. ऐसे व्यक्ति जिस काम में लगे होते हैं उसे ही बढ़ाने की सोचते रहते हैं। व्यर्थ में व्यवसाय को बदल–बदल कर करने का इन्हें शौक नहीं होता।
3. ऐसे लोगों के व्यवसाय की संख्या कई बार एक से अधिक पाई जाती है।
4. यदि यह भाग्य रेखा पहले मोटी तथा बाद में पतली हो जाए और गुरु की अंगुली सूर्य की अंगुली के बराबर या बड़ी हो, तो इन्हें अपने जीवन में सफलता अवश्य मिलती है तथा ये दूसरों की मदद करने वाले होते हैं।
5. ऐसे व्यक्ति समाज सेवक और भविष्यवेत्ता होते हैं और निर्दोष भाग्यरेखा होने पर उच्च पदों पर असानी होते हैं।
6. इनके विचारों का तालमेल अपने परिवार के सदस्यों के साथ बहुत अच्छा नहीं होता है। यह किसी से डर कर नहीं रहते और अपनी मनमर्जी करने वाले होते हैं।
7. यह अपने काम को पूर्ण उत्तरायित्व के साथ निभाने वाले और फुर्ती से करने वाले होते हैं।
8. यह भाग्यरेखा, जीवन रेखा से जितनी दूर होती जाती है, जीवन में उतना ही आनंद प्राप्त होता है तथा कठिनाइयों की समाप्ति होती जाती है।
9. ऐसे लोग अपने अन्त समय में धनी होते हैं किंतु किसी अन्य रेखा में दोष होने पर ही ऐसा सम्भव है।
10. यदि जीवन रेखा में दोष हो, तो इन्हें सफलता के लिए संघर्ष कुछ अधिक करने पड़ते हैं।

iv. जीवन रेखा के पास से निकलती हुई स्वतन्त्र भाग्य रेखा

1. यदि भाग्य रेखा जीवन रेखा से होकर निकले और हाथ का रंग गुलाबी औश्र अंगुलियां सीधी हों, तो ऐसे व्यक्ति अपना जीवन अपने बलबूते पर बनाने वाले और सफल होते हैं।

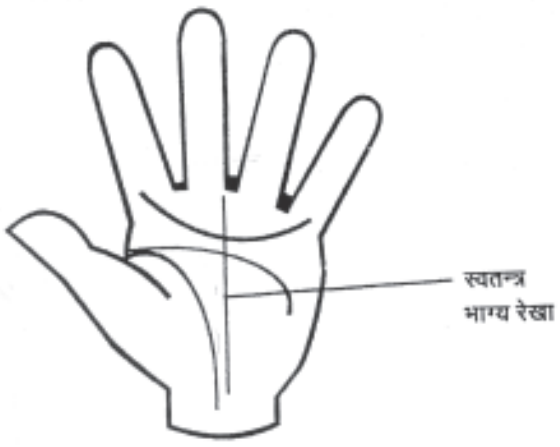

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. ऐसे लोग अपनी सूझबूझ से चलते हैं – सबकी सुनेंगे पर करेंगे अपनी।
3. ऐसे लोग कर्त्तव्य को पूरे दायित्व के साथ निभाने वाले होते हैं।
4. भाग्यरेखा यदि शुरू में मोटी हो, तो इनके स्वभाव में लापरवाही आ जाती है। अपनी मनमर्जी करना, घर वालों की बात पर गौर ना करना, बग़ैर बात के घर में अशान्ति, उत्पन्न करना आदि अनेक दोष इनमें आ जाते हैं। शुरू में माता–पिता को ऐसी औलाद नालायक लगती है और इस विषय में चिन्ता रहती है कि इनके भविष्य का क्या होगा? लेकिन बाद में भाग्य रेखा के पतले हो जाने से दोष खत्म हो जाता है।
5. सभी ग्रहों के उठे होने तथा भाग्य रेखा के मोटी से पतली होने की स्थिति में विशेष तरक्की करने वाले और एक साथ कई प्रकार के व्यापार करने वाले होते हैं।
6. इस प्रकार की अलग से निकली हुई भाग्यरेखा यदि हृदय रेखा या मस्तिष्क रेखा पर रुक जाये तो इन्हें दोस्तों से नुकसान भी होता है।

नोट– भाग्यरेखा की संख्या अधिक होने पर कई प्रकार के नुकसानों व आने वाले कष्टों से राहत मिल जाती है।

v. मस्तिष्क रेखा से उदित भाग्य रेखा

भाग्य रेखा यदि मस्तिष्क रेखा से उदित हो, तो इसका भी फलादेश अलग ही प्रकार का होता है। यह भी भाग्य रेखा के फल में परिवर्तन कर देती है।

1. मस्तिष्क रेखा यदि भाग्यरेखा से निकलती है, तो ऐसे व्यक्ति अपने ही बलबूते पर कार्य करने वाले होते हैं। हाथ भारी तथा अंगुलियां सीधी होने पर वे बहुत ही तरक्की करने वाले होते हैं।
2. ऐसे व्यक्तियों को उस आयु में जहां से भाग्यरेखा उदित होती है, विशेष तरक्की मिलती है। यहां पर भाग्यरेखा की संख्या भी एक से अधिक होने पर चहुंमुखी प्रतिभा का प्रतिवादन करने वाले होते हैं, किन्तु ऐसा दुर्लभ लोगों के हाथों में ही होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

3. भाग्य रेखा के उदय होने से पहले का समय जीवन में कोई विशेष उन्नति नहीं लाता। यदि इस समय मस्तिष्क रेखा की एक शाखा गुरु से निकले तो सफलता पहले भी मिलती है।
4. काले हाथों में या टेढ़े–मेढ़े हाथों में यह भाग्य रेखा और ज्यादा कष्टदायक होती है
5. जीवन रेखा सीधी होने पर यदि ऐसी भाग्य रेखा हो, तो उन्हें अपने जीवन में संघर्ष ही करना पड़ता है तथा संतान सुख भी पूरी तरह से प्राप्त नहीं होता।

vi. चन्द्र क्षेत्र से उदित भाग्य रेखा

चन्द्रमा के क्षेत्र से भाग्य रेखा का उदय होना भी एक खास लक्षण है, हाथों में यह रेखा प्रायः देखने में मिलती है।

ऐसा होने पर हाथ में कई महत्वपूर्ण लक्षण आ जाते हैं जिसका विश्लेषण नीचे किया जा रहा है:

1. अन्य रेखाओं की तरह चंद्रमा क्षेत्र से उदित भाग्य रेखाएं निर्दोष स्थिति में होने पर बहुत ही उत्तम फल देती हैं। चंद्रमा से भाग्य रेखा के निकलकर सीधे शनि के क्षेत्र में जाने पर इन्हें दूसरों से लाभ होता है।
2. स्त्रियों के हाथों में यह रेखा होने पर जिस घर में भी इनका विवाह होता है, वहां पर तरक्की होती जाती है। पति के लिए ये स्त्रियां लक्ष्मी समान होती हैं।
3. यदि चन्द्र क्षेत्र से भाग्यरेखा निकले और वहां पर आड़ी रेखाएं हों और चंद्र क्षेत्र से निकली यह भाग्य रेखा उन रेखाओं को काट दे तो ऐसी स्थिति में स्त्री का प्रभाव अपने पति पर कम पड़ता है और पति अपनी मनमर्जी करने वाला और पत्नी की बातों को अनसुना करने वाला होता है या उसकी बातों को कम सुनने वाला होता है।
4. इन्हें पानी से व पानी वाली जगह से प्यार होता है और इनकी कोशिश होती है कि पानी वाले स्थान पर एक जगह ली जाये। गुदगुदा हाथ होने पर घर में स्विमिंग पुल भी बनाते हैं। ये नौकरी या व्यवसाय ऐसे स्थान पर करते हैं, जहां आस पास पानी हो।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

5. चंद्रमा क्षेत्र से भाग्यरेखा निकलकर सीधे शनि के क्षेत्र पर जाने से इन्हें लड़का होने पर लड़कियों से लाभ ओर लड़की होने पर लड़कों से लाभ होता है।
6. यदि चंद्र से उदित भाग्य रेखा हृदय रेखा के नीचे हो या उस पर रुक जाये तो इन्हें अपने जीवन में मित्रों से हानि होती है। इन्हें 'पार्टनरशिप' में काम रास नहीं आता है। दूसरों की मदद करने की वजह से यह अपना नुकसान भी करवा बैठते हैं।
7. भाग्यरेखा मोटी से पतली होने पर इन्हें लाभ होता है। शुरू में यह भाग्य रेखा पढ़ाई या व्यवसाय में रुकावट डालती है।
8. शुक्र व चंद्र उन्नत होने पर यह कामुक प्रवृत्ति के होते हैं। यदि हृदय रेखा में द्वीप भी हो और भाग्यरेखा के शुरू में चंद्र पर्वत पर त्रिकोण बनता हो, तो इनके अनैतिक सम्बन्ध कायम हो जाते हैं या प्रेम सम्बन्ध भी पाए जा सकते हैं।
9. चंद्रमा से निकली यह रेखा कभी–कभी राजनीति का भी शौक पैदा करती है। निर्दोष रेखाएं होने पर यह शुरू से ही अपना रौब व गुट बनाकर नेतागिरी करने वाले होते हैं। यह समझदार होते हैं और शासन करना इन्हें अच्छा लगता है।

vii. भाग्य रेखा का शनि क्षेत्र पर अन्त

भाग्य रेखा का शनि क्षेत्र पर अन्त निर्दोष अवस्था में होने पर बहुत अच्छा लक्षण है। ऐसे व्यक्ति को अपनी जिन्दगी में सभी प्रकार के सुख मिलते हैं। सभी लोग इनसे मदद की आकांक्षा रखते हैं और यह यथासंभव मदद करते भी हैं।

दोनों हाथों में भाग्यरेखा यदि एक जैसी हो, तो उन्हें अपने माता या पिता के कार्य में भाग लेना पड़ता है या ये लोग पिता का काम करने वाले होते हैं और इन्हें भी अपने जीवन में सफलता हासिल होती है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

viii. गुरु ग्रह पर जाती भाग्यरेखा

भाग्य रेखा का
अंत गुरु पर

यदि भाग्य रेखा या उसकी शाखा सीधे गुरु ग्रह पर समाप्त हो तो यह भी हाथ का एक अच्छा लक्षण है।

1. इस लक्षण के होने पर और एक शाखा शनि क्षेत्र पर जाने पर ऐसे व्यक्ति बहुत ही सौभाग्यशाली होते हैं और बहुत जल्दी ही तरक्की हासिल करते हैं। लेकिन सीधे गुरु के स्थान पर जाने से इनके जीवन में उन्नति के साथ–साथ काफी बाधाएं भी आती रहती हैं। यह 35 वर्ष के बाद ही उन्नति करते हैं।
2. इनके अन्दर आत्मविश्वास बहुत होता है। इन्हें जो अच्छा लगता है, वह कर डालते हैं, भले ही नुकसान हो।
3. इनके जीवन में ऐसी कई बातें होती रहती हैं जिनकी वजह से यह मानिसक रूप से अशांत भी रहते हैं।
4. ऐसा लक्षण होने पर इनमें बुद्धिमत्ता पाई जाती है, पर इस बुद्धिमत्ता का लाभ यह ले नहीं पाते हैं।
5. इन्हें अपने जीवन में परिवार वालों का पूरा स्नेह व पूरा सहयोग कम ही मिलता पाया गया है।

ix. भाग्य रेखा का हृदय रेखा पर रुक जाना

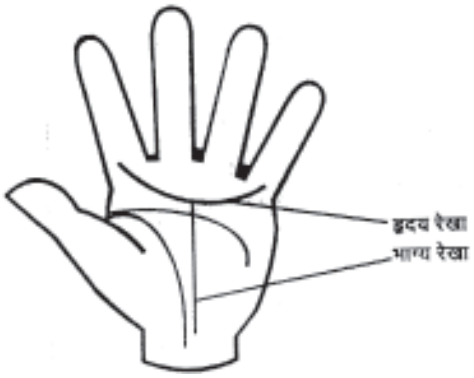

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

भाग्य रेखा का हृदय रेखा पर रुक जाना विशेष लक्षण नहीं माना जाता। इस लक्षण के होने पर यदि जीवन रेखा सीधी हो और भाग्य रेखा जीवन रेखा के नजदीक हो, तो ऐसे लोगों की सन्तान का वैवाहिक जीवन अच्छा नही होता है।

2. यदि यह भाग्येरखा मोटी होकर हृदय रेखा पर रुके तो सन्तान का शिक्षा की तरफ झुकाव नाममात्र ही होता है।
3. भाग्यरेखा का हृदय रेखा पर रुक जाना और हृदय रेखा में द्वीपों का आ जाना व्यक्ति के जीवन में प्रेम सम्बन्धों को दर्शाता है और इन्हें प्रेम सम्बन्धों में बदनामी भी मिलती है।
4. भाग्य रेखा के इस प्रकार से होने पर एक जगह दिल नहीं लगता। कभी कुछ तो कभी कुछ और प्लान बनाते रहते हैं। घर में इन्हें शांति नहीं मिलती है। ऐसे लोग अपना काम छोड़कर दूसरों के पीछे–पीछे भागते हैं तो भी इन्हें कामयाबी नहीं मिलती हैं। ये लोग आजाद रहना चाहते हैं। इनके ऊपर पारिवारिक जिम्मेदारियां आने पर उनसे बचने की कोशिश करते हैं। हां, हाथ में अन्य रेखाएं अच्छी होने पर दोषपूर्ण फल में कमी अवश्य हो जाती है।
5. शुक्र ग्रह के विकसित होने, जीवन रेखा के सीधे होने, हृदय रेखा में दोष होने और हथेली नरम होने पर कामुक स्वभाव होते हैं और विपरीत लिंग के प्रति इनका आकर्षण बहुत अधिक होता है। इन्हें अपने व्यवसाय में, वैवाहिक जीवन में तथा प्रेम सम्बन्धों में सन्तुष्टि नहीं मिल पाती है।
6. इस प्रकार की भाग्यरेखा का अन्त हृदय रेखा पर होने से व्यक्ति के चरित्र में भी कई प्रकार की विभिन्नताएं आ जाती हैं। जैसे लापरवाही, दूसरे पर विश्वास जल्दी कर लेना, नरम स्वभाव, रहम, किसी के कहने पर पैसा लगा देना और पूरी तरह से विचार ना करना, इनका लगाया धन डूब जाना और मांगने की हिम्मत पूरी तरह से न जुटा पाना आदि।
7. अंगूठा आगे की तरफ होने पर गुस्सा अधिक करने वाले व जल्दबाज होते हैं।
8. इस प्रकार की रेखा होने पर यदि हाथ पतला हो, अंगुलियां आगे की तरफ हों व हथेली सख्त हो तो इन्हें व्यवसाय या किसी अन्य काम में तीव्र रुचि नहीं हो पाती है, जिससे इनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रहती है।

x. मस्तिष्क रेखा पर भाग्य रेखा का अन्त

भाग्य रेखा पर अन्त एक ऐसा लक्षण है जिससे जीवन में अनेक कठिनाइयों को सामना करना पड़ता है। अन्य रेखाओं का दोष स्थिति को ओर अधिक गंभीर बना देता है:

1. भाग्य रेखा का मस्तिष्क रेखा पर अन्त हो, अंगुलियां मोटी हों व हृदय रेखा से शाखाएं निकलकर मस्तिष्क रेखा तक आ जाएं तो मनुष्य को अपने जीवन में धोखे सहने पड़ते हैं। साझे का व्यापार ऐसे लोगों को रास नहीं आता।
2. शुक्र ग्रह के उन्नत होने, भाग्य रेखा के जीवन रेखा के निकट होने, जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा का जोड़ सामान्य से अधिक होने पर इन्हें जायदाद या मकान सम्बन्धी परेशानी आती हैं। इन्हें बंटवारे के समय लाभ नहीं होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

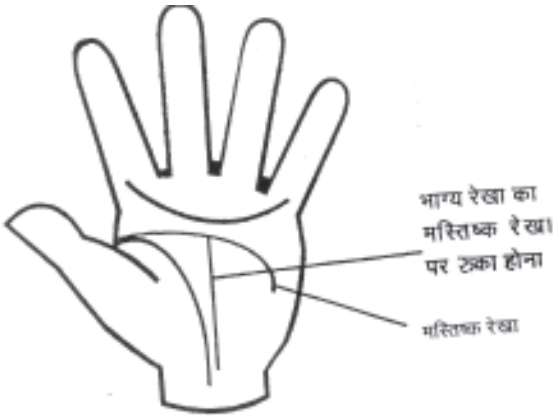

3. यदि भाग्य रेखाएं एक से ज्यादा हों व जीवन रेखा गोल हो, तो इनके व्यवसाय की संख्या एक से अधिक होती हैं और इन्हें ज्यादा कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता है।
4. भाग्यरेखा के मस्तिष्क रेखा पर रुकने से व्यक्ति का व्यवहार सबों के साथ स्नेहपूर्ण नहीं होता। यह किसी भी कार्य से जल्दी ऊब जाते हैं और बगैर वजह इनके झगड़े भी होते रहते हैं।
5. इस रेखा के मस्तिष्क रेखा पर रुकने व अन्य रेखाओं में दोष होने पर सन्तान सुख में बाधा आती है।
6. इन्हें न चाहने वालों की संख्या अधिक होती है। इन्हें किसी न किसी रिश्तेदार के विरोध का सामना भी करना पड़ता है।
7. एक जगह टिक कर काम न करने की वजह से इन्हें काम या स्थान में परिवर्तन भी करने पड़ते हैं।
8. ऐसे लोग अपनी गलतियों को दोहराने वाले होते हैं, जिसकी वजह से इन्हें अपने परिवार से सहयोग नहीं मिलता है।
9. भाग्यरेखा का मस्तिष्क रेखा पर रुकना व हाथ का नरम होना व्यक्ति की प्रवृत्ति को बेहद संवदेनशील बना डालते हैं। ऐसे लोग छोटी–छोटी बातों को दिल से लगा लेने वाले होते हैं। कई बार बगैर किसी वजह के भी मानसिक तनाव में रहते हैं।
10. सभी रेखाएं स्पष्ट होने पर ऐसे लोग ईमानदार होते हैं, पर इन्हें अपनी सच्चाई व ईमानदारी का कोई लाभ नहीं मिल पाता।
11. कई बार ऐसा भी देखने में आता है कि इनके ऊपर गलत लांछन लगाये जाते हैं। यह सच्चाई साबित नहीं कर पाते हैं और मन ही मन अपने आप को व अपनी किस्मत को कोसते हैं। इन्हें अपने कामों में सफलता भी नहीं मिल पाती है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

xi. भाग्यरेखा का जीवन रेखा से थोड़ी दूरी पर होना

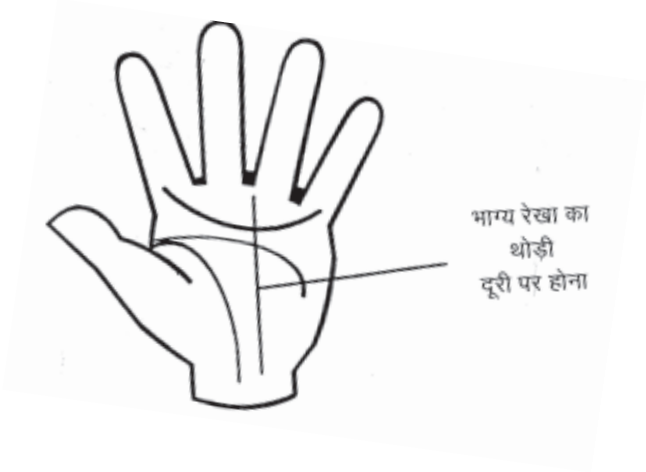

भाग्य रेखा का फलादेश करते समय इस बात को भी ध्यान में रखना अति आवश्यक है, क्योंकि इससे भी फलादेश में काफी मदद मिलती है।

भाग्यरेखा का जीवन रेखा से थोड़ा दूर होने पर व्यक्ति में उत्तरदायित्व निभाने की भावना, दूसरों को समझने की योग्यता व बुद्धिमत्ता होती है। इन्हें अपने परिवार से अत्यंत प्रेम होता है और ये हमेशा साथ–साथ रहने के पक्ष में होते हैं।

आर्थिक पक्ष से देखा जाए तो यह अपनी मेहनत और सूझ–बूझ से अपने आपको योग्य बना लेते हैं। इन्हें दूसरों का सहयोग भी प्राप्त होता है। पैसा खर्च करने के मामले में यह विवेक से काम लेने वाले होते हैं।

xii. भाग्यरेखा जीवन रेखा के पास

अगर भाग्यरेखा जीवन रेखा के निकट हो तो इसका भी जीवन पर काफी प्रभाव पड़ता है। यह लक्षण हाथ की गुणवत्ता को कम करने वाला होता है :

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

1. भाग्य रेखा का हृदय रेखा या मस्तिष्क रेखा पर रुका होना, और जीवन रेखा के पास भाग्य रेखा का होना मनुष्य के जीवन में अत्यधिक संघर्ष का संकेत है।
2. भाग्य रेखा का मोटा होकर जीवन रेखा के पास होना, मानसिक क्लेश का कारण बन जाता है।
3. जीवन रेखा के पास भाग्य रेखा का पतले होकर किसी रेखा पर रुक जाना ज्यादा कष्टकारक नहीं होता।
4. जीवन रेखा के साथ–साथ चलती भाग्यरेखा होने से व्यक्ति न चाहते हुए भी अपने परिवार के अधीन होकर चलता है।
5. भाग्य रेखा के जीवन रेखा के साथ–साथ होने तथा भाग्यरेखा के मोटे होने से इनके विवाहित जीवन में भी तलाक का भय या विद्रोह का डर बना रहता है।
6. मस्तिष्क रेखा में द्वीप व जीवन रेखा का भाग्यरेखा के पास होने से, (स्त्री होने पर) स्वभाव में चिड़चिड़ापन बहुत आ जाता है तथा यह समय मानसिक अशान्ति का होता है।
7. जीवन रेखा के साथ–साथ भाग्यरेखा का चलना प्रत्येक कार्य में रुकावट पैदा करता है। कई बार आत्महत्या करने वालों के हाथों में भी इस प्रकार का लक्षण पाया जाता है।

xiii. भाग्यरेखाएं दो–तीन या इससे अधिक

ईश्वर की रचना भी बड़ी अद्भुत है। किसी के हाथ में एक भी भाग्य रेखा नहीं होती व किसी के हाथ में एक से अधिक होती हैं। एक से अधिक भाग्य रेखाएं व हाथ का भारी होना जीवन के अच्छे कर्मों को ही दर्शाते हैं, क्योंकि ऐसा होने पर–

1. व्यक्ति धनी अवश्य होता है। एक से अधिक भाग्य रेखा होने पर इन्हें धन की प्राप्ति कहीं न कहीं से अवश्य होती रहती है। एक काम में नुकसान होने पर, दूसरे काम से इनका घाटा पूरा हो जाता है।
2. इस प्रकार की भाग्यरेखा होने पर मनुष्य को अन्य लोगों की सहायता मिलती रहती है। यह लक्षण हाथ के अन्य दोषों में भी कमी ला देता है।
3. ऐसे व्यक्ति खर्चीले होते हैं, यदि भाग्य रेखा की संख्या एक से अधिक हो, अंगूठा हथेली से पीछे की तरफ जाता हो।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. अंगूठा सख्त व भाग्यरेखा की संख्या अधिक होने पर मनुष्य अपनी मनमर्जी से पैसा कमाने वाला होता है।
5. भाग्यरेखा की संख्या अधिक, हाथ गुद्‌गुदा और उंगलियां लम्बी होने पर व्यक्ति दूसरों की मदद करने वाला है।
6. ऐसे लोग जिस काम में हाथ डालते हैं उसमें मुसीबतें कम आती हैं। अगर हाथ भारी हो, तो यह विशेष उन्नति करते हैं या किसी विशेष पद पर आसीन भी पाये जाते हैं।
7. भाग्येरखा एक से अधिक व हाथ नरम होने पर व्यक्ति के पास नौकर–चाकर या आदेश का पालन करने वालों की कमी नहीं रहती है।
8. इनको एक से अनेक कार्यों की जानकारी होती है व इनके कार्यों की संख्या भी एक से अधिक होती है।

xiv. भाग्य रेखाविहीन हाथ

ईश्वर ने किसी–किसी के हाथ में एक से अधिक भाग्यरेखाएं दी हैं, वहीं दूसरी तरफ ऐसे भी हाथ हैं, जिनमें भाग्यरेखा है ही नहीं। आइये अब ऐसे हाथ का भी विस्तार से विश्लेषण करें।

भाग्य रेखा हीन हाथ

1. भाग्यरेखाविहीन हाथ हो, जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा में दोष हो व हाथ पतला हो, तो जीवन मृत्यु के समान होता है।
2. हाथ में सूर्य रेखा, व्यापार रेखा व हाथ भारी होने पर ये सारे गुण इसकी कमी पूरी कर देते हैं व जीवन में धन की कमी नहीं रहती है।
3. हाथ पतला, अंगुलियां टेढ़ी–मेढ़ी होने और भाग्य रेखा विहीन होने पर ऐसे लोग अनैतिक कार्य करने वाले होते हैं।
4. भाग्य रेखा विहीन होने पर इनका मन नौकरी में नहीं लगता। व्यवसाय की तरफ इनका मन बना रहता है।
5. हाथ गुद्‌गुदा और गुलाबी होने पर यह तरक्की धीरे–धीरे करने वाले होते हैं। भाग्यरेखा हीन हाथ होने पर इन्हें अन्त समय में प्रसिद्धि भी मिलती है। यदि इन लक्षणों के साथ–साथ रेखाएं भी निर्दोष हों, तो ही ऐसी प्रसिद्धि सम्भव होती है।
6. अंगुलियां पतली और छोटी होने पर भाग्य रेखा विहीन हाथ होने पर भी ऐसे लोग समझदार होते हैं और यह पैसा बचाना भी जानते हैं पर सामान्यतः इनके खर्चे अधिक होते हैं। इन्हें पैसे पर अंकुश लगाना मुश्किल लगता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

xv. भाग्यरेखा से निकली अन्य भाग्य रेखा

कभी–कभी देखने में आता है कि चलते–चलते भाग्य रेखा में से एक अन्य भाग्य रेखा ऊपर अंगुलियों की तरफ निकल रही होती है। इसे हम भाग्य रेखा से निकली हुई एक अन्य रेखा या भाग्य रेखा ही कहते हैं। यह लक्षण हाथ में शुभ माना जाता है। इस प्रकार की रेखा होने पर :

1. यह रेखा बिल्कुल स्पष्ट होने पर कई प्रकार से सहायक होती है। ऐसा होने पर मनुष्य नये–नये कार्यों की जानकारी रखने वाला होता है।
2. भाग्यरेखा में से अन्य भाग्य रेखा निकलने पर मनुष्य की आय के स्रोत एक से अधिक होते हैं।
3. यह अन्तर्ज्ञान रेखा का भी कार्य करती है। मनुष्य को अपने जीवन में आने वाली घटनाओं का थोड़ा बहुत आभास हो जाता है।
4. इस प्रकार की रेखा होने से मनुष्य की बातों का प्रभाव अन्य लोगों पर अवश्य पड़ता है। ऐसे लोग अपने क्षेत्र में प्रसिद्ध होते हैं।
5. भाग्य रेखा में से रेखा निकलकर सूर्य के क्षेत्र में जाती हो और रेखा स्पष्ट हो, तो ऐसे लोग ज्ञान के क्षेत्र में रुचि और ज्ञान रखने वाले होते हैं।

xvi. भाग्य रेखा का टूट जाना

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

भाग्यरेखा का टूट जाना मनुष्य के कर्मों का अच्छा फल नहीं दर्शाता। इस प्रकार के लक्षण होने पर मनुष्य का जीवन संघर्षमय हो जाता है।

भाग्यरेखा के टूट जाने से जीवन में कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ता है :

1. इनका गृहस्थ जीवन ठीक नहीं होता। पति–पत्नी में अनबन और एक–दूसरे को छोड़ने की प्रवृत्ति बनी रहती है।
2. जब भाग्यरेखा टूट रही हो और उस अवस्था में व्यक्ति कोई नया काम करने की सोचता हो तो नुकसान ही होता है। इन्हें काम की वजह से मानसिक अशान्ति बनी रहती है।
3. टूटी भाग्यरेखा होने से स्वयं या पत्नी का स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं रहता।
4. इन्हें अपने परिवार से भी कोई बड़ा लाभ नहीं मिलता। अगर टूटी भाग्यरेखा के साथ कोई अन्य भाग्य रेखा भी चल पड़े तो थोड़ी सी परेशानी, आती है, किंतु इसका कोई न कोई हल स्वतः ही निकल आता है।
5. इस रेखा के साथ मस्तिष्क रेखा में दोष हो और हृदय रेखा से एक शाखा यदि मस्तिष्क रेखा में शनि के नीचे मिल जाये तो पति और पत्नी में से किसी एक की मृत्यु हो जाती है।

xvii. जीवन रेखा से निकलती अन्य भाग्यरेखाएं

जीवन रेखा से जब छोटी–छोटी रेखाएं ऊपर की तरफ जाती हों, तो उन्हें भाग्य रेखा ही कहते हैं। ये रेखाएं उतना ही अच्छा फल देती हैं। रेखाएं जितनी छोटी हों, उतना ही छोटा या कम फल देती हैं। जब–जब ये रेखाएं जीवन रेखा से निकलती हैं, जीवन में कोई विशेष तरक्की या लाभ लेकर आती हैं।

1. इन रेखाओं की संख्या किसी हाथ में कम तथा किसी हाथ में ज्यादा होती है। ज्यादा होने पर इन्हें सफलता भी ज्यादा मिलती है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. अगर ये रेखाएं नीचे की तरफ गिरती हों, तो इन्हें लाभ की बजाय नुकसान होता है।
3. रेखाओं के नीचे की तरफ गिरने पर और ठीक वहीं से एक रेखा के ऊपर की तरफ जाने पर कार्यों में रुकावट बहुत आती है।
4. यदि ये रेखाएं साफ–सुथरी हों और जहां से इनका उद्‌गम स्थान हो वहां से जीवन रेखा में दोष न हो, तो मनुष्य को सब तरफ से लाभ होते हैं। किन्तु मस्तिष्क रेखा का भी साफ–सुथरा होना अनिवार्य है।
5. यह रेखाएं जिस स्थान से निकलती हों, वहां दोष हो और मस्तिष्क रेखा में भी दोष हो, तो ऐसी रेखाएं दुर्घटना का योग बना देती हैं। इस आयु में थोड़ा संभल कर रहना अति आवश्यक है।
6. जीवन रेखा गोलाकार हो, मस्तिष्क रेखा साफ और अन्य भाग्य रेखा शनि के स्थान पर साफ–सुथरी होकर जाए, तो पदोन्नति संतान लाभ या सम्पत्ति खरीदने का लक्षण बनता है।

इस प्रकार ये रेखाएं भाग्यरेखा के दोषपूर्ण होने पर भी उत्तम फल दे देती हैं या दोषपूर्ण फल में कमी ला देती हैं।

xviii. भाग्यरेखा का रंग

रंगों का प्रभाव मनुष्य के मन पर ही नहीं, अपितु रेखाओं पर भी पड़ता है। भाग्य रेखा पर भी रंग अपनी छाप छोड़ते हैं।

हाथों में रंग दो प्रकार के होते हैं –लाल या काला। काले रंग की भाग्य रेखा होने से मनुष्य के स्वभाव में कई प्रकार के अन्तर आ जाते हैं। ऐसे व्यक्ति चालाक, झूठ को सच, सच को झूठ साबित करने वाले होते हैं। बगैर स्वार्थ के किसी का एक काम भी नहीं करते। इन्हें टिक कर काम करना अच्छा नहीं लगता।

इनमें बदला लेने की भावना होती है। अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए ये कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। दूसरों के साथ मानवता का व्यवहार करने वाले होते हैं। अपने आपको ऐसा साबित करते हैं कि वे बहुत अच्छा हूं, उन्होंने अमुक व्यक्ति के लिए यह किया, वह किया आदि। भारी हाथ होने पर धन का उपयोग गलत दिशा में करने वाले होते हैं। लाल भाग्यरेखा होने पर व्यक्ति गुस्सैल बीमार, चिड़चिड़ा जल्दबाज होता है और क्रोध में मारपीट पर उतारू हो जाता है।

xix. भाग्य रेखा को काटती आड़ी रेखाएं

मंगल के स्थान से यदि कोई रेखा निकलकर भाग्य रेखा को छुए और यह हृदय रेखा तक निकल जाये तो –

1. इस आयु में काम में परिवर्तन आता है।
2. परिवार में से किसी की मृत्यु का भी यही लक्षण होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

3. मनुष्य की मानसिक तथा आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती तथा इस आयु में सभी कार्यों में रुकावट भी आ जाती है।
4. इन्हें अपने रिश्तेदारों से भी कोई विशेष लाभ नहीं होता। ऐसी रेखाएं संख्या में जितनी अधिक होती हैं, उतनी परेशानी लाती हैं।
5. इस रेखा द्वारा मस्तिष्क रेखा को काटे जाने पर व मस्तिष्क रेखा में दोष होने पर मनुष्य का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहता। कई प्रकार के रोग व दुर्घटनाएं होने का भय भी बना रहता है।

xx. भाग्यरेखा के बिल्कुल साथ लगी हुई एक अन्य भाग्य रेखा

जैसा कि चित्र में दिखाया गया हैं, भाग्येरखा के साथ एक अन्य रेखा साथ–साथ चल रही है। यह रेखा–

1. मनुष्य के प्रेम सम्बन्ध, अनैतिक सम्बन्ध तथा उन्नति को दर्शाती है।

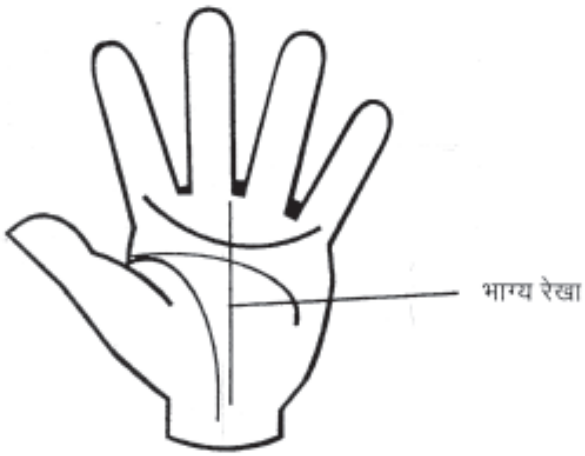

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. हृदय रेखा में कोई अन्य दोष तथा जीवन रेखा का सीधा होना तरक्की में कमी का लक्षण है।
3. जब तक यह रेखा चलती है तब तक मनुष्य में कामुकता बनी रहती है। पर गुरु ग्रह के प्रधान होने पर ऐसे लोग कभी भी किसी के साथ गलत व्यवहार नहीं करते।
4. जीवन रेखा गोल व भाग्य रेखा मोटी से पतली तथा जीवन रेखा से ऊपर को उठती हुई रेखाएं, प्रेमी या पति से लाभ भी दिलाती हैं। अनैतिक सम्बन्ध होने पर भी दोनों को एक दूसरे से लाभ होता है।
5. मस्तिष्क रेखा का मंगल पर अंत हो, रेखाएं निर्दोष हों और मस्तिष्क रेखा में द्वीप हो, तो व्यक्ति के अवैध सम्बन्ध भी एक से अधिक होते हैं। इन लक्षणों वाली– शादीशुदा स्त्रियों के दो या तीन व्यक्तियों से नजदीकी भावनात्मक सम्बन्ध रहते हैं।

इस प्रकार यह रेखा जीवन में अचानक परिवर्तन कराती है तथा सोचने का नज़रिया ही बदल देती है।

अभ्यास

1. मणिबन्ध से प्रारम्भ होनेवाली भाग्यरेखा के बारे में बतायें ?
2. चन्द्र क्षेत्र से निकलने वाली भाग्य रेखा जातक को क्या फल देती है?
3. एक से अधिक निर्दोष भाग्य रेखा का क्या प्रभाव होता है ?
4. भाग्य रेखा का उद्‌गम स्थान बतायें ?
5. दोषी भाग्य रेखा का उपाय बतायें ?
6. गुरु क्षेत्र पर जानेवाली भाग्य रेखा का प्रभाव बतायें ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

11. हृदय रेखा

जैसा कि नाम से ही ज्ञात हो रहा है हृदय रेखा हृदय की गतिविधियों, प्यार, हृदय की स्थिति, हृदय रोग, रक्तशुद्धि, संवेदनाओं, भावुकता, मानसिक गुण व व्यक्ति के आन्तरिक स्वभाव आदि का पता बताती है।

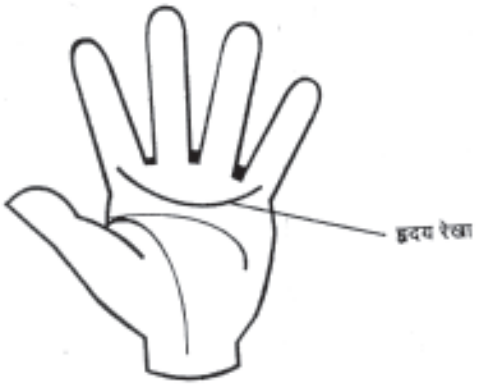

इसका हाथ में अपना एक विशेष स्थान है। इसकी स्थिति बुध की अंगुली के नीचे से शुरू होकर गुरु की अंगुली के आस पास होती है।

हृदय रेखा जितनी अच्छी होती है, वह उतने ही अच्छे स्वास्थ्य व उत्साही प्रवृत्ति को बताती है। दूसरी ओर कमजोर हृदय रेखा अशक्त हृदय व दूषित रक्त प्रवाह को बताती है। जिसकी जीवन शक्ति कमजोर होती है उसके हाथ में हृदय रेखा भी साफ नहीं होती तथा हाथ का रंग थोड़ा सफेद होता है। यह रेखा मनुष्य के दिल का आईना है।

हृदय रेखा कई प्रकार की होती है। यह मोटी, छोटी, पतली, दोषपूर्ण, उत्तम, टूटी–फूटी, शाखायुक्त अंगुलियों के पास या अंगुलियों से दूर हो सकती है, जिसका वर्णन हम आगे अध्याय में विस्तारपूर्वक करेंगे।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

i. हृदय रेखा की शुरुआत गुरु व शनि पर्वत के बीच से

हृदय रेखा की शुरुआत कई प्रकार से होती है। यहां गुरु व शनि पर्वत के मध्य से निकलने वाली हृदय रेखा का विश्लेषण प्रस्तुत है।

ऐसी हृदय रेखा होने पर मनुष्य के दिल में अनेक प्रकार के भाव उठते हैं जैसे :

1. किसी से भी प्रेम का इजहार कर बैठना। किन्तु इनका प्रेम वास्तविक न होकर वासना को दर्शाने वाला होता है।
2. इस लक्षण के साथ हृदय रेखा का जंजीरदार होना और शुक्र पर्वत का उठा होना मनुष्य के चरित्र को बहुत बार डावांडोल कर देते हैं। ऐसे पुरुष स्त्रियों को रिझाने के लिए हरसम्भव प्रयत्न करते हैं।
3. ऐसे पति–पत्नी के विचारों में अन्तर होता है। दोनों अपनी मनमर्जी करने वाले होते हैं, फलस्वरूप दोनों का गृहस्थ जीवन कश्मकश में चलता है।
4. हृदय रेखा की शुरुआत इस प्रकार से होने पर दोनों एक दूसरे पर अपना दबाव डालने वाले होते हैं।
5. इनके सम्बन्ध रिश्तेदारों से बहुत मधुर नहीं होते।
6. यदि शुक्र उठा हुआ हो और मस्तिष्क रेखा बिल्कुल साफ–सुथरी हो, तो इनका खुद का या पत्नी का स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं होता। यह अत्यधिक कामुक स्वभाव के होते हैं।
7. अगर ऐसे लक्षण हों, और हृदय रेखा अंगुलियों के पास हो, तो मनुष्य में कामुकता अत्यधिक बढ़ जाती हैं। फलस्वरूप कोई भी अनैतिक कार्य कर डालते हैं।
8. हृदय रेखा जंजीरदार व शुक्र उठा हुआ हो, तो मनुष्य के दिमाग में शक उत्पन्न हो जाता है, जिसका प्रभाव गृहस्थ जीवन के ऊपर पड़ता है।
9. हृदय रेखा के इस प्रकार के होने पर पति–पत्नी दोनों एक दूसरे की तारीफ करते हुए ताने जरूर कसते रहते हैं।

ऐसे पुरुष स्त्रियों के बीच और स्त्रियां पुरुषों के बीच बैठ कर खुश होती हैं। घर से बाहर समय बिताने पर इनके हृदय को सुकून मिलता है।

ii. हृदय रेखा की शुरुआत गुरु पर्वत से

हृदय रेखा की शुरुआत गुरु ग्रह से होने पर मनुष्य में कई गुणों का विकास हो जाता है। यदि अन्य रेखाएं भी निर्दोष हों तो अत्यंत उत्तम।

1. हृदय रेखा की शुरुआत गुरु से होने पर व्यक्ति में जिम्मेदारी, दया व दूसरों के प्रति आदर की भावना होती है।
2. ऐसा लक्षण होने और हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा में अन्तर होने पर व्यक्ति में दान की प्रवृत्ति एवं मदद करने के गुण आ जाते हैं। यदि इस लक्षण के साथ जीवन रेखा सुन्दर हो और मस्तिष्क रेखा निर्दोष हो तो दिल खोलकर दान व मदद करते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

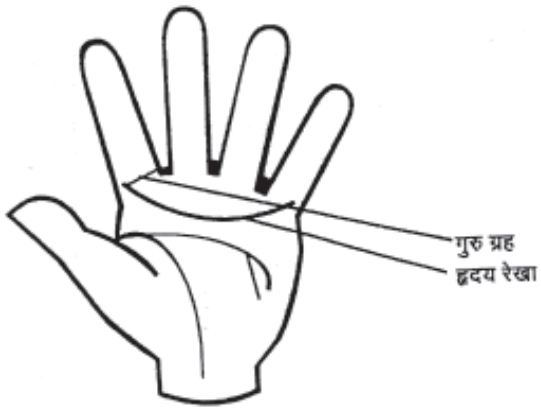

3. ऐसे व्यक्ति धार्मिक प्रकृति के होते हैं। हाथ भारी व मुलायम होने पर वायदों को निभाना भी जानते हैं।
4. भाग्य रेखाएं एक से अधिक हों, अंगुलियां सीधी हों, हाथ भारी हो, तो ऐसे लोग विशेष प्रकार के मानव होते हैं।
5. ऐसी रेखा होने के साथ–साथ हाथ भारी व अंगुलियों के आधार नीचे से बराबर होने पर इन्हें मित्रों व संबंधियों से लाभ होता है। यह स्वयं भी किसी की मदद करने से पीछे नहीं हटते हैं।

iii. हृदय रेखा की शुरुआत शनि पर्वत से

हृदय रेखा की शुरुआत शनि पर्वत से होना कुछ अच्छा नहीं माना जाता क्योंकि यह लक्षण मनुष्य के मन को विकारों से भर देता है।

1. हृदय रेखा की स्थिति इस प्रकार से होने पर मनुष्य पर दोष लगते हैं। प्रायः इस वजह से वह दुःखी भी रहते हैं।
2. इस प्रकार की रेखा होने पर मनुष्य में कामुकता बढ़ जाती है। शुक्र उठा हो, गुरु की अंगुली सूर्य की अंगुली से छोटी हो व हाथ का रंग काला हो, तो से इनमें चारित्रिक दोष आ जाते हैं। फलस्वरूप अनैतिक कार्य करने से भी नहीं हिचकते।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

3. इनका व्यवसाय भी पूर्ण रूप से नहीं चल पाता।
4. स्त्रियों के हाथ में यदि यह लक्षण हो, तो ऐसी स्त्रियां परिणाम की चिंता किए बिना सम्बन्ध स्थापित कर लेती हैं। यदि इनकी गुरु की अंगुली, सूर्य की अंगुली से लम्बी हो व गुरु ग्रह उठा हो, तो इस दोष में कमी आ जाती है और ऐसी स्त्रियां मर्यादा का ध्यान रख कर कार्य करती हैं।
5. ऐसे लोग संतान को लेकर भी चिन्तित रहते हैं। संतान लापरवाह या किसी अन्य दोष से युक्त होती है।
6. ऐसे लक्षणों के साथ–साथ अंगुलियां मोटी हों और शुक्र पर्वत उठा हो, तो ऐसे लोग दूसरों के सामने व्यवहार कुशल होते हैं। वास्तव में ऐसे लोग मतलबी धूर्त, कपटी, धोखेबाज आदि होते हैं।
7. इन 6 लक्षणों के साथ यदि अंगूठा सख्त व आगे की तरफ झुकने वाला हो और मस्तिष्क रेखा एक मंगल से निकलकर दूसरे मंगल तक जाये तो ऐसे व्यक्ति कत्ल तक कर सकते हैं।
8. बुध की अंगुली टेढ़ी हो और हृदय रेखा की शुरुआत शनि की अंगुली से हो, हाथ सख्त व रंग काला हो, तो इनके मित्र गलत काम करने वाले व गलत मार्ग दिखाने वाले होते हैं।

iv. हृदय रेखा की शुरुआत सूर्य की अंगुली के नीचे से

ऐसी हृदय रेखा बहुत कम लोगों के हाथों में देखी जाती है।

इस प्रकार की हृदय रेखा होने से निम्नलिखित प्रवृत्तियां मनुष्य में आ जाती हैं।

1. इनका दिल कमजोर होता है तथा हृदय रोग की संभावना होती है।
2. इनका सामान्य स्वास्थ्य भी ठीक नहीं होता।
3. इन्हें गर्मी बहुत लगती है।
4. ऐसी स्त्रियां भरोसे लायक नहीं होतीं। ये अपने स्वार्थ के लिए कुछ भी कर सकती हैं।
5. ऐसे लोगों के जीवन में प्रेम का अभाव होता है।

6. लोगों से इनके संबंध प्रायः बहुत अच्छे नहीं होते, जिसकी वजह से इनका स्वभाव रूखा–रूखा रहता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

v. हृदय रेखा शनि को देखती हुई

हृदय रेखा का शनि को देखना हाथ के हिसाब से एक ठीक लक्षण है। इस लक्षण के होने पर मनुष्य में अनेक प्रकार की प्रवृत्तियां आ जाती हैं जैसे–

1. आमतौर पर ऐसे लोग साफ दिल के होते हैं, पर मस्तिष्क रेखा लंबी होने पर इनमें चालाकी स्वतः ही आ जाती है।
2. इनमें कोई न कोई गुण विशेष तौर पर पाया जाता है। शनि और सूर्य पर्वत के अच्छे होने पर इनका स्वभाव दुनिया में रहते हुए भी साधु जैसा होता है।

3. ऐसे व्यक्ति समझदार होते हैं, जानबूझ कर दूसरों के पचड़े में नहीं पड़ते।
4. मस्तिष्क रेखा व हृदय रेखा में अन्तर कम होने से इनमें दान–पुण्य की भावना अधिक होती है। यह सोच–समझ कर ही किसी का भला करने वाले होते हैं, बातों में बहला–फुसलाकर इनसे भलाई नहीं करवाई जा सकती।
5. बड़ी उम्र में इनमें किसी व्यक्ति विशेष या स्त्री विशेष के लिए कोई विशेष आकर्षण पैदा नहीं होता है।
6. हाथ भारी, मस्तिष्क रेखा सुन्दर और गोल होने पर ऐसे लोगों को सफलता अवश्य मिलती है। ये धनी होते हैं और जो ठान लेते हैं, वही करते हैं।

vi. हृदय रेखा का गुरु ग्रह की तरफ देखना–

हृदय रेखा का गुरु पर्वत की ओर देखने का यह लक्षण बहुत सावधानी से देखना चाहिए। नहीं तो अर्थ में बदलाव या अर्थ के गलत होते देर नहीं लगती। इस लक्षण के निम्नलिखित परिणाम होते हैं।

1. ऐसे लोगों का जीवन, विवाह के बाद सही ढंग से बन पाता है और उसके बाद ही ये तरक्की करते हैं।
2. इनमें इंसानियत का भाव होने से विवाहित जीवन ठीक होता है। यदि अन्य लक्षण भी ठीक हों तो ये अपनी पत्नी व बच्चों का ध्यान रखने वाले होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

3. ऐसे लोगों का स्वभाव थोड़ा शंकालु होता है। जैसे काम में सफलता मिलेगी या नहीं? वह मुझे प्यार करती है या नहीं? पता नहीं क्या होगा? पैसे डूब गये तो क्या होगा? यानी हर बात में संदेह रहता है।

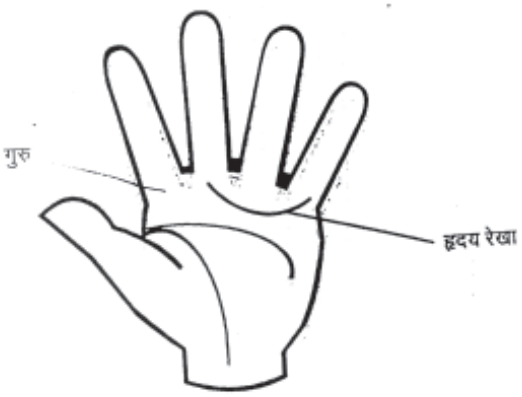

4. गुरु ग्रह पर हृदय रेखा जाने की वजह से स्वभाव धार्मिक होता है। यदि यह हृदय रेखा जंजीरदार हो, तो मनुष्य के अन्दर कभी–कभी उपरोक्त लक्षणों में कमी होती है या वे विपरीत ही हो जाते हैं। जैसे भाग्य रेखा में द्वीप और इस प्रकार की हृदय रेखा होने से इनका वैवाहिक जीवन असंतोषजनक रहता है व मन में आशंकाएं और अधिक बढ़ जाती हैं।
5. अंगूठे व अंगुलियों के आगे की तरफ झुके होने, जीवन रेखा सीधी होने और भाग्य रेखा में द्वीप व इसके मोटा होने, जीवन भर परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

vii. उंगलियों के आधार के निकट हृदय रेखा

हर हाथ में हृदय रेखा का अपना स्थान होता है। किसी हाथ में हृदय रेखा अंगुलियों के काफी नजदीक आ जाती है जो एक दोष माना जाता है। नीचे इसके लक्षणों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत है:

1. हृदय रेखा अंगुलियों के निकट होने पर मनुष्य में काम वासना अत्यधिक बढ़ जाती है और यदि इस रेखा में अन्य दोष भी हों, तो उचित–अनुचित का ख्याल किए बिना ये लोग कुकर्म भी कर डालते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. ऐसे व्यक्तियों में चोरी व बात–बात में झूठ बोलने की प्रवृत्ति होती है।
3. स्वास्थ्य की दृष्टि से भी ऐसी रेखा एक दोष है। यदि हृदय रेखा अंगुलियों के निकट हो, तो टी.बी. जिगर के रोग, खून की कमी आदि की वजह से ये लोग ठीक नहीं रहते हैं।
4. हृदय रेखा उपरोक्त प्रकार की होने, भाग्य रेखा पतली होने व मस्तिष्क रेखा निर्दोष–सी दिखाई देने पर व्यक्ति चालाक, कपटी व धूर्त होता है।
5. ऐसे लोग ज़बान के पाबंद नहीं होते और झूठे वायदे करने वाले होते हैं तथा बार–बार कहने पर ही यह काम करते हैं।

viii. सुन्दर हृदय रेखा

सुन्दर हृदय रेखा से व्यक्ति का मन, विचार व कर्म भी सुन्दर हो जाते हैं। सुन्दर हृदय रेखा व हाथ का नरम होना एक विशेष भूमिका निभाते हैं। ऐसे लोग वायदा निभाऊ, सबके प्रति प्रेम आदि रखने वाले व ईश्वर को मानने वाले होते हैं।

1. सुन्दर हृदय रेखा वाले व्यक्ति प्रेम बांटने व अपनों से प्रेम पाने वाले होते हैं। यदि भाग्य रेखा निर्दोष है तो, सभी से इन्हें सहयोग मिलता है।
2. सुन्दर हृदय रेखा का अन्त गुरु पर होने से इन्हें लगातार सफलता मिलती है और ये योग्य साबित होते हैं।

3. साफ–सुथरी हृदय रेखा व निर्दोष मस्तिष्क रेखा वाले व्यक्ति अपने काम की जिम्मेदारी निभाने वाले होते हैं। मस्तिष्क रेखा के अन्त में द्विभाजित हो जाने से इनमें समझ बहुत बढ़ जाती है। छोटी उम्र में ही इन्हें सही–गलत का ज्ञान होने लगता है।
4. हृदय रेखा सुन्दर व मस्तिष्क रेखा के निर्दोष होने पर इन्हें अपना जीवन साथी सुन्दर व अच्छे स्वभाव वाला मिलता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

5. ऐसे लोगों का स्वभाव सुंदर होता है तथा ये सभी का सुख–दुःख बांटने वाले होते हैं। इनका जैसे हृदय, गुर्दे या आंखें ठीक–ठीक काम करने वाली होती हैं।
6. हृदय रेखा सुन्दर, भाग्यरेखाएं एक से अधिक, हाथ का रंग सुन्दर, शनि और गुरु पर्वत उत्तम, उंगलियां छोटी, हाथ भारी व भाग्य रेखा उत्तम होने पर यह काफी प्रसिद्ध होते हैं। सुन्दर हृदय रेखा दिमाग के सही निर्णय लेने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
7. हृदय रेखा से शाखाएं निकलकर यदि मस्तिष्क रेखा में मिल जाएं, तो ऐसे व्यक्ति दिमाग से नहीं, दिल से काम लेते हैं। कई बार ऐसे निर्णय गलत साबित होते हैं।
8. सुन्दर हृदय रेखा व पतली भाग्य रेखा वाले मनुष्य कई बार साधु भी बन जाते हैं। मस्तिष्क रेखा अन्त में द्विभाजित होने पर इनका जीवन अपने लिए कम दूसरों के लिए ज्यादा होता है।

ix. असुन्दर हृदय रेखा

असुन्दर हृदय रेखा देखने में भी असुन्दर नज़र आती है। यह कहीं पतली, कहीं मोटी, कहीं पर द्वीपयुक्त, कहीं से मिटी हुई, कहीं काली या दाग धब्बेयुक्त होती है। नाम के अनुरूप इनकी प्रवृत्तियों में भी कई प्रकार की असुन्दरता आ जाती है, जिसका यहां विस्तार से उल्लेख किया जा रहा है।

1. असुन्दर हृदय रेखा होने से मनुष्य को खून की कमी की शिकायत होती है। हृदय रेखा से एक मोटी रेखा मस्तिष्क रेखा में मिल जाए, तो हृदय रोग होने की संभावना होती है।
2. इस प्रकार की हृदय रेखा के अतिरिक्त हाथ का रंग काला, उंगलियां आगे की तरफ झुकने वाली व हाथ कठोर होने पर अपनी मनमर्जी करने वाले व बढेंगे तरीके से काम करने वाले होते हैं, इसलिए इन्हें अपने किए का यश भी नहीं मिलता।
3. हृदय रेखा के नीचे या शनि के नीचे त्रिकोण होने से व्यक्ति का गृहस्थ जीवन अच्छा नहीं होता। भाग्य रेखा में द्वीप या विवाह रेखा का हृदय रेखा पर झुक जाना तलाक का कारण भी बनता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. हृदय रेखा धूमिल, मिटी सी, मोटी पतली या टूटी होने पर हृदयाघात की सम्भावना होती है। दोनों हाथों में टूटी हृदय रेखा होने पर निश्चय ही हृदयाघात होता है।
5. उपरोक्त प्रकार की हृदय रेखा होने पर व्यक्ति को घबराहट बहुत होती है। ये बैचेन से रहते हैं। इन्हें गर्मी में गर्मी अधिक व सर्दी में सर्दी अधिक लगती है। अचानक कोई बुरी खबर से इनकी हृदय गति बड़ी तेजी से बढ़ने लगती है। कई बार बेहोशी का भी सामना करना पड़ता है।
6. हृदय रेखा असुन्दर, भाग्य रेखा में द्वीप व शुक्र उठा हुआ होने पर व्यक्ति भावुक और कामुक होता है।
7. यह दोष अस्थायी प्रेम संबंध बनाता है।
8. हृदय रेखा इस प्रकार की होने पर मनुष्य में त्यागभावना बहुत होती है, किंतु ऐसा नरम हाथ होने पर ही संभव है। अक्सर ऐसे लोग घरबार छोड़ने की बातें करते हैं। अन्य रेखाओं में दोष होने पर यह घरबार छोड़ भी देते हैं और थोड़े समय बाद फिर से वापस भी आ जाते हैं।
9. ऐसी स्त्रियां बहुत मूडी होती हैं। मूड होने पर ही बात करेंगी अन्यथा नहीं। इन्हें गुस्सा भी बहुत जल्द आ जाता है। उंगलियां मोटी व अंगूठा सख्त होने पर इन्हें गुस्से में हाथ उठाने की भी आदत होती है।
10. इनके संबंध ज्यादातर इनकी अपनी आदत की वजह से स्थायी नहीं होते। यह कब किसको क्या मान बैठें, कोई नहीं जानता। बनाने और बिगाड़ने में इन्हें ज्यादा वक्त नही लगता है।
11. इनके विश्वास को जीवन में अनेक बार ठोकर लगती है। सामान्य तौर पर ये सीधे स्वभाव के होते हैं, पर निर्दोष मस्तिष्क रेखा होने पर ऐसा नहीं होता।
12. इनकी संतान भी मनमर्जी करने वाली तथा लापरवाह किस्म की होती है।

x. हृदय रेखा की शाखाएं मस्तिष्क रेखा पर गिरती हुई

हृदय रेखा से नीचे गिरती शाखा (मस्तिष्क रेखा पर) कोई न कोई महत्वपूर्ण बात अवश्य कहती है। बड़े ही गौर से इसका विश्लेषण करना चाहिए। इन रेखाओं का मोटापन या पतलापन अधिक प्रभाव डालने वाला होता है।

1. हृदय रेखा से नीचे गिरती शाखाएं कोई न कोई नुकसान और धन हानि तथा मोटी रेखा मृत्यु या इस प्रकार की अन्य अप्रिय घटनाएं लेकर आती हैं।
2. इस स्थिति में दाम्पत्य जीवन भी सुखमय नहीं रह पाता। यदि अंगूठा सख्त हो, तो इन्हें बहुत ही धैर्य से काम लेना चाहिए, अन्यथा अलगाव होने की संभावना अधिक हो जाती है।
3. ऐसे लोगों के कामों में अड़चनें अधिक आती हैं। यह तभी होता है जब आरंभ से अन्त तक शाखाएं नीचे की तरफ गिर रही हों।
4. ऐसे लोगों को रोक–टोक पसन्द नहीं होती। बर्दाश्त करने की इनकी सीमा भी जल्द खत्म होते देखी गई है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

5. इस लक्षण के साथ जीवन रेखा को भी यदि रेखाएं काटें, भाग्य रेखा में द्वीप हो व हृदय रेखा में भी द्वीप हो, तो इन्हें मनपसन्द जीवन साथी या मन पसन्द प्यार नहीं मिलता।
6. ऐसे लोगों को ससुराल वालों से भी लाभ नहीं मिलता, किन्तु पतली रेखाएं होने पर यह फल लागू नहीं होता है।
7. इनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता। इन्हें हृदय रोग या सांस लेने में तकलीफ होती है।
8. इनको जीवन में संघर्ष सामान्य से कुछ अधिक करना पड़ता है। अन्त में सफलता कुछ न कुछ अवश्य मिलती है।
9. ऐसे व्यक्तियों के भाई–बहनों में भी किसी को असंतुष्टि रहती है।
10. भाग्य रेखा में द्वीप, हृदय रेखा से नीचे मस्तिष्क रेखा पर गिरती शाखाएं व हृदय रेखा में द्वीप मनुष्य के प्रेम सम्बन्धों को असफल या प्रेम में बदनाम होने का योग बनाते हैं। इनके प्रेमी या प्रेमिका इन्हें समझ नहीं पाते।

xi. अन्य रेखाओं से मोटी हृदय रेखा

हृदय रेखा का अन्य रेखाओं से मोटा होना कोई अच्छा लक्षण नहीं माना जाता, बल्कि मानव में दुर्गुणों के वास करने का संकेत है। आइये देखें, कैसे लालच, झूठे वायदे करना, हर किसी का फायदा उठाने की सोचना व बेवजह किसी को तंग करना आदि बातें व्यक्तित्व में शामिल होकर व्यक्ति को बुरा बना देती है।

1. ऐसे लोग जुबान के मीठे, हाय–तौबा करने वाले तथा दूसरों के दिखावे के लिए काम करते हैं।
2. मोटी हृदय रेखा वाले व्यक्ति सबको बेवजह उल्लू बनाने वाले होते हैं। इन पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

3. यह छल–कपट से धन अवश्य कमाते हैं। इन्हें धन कमाने के कई तरीके आते हैं पर सभी तरीके ऊटपटांग होते हैं।
4. इनका खुद का स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं होता। इनमें खून की कमी व मूत्र से सम्बन्धित रोग भी हो जाते हैं।
5. हाथ का रंग काला व उंगलियां टेढ़ी–मेढ़ी होने पर इनमें हत्या, चोरी–चकारी करने की प्रवृत्ति होती है और लालच अपनी चरम सीमा को पार कर देता है।

यदि इस रेखा के साथ अन्य रेखाएं भी मोटी हों तो यह फल लागू नहीं होता। यह केवल हृदय रेखा के मोटे होने पर ही होता है।

xii. हृदय रेखा का रंग

अभी तक रेखाओं का विश्लेषण किया गया। रेखाओं का हाथ के साथ संबंध महत्त्वपूर्ण है, पर हाथ का रंग भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

हृदय रेखा का हाथ में तीन प्रकार का रंग होता है। काला, लाल एवम् गुलाबी। इन रंगों को बहुत ही ध्यान से देखना चाहिए। साधारणतया एक नज़र में हाथ का रंग नज़र नहीं आता। हाथ को खींचकर या अच्छी तरह फैलाकर देखना चाहिए। किस प्रकार का लक्षण होने पर मनुष्य की प्रवृत्ति में क्या अन्तर आता है, आइये देखें–

1. काली हृदय रेखा वाले व्यक्ति दिखावेबाज, जुबान के मीठे तथा वायदा निभाने वाले होते हैं और अपनी अहमियत साबित करते हैं।
2. शुक्र पर्वत, चंद्र पर्वत और मस्तिष्क रेखा साफ होने पर ऐसे लोग कामुक होते हैं। अंगूठा कम खुलने पर यह अनेक अनैतिक सम्बन्ध भी कायम कर लेते हैं। अंगूठा पीछे की तरफ जाने पर भावनात्मक सम्बन्ध कायम करते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. काली हृदय रेखा की तरह लाल हृदय रेखा वाले भी मतलबी व धोखेबाज होते हैं।
5. लाल हृदयरेखा वालों का मन कहीं पर टिकता नहीं है।
6. इन्हें घबराहट जल्द होती है। हृदय से सम्बन्धित रोग होने की आशंका रहती है।
7. इन सबके विपरीत, गुलाबी हृदय रेखा वाले दूसरों का दुख–दर्द समझने वाले और दान पुण्य करने वाले होते हैं।
8. गुलाबी हृदय रेखा वाले धनी तथा जल्द तरक्की करने वाले होते हैं। पूर्व जन्मों के सुकर्मों की वजह से इन्हें सभी से स्नेह तथा प्यार भी मिलता है।
9. गुलाबी हृदय रेखा वाले समाज में सम्मानित होते हैं। इन्हें अपने परिवारजनों से भी विशेष प्रेम होता है। न–न करते हुए भी यह कई ऐसी बातें मान जाते हैं जो मानने लायक भी नहीं होतीं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि गुलाबी हृदय रेखा सर्वश्रेष्ठ हृदय रेखा होती है और यह गुलाबी हाथ में ही पाई जाती है।

xiii. जंजीरनुमा हृदय रेखा

जंजीरनुमा हृदयरेखा मनुष्य में मिला–जुला फल देती है। इस हृदय रेखा से मन में स्पष्टता का गुण भी आ जाता है। यदि इस हृदय रेखा के साथ भाग्यरेखा मोटी से पतली होती जाए, तो ये लोग नेक स्वभाव के होते हैं।

1. चेन जैसी हृदय रेखा के साथ मस्तिष्क रेखा पतली या मिटी हुई होने से मनुष्य का स्वभाव कुटिल हो जाता है। ये अनैतिक तरीके से धन कमाते हैं या कोई इन्हें अनैतिक कार्य में ले आता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. चेनदार हृदय रेखा होने पर मनुष्य अपने दिल की बात को ज्यादा देर तक पचा नहीं पाता। स्त्री होने पर और अधिक या जल्दी बात को कह देने की उतावली होती है।
3. चेनदार हृदय रेखा तथा शुक्र व चंद्र उठे होने पर इनके एक से अधिक प्रेम सम्बन्ध होते हैं।
4. ऐसी स्त्री होने पर इनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। गर्भाशय के रोग, सिर में भारीपन, काम न करने का मन, कभी कहीं तो कभी कहीं और दर्द बना रहता है।
5. चेनदार हृदय रेखा की एक शाखा यदि मस्तिष्क रेखा पर जाए तो जीवन भर शान्ति नहीं मिलती।
6. ऐसे लोगों की मनः स्थिति बड़ी अज़ीब होती है। प्यार के विषय में इन्हें हमेशा सन्देह रहता है। यह कुछ हद तक सही भी है, क्योंकि इन्हें प्यार करने वाले दो–तरफा होते हैं।
7. इन्हें छोटी–छोटी बातें बहुत अधिक चुभती हैं तथा इनका दिल दुखाने वाले भी बहुत होते हैं।
8. शुक्र पर्वत तथा चंद्र पर्वत कमजोर होने पर इन्हें बार–बार पेशाब जाने की आदत होती है।
9. ऐसे स्त्री–पुरुष प्यार करने वाले होते हैं, खासकर अपने बच्चों से।
10. हाथ का रंग काला, हृदय रेखा जंजीरनुमा, बुध की अंगुली टेढ़ी व भाग्य रेखा मोटी होने पर इनमें छल कपट भरा होता है।
11. इनका वैवाहिक जीवन सुखी नहीं होता। यह लापरवाह और मूडी किस्म के होते हैं। मन किया तो काम कर लिया, नहीं तो नहीं। यह समय के बारे में चिंता नहीं करते कि व्यर्थ हो रहा है या इसका कहीं इस्तेमाल हो रहा है।

xiv. हृदय रेखा में त्रिभुज का बनना

हृदय रेखा में त्रिभुज का होना अपने आप में एक महत्वपूर्ण लक्षण है।

यह जितना सुथरा व सुन्दर होता है, उतना ही लाभकारी होता है।

1. हृदय रेखा में त्रिकोण या त्रिभुज का ऊपर की तरफ स्पष्ट रूप से बना होना व्यक्ति की अपनी जायदाद को दर्शाते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. हृदय रेखा में नीचे की तरफ एक से अधिक त्रिकोण बने होने से व्यक्ति को सफलता काफी मेहनत के बाद मिलती है।
3. हृदय रेखा में ऊपर का त्रिकोण विशेष समृद्धिशाली तथा सभी तरफ से लाभ कमाने वालों और समाज में अपना विशिष्ट स्थान रखने वालों के हाथ में होता है, यदि वहां छोटे–छोटे द्वीप न हों।
4. हृदय रेखा में यदि एक साथ ऊपर–नीचे त्रिभुज बनते हों, तो उस अवस्था में कष्ट आने पर भी उसका समाधान आसानी से हो जाता है। ऊपर की तरफ अधिक त्रिकोण होने पर जीवन कुल मिलाकर खुशहाल ही माना जाता है।
5. इस त्रिभुज के साथ अन्य रेखाओं में दोष होने पर मनुष्य के कामों में अड़चनें आती रहती हैं।
6. इस त्रिभुज के साथ अन्य रेखाओं में दोष होने पर मनुष्य के कामों में अड़चनें आती रहती हैं।
7. मूलतः त्रिकोण बीमारी, चोरी से व आर्थिक स्थिति को खराब होने से बचाते हैं। जीवन रेखा अधूरी व मस्तिष्क रेखा में दोष होने पर इनके गुणों में कमी आ जाती है।

xv. हृदय रेखा में तिल

हृदय रेखा में तिल का होना अच्छा लक्षण नहीं माना जाता। यह हृदय रेखा के गुणों में कमी ला देता है। यह तिल हाथ में हृदय रेखा के नीचे कहां स्थित है, इसका भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ता है जैसे–

1. बुध के नीचे तिल, मनुष्य के चरित्र के दोषपूर्ण होने तथा धन के नुकसान का द्योतक है। यह झूठ बोलने वाले व कई बार कूटनीतिज्ञ हाथों में देखा गया है।
2. सूर्य के नीचे तिल भी बदनामी, आंखों के रोग व स्वास्थ्य ठीक न रहने की निशानी है।
3. शनि के नीचे तिल, हृदय रोग, जलने का खतरा व हृदय की धड़कन कम या ज्यादा रहना बताता है।
4. गुरु के नीचे तिल, पहले बदनामी तथा बाद में प्रसिद्धि का योग बनाता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

xvi. धुंधली हृदय रेखा

किसी–किसी हाथ में हृदय रेखा धुधंली सी होती है, जो अन्य रेखाओं की तुलना में बिल्कुल मिटी हुई सी प्रतीत होती है। धुंधली हृदय रेखा मनुष्य के स्वास्थ्य व काम दोनों पर प्रभाव डालती है।

1. इससे व्यक्ति का काम में मन नहीं लगता। कोई भी कार्य लगातार करने का दिल नहीं करता।
2. ऐसे आदमियों को हृदय के रोग हो जाते हैं। धड़कन बढ़ी हुई सी महसूस होती है।
3. सांस लेने में तकलीफ और कार्यक्षमता व ध्राण शक्ति में कमी महसूस होती है।
4. हृदय रेखा के इस प्रकार होने से काम में तरक्की कम होती है तथा ऐसा समय कई बार आता है जब इन्हें लम्बा 'बेड रेस्ट' करना पड़ता है।
5. इन्हें प्यार की कमी महसूस होती है। यदि अन्य रेखाओं में दृढ़ता हो व मस्तिष्क रेखा साफ–सुथरी हो, तो दोषों में कमी आ जाती है।

अभ्यास

1. अच्छी हृदय रेखा की पहचान बतायें ?
2. हृदय रेखा से किन–2 बातों का निर्णय हो सकता है ?
3. अधिक दीर्घ हृदय रेखा का मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
4. हृदय रेखा किन–2 स्थानों से निकलती है ?

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

12. संतान रेखा

संतान रेखायें वे होती है जो विवाह रेखा के अन्त में उसके उपरी भाग में ऊपर की ओर जाती है। विवाह रेखा पर खड़ी और सीधी रेखा स्वस्थ पुत्र और टेढ़ी तथा कमजोर रेखा पुत्री का संकेत देती है। योगी, साधु सन्यासी, मठाधीश और शती लोगों के हाथ में विवाह और संतान रेखा के स्थान पर क्रमशः शिष्यों और पूज्य को माना जाता है।

संतान के सम्बन्ध में विचार करते समय हाथ के अन्य भागों की परीक्षा भी आवश्यक है। कभी–2 यह रेखा इतनी सूक्ष्म होती है कि इसके परीक्षण के लिए मैग्नीफाइंग कांच की मदद लेनी पड़ती है।

अन्य संतान रेखा : बुध क्षेत्र पर स्थित विवाह रेखा पर कुछ पतली खड़ी रेखाएं दृष्टिगोचर होती हैं, वे संतान रेखाएं कहलाती हैं। इन रेखाओं में जो रेखा स्पष्ट और लंबी होती है, वह पुत्र संतान की द्योतक होती है। पतली और निर्बल रेखा कन्या संतान की प्रतीक होती हैं। स्पष्ट रेखाएं निरोग संतान की सूचक होती है और अस्पष्ट रेखाएं निर्बल संतान की द्योतक होती हैं।

जब रेखाएं क्षीण, या टेढ़ीमेढ़ी हों, तो बच्चे दुर्बल होते हैं। यदि किसी संतान रेखा के प्रारंभ में द्वीप का चिह्न हो, तो बच्चा आरंभ में दुर्बल होता है। यदि इस द्वीप के बाद रेखा स्पष्ट हो जाए, तो आगे चल कर बच्चा स्वस्थ हो जाता है। रेखा के अंत में बना हुआ द्वीप इस बात का संकेत करता है कि संतान स्वस्थ नहीं रहेगा।

- रेखा के पतले भाग में द्वीप हो तो संतान आरम्भ में निर्बल होगी बाद में यही रेखा स्पष्ट होगी तो स्वस्थ्य हो जायेगें।
- यदि रेखा के अन्त में द्वीप चिह्न हो तो संतान जीवित नहीं रहता।
- यदि संतान रेखा उतनी ही स्पष्ट हो जितनी कि उसकी अन्य रेखायें हैं, तो जातक बच्चों को बहुत प्यार करता है और उसका स्वभाव बहुत ही स्नेही होता है।
- यदि हृदय रेखा बुध पर्वत पर दो या तीन रेखाओं में विभाजित होकर शाखा स्पष्ट होवे तो वह जातक अधिक संतान युक्त होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

13. यात्रा रेखा

चन्द्र पर्वत पर आड़ी एवं खड़ी रेखाओं से यात्रा का विचार किया जाता है तथा जीवन रेखा से निकलकर चन्द्र पर्वत पर पहुंचती रेखाएं या हथेली के पीछे से चन्द्र पर आती हुई रेखाएं यात्रा रेखा कहलाती हैं। यात्रा रेखाओं की शक्ति पर्वत की प्रधानता के अनुसार निश्चित की जाती है।

- यदि जीवन रेखा द्विमार्गी होकर एक शाखा चन्द्र पर पहुंचे तो जातक जीवन पथ पर सदा अस्थिर होता है तथा जीवन में कई यात्रायें करता है। जीवन रेखा स्वतः घूमकर चन्द्र पर जा पहुंचे तब जातक लम्बी यात्रायें करता है। उसका अन्त भी यात्राओं में ही होता है।
- यात्रा रेखाओं पर क्रास, द्वीप, शाखा, विंदु आदि होने से यात्राओं में विघ्न बाधाएं एवं दुर्घटनादि होती है। चन्द्र पर्वत से आरम्भ होकर मस्तक रेखा तक जानेवाली रेखा होने से यात्रा के कारण सिर में चोट पहुंचती है।
- चन्द्र पर्वत से चलकर भाग्य रेखा को काटती हुई रेखा ऊपर की ओर जीवन रेखा में जाकर मिले तो जातक विश्व भ्रमण करता है। हथेली के नीचे से आती हुई यात्रा रेखा जीवन रेखा की ओर जाते समय मध्य में क्रास चिह्न पर समाप्त हो जाय तो जातक को पानी की यात्रा से दुर्घटना आदि होने की आशंका होती है।
- कोई भी रेखा शनि पर्वत से आकर जहां पर आयु रेखा को काटती है उस समय यात्रा से दुर्घटना की आशंका होती है। यदि यात्रा रेखा हृदय रेखा से मिल जाय तो यात्रा में प्रेम अथवा मित्रता की भावना होती है।
- यदि यात्रा रेखा मस्तिष्क रेखा से मिल जाय तो यात्रा में कोई व्यापारिक समझौता होता है। यात्रा रेखा चन्द्र पर्वत से चलकर सही मार्ग से हटकर नीचे की ओर आयु रेखा में जाकर मिले तो यात्रा में दुर्घटना होती है। मणिबन्ध से मंगल पर्वत की ओर जाने वाली रेखा समुद्र यात्रा का संकेत देती है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 8

रेखाओं का दोष और निवारण

रेखाओं का दोष

निर्दोष रेखा उन्हें कहते हैं जो गहरी, सीधी, बिना कटाव तथा स्पष्ट होती है तथा अपने अंतिम भाग में पूर्णतः अच्छी होती है। वे रेखायें अपनी पूर्ण शक्ति से व्यक्ति को प्रभावित करती हैं, इसके विपरीत रेखायें दोषी मानी जाती हैं जिनका गुण व प्रभाव कम या फिर समाप्त हो जाता है। रेखाओं के मार्ग में वर्ग, अथवा आयत की उपस्थिति शुभ मानी गयी है तथा द्वीप को अशुभ माना जाता है।

हस्त रेखाओं के अध्ययन में काफी ज्यादा परिश्रम की आवश्यकता होती है एक बार फिर हम आपको बता दें कि रेखाओं का अध्ययन करते समय दोनों हाथों को देखना चाहिए। अगर दोनों हाथों में अशुभ चिह्न हों तो बुरा फल कहना चाहिए। यदि एक हाथ में अशुभ चिह्न या रेखा होगी और दूसरे हाथ में नहीं होगी तो ऐसी स्थिति में उसकी अशुभता सामान्यतः क्षीण हो जाती है।

दोषी रेखाओं के उपाय

कभी–कभी कुछ हाथों में पर्वत व रेखाएं दोषी होती हैं या किसी कारण उसका विपरीत फल मिलने की आशंका होती है। उन दोषों से मुक्त होने के उपाय भी जानना आवश्यक है, अन्यथा हस्त परीक्षा का लाभ अधूरा होगा। इसी क्रम में अंगुलियों की मुद्रा द्वारा अनेक दोषी रेखाओं से लाभ हासिल किया जा सकता है। अनेक लोग योग की अवस्था में अपने अंगुलियों को विशेष स्थिति में रखते हैं जिसे हम मुद्रा कहते हैं। मुद्राओं का उद्देश्य मस्तिष्क के कुछ केन्द्रों को अतिरिक्त शक्ति को दूसरे केन्द्रों तक पहुंचा कर लाभ देना होता है।

हृदय रेखा का दोष निवारण

यदि हृदय रेखा दोषपूर्ण हो तो जातक को रक्तचाप और हृदय रोग की बिमारी होती है। ऐसी अवस्था में जातक अनेक प्रकार के औषधि उपाय भी करता है परन्तु उसे लाभ नहीं होता तब हृदय रेखा के दोष को समाप्त करने के लिए कनिष्ठा अंगुली को छोड़कर अन्य तीनों अंगुलियों के सिरों को अंगूठे के सिरे से मिलाएं तो यह मुद्रा बनती है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

इस मुद्रा का नित्य अभ्यास करने से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यह मुद्रा प्रातःकाल करने से अधिक लाभ मिलता है तथा हृदय रेखा के दोष को कम करती है।

मस्तिष्क रेखा का दोष निवारण

यदि मस्तिष्क रेखा दोषपूर्ण हो तो जातक को स्नायु से संबंधी अनेक बिमारी उत्पन्न करती है। ऐसी स्थिति में तर्जनी और अंगूठा को मिलाकर मुद्रा बनायें, इसे चिन्मुद्रा कहते हैं। यह मुद्रा करने से गुरु पर्वत एवं मस्तिष्क रेखा का दोष नष्ट हो जाता है। यह मुद्रा प्रतिदिन प्रातःकाल एवं सायंकाल में लगभग 15 मिनट करना चाहिए।

जीवन रेखा का दोष निवारण

यदि जीवन रेखा दोषपूर्ण हो तो जातक के जीवन में अनेक दुर्घटना एवं शारीरिक बिमारी उत्पन्न करती है। ऐसी स्थिति में कनिष्ठा और अनामिका को अंगूठे से मिलाकर मुद्रा बनायें। इस मुद्रा को करने से शुक्र पर्वत, मंगल पर्वत, जीवनरेखा, बुधरेखा आदि का दोष नष्ट होता है तथा जातक को अच्छा फल मिलता हैं ।

शनि दोष निवारण

यदि शनि पर्वत में या शनि रेखा में दोष हो तो तर्जनी को मोड़कर उसे शुक्र पर्वत पर लगायें शेष सभी अंगुलियां और अंगूठा अलग रखें। यह मुद्रा शनि रेखा एवं शनि पर्वत के दोष को नष्ट करती है तथा अनेक बिमारियों से रक्षा करती है।

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 9

हस्तरेखाएं और नौ ग्रह

हाथ में नौ ग्रहों के स्थान

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

यहां ग्रहों के चिह्न, ग्रहों के स्थान, तीर्थों के स्थान और ऋतुओं के स्थान का वर्णन प्रस्तुत है। हस्तरेखा विज्ञान की पूर्ण जानकारी के लिये इन्हें समझना आवश्यक है। एक कुशल हस्तरेखाविद् के लिए रेखाओं, चिह्नों, शरीर पर पाये जाने वाले अनेक चिह्नों के साथ ग्रहों के चिह्नों को भी याद रखना अनिवार्य है।

ग्रहों के चिह्न इस प्रकार हैं–

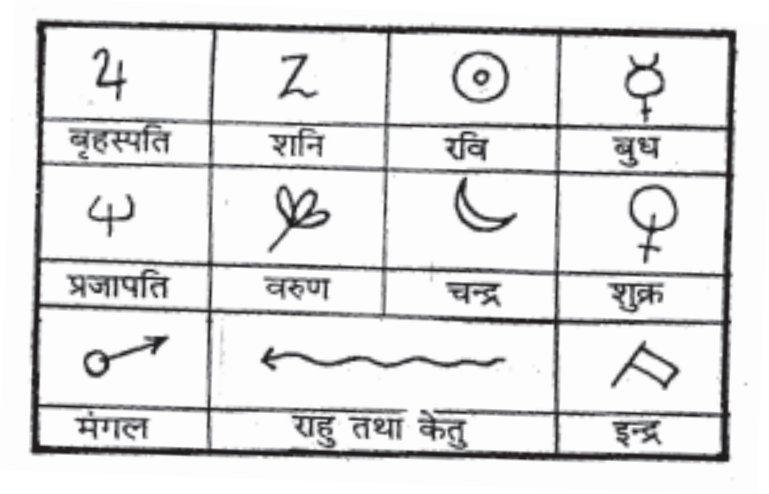

सर्वप्रथम हाथ के भीतर उपस्थित नौ ग्रहों के स्थान और उनके गुण दोषों का विवेचन करें। हाथ देखने के लिए इन्हें जानना आवश्यक है। रेखाओं के बाद ग्रह ही हैं जो भविष्यवाणी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बुध– इसका स्थान कनिष्ठ अंगुली के नीचे होता है। यह व्यापार, संपत्ति और बुद्धि का स्वामी माना जाता है। व्यापारी तथा इंजीनियरों के हाथों पर इसका प्रभाव स्पष्ट दिखलाई देता है।

सूर्य– यह सब ग्रहों का स्वामी है। इसका स्थान अनामिका के नीचे होता है। महत्वाकांक्षा, सरकारी नौकरी, अधिकार, सत्ता और दीर्घायु आदि बातों का यह ग्रह कारक माना जाता है।

शनि– इसका स्थान मध्यमा उंगली के नीचे माना गया है। यह भौतिक सुखों का कारक है, लेकिन कभी–कभी जीवन दुःखी भी बना देता है। गूढ़ शास्त्र, अतीन्द्रिय ज्ञान आदि बातों का कारक है। जिस जातक के हाथ में यह ग्रह बलशाली होता है, उसको ऐसे विषयों की लगन रहती है। बड़े–बड़े तांत्रिकों के हाथों में यह ग्रह प्रभावी दिखलाई देता है।

बृहस्पति– इसका स्थान तर्जनी के नीचे होता है। अंतःकरण रेखा, मस्तिष्क रेखा और आयु रेखा से इसका सीधा संबंध रहता है। यह ग्रह धार्मिक प्रवृत्ति और सामाजिक प्रतिष्ठा का कारक माना जाता है। अध्यापक वर्ग, अधिकारी आदि के हाथों पर इस ग्रह का प्रभाव दिखलाई देता है। जिनके हाथों पर इस ग्रह का प्रभाव होता है, वे शांत और संतुष्ट रहते हैं। उनकी प्रवृत्ति धार्मिक और सत्यान्वेषी होती है। वे अच्छे प्रवक्ता या वकील के रूप में प्रसिद्धि पाते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

मंगल– गुरु के स्थान के नीचे ही मंगल का स्थान है। आयु रेखा और मस्तिष्क रेखा इस स्थान से निकलती हैं। यहसम्पत्ति, गड़ा धन, वीरता आदि का कारक है। इसका संबंध जब आयु रेखा से होता है तब सामान्य रक्तचाप, रक्तक्षीणता जैसी बीमारियां होती हैं। मंगल और शुक्र के संधिकाल में परिस्थिति बुरी तरह बिगड़ जाती है।

शुक्र– अंगूठे के नीचे शुक्र का स्थान है। यह स्थान विशाल होता है। कला, संगीत, सौन्दर्य, स्त्री विषयक जीवन का देवता शुक्र है। शुक्र से प्रभावित जातक लैंगिक विषयों की तरफ आकर्षित होता है। इससे उसकी प्रतिष्ठा भी कम हो सकती है। यह भाग्यकारक ग्रह है। इसका भाग्य रेखा से संबंध लाभ देता है। जिनके हाथों पर शुक्र रेखा प्रबल हो, उन्हें सदैव सावधान रहना चाहिए।

राहु पर्वत – शनि पर्वत के ठीक नीचे स्थित इस पर्वत को मस्तिष्क रेखा के इर्द–गिर्द देखा जा सकता है। इस पर्वत का संबंध पेट के विभिन्न रोगों, दुर्घटनाओं, अवसाद, चिंता, अधीरता, रूकावटों और समस्याओं से होता है।

केतु पर्वत – यह मणिबंध रेखा पर स्थित होता है। इसका संबंध यात्रा और उसके अच्छे–बुरे परिणामों से होता है।

इस प्रकार ग्रहों के निवास स्थान और उनके गुण और लक्षण को समझा सकता है। हस्तरेखा विज्ञान सीखने और सफल हस्तरेखा निरीक्षण हेतु यह प्रथम सोपान है।

मंगल ग्रह के उपाय

सूर्य के बाद मंगल सबसे अधिक शक्तिशाली ग्रह है। मंगल युद्ध का देवता है। इससे प्रभावित व्यक्ति परास्त होकर या नीचे देखकर जीने वाले नहीं होते। यह अत्यंत शक्तिशाली ग्रह है और शक्ति ही इसका जीवन है, धर्म है। इससे संचालित लोग स्वतन्त्र, दृढ़ निश्चयी, कठोर और प्रचण्ड पराक्रम दिखाने वाले हैं।

यदि मंगल ग्रह शक्तिशाली हो, तो व्यक्ति जीवनशक्ति, साहस, दृढ़ संकल्प और अत्यधिक उत्साही होगा।

यदि मंगल ग्रह शक्तिशाली न हो तो व्यक्ति के जीवन में निरुत्साह, अमंगल आदि छाए रहते हैं और हंसमुख होने के बावजूद वह चिड़चिड़ा हो जाता है तथा उसे जीवन में असफलता का सामना करना पड़ता है। इसलिए मंगल को शक्तिशाली बनाकर वह जीवन को सुखमय कर सकता है।

मंगल यंत्र– समय के साथ यंत्र विद्या का ह्रास तीव्र गति से हो रहा है। आज इसे पुनः पुनरुज्जीवित करने की आवश्यकता है। मंगलयंत्र को मंगलवार को, भोजपत्र पर केसर से, अनार की कलम से, मंगल के बीज मंत्र का जप हवन करके विश्वास के साथ लिखकर प्रयोग में लाएं।

मंगल यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

रत्न– मंगल को शक्तिशाली बनाने के लिए इसका रत्न मूंगा, सोने की अंगूठी में, मंगलवार अनुराधा नक्षत्र में सूर्योदय से 1 घंटे के बाद धारण करें। यह रत्न अनामिका उंगली में ही पहनें।

उपरत्न– रांगमूंगी धारण करने से या विद्रमल की जड़ धारण करने से मंगल की शांति होती है।

जड़ी–बूटी– मंगलवार को सोने के लॉकेट में अनंतमूल की जड़ भरकर लाल रंग के सूती धागे से बांधकर गले या सीधे बाजू में पहनें।

धातु– तांबे की अंगूठी अनामिका में धारण करने से मंगल ग्रह शांत होता है।

दान– सार्मथ्य के अनुसार सोना, तांबा, गुड़, लाल कपड़ा, मसूर, केसर दान से मंगल का बुरा प्रभाव समाप्त हो जाता है।

तांत्रिक मंत्र – ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।

मंगल की शांति के लिए हनुमान चालीसा का पाठ भी करना चाहिए।

विशेष– ताम्र पात्र में रखे जल का प्रयोग नित्य करने से भी मंगल से संबंधित रोगों का नाश होता है। ताम्र पात्र में रखे जल को पीने से रक्त में गुलाबी कण उत्पन्न होते हैं, हृदय को शक्ति प्राप्त होती है।

शनि को शांत करने के उपाय

अक्सर लोगों के मन में शनि ग्रह के प्रति उदासीनता देखी जाती है और लोग इस ग्रह से भयभीत भी रहते हैं।

दरअसल शनि जैसा उपकारी, कल्याणकारी ग्रह और कोई नहीं है। जिस प्रकार आग में तपकर सोना कुंदन बन जाता है उसी प्रकार ही मनुष्य के ऊपर शनि की दशा आ जाये और वह आग रूपी साहस, दान, पूजा–पाठ आदि से काम ले तो अवश्य ही मनुष्य कुंदन बन कर निखर आता है और अपना लक्ष्य प्राप्त करने का साधन जुटा लेता है। इसलिए शनि की साढ़ेसाती या शनि की ढैया का नाम सुनकर भयभीत नहीं होना चाहिए। इस समय में अच्छे–बुरे की पहचान, मेहनत और परेशानियों से जूझना आदि आ जाता है।

शनि ग्रह हाथ में बीच वाली उंगली के नीचे स्थित होता है। शनि अध्यात्म, धन, दांतों के रोग, संगीत, कला, प्रकृति प्रेम, ज्योतिष, गुप्त विद्या, गुणदोष निकालने की कला, नौकरी, सात्विक विचार से सम्बन्ध रखता है।

अगर हथेली लम्बी हो ओर बिल्कुल टेढ़ी–मेढ़ी न हो, हाथ का रंग गुलाबी हो, तो शनि ग्रह हाथ में उत्तम माना जाता है। ऐसे लक्षण प्रायः कम हाथों में देखने को मिलते हैं। ऐसा होने पर शनि इंसान का परम मित्र बन जाता है। शनि की दोषपूर्ण स्थिति का अवलोकन करने के लिए हथेली में शनि ग्रह को देखना अति आवश्यक है कि ये हथेली में बैठा है या नहीं। शनि बैठा हो, हथेली में शनि पर अधिक रेखाएं हों, शनि की उंगली टेढ़ी हो और वहां रेखाएं कटी–फटी हों, भाग्य रेखा मोटी हो, जीवन रेखा सीधी हो या दोष पूर्ण हो, हथेली पतली हो, हाथ का आकार बहुत दोषपूर्ण हो, हथेली में मोटी रेखाओं का जाल हो या इनमें से कोई भी दो या तीन लक्षण उपस्थित हों, तो शनि की साढ़े साती दशा मानी जाती है या हृदय रेखा से शाखाएं मस्तिष्क रेखा पर गिरती हों, तो शनि की स्थिति जीवन में ज्यादा देर तक उपस्थित रहती है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

शनि उत्तम हो और शनि की उंगली लम्बी हो, तो ऐसे लोगों की अध्यात्म में रुचि होती है। ऐसे लोग अपने ही मूड के होते हैं। मन आयेगा तभी काम करेंगे, नहीं तो हां–ना कर बात खत्म कर देते हैं।

शनि की अंगुली पतली, पीछे की तरफ मुड़ने वाली, ग्रह उठा हुआ, मस्तिष्क रेखा द्विविभाजित या चंद्रमा की तरफ जाने वाली हो और सूर्य की उंगली भी सीधी हो, तो ऐसे लोग उत्तम कोटि के संगीतज्ञ, गायक या वादक होते हैं।

शनि के साथ–साथ बृहस्पति ग्रह भी अच्छा हो, तो ऐसे लोग स्वाभिमानी होते हैं। इनमें शासन करने की योग्यता और अपनी बात को कुशलतापूर्वक कहने की क्षमता होती है। ऐसे लोग या तो अध्यापक, उद्योगपति या किसी बड़े विभाग में कार्यरत होते हैं।

शुक्र प्रधान हो, शनि की उंगली सीधी व लम्बी हो, भाग्य रेखा उच्च व हाथ सुंदर हो, तो ये लोग किसी कला के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। शनि ग्रह व सूर्य ग्रह के उत्तम होने से पैसे के साथ–साथ यश अवश्य मिलता है। भाग्य रेखा एक से अधिक हो, तो क्या कहना! ऐसे लोगों को चमड़े का, खाने पीने के सामान का काम बहुत रास आता है।

शनि पर्वत पर तिल होने से मनुष्य धनवान अवश्य बनता है। ऐसे लोगों को बिजली व आग से खतरा होता है।

शनि पर्वत के साथ मंगल उत्तम हो, तो साहसिक कार्य, बिजली के काम आदि में इन्हें सफलता मिलती है।

शनि की उंगली के बीच का पोर बड़ा हो, शनि ग्रह उठा हुआ हो, हृदय रेखा के नीचे त्रिकोण हो, तो ऐसे लोग ज्योतिषी या भविष्यवक्ता होने के साथ–साथ आध्यात्मिक रुचि वाले होते हैं।

शनि ग्रह उत्तम हो, मणिबंध से रेखाएं ऊपर की तरफ जाती हों, हाथ सुन्दर हो, तो यात्राएं बहुत होती हैं।

शनि ग्रह कटा–फटा और बैठा हुआ हो, तो इसका उपाय अवश्य करना चाहिए। शनि ग्रह पर किसी भी प्रकार का दोष हो, तो ऐसे लोगों को अपने जीवन में शांति नहीं मिलती है। काम भी रुक–रुक कर चलता है। जीवन में कोई न कोई पंगा अवश्य चलता रहता है। मन में शांति नहीं होती है, स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है। दांतों को रोग, वायु विकार, जीवन में उत्साह की कमी, बहुत जल्दी निराश हो जाना, बिजनेस, नौकरी का ठीक न चलना, हर काम में रुकावट आ जाना, बनते–बनते काम का बिगड़ जाना आदि शनि के दोष होते हैं। इनसे राहत पाने के लिए कुछ उपाय :

1. घोड़े की नाल की अंगूठी बनाकर शनिवार को मध्यमा उंगली में शनि मंत्र पढ़कर डालें,
   ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
2. सूखे नारियल और बादाम जल में प्रवाहित करें। इससे काम में मन लगता है।
3. शराब, मांस आदि का सेवन न करें।
4. पारिवारिक सहयोग न मिले, तो 50 ग्राम सुरमा वीराने में दबायें।
5. व्यापार में अगर शनि रुकावट डाले तो :
   क. घोड़े की नाल की अंगूठी मध्यमा उंगली में डालें।
   ख. शनि मंत्र का जाप करें।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

ग. 12 बादाम घर में दबाये।
घ. शनि स्तोत्र का नियमित पाठ करें।
ड़. शिवलिंग पर नित्य दूध चढ़ायें।

6. मित्रों से हानि, चोरी, गुप्त रोग और नौकरी में शनि के कारण रुकावट से बचाव के लिए :
क. बावड़ी में तांबे का पैसा डालें।
ख. नाव की कील की अंगूठी पहनें।
ग. हनुमान चालीसा का पाठ करें।
घ. धर्म स्थल पर नंगे पैर जाएं।

7. दाम्पत्य जीवन, स्वास्थ्य या राजनीति में शनि रुकावट डाले तो–
क. हनुमान जी को सिन्दूर लगाये।
ख. घोड़े की नाल का छल्ला मंत्र सहित शनिवार को मध्यमा उंगली में धारण करें।
ग. कुत्तों को खाना दें।
घ. शराब, मांस, अण्डे आदि का सेवन न करें।

8. मुकदमे में जीत, शत्रुओं पर विजय और शेयर में लाभ के लिए :
क. शराब जल में प्रवाहित करें।
ख. मजदूर की सेवा करें।
ग. शनि मंत्र का जाप करें।
घ. गरीब को जरुरत की चीजें दान दें।

इसके अतिरिक्त शनि ग्रह के दोष को शांत करने के लिए नीलम भी धारण किया जाता है।

ग्रहों का उपाय करते समय ग्रहों का सही अवलोकन करना अति आवश्यक है, नहीं तो समय और धन का अपव्यय हो जाता है। इसके लिए किसी विशेषज्ञ की मदद लेकर जीवन की परेशानियों से राहत पाई जा सकती है।

प्रसन्नता का स्वामी चन्द्र ग्रह

चंद्रमा सौर मंडल का दूसरा शक्तिशाली ग्रह है। चन्द्रमा प्रसन्नता और प्रफुल्लता का स्वामी एवं सात्विक ग्रह है। चन्द्र के शक्तिशाली होने पर व्यक्ति कवि, वैद्य या कांच, किराना, अनाज, घी आदि वस्तुओं का व्यापारी बन सकता है। यदि यह ग्रह कमजोर हो, तो उपरोक्त कार्य में कमी आ जाएगी। चन्द्रमा को शक्तिशाली बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाने चाहिए।

रत्न– सफेद, सच्चा मोती शुक्ल पक्ष के सोमवार को धारण करें मुहूर्त्त का ध्यान रखते हुए प्रयोग करने से लाभ अधिक होगा।

उपरत्न– चन्द्रमणि, सफेद पुखराज, या ओपल भी पहना जा सकता है। चांदी की अंगूठी को अनामिका की उंगली में धारण करने से 50 प्रतिशत लाभ तत्काल प्राप्त हो जाता है।

विशेष– चांदी के पात्र में रखे पानी के प्रयोग से मनोरोगों में अथवा चन्द्रमा की क्षीणता से होने वाले स्नायु रोगों में विशेष लाभ देखा गया है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

धातु– अनामिका में चांदी की अंगूठी व गले में चांदी का चंद्र धारण करने से भी काफी लाभ मिलता है।

दान–चंद्र की शांति के लिए अपनी शक्ति के अनुसार मोती, चावल, चांदी, दही, मिस्री, श्वेत वस्त्र, सफेद फूल, कपूर, शंख, सीपी, श्वेत चन्दन आदि वस्तुओं का दान करने से बहुत लाभ होता है।

जड़ी बूटी– अशोक के वृक्ष की जड़ को रोहिणी चन्द्रवार के दिन, सफेद धागे में, बाएं बाजू में चांदी के ताबीज में डालकर पहनने से बुरा प्रभाव समाप्त हो जाता है।

चन्द्र का तांत्रिक मंत्र– ॐ श्रां, श्रीं, श्रौं सः चन्द्रमसे नमः

विशेष– चंद्र शांति के लिए भगवान शंकर की पूजा भी विशेष प्रभावकारी उपाय है, इसका विपरीत प्रयोग भी तत्काल प्रभाव दिखाता है।

बुध ग्रह का उपाय

बुध ग्रह – यह चंद्रमा का पुत्र है। बुध ग्रह प्रधान व्यक्ति कभी बूढ़ा नहीं होना चाहता है। बुध ग्रह के कमजोर होने पर, हृदय रोग, बुद्धि की कमी, श्वास रोग आदि होते हैं। बुध का उपाय करने से बहुत सारी विपत्तियों से बचा जा सकता है।

बुध यंत्र– विशेष प्रकार की लेखन शैली यह यंत्र तैयार किया जाता है। यह भोजपत्र, कांस्य पत्र, या हाथी दांत पर बनाया जाता है। बुधवार वाले दिन यंत्र बनाकर रखने से बुध ग्रह की शांति होती है।

सूर्योदय के पश्चात् दो घण्टे के समय बुधवार वाले दिन उत्तराफल्गुनी नक्षत्र यंत्र बनाकर रखने से अधिक लाभ होता है।

रत्न– बुध ग्रह का प्रधान रत्न पन्ना है, जो अधिकांश रूप से पांच रंगों में पाया जाता है।

1. हल्के हरे पानी के रंग जैसा।
2. तोते के पंखों के समान रंग वाला।
3. हल्का हरा व गहरा हरा।
4. मयूर पंख के समान रंग वाला पन्ना श्रेष्ठ माना गया है। किन्तु यह रत्न चमकीला, तेजस्वी, पारदर्शी होना चाहिए। पन्ना प्लेटिनम या सोने की अंगूठी में बुधवार को प्रातः काल उत्तराफागुनी नक्षत्र में कनिष्ठा में धारण करने से चमत्कारी फल मिलता है। बुध यंत्र अंगूठी में पहनें।

बुध यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

जड़ी बूटी औषधि– विधारा की जड़ को हरे धागे में सोने के लॉकेट में डालकर दायें बाजू में बांधना चाहिए।

धातु– कांसे के बर्तन में भोजन करने से या कांसे का पात्र प्रयोग करने से बुध की शक्ति प्रबल होती है।

दान– अपनी सामर्थ्य के अनुसार पन्ना, मूंगा, सोना, हरा कपड़ा, हरी दालें, हरे फल आदि प्रातः काल में दान करने से लाभ होता है।

तांत्रिक मंत्र– ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

विशेष– ऊपर बताए गए सभी कार्य विशेष मुहूर्त में या सभी कार्य एक साथ करने से आश्चर्यजनक लाभ प्राप्त होता है।

शुक्र ग्रह का उपाय

अगर शुक्र ग्रह शक्तिशाली हो तो ऐश–आराम, स्त्री संबंधित सभी सुख, राजनीति, काम सुख आदि प्राप्त होते हैं।

अगर शुक्र निर्बल हो, तो जीवन रसहीन, कान्तिहीन और आमोद–प्रमोद के साधनों से वंचित होता है।

अतः जीवन को सफल बनाने के लिए कुछ क्रियाएं जैसे यंत्र, मंत्र का प्रयोग किया जा सकता है।

शुक्र ग्रह के यंत्र का शुक्रवार को सूर्योदय के समय भोजपत्र व चांदी पत्र पर सफेद चंदन या अनार की कलम से लिखकर प्रयोग करें। यह यंत्र बड़ा शक्तिशाली है।

शुक्र का तांत्रिक मंत्र – ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः । शुक्र यंत्र अंगूठी में पहनें।

इसका कम से कम 6400 बार जप करना चाहिए। अगर और उत्तम प्रभाव चाहिए तो इसके साथ दशांश हवन भी करना चाहिए।

रत्न– शुक्र को शक्तिशाली बनाने के लिए सोने की अंगूठी में हीरा, शुक्र मंत्र का जाप करते हुए तर्जनी उंगली में पहनें।

शुक्र यंत्र

11	6	13
12	10	8
6	14	9

उपरत्न– जरकन, अमाथिस्ट आदि भी उपयोग में ला सकते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

जड़ी–बूटी– सिंहपुच्छ की जड़ शुक्रवार को सफेद धागे में डालकर दायें बाजू में धारण करने से शुक्र की शांति होती है।

दान– अपनी सामर्थ्य के अनुसार दूध, चावल, सफेद वस्तु, इत्र, मिस्री, सफेद वस्तुएं सूर्योदय के समय दान करने से विशेष फल प्राप्त होता है।

गुरु ग्रह के उपाय

यदि गुरु ग्रह शक्तिशाली हो, तो हमारे जीवन में विद्या, बुद्धि, राजसी मान और न्याय का वर्चस्व होता है।

गुरु की शक्ति के अनुसार व्यक्ति, न्यायाधीश, सन्त, महात्मा की स्थिति को पाते हैं। गुरु अगर अच्छी स्थिति में है तो बुद्धि, स्नायु मण्डल व हृदय संबंधी रोग नहीं होते हैं। अतः भारतीय मुनियों ने विभिन्न विधियां अपना कर गुरु ग्रह को शक्तिशाली बनाकर जीवन के अभावों को दूर करके मनोवांछित फल प्राप्त करने की भी यत्न विधि बनाई है।

गुरु यंत्र

गुरु यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

गुरु यंत्र– यह गुरु का यंत्र भारतीय अंक गणित का चमत्कार है। नक्षत्र विशेष में पहनने से इस यंत्र में विशेष दिव्य शक्ति भर जाती है। फिर इन्हें धारण करने से विशेष लाभ होता है।

तांत्रिक मंत्र– ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः बृहस्पतये नमः। नित्य प्रति इसका पाठ करने से ग्रह के दुष्प्रभावों से छुटकारा मिलता है।

रत्न– पुखराज सोने की अंगूठी में गुरु पुण्य योग में तर्जनी उंगली में धारण करने से फल मिलता है।

उपरत्न– सुनहला।

जड़ी–बूटी– केले या नारंगी के वृक्ष की जड़ को पीले धागे में दायें बाजू में सोने के ताबीज में धारण करने से गुरु ग्रह की शांति होती है।

धातु– सोने या कांसे के पात्रों के, प्रयोग करने के पश्चात, दान से भी लाभ होता है।

दान द्रव्य– सोना, चने की दाल, पीले वस्त्र, धार्मिक पुस्तकें, पीली चूड़ियां दान देने से लाभ होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

सूर्य ग्रह के उपाय

यदि किसी व्यक्ति का कोई ग्रह शक्तिहीन हो जाता है, तो उसके पदों और उसके कार्य में बड़ी कमी आ जाती है। सभी कार्यों में विघ्न उपस्थित होता है। प्राचीन ऋषियों ने ग्रहों को शक्तिशाली बनाने के लिए और मानव जीवन को सफल बनाने के लिए ग्रहों की शांति के विभिन्न उपाय बताएं हैं।

जिन लोगों का यह ग्रह शक्तिशाली होगा, वे लोग सभी कार्य– व्यापार और जीवन के हर क्षेत्र में अग्रसर होते रहेंगे। अतः जीवन में आगे बढ़ने के लिए इस ग्रह के उपाय में औषधि, मंत्र, यंत्र, तंत्र आदि के प्रयोग विशेष रूप से किए जाते हैं।

सूर्य को शक्तिशाली बनाने के लिए सूर्य यंत्र का प्रयोग अपने आप में अद्वितीय माना गया है। भारतीय यंत्र विज्ञान और अंक ज्योतिष के अनुसार ग्रहराज सूर्य का यंत्र ताम्र पत्र या भोजपत्र लाल चंदन से लिखकर रविवार के दिन सात हजार सूर्य का मंत्र जाप कर हवन करके धारण करने से व अपने पास रखने से ग्रहजन्य प्रभाव में परिवर्तन देखा जा सकता है।

रत्न– सूर्य को शक्तिशाली बनाने के लिए माणिक स्वर्ण की अंगूठी अनामिका उंगली में रविवार के दिन धारण करें, तो भाग्य में वृद्धि होगी व लाभ प्राप्त होगा।

उपरत्न– लालड़ी, तामड़ा, महसूरी भी धारण किए जा सकते हैं।

जड़ी–बूटी–औषधियां– बेलपत्र की जड़ सोने के ताबीज़ में डालकर रविवार को दायें बाजू में धारण करें।

धातु–केवल सोने की अंगूठी अनामिका में धारण करने से भी सूर्य को शक्ति प्रदान होती है। ग्रह शांति के लिए सामर्थ्य के अनुसार स्वर्ण, ताम्र, गेहूँ, घी, गुड़, लाल वस्त्र ठीक सूर्योदय के समय दान करने से सूर्य की शांति हो जाती है।

सूर्य का तांत्रिक मंत्र– ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।

अभ्यास

1. हाथों पर पाये जाने वाले पर्वतों के नाम बतायें ?
2. गुरु पर्वत पर नक्षत्र होने से जातक पर क्या परिणाम होगा ?
3. बुध पर्वत पर त्रिभुज होना शुभ है या अशुभ ?
4. गुरु पर्वत पर जाल होने से जातक पर क्या परिणाम होगा ?
5. किस पर्वत पर किस निशान से जातक को राजयोग जैसा फल देता है?
5. बुध ग्रह का उपाय के बारे में बतायें।
6. शुक्र ग्रह का उपाय, रत्न के बारे में विवेचना करें।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 10

मुद्रिकाएं

हाथों में अनेक लक्षण पाए जाते हैं जिनमें रेखाओं की मुद्रिकाओं का भी विशेष महत्व है। आमतौर पर देखा गया है कि सामान्य लोग रेखाओं को ही महत्व देते हैं, मुद्रिकाओं को उतना महत्व नहीं देते, जबकि मुद्रिकाओं के अध्ययन के बिना फलादेश अधूरा होता है। यह बात अलग है कि मुद्रिकाएं सब हाथों में नहीं होती हैं।

मुद्रिकाएं, जैसा कि नाम से ही जाहिर है, अंगूठी जैसी आकृति की होती हैं। ये मुद्रिकाएं हथेली में ग्रहों के नीचे होती हैं। जैसे गुरु की उंगली के नीचे गुरु मुद्रिका, बुध के नीचे स्थित बुध मुद्रिका आदि। ये मुद्रिकाएं अपना सर्वोत्तम फल तभी देती हैं, जब ये साफ–सुथरी और दोषरहित हों।

गुरु मुद्रिका– मुद्रिका अगर हथेली में अपना स्थान रखती हो, तो बहुत ही लाभ देती है। अगर यह साफ होकर जीवन–रेखा की तरफ थोड़ा झुकाव करे, तो गुरु व ईश्वर की पूर्ण कृपा रहती है। ऐसे लोग ईश्वर को मानने वाले व अपनी शक्ति साधना में लीन होते हैं। हाथ भारी व उसका रंग गोरा हो, तो बहुत ईमानदार व गहरे साधक होते हैं।

अगर हाथ का रंग काला हो, तो मुद्रिका का उचित फल प्राप्त नहीं होता। बात–बात पर गुस्सा आ जाना ऐसे लोगों का स्वभाव होता है तथा इनमें एकाग्रता की कमी होती है। अगर हाथ का रंग साफ हो, तो निरंतर अभ्यास करने की कोशिश करते हैं कि ईश्वर साधना को बनाये रखें।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

गुरु मुद्रिका के साथ अगर उंगलियों के नीचे आधार बराबर हों और अन्तर्ज्ञान रेखा हो, तो शुरू से ही इनके परिवार में धार्मिक रीति–रिवाज व अनुष्ठान होते रहते हैं। ऐसे लोग ज्योतिषी, मंत्रों, तंत्रों या पारलौकिक शक्ति का ज्ञान रखने वाले होते हैं।

गुरु मुद्रिका के टूटी होने या टूट–टूट कर चलने से इनके संबंधी धन को लेकर परेशान रहते हैं। अगर हृदय–रेखा विभाजित होकर बृहस्पति मुद्रिका में मिल जाए या बृहस्पति मुद्रिका हृदय–रेखा को भी घेर ले तो ऐसे लोगों के अनैतिक संबंध होते हैं, पर धार्मिक प्रवृत्ति फिर भी कायम रहती है।

शनि मुद्रिका– शनि मुद्रिका भी शनि की उंगली के नीचे शनि ग्रह पर स्थित होती है।

इसके टूटी–फूटी होने पर इंसान की धार्मिक व आर्थिक प्रगति में रुकावट आती है। ऐसा कई बार देखा गया है कि इनके घर में आग लगती है या उन्हें इसका भय होता है। छिट–पुट घटनाएं इनके साथ होती रहती हैं।

अगर हाथ भारी और मुलायम तथा अंगूठा लम्बा हो और यह मुद्रिका दोषरहित हो, तो विशेष फलदायक होती है अध्यात्म में विशेष रुचि रखता है। अगर ऐसे लोग शिव आराधना करते हैं तो बहुत इन्हें अध्यात्म में अच्छी स्थिति मिल जाती है। इनमें बचपन से ही ईश्वर के प्रति रुचि रहती है। ऐसे लोग वफादार व दयालु होते हैं।

सूर्य मुद्रिका– इसका स्थान सूर्य की उंगली के नीचे होता है तथा ये सूर्य ग्रह को घेरती है। इसकी निर्दोष स्थिति व सूर्य–रेखा इसके गुणों को कई गुणा बढ़ा देती है। इनके अन्दर एक से अनेक गुण होते हैं। अगर हाथ भी भारी हो, तो ऐसे लोग ईश्वर में आस्था रखने वाले व अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता अर्जित करते हैं। ऐसे लोग बहुत ही समझदार, बुद्धिमान और निष्पक्ष राय देने वाले होते हैं।

अगर यह मुद्रिका दोषपूर्ण हो, सूर्य–रेखा, टूटी–फूटी हो, तो आंखों में रोग होता है। इनकी आंखें छोटी उम्र में ही कमजोर हो जाती हैं। अगर यह मुद्रिका अधूरी हो, तो शिक्षा भी अधूरी रह जाती है। पर फिर भी बड़ी उम्र में कुछ न कुछ लाभ मिल ही जाता है। ऐसे लोग असानी से किसी को अपना गुरु नहीं मानते हैं।

शुक्र मुद्रिका– हथेली में शनि व सूर्य की अंगुली के नीचे की मुद्रिका को शुक्र मुद्रिका कहते हैं। यह मुद्रिका प्रायः 50 प्रतिशत लोगों में पाई जाती है। यह मुद्रिका इंसान को बहुत अधिक कामुक बना देती है। अगर यह उंगलियों के पास हो, हाथ का रंग काला हो, उंगलियां टेढ़ी–मेढ़ी हों, तो ऐसे लोग बलात्कार करते पाए जाते हैं।

अगर उंगलियां पतली हों, हाथ का रंग साफ हो, हृदय–रेखा जंजीरदार हो, तो इनके अनेक संबंध पाए जाते हैं।

शुक्र मुद्रिका साफ–सुथरी और उंगलियों से दूर हो, तो ऐसे लोग धनवान होते हैं। इन्हें कोई न कोई यौन रोग, या बीमारी जरूर होती है। ऐसे लोग साहित्यकार, फिल्मकार, कलाकार भी होते हैं। यह रेखा साफ–सुथरी हो तो लोग बहुत उच्च तरक्की करने वाले व उच्च कोटि के कलाकार व लेखक होते हैं, पर ये कामुक स्वभाव के अवश्य होते हैं।

बहुत अधिक दोष होने पर ऐसे लोग अपनी पत्नी को पैसों की खातिर बेच देते हैं या अपनी पत्नी को देखते हुए उससे गलत कार्य या अनैतिक संबंध स्थापित करवाते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अध्याय 11

तिलों का विवरण

Future Point

प्रत्येक मनुष्य के शरीर पर जन्मजात अनेक चिह्न होते हैं। हस्तरेखा के समान ही इनका भी अपना महत्व है। प्रत्येक मनुष्य के शरीर पर तिल भी होते हैं। इन तिलों का भी अपना प्रभाव होता है।

तिल और उनका फल

पेट पर–व्यक्ति अच्छा भोजन चाहेगा।
पेट के बीचोंबीच–डरपोक होगा।
पसली पर – डरपोक कम होगा।
हृदय पर – बुद्धिमान होगा।
बगल में – हानि पहुंचाएगा।
कमर पर – परेशानी से जीवन बीतेगा।
दांतों के नीचे – लज्जित होना पड़ेगा।
छाती के दायें भाग पर – कामी होगा।
छाती के दोनों भागों के बीच – आराम से निर्वाह होगा।
छाती के बायें भाग पर – पत्नी से लड़ाई होगी।
नाक पर – यात्रा होगी।
बाईं भुजा पर – लड़का होगा।
दाईं भुजा पर – आदर मिलेगा।
गर्दन पर – आराम मिलेगा।
कान पर – आयु अल्प होगी।
होंठ के नीचे – निर्धनता बनी रहेगी।
होंठ पर – कामुक स्वभाव।
बायें गाल पर – निर्धन होगा।
दाहिने गाल पर – धनवान होगा।
बाईं आंख पर – निरंतर चिंता बनी रहेगी।
दाईं आंख पर – स्त्री से प्रेम रहेगा।
दोनों भौहों पर – यात्राएं बहुत होंगी।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

ठुड्डी के ऊपर – स्त्री से मेल न रहेगा।
माथे के बाईं ओर – घोर परेशानी से जीवन बीतेगा।
माथे के दाहिनी ओर– धन बढ़ता जायेगा।
पीठ पर – यात्रा करता रहेगा।
दाहिनी हथेली पर – धनवान होगा।
दाहिने हाथ पर – कोष वाला होगा।
बाईं हथेली पर – व्यर्थ व्यय होगा।
बायें हाथ की पीठ पर – बुद्धिमान होगा।
दाहिने पैर पर – बहुत बुद्धिमान होगा।
स्त्री की योनि पर – विधवा, धन में तंगी, पुत्रहीन।

यह केवल पुरुष शरीर तिल के लक्षण हैं। स्त्री तिल के लक्षण इसके एकदम विपरीत होते हैं। यहां स्त्री के दाहिनी ओर होने पर फल घटता जायेगा। बाईं से दाईं ओर होने पर सुख से जीवन बीतेगा।

ग्रहों या पर्वतों पर तिल

गुरु पर तिल मनुष्य की आर्थिक स्थिति को दृढ़ करता है।

शनि पर्वत पर तिल– गुद्‌गुदे हाथ में शनि पर तिल धनी होने का योग बनाता है, पर इन्हें बिजली या आग से हानि करवाता है।

सूर्य पर्वत पर तिल – बुध पर्वत पर तिल होने से मनुष्य में वाक्‌कला होती है, पर यह केवल हाथ सुन्दर होने की दशा में ही सम्भव है अन्यथा ऐसे व्यक्ति चोर होते हैं। या उनमें चोरों जैसी प्रवृत्ति होती है।

शुक्र पर्वत पर तिल– शुक्र पर्वत पर तिल व्यक्ति के आराम–तलब होने का लक्षण है। पति–पत्नी में ज्यादा नहीं बनती।

चन्द्र पर्वत पर तिल– चन्द्र पर्वत पर तिल होने से मनुष्य धनी होता है। ऐसे लोगों को विदेश जाने का अवसर मिलता है।

मंगल पर्वत पर तिल – मंगल पर्वत हथेली में दो जगहों पर स्थित होता है। एक जीवन रेखा के उद्‌गम स्थान पर होता है, जिससे सिर में चोट आने की संभावना रहती है व स्वभाव में कठोरता पाई जाती है। जबकि बुध के नीचे मंगल क्षेत्र पर तिल होने से मनुष्य के सम्पत्ति सुख में बाधा आती है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अध्याय 12

विभिन्न चिह्नों का विवरण

Future Point

हाथ में रेखाओं के अतिरिक्त और भी अनेक लक्षण पाए जाते हैं, जिनसे मनुष्य के सामाजिक जीवन, व्यापार और स्वास्थ्य आदि के बारे में भविष्यवाणी की जा सकती है। प्रमुख चिह्न और उनके फल के सम्बन्ध में जानकारी इस प्रकार है :–

क्रॉस–X

यदि शुक्र क्षेत्र पर क्रॉस हो, तो व्यक्ति के प्रेम सम्बन्ध में एक अवांछनीय मोड़ आ सकता है, जिससे कई बार मानसिक सन्तुलन खराब होने से विवाद उत्पन्न हो जाते हैं। यह क्रॉस स्पष्ट होने पर ही अपना फल दिखाता है। उलझी हुई रेखाएं व नरम हाथ होने पर ऐसा नहीं होता।

चन्द्र क्षेत्र पर क्रॉस होने से व्यक्ति दिन–रात कल्पना में डूबा और मानसिक रूप से परेशान रहता है तथा उसे पानी से खतरा रहता है। क्रॉस बुध के क्षेत्र पर होने से व्यक्ति में छल–कपट और बेईमानी के लक्षण आ जाते हैं।

मंगल क्षेत्र पर क्रॉस हो, तो व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। वह छोटी–सी बात पर झगड़े–फसाद के लिए उतारू हो जाता है।

सूर्य क्षेत्र पर क्रॉस जीवन में रुक–रुक कर सफलता, धन की क्षति, मानसिक रूप से बेचैन तथा नेत्रों के रोग को दर्शाता है।

शनि क्षेत्र पर क्रॉस होने से धन की क्षति, दांतों के रोग व व्यापार में उलझनें आदि आती हैं।

द्वीप

जिस प्रकार किसी बहती हुई नदी में कहीं बीच में रेत का टापू निकल आता है, उसी प्रकार किसी रेखा में कहीं पर द्वीप बन जाता है। द्वीप हाथ में किसी भी रेखा पर बन सकता है। ग्रहों पर इसका स्थान नहीं होता। द्वीप हाथ में कहीं पर शुभ नहीं होता, पर मस्तिष्क रेखा के ऊपर थोड़े से द्वीप बन जाने से मनुष्य के स्वभाव में दया व धार्मिकता आ जाती है। अतः एक या दो द्वीप मस्तिष्क रेखा पर आ जाने से कोई नुकसान नहीं होता। ज्यादा द्वीप बन जाने से मस्तिष्क में दुर्बलता, मानसिक रोग तथा चिड़चिड़ापन आ जाता है। द्वीप के हृदय रेखा पर होने से हृदय रोग की संभावना होती है।

द्वीप चिह्न स्वास्थ्य रेखा पर होने से मनुष्य का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। इन्हें कोई गम्भीर रोग हो जाता है।

नाखून लम्बे हों तथा जीवन रेखा में द्वीप हो, तो फेफड़े का रोग होता है या फेफड़े दुर्बल होते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

जाल

जाल सामान्यतः ग्रह क्षेत्रों पर पाए जाते हैं। जहां यह जाल होता है वहां सुदृढ़ रेखाओं के प्रभाव को कम करते हैं। किन्तु नरम हाथ में इसका इतना प्रभाव नहीं होता।

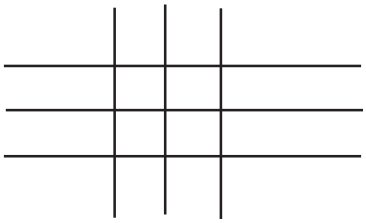

जाल

शनि क्षेत्र पर जाल होने से व्यक्ति उदास, निराशावादी और चिड़चिड़ा होता है। ऐसे लोग बगैर किसी काम के भी अपने आप को व्यस्त बताते हैं।

सूर्य क्षेत्र पर जाल होने से व्यक्ति की झूठ बोलने की प्रवृत्ति, पढ़ाई के कामों में रुकावट तथा घरेलू सम्बन्धों में खटास रहती है।

बुध क्षेत्र पर जाल जातक को अनैतिक कामों की तरफ प्रेरित करने वाला, सिद्धांतहीन व उदासीन बनाता है।

त्रिकोण

अन्य आकृतियों की तरह त्रिकोण का भी हाथ में अपना महत्व है। स्वतन्त्र तथा साफ–सुथरे त्रिकोण बहुत लाभकारी होते हैं। जबकि कटे–फटे त्रिकोण इतना लाभ नहीं देते।

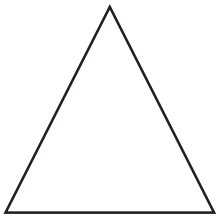

त्रिकोण

जीवन रेखा में त्रिकोण– जीवन रेखा में त्रिकोण मनुष्य की दुर्घटनाओं से रक्षा करवाता है। बड़ा त्रिकोण, मनुष्य को सम्पत्ति प्रदान करता है।

मस्तिष्क रेखा में त्रिकोण– मस्तिष्क रेखा में त्रिकोण, संकटों से रक्षा करवाता है। यहां स्थित साफ–सुथरा त्रिकोण यश, मान तथा आर्थिक लाभ देता है।

भाग्य रेखा में त्रिकोण– भाग्य रेखा में साफ–सुथरा त्रिकोण धन लाभ देता है।

हृदय रेखा में त्रिकोण– हृदय रेखा में त्रिकोण पैतृक सम्पत्ति व धन का लाभ कराता है। ऐसे लोगों को पेड़–पौधों से लगाव होता है।

गुरु पर्वत पर त्रिकोण– साफ–सुथरे हाथ में गुरु पर्वत पर साफ–सुथरा त्रिकोण अथाह धन सम्पत्ति दर्शाता है। उद्योगपतियों व राजनीतिज्ञों के हाथ में यह त्रिकोण पाया जाता है। यह त्रिकोण मनुष्य को ख्याति तथा शासन करने का गुण प्रदान करता है।

शनि पर्वत पर त्रिकोण– शनि पर्वत पर त्रिकोण मनुष्य को आने वाली घटना का आभास, ज्योतिष, व तन्त्र–मन्त्र का ज्ञान प्रदान करता है।

सूर्य पर्वत पर त्रिकोण– सूर्य पर्वत पर त्रिकोण मान–सम्मान देने वाला होता है। ऐसे व्यक्ति शिल्प कार्य या भवन निर्माण कार्य करने वाले होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

बुध पर्वत पर त्रिकोण– बुध पर्वत पर त्रिकोण, मनुष्य की वाक्शक्ति को प्रभावित करता है। इनकी वाक्शक्ति बहुत अच्छी होती है। ऐसे लोग व्यवसाय करने वाले, वैज्ञानिक या डॉक्टर, होते हैं।

मंगल पर्वत पर त्रिकोण– मंगल पर्वत पर त्रिकोण व्यक्ति को जिद्दी, साहसी, दृढ़ निश्चयी बनाता है।

शुक्र पर्वत पर त्रिकोण– शुक्र पर्वत पर त्रिकोण होने से मनुष्य का स्वास्थ्य अच्छा होता है। किसी भी कार्य को शीघ्र समझने की क्षमता इनमें होती है।

चतुष्कोण– चतुष्कोण मनुष्य के खतरे से रक्षा करते हैं। साफ–सुथरी रेखा होने पर यह गुणों में वृद्धि का लक्षण है।

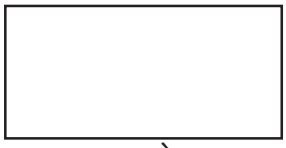

चतुष्कोण

शनि पर्वत पर चतुष्कोण– शनि पर्वत चतुष्कोण बिजली, आग तथा बीमारियों से रक्षा करता है।

सूर्य पर्वत पर चतुष्कोण– सूर्य पर्वत पर चतुष्कोण आंखों की रक्षा तथा बदनामी से रक्षा करवाता है।

शुक्र पर्वत पर चतुष्कोण– शुक्र पर्वत पर चतुष्कोण उच्च मानसिक शक्ति, अच्छे स्वास्थ्य तथा परिवार की मदद करने का लक्षण है।

चन्द्र पर्वत पर चतुष्कोण– चन्द्र पर्वत पर चतुष्कोण मानसिक रोगों से बचाव, धार्मिक कार्यो में रुचि, तथा नकारात्मक रवैये में सुधार का लक्षण है।

जीवन रेखा में चतुष्कोण– जीवन रेखा में चतुष्कोण मनुष्य को हारने से बचाता है तथा दुर्घटना आदि से रक्षा करवाता है।

मस्तिष्क रेखा में चतुष्कोण– मस्तिष्क रेखा में निर्दोष अवस्था में चतुष्कोण होने पर मनुष्य को नए कार्य में लाभ दिलाता है, धन की रक्षा करता है तथा स्वास्थ्य को ठीक रखने में मदद करता है।

हृदय रेखा में चतुष्कोण– हृदय रेखा में चतुष्कोण हृदय रोगों से रक्षा करता है तथा मानसिक रोग से जूझने की क्षमता देता है।

भाग्य रेखा में चतुष्कोण– भाग्य रेखा में चतुष्कोण व्यक्ति को धन का लाभ करवाता है और धन की हानि को रोकता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

विन्दु

विन्दु प्रायः अस्थायी रोग का परिचायक है, एक चमकीला और लाल विन्दु यदि :–

- मस्तिष्क रेखा पर होगा तो कंधे से ऊपर किसी आघात या गिरने के कारण घाव अथवा चोट का निशान होगा। भूरा अथवा नीला विन्दु स्नायु संबंधी रोग का चिह्न है।
- स्वास्थ्य रेखा पर चमकीला लाल विन्दु प्रायः बुखार होने की सूचना देता है।
- जीवन रेखा पर होने से बीमारी का द्योतक है, जो ज्वर प्रकृति का होगा। काला विन्दु धन–दौलत की प्राप्ति का संकेत देता है सफेद विन्दु उन्नति का सूचक है।
- मंगल रेखा पर काला विन्दु होने पर व्यक्ति कायर एवं डरपोक होता है।
- बुध क्षेत्र पर होने से व्यक्ति धोखेबाज अथवा ठग होता है।

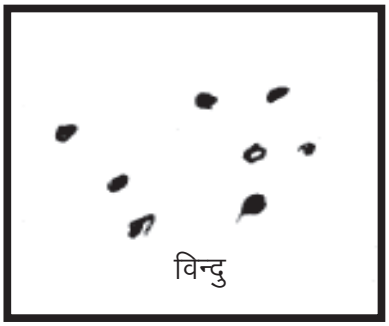

विन्दु

- गुरु क्षेत्र पर होने से विवाह में अड़चनें और अपयश तथा प्रतिष्ठा की हानि होती है।
- शुक्र क्षेत्र में काला विन्दु होने से व्यक्ति कामपिपासु होता है, ऐसे जातक को गुप्तांगों में बीमारी होने की आशंका भी रहती है तथा ऐसे जातक पत्नी या प्रेमिका द्वारा तिरस्कार किये जाते हैं।
- शनि क्षेत्र में होने से प्यार के मामले में बदनामी तथा दाम्पत्य जीवन में तनाव उत्पन्न होता है।
- रवि क्षेत्र में काला विन्दु होने से प्रतिष्ठा एवं यश तथा कला प्रभावित होती है।
- राहु क्षेत्र में होने से युवावस्था में धन की कमी, केतु क्षेत्र में बचपन से बीमार होता है।
- चन्द्र क्षेत्र में होने से विवाह में देरी एवं प्रेम में निराशा उत्पन्न होती है।
- भाग्य रेखा पर होने से भाग्योदय में बाधा उत्पन्न होती है।
- जीवन रेखा पर होने से लम्बी बीमारी उत्पन्न होती है।
- विवाह रेखा पर होने से सिर में भारी चोट और हृदय दुर्बल होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

नक्षत्र (स्टार)

बुध क्षेत्र पर नक्षत्र निशान होने पर जातक कुशाग्र (तीक्ष्ण) बुद्धि का होता है एवं समाजसेवी, परोपकारी, तथा व्यवसायी बनता है।

मंगल क्षेत्र – मंगल पर्वत पर हो तो व्यक्ति शूरवीर, धैर्यवान एवं साहसी होता है तथा युद्ध में वीरता के कार्य से देशव्यापी सम्मान मिलता है।

गुरु क्षेत्र – गुरु क्षेत्र पर होने से व्यक्ति को जीवन में शक्ति, अधिकार, पद, कीर्ति और धन की प्राप्ति होती है। उसकी समस्त कार्य क्षमतायें उन्नति की ओर अग्रसर होने लगती हैं, शीघ्र ही वह सम्मानीय पद प्राप्त कर लेता है एवं जीवन में अचानक धन की प्राप्ति भी होती है।

स्टार (नक्षत्र)

शुक्र पर्वत – शुक्र पर्वत पर नक्षत्र का चिह्न होने से व्यक्ति काम भावनाओं के प्रति अग्रसर रहता है तथा प्रेम के क्षेत्र में सफल होता है एवं सुंदर स्त्री प्राप्त करता है।

शनि क्षेत्र – शनि क्षेत्र में होने से व्यक्ति सही दिशा में चिन्तन करने वाला भाग्यवान होता है तथा प्रसिद्धि प्राप्ति होती है, परन्तु बुढ़ापे में आराम और सम्मान नहीं मिलता है।

रवि क्षेत्र – रवि क्षेत्र पर नक्षत्र का चिह्न होने से व्यक्ति जीवन में पूर्ण ऐश्वर्य का भोग करता है एवं किसी भी प्रकार की कमी नहीं होती तथा मानसिक शान्ती बनी रहती है परंतु वैवाहिक जीवन से असंतुष्ट रहता है।

चन्द्र क्षेत्र – चन्द्र क्षेत्र पर नक्षत्र का चिह्न होने से व्यक्ति उच्च स्तर का कलाकार होता है तथा काव्य के माध्यम से धन और यश प्राप्त करता है।

राहु क्षेत्र – राहु क्षेत्र में होने से भाग्य हमेशा साथ देती है तथा अच्छी कीर्ति प्राप्त होती है।

केतु क्षेत्र – केतु क्षेत्र पर नक्षत्र का चिह्न होने से व्यक्ति का बाल्यकाल सुखी होता है तथा धन की कमी नहीं होती है।

नक्षत्र का चिन्ह रेखाओं पर खराब प्रभाव देता है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

वर्ग

चार भुजाओं से घिरे हुए क्षेत्र को वर्ग कहते हैं। कुछ लोगों के मत से इसे समकोण भी कहा जाता है। वर्ग की चारों भुजाओं में से दो भुजा स्वतंत्र हो तो वह अधिक प्रभावी तथा चारों भुजाओं के स्वतंत्र होने से पूर्ण प्रभावी होता है। यदि वर्ग की चारों भुजायें किसी न किसी रेखा से स्पर्श करे तो वह प्रभावहीन होता है।

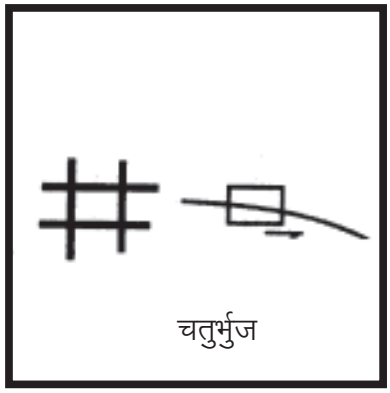
चतुर्भुज

जब एक सुविकसित वर्ग से होकर भाग्य रेखा निकल रही हो तो व्यक्ति के भौतिक जीवन में यह संकट का द्योतक है। जिसका सम्बन्ध आर्थिक दुर्घटना या हानि से है। कुछ विद्वानों का यह मत है कि वर्ग को पार करके आगे बढ़ती हुई भाग्य रेखा खतरा नहीं उत्पन्न करती। जब वर्ग रेखा से बाहर हो तथा स्पर्श मात्र हो एवं शनि पर्वत के नीचे हो तो यह दुर्घटना से रक्षा का सूचक है।

जब मस्तिष्क रेखा सुनिर्मित वर्ग से निकलती है तो यह स्वयं मस्तिष्क की शक्ति और सुरक्षा का चिह्न माना जाता है। जब वर्ग मस्तिष्क रेखा के ऊपर उठ रहा हो और शनि के नीचे हो तो सिर में किसी प्रकार के खतरे का सूचक है।

हृदय रेखा किसी वर्ग में प्रवेश करने से प्रेम के कारण भारी संकट का सामना करना पड़ता है।

जब जीवन रेखा वर्ग में से गुजरती हो तो यह इस बात का सूचक है कि उस आयु पर जातक की दुर्घटना होगी, परन्तु उससे रक्षा होगी। शुक्र पर्वत पर होने से काम संवेगों के कारण संकट से रक्षा होती है, ऐसी स्थिति में जातक काम वासना के कारण अनेक तरह के खतरे में पड़ता है, लेकिन जातक हमेशा बच निकलता है।

वर्ग जीवन रेखा के बाहर हो तथा मंगल क्षेत्र से आकर जीवन रेखा को छू रहा हो, तो इस स्थान पर वर्ग के होने से कारावास या भिन्न प्रकार का रहन सहन होता है।

जब वर्ग किसी भी पर्वत पर होता है तो उस पर्वत के गुणों के कारण होने वाले किसी भी अतिरेक घटना से रक्षा का सूचक होता है।

गुरु पर होने से जातक को अपयश से रक्षा प्रदान करता है। शनि पर होने से खतरों से रक्षा करता है। सूर्य पर होने से प्रसिद्धि की इच्छा को बढ़ाता है। चन्द्र पर होने से अधिक कल्पना एवं अन्य रेखा के दुष्प्रभाव से बचाव होता है। मंगल पर होने से शत्रुओं से होने वाले खतरों से बचाता है। बुध पर होने से उद्विग्नता एवं चंचल प्रवृत्ति से बचाता है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

वृत्त

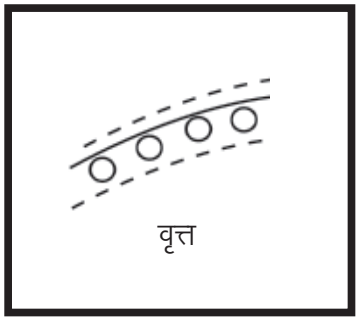

वृत्त

छोटे–छोटे गोल घेरों को वृत्त कहते हैं, इन्हें सूर्य, कन्दुक एवं घेरा भी कहा जाता है।

चन्द्र क्षेत्र पर वृत्त का चिह्न होने से व्यक्ति को जल से नुकसान होता है तथा जल तत्व से सम्बन्धित बीमारी का सामना करना पड़ता है।

मंगल क्षेत्र पर वृत्त होने से व्यक्ति को कायर अथवा रणभीरु बना देता है।

बुध क्षेत्र पर होने से व्यापार में सफलता एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

गुरु क्षेत्र पर होने से उच्चपद की प्राप्ति तथा लोगों पर प्रभाव अथवा विवाह में दहेज की प्राप्ति होती है।

शनि क्षेत्र पर वृत का चिह्न होने से अचानक धनलाभ अथवा भाग्योन्नति होती है।

शुक्र क्षेत्र पर वृत्त का निशान होने से व्यक्ति को कामातुर एवं इन्द्रिय लोलुप तथा भोगी बना देता है।

राहु क्षेत्र पर होने से व्यक्ति को निष्क्रिय एवं पुरुषार्थ हीन बना देता है।

हृदय रेखा पर वृत्त का चिह्न होने से व्यक्ति को हृदय हीन एवं पत्थरदिल बना देता है।

जीवन रेखा पर होने से आंखों में बिमारी या कमजोरी होती है।

भाग्य रेखा पर होने से व्यक्ति में कमजोरी एवं भ्रम उत्पन्न करता है।

मस्तिष्क रेखा पर होने से व्यक्ति को स्नायु रोग उत्पन्न करता है।

विवाह रेखा पर वृत्त का चिह्न होने से जातक कुंवारा रहता है, या फिर विवाहोपरान्त शीघ्र ही विधुर होकर जीवन व्यतीत करता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

जाल

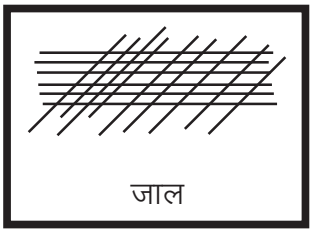

जाल

आड़ी रेखा पर खड़ी रेखाओं के होने से जाल सा बन जाता है, यह हाथों पर अधिकाशं पाया जाता है।
हस्त रेखा विज्ञान में जाल का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान है। अतः इसका अध्ययन अति आवश्यक है।

रवि क्षेत्र–सूर्य क्षेत्र पर जाल होने से जातक समाज में निन्दा तथा उपहास का पात्र बन जाता है।

चन्द्र क्षेत्र– चन्द्र क्षेत्र पर जाल होने से जातक निरन्तर चंचल स्वभाव युक्त, अधीर एवं असन्तुष्ट रहता है।

मंगल क्षेत्र–मंगल क्षेत्र पर जाल होने से मानसिक अशान्ति एवं उद्विग्नता रहती है।

बुध क्षेत्र–बुध क्षेत्र पर जाल होने से जातक को स्वतः के कार्यो में हानि का सामना एवं पश्चाताप होता है।

गुरु क्षेत्र–गुरु क्षेत्र पर जाल होने से जातक घमण्डी, स्वार्थी और निर्लज्ज हो जाता है।

शुक्र क्षेत्र–शुक्र क्षेत्र पर जाल होने से भोगी, लम्पट, अधीर तथा कामातुर होता है।

शनि क्षेत्र–शनि क्षेत्र पर जाल होने से जातक आलसी, कंजूस अर्कमण्य एवं अस्थिर चित्त वाला होता है।

राहु क्षेत्र–राहु क्षेत्र पर जाल होने से जातक द्वारा जीवन हत्या जैसे अपराध होते हैं एवं दुर्भाग्य का सामना होता है।

केतु क्षेत्र–केतु क्षेत्र पर जाल होने से चेचक या चर्म रोग जैसे रोगों का सामना होता है।

मत्स्य (मछली)

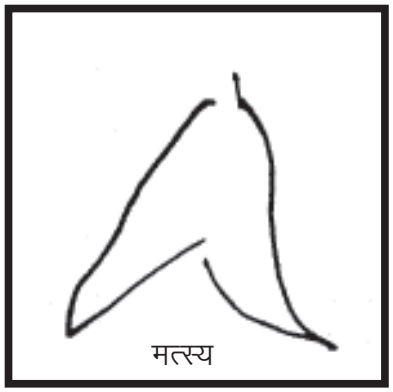

मत्स्य

यह मणिबन्ध के उपर भाग्य रेखा या आयु रेखा किसी एक में हो सकता है या दोनों में इसे शुभ चिह्न माना जाता है। जातक को जिनके हाथ में मत्स्य रेखा होती है, वह अच्छा होता है। वह जातक ज्योतिष के अनुसार अपने राशि का स्वामी होगा। मत्स्य रेखा वाला व्यक्ति धार्मिक, उदार, दानी और समाज में प्रतिष्ठित होगा। मत्स्य रेखा का उपरी भाग जितना अधिक नुकीला होगा उतना ही अधिक समय तक सुख प्राप्त होगा। स्त्रियों के हाथ में इस रेखा के होने से अच्छे पति प्राप्त करने वाली, उनका सम्मान करने वाली, दीर्धजीवन, सौभाग्यशालिनी और पुत्र–पौत्र वाली भी होंगे। मत्स्य पुच्छ चिह्न वाला व्यक्ति धनवान और विद्वान होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

चक्र

चक्र का अर्थ वृत्त से है, जो अंगुलियों की त्वचा एवं रेखाओं पर तथा हाथ में किसी भी स्थान पर पाया जाता है। उंगलियों में यह वर्तुलाकार एक होने से चालाक, दो होने से सुन्दर, तीन होने से ऐशो आरामी, चार होने से गरीब, पांच वाला विद्वान, छः वाला विद्वान एवं चतुर,, सातवाला योगी, आठ वाला गरीब, नौं चक्र वाला राजा या धनी और दस वाला विशेष अधिकारी होता है। साथ ही ईश्वर प्रेमी और थोड़ी आयु वाला होता है। तर्जनी में चक्र होने पर व्यक्ति को मित्रों से लाभ होगा। मध्यमा में होने से इष्ट पूजा से धन लाभ होगा। अनामिका में हो तो समाज की सहायता से पैसा आएगा और कनिष्ठा में चक्र होने पर व्यवसाय द्वारा धनार्जन होगा। उपर्युक्त अंगुलियों में यदि शंख हो तो तत्संबन्धी नुकसान होगा।

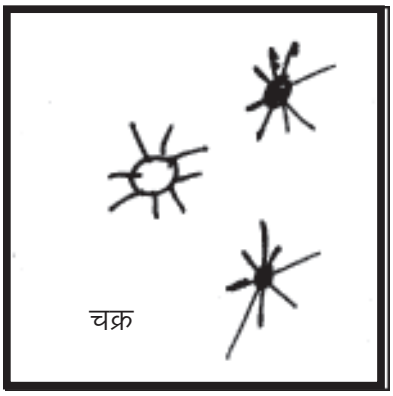
चक्र

देवस्थान

संत, योगी व राजघराने के व्यक्तियों के हाथों में यह होता है परन्तु यह एक दुर्लभ चिन्ह है इसका दूसरा नाम शिवालय भी है। समाज में प्रतिष्ठित एवं दुर्लभ जातक के हाथों में यह चिह्न पाया जाता है। टैगोर, बेलन, ब्रामन, के हाथों में यह चिह्न था।

देवस्थान

ध्वज

जिस जातक के हाथ में यह चिह्न होगा, वह जिस काम में हाथ डालेगा, उसमें उसकी विजय होगी। इस चिह्न वाले जातक के पास सवारी के साधन अधिक होंगे। सफल और गुणी हाथों में यह चिह्न अधिक पाया जाता है यह भी एक दुर्लभ चिन्ह है।

ध्वज

स्वस्तिक

जिसके हाथ में स्वस्तिक का चिह्न होगा, वह शक्ति सम्पन्न भी होगा यह चिह्न शुभ माना जाता है यह भी एक दुर्लभ चिन्ह है।

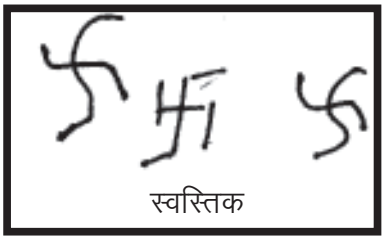
स्वस्तिक

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

चन्द्रमा

जिस व्यक्ति के हाथ में यह चिह्न होगा, वह व्यक्ति जिस किसी के यहाँ नौकरी भी करेगा, तो अपने मालिक अथवा पदाधिकारी की ओर से सम्मानित होगा। यह चिह्न भद्र, सम्मानित और यशस्वी एवं दुर्लभ जातकों के हाथों में पाया जाता है।

चंद्रमा

धनुष

यह चिह्न अपूर्व साहस और शक्ति देने वाला होता है। कहा जाता है राजा, राजकुमारों व समृद्धि, धनी व्यक्ति के हाथों में यह चिह्न पाया जाता है परंतु यह भी दुर्लभ चिन्ह है।

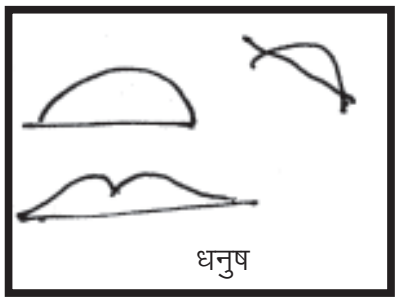
धनुष

कमल

महापुरुषों के हाथ में इस प्रकार के संकेत होते हैं, जो अवतार लेते है। उनके हाथों में ऐसा कहा जाता है कि चार चीजें होती हैं– हल, कमल, घड़ा और शंख। इनमें से एक भी हो, तो उसके महत्व का द्योतक माना जाता है परंतु यह अत्यंत दुर्लभ चिन्ह है आज तक यह शायद ही देखा गया हो।

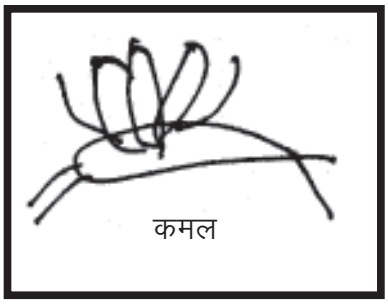
कमल

सर्प

किसी व्यक्ति के हाथ में यह चिह्न हो, तो उसे अच्छा नहीं माना जाता है। हाथ में यह चिह्न होने पर मनुष्य को शत्रुओं से या विरोधियों से नुकसान होने का अंदेशा रहता है।

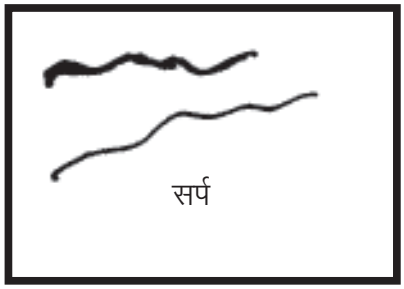
सर्प

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

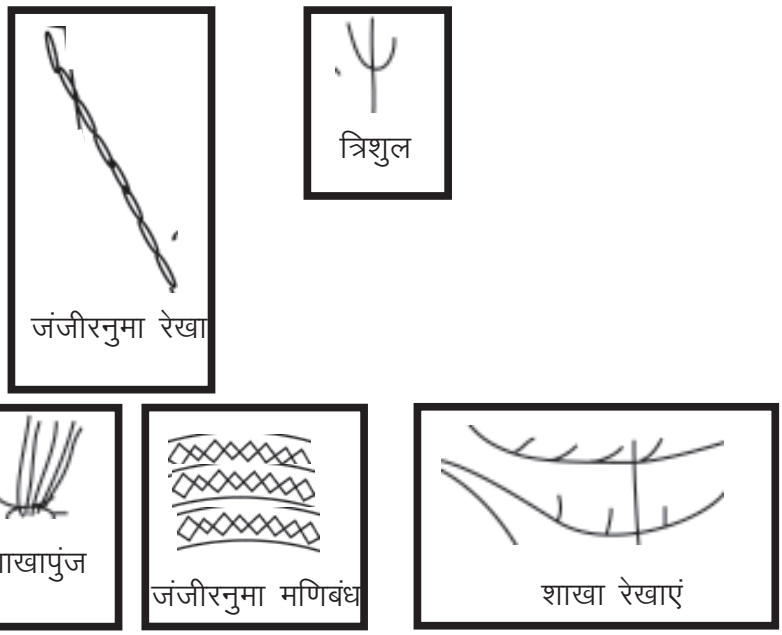

अभ्यास

1. जातक के जीवन में बिन्दु से क्या–क्या प्रभाव होता है ?
2. किन क्षेत्रों में नक्षत्र (स्टार) होना अशुभ माना गया है ?
3. बुध क्षेत्र पर निर्दोष त्रिभुज का शुभाशुभ फल लिखें ।
4. यदि जीवन रेखा वर्ग में होकर गुजरती हो तो उसका क्या फल होगा?
5. किन क्षेत्रों में द्वीप होना अधिक शुभ माना जाता है ?
6. विवाह रेखा पर वृत्त होने से क्या प्रभाव पड़ता है ?
7. अंगुलियों पर पायेजाने वाले चक्र का शुभाशुभ फल लिखें ।

व

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 13

हस्तरेखाओं में छिपा है मृत्यु का कारण

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई है मृत्यु। प्रत्येक व्यक्ति के मन में यह जिज्ञासा अवश्य होती है कि उसकी मृत्यु किस प्रकार से होगी? यह बहुत ही गहरा रहस्य है, अभी तक इस रहस्य की पूरी थाह कोई नहीं पा सका है। लेकिन हस्त रेखाओं के माध्यम से काफी हद तक यह जाना जा सकता है कि व्यक्ति की मृत्यु किस वजह से होगी? जो भी व्यक्ति इस संसार में आया है, उसे जाना अवश्य है, आज नहीं तो कल। देखना यह चाहिए कि किसी व्यक्ति की मृत्यु किस कारण से हुई– दुर्घटना से, बीमारी से, कत्ल से, आत्महत्या से, साजिश से, गोली लगने से या किसी अन्य कारण से। इस सिलसिले में एक शवगृह में शवों के हाथों के अध्ययन का निष्कर्ष इस प्रकार है।

दुर्घटनावश मृत्यु के लक्षण– जीवन रेखा मोटी हो, मस्तिष्क रेखा दोषपूर्ण हो या गहरी हो, काली हो, खण्डित हो, साथ ही दोनों हाथों में मस्तिष्क रेखाओं में द्वीप हो या वे टूटी हों, शनि की उंगली के नीचे तिल हो, भाग्य रेखा मोटी हो तथा जीवन रेखा को काटती हुई कई रेखाएं हों, तो व्यक्ति की मृत्यु का कारण दुर्घटना होती है। मुझे एक मृतक के हाथ में ये लक्षण दिखाई दिए जिसकी मृत्यु कार दुर्घटना में हो गई थी।

हवाई दुर्घटना का लक्षण– जीवन रेखा के साथ यदि कोई अन्य जीवन रेखा हो और वे दोनों आपस में मिल जाएं तथा बड़े द्वीप की आकृति बना दें और ऐसा दोनों हाथों में हो, तो मनुष्य की मृत्यु हवाई दुर्घटना में हो जाती है।

बीमारीवश मृत्यु– बीमारीवश मृत्यु के हाथों में हजारों लक्षण पाये हैं। जितने प्रकार की बीमारियां होती हैं, उतने प्रकार के भिन्न–भिन्न लक्षण होते हैं, पर यहां केवल उन लक्षणों का उल्लेख किया जा रहा है, जिनके फलस्वरूप स्वास्थ्य बिगड़ने पर मृत्यु हो जाती है। जीवन रेखा यदि अन्य रेखाओं से मोटी हो, (यह लक्षण कृपया बड़े ध्यान से देखें) तथा साथ में हथेली पर बड़े–बड़े काले धब्बे हों, मंगल रेखा को मोटी रेखाएं काटती हों, भाग्य रेखा में त्रिकोण बनते हों, मस्तिष्क रेखा मोटी, पतली या जंजीरनुमा हो, अंगूठा आगे की तरफ झुकता हो, स्वास्थ्य रेखा टूटी–फूटी हो, तो व्यक्ति की मृत्यु किसी न किसी बीमारीवश होती है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 14

हस्तरेखाओं के दोष से होता है बांझपन

प्रकृति के नियम बड़े ही विचित्र हैं। कब किसको क्या दे दे, कब किसी से क्या ले ले यह कोई नहीं जानता। इन्हीं नियमों में से एक नियम है, मातृत्व का सुख। मां बनने का सुख प्रकृति ने केवल स्त्री जाति को ही दिया है। हर स्त्री की इच्छा होती है कि वह मां बने। यहां तक कि हिजड़े भी मातृत्व चाहते हैं और वे बच्चा गोद लेते हैं। पर विधि की विडम्बना इस प्रकार है कि उसने इस सुख से भी कई महिलाओं को वंचित कर दिया है या उन्हें सन्तान कई वर्षों बाद प्राप्त होती है। ऐसा पत्नी हाथ या पति के हाथ की रेखाओं के दोष के कारण होता है। हाथ में कौन सी रेखाओं में दोष होता है, जिससे स्त्री संतानोत्पत्ति में असमर्थ होती है, आइए इसका विश्लेषण करें।

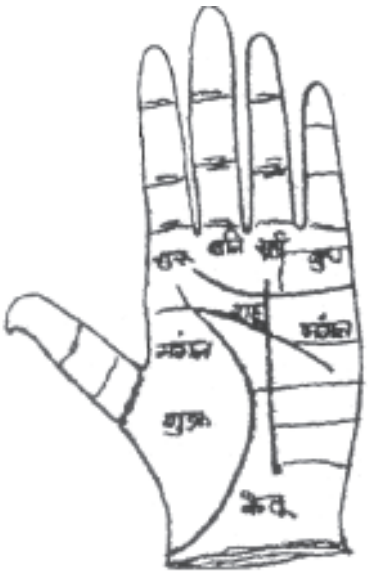

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

1. जीवन रेखा अन्य रेखाओं की अपेक्षा मोटी व गहरी हो, मस्तिष्क रेखा में द्वीप हो तो सन्तान की उत्पत्ति नहीं होती है। अगर जीवन रेखा ऊपर से अन्य रेखाओं की तरह सामान्य मोटाई लिए हुए हो, तो केवल एक सन्तान होती है।

2. जीवन रेखा अन्य रेखाओं की तरह सामान्य न होकर उनकी तुलना में पतली हो, मस्तिष्क रेखा में शनि के नीचे द्वीप हो, हाथ पतला हो, शुक्र ग्रह दबा हुआ हो, तो भी सन्तान पैदा नहीं हो पाती। अगर गर्भ ठहर भी जाए तो गर्भपात हो जाता है और यदि सन्तान पैदा हो, तो उसकी मृत्यु हो जाती है।

3. जीवन रेखा के बिल्कुल पास में लगी हुई एक अन्य रेखा चाहे अन्दर की तरफ हो या बाहर की तरफ, मस्तिष्क रेखा में शनि के नीचे बड़ा सा द्वीप, भाग्य रेखा मोटी हो या भाग्य रेखा में भी द्वीप हो तो संतान उत्पत्ति में ऐसी रेखाएं विघ्न पैदा करती हैं।

4. शुक्र ग्रह ढीला हो, हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा में दोष हो और शनि के नीचे लम्बा द्वीप बना हो, तो स्थिति सन्तान उत्पन्न करने में असमर्थता का द्योतक है।

5. जीवन रेखा अधूरी या टूटी हुई हो या जंजीरदार हो, और शुक्र ग्रह हथेली में अन्य ग्रहों की अपेक्षा ढीला हो, तो भी सन्तान की उत्पत्ति के संयोग मात्र दो प्रतिशत ही रहते हैं। अगर महिला में यह दोष ना हो, उसके बावजूद संतान की उत्पत्ति न हो रही हो, तो दोष उसकी रेखाओं का नहीं बल्कि उसके पति की रेखाओं का होता है।

6. मणिबंध रेखा का हथेली के ऊपर आ जाना, मणिबंध रेखा के ऊपर त्रिभुज का बन जाना, या मणिबंध रेखा का धनुषाकार होना तथा शुक्र का ढीला होना भी बांझपन का लक्षण है।

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 15

अवैध सम्बन्ध और हस्तरेखाएं

आधुनिक परिवेश में अवैध सम्बन्धों का चलन एक आम सी बात बनती जा रही है। इसके पीछे कारण जो देखने–सुनने में आते हैं, वह सामान्यतः इस प्रकार हैं :

1. दम्पतियों में तालमेल की कमी।
2. घरेलू कलह।
3. छोटे पर्दे व सिनेमा में लगातार बढ़ता खुलापन व वासनात्मक प्रवृत्ति।
4. जीवन साथी के व्यवहार में प्रेम की कमी।
5. जीवन साथी की उपेक्षा या मन का भटकाव।
6. भाग दौड़ वाली, व्यस्तता से भरी जिंदगी।
7. वंशानुगत यौन विकृति आदि।

सामान्यतः जो कारण सुनने में या व्यवहार में आते हैं, इन सब के पीछे भाग्य का भी हाथ होता है। भाग्य यानि नियति ने यह सब कुछ हाथों में पहले से ही तय कर दिया है। जिन सामान्य कारणों की वजह से अवैध सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं, उनका उल्लेख ऊपर किया जा चुका है। इनमें रेखाओं का दोष भी एक मुख्य कारण है, जिसका उल्लेख यहां किया जा रहा है।

इन सब बातों को मद्देनज़र रखते हुए ही हाथ देखने की कला को समझा जा सकता है। यहां हाथ की रेखाओं का वर्णन प्रस्तुत है।

1. दम्पतियों में तालमेल की कमी से बने अवैध सम्बन्ध वाले हाथों की रेखाओं का वर्णन

1. शुक्र ग्रह के अत्यधिक उठे होने, मस्तिष्क रेखे का चन्द्रमा पर जाने, हृदय रेखा के जंजीरदार होने और भाग्य रेखा में द्वीप होने के फलस्वरूप, तालमेल के अभाव की वजह से प्रायः अवैध सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं।
2. जीवन रेखा के सीधी होने, भाग्य रेखा के जीवन रेखा के पास होने, जीवन रेखा से एक शाखा के निकलकर भाग्य रेखा से मिल जाने, शुक्र ग्रह व चन्द्र ग्रह के उठे होने, मस्तिष्क रेखा में दोष, जीवन रेखा में द्वीप, मस्तिष्क रेखा के एकदम मुड़कर चन्द्र के स्थान पर आ जाने से भी आपसी तालमेल में कमी आती है और घर में अशांति के वातावरण से तंग स्त्री या पुरुष के हाथ में ऐसे लक्षण होने पर अवैध सम्बन्ध हो जाते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

3. भाग्य रेखा में द्वीप या त्रिकोण के बन जाने, मस्तिष्क रेखा में शनि के नीचे दोष, हाथ का रंग काला होने से भी इस प्रकार के सम्बन्ध बन जाते हैं।
4. हृदय रेखा की शाखा मस्तिष्क रेखा पर जाती हो और वहां एक द्वीप का आकार बनता हो, शुक्र ग्रह उठा हुआ हो, हृदय रेखा में द्वीप या चेन बनती हो और भाग्य रेखा मोटी हो, पति को पत्नी से और पत्नी को पति से सन्तुष्टि नहीं मिलती। इनके विचारों में भी तालमेल न बैठ पाने की वजह से अवैध सम्बन्ध स्थापित हो सकते हैं।
5. भाग्य रेखा का मोटी होकर मस्तिष्क रेखा पर रुक जाने से व्यक्ति बौद्धिक गलतियां करने वाला होता है, ऐसे लोग लापरवाह होते हैं तथा एक गलती को कई बार दोहराते हैं। यह किसी भी बात को बहुत अधिक महसूस करते हैं और हृदय रेखा से भी एक शाखा मस्तिष्क रेखा पर रुक जाए तो प्रायः इनके अवैध सम्बन्ध आपसी तालमेल में की वजह से कायम हो जाते हैं।

2. घरेलू कलह से तंग आकर स्थापित हुए अवैध सम्बन्धों की रेखाओं का वर्णन

1. शुक्र ग्रह के उठे होने, जीवन रेखा व मस्तिष्क रेखा को राहु काटने और मस्तिष्क रेखा में शनि के नीचे द्वीप होने से भी इस प्रकार के सम्बन्ध मनुष्य, अपने मन की शान्ति के लिए, स्थापित कर लेता है।
2. विवाह रेखा के दोषपूर्ण होने, जीवन रेखा में भी दोष के आ जाने, विवाह रेखा के मुड़कर हृदय रेखा से जा मिलने, विवाह रेखा व भाग्य रेखा में द्वीप होने पर भी ऐसे लोग अपने साथी के अतिरिक्त दूसरों से यौन सम्पर्क रखते हैं।

3. वासनात्मक प्रवृत्ति की वजह से स्थापित हुए अवैध यौन सम्बन्ध

1. हृदय रेखा के अंगुलियों के पास आने, शुक्र ग्रह के उठे होने, हृदय रेखा के दोषपूर्ण होने से भी व्यक्ति की प्रवृत्ति वासनात्मक हो जाती है, जिसकी वजह से अवैद्य सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं। कई बार इस प्रकार के अवैध सम्बन्ध परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ही पाए जाते हैं।
2. हृदय रेखा के जंजीरदार होने, हाथ के नरम होने, मस्तिष्क रेखा के चंद्र के स्थान पर चले जाने, अंगुलियां लम्बी, शुक्र ग्रह तथा चंद्र ग्रह के उठे होने या मस्तिष्क रेखा के सीधे मंगल के स्थान पर चले जाने की वजह से भी अवैध संबंध बन जाते हैं।
3. हाथ का रंग काला हो, शुक्र व चंद्र ग्रह उठे हों, जीवन रेखा शुक्र के स्थान को अत्यधिक घेरती हुई हो, भाग्य रेखा के शुरू में त्रिकोण अन्दर या बाहर की तरफ हो, मस्तिष्क रेखा मंगल पर हो और मंगल ग्रह भी विकसित हो, तो मनुष्य में वासना के वशीभूत होकर अवैध सम्बन्ध स्थापित करने की भावना आ जाती है।

4. जीवन साथी के व्यवहार में प्रेम की कमी से बने अवैध संबंध

1. भाग्य रेखा का, जीवन रेखा के नजदीक होकर चलने व मस्तिष्क रेखा पर भाग्य रेखा का रूक जाने से भी प्रायः नाजायज सम्बन्ध, प्रेम की कमी की वजह से, स्थापित हो जाते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

2. हृदय रेखा के जंजीरदार होने, हृदय रेखा का अन्त सूर्य व शनि की उंगली के नीचे होने, हाथ के सख्त होने, अंगूठे के हथेली की तरफ झुके होने पर भी जीवन साथी से प्रेम नहीं मिलता और परिणामस्वरूप ऐसे सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं।

5. मन का भटकाव

कई बार ऐसा भी देखने में आया है कि स्त्री या पुरुष अपने मन के भटकाव की वजह से भी ऐसे अवैध सम्बन्ध स्थापित कर लेते हैं। पुरुष का एक स्त्री पर या स्त्री का एक पुरुष पर ध्यान ज्यादा देर तक टिकता नहीं है और इस प्रकार के सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं। आइये, ऐसी रेखाओं का विश्लेषण करें–

1. भाग्य रेखा का अन्त मस्तिष्क रेखा पर, उंगलियां लम्बी और मोटी, भाग्य रेखा में द्वीप, एक से अधिक भाग्य रेखा और हाथ का रंग गुलाबी होने से भी मन में भटकाव आ जाता है और इस वजह से भी अवैध सम्बन्ध बन जाते हैं।
2. उंगलियां मोटी, उंगलियों में छेद, जीवन रेखा सीधी, या शुक्र के स्थान को अधिक घेरती हुई, भाग्य रेखा मोटी तथा इसका अन्त हृदय रेखा पर और वहां द्वीप होने से भी मन में शान्ति नहीं होती और परिणामस्वरूप ऐसे सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं।
3. जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा का जोड़ लम्बा होने, हृदय रेखा से मस्तिष्क रेखा पर शाखाओं के गिरने, शुक्र ग्रह के स्थान पर तिल होने, शुक्र ग्रह के उठे होने और विवाह रेखा के द्विभाजित होने पर भी अनायास दूसरों से सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं।

6. भाग दौड़ वाली व्यवस्था से भरी जिंदगी

अवैध सम्बन्धों का एक मनोवैज्ञानिक कारण भाग दौड़ वाली जिंदगी भी मानी गई है। सूर्य ग्रह के स्थान पर अनेक रेखाओं के बन जाने तथा हृदय रेखा पर द्वीप के बन जाने से भी अवैध सम्बन्ध बन जाते हैं।

7. वंशानुगत यौन विकृति

अवैध सम्बन्धों का एक मुख्य कारण वंशानुगत विकृति भी है, जो व्यक्ति को अपने माता–पिता से विरासत में मिलती है। हाथ में निम्न लक्षण होने पर वंशानुगत यौन विकृति हो जाती है।

1. जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा का जोड़ लम्बा होने, हाथ का रंग काला होने, शुक्र पर तिल होने, हृदय रेखा का अन्त शुरू की उंगली पर होने और उसकी एक शाखा शनि की उंगली के नीचे जाने पर बच्चे में भी अवैध सम्बन्ध बनने की प्रवृत्ति आ जाती है।

इसके अतिरिक्त अन्य कई कारण हैं, जिसकी वजह से अवैध सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं। आयु सीमा का ज्ञान होने से यह भी ज्ञात हो सकता है कि ये सम्बन्ध स्थायी हैं या अस्थायी। इन सम्बन्धों की वजह से किसी प्रकार का भी असर मनुष्य के जीवन पर पड़ता है, तो उसका उपाय विधिवत पूजा द्वारा, और गलतियों के सुधार द्वारा व ग्रह शांति द्वारा संभव है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 16

व्यवसाय का चुनाव हस्तरेखाओं के आधार पर

चुनाव शब्द आते ही लगता है जैसे परीक्षा की घड़ी आ गई हो, चाहे वह चुनाव व्यवसाय का हो, शादी का हो या अन्य किसी चीज का हो। समय–समय पर मनुष्य को जीवन में कई विषयों में से एक विषय का चुनाव करना होता है। उनमें से एक महत्वपूर्ण चुनाव है 'कैरियर' का, व्यवसाय का। इस दिशा में उठाया गया सही कदम उसे सफलता की बुलन्दियों पर ले जा सकता है। अकसर लोग व्यवसाय को चुनते समय अपनी रुचि को प्राथमिकता देते हैं। कैरियर का निर्धारण करते समय यदि रुचि के साथ–साथ हस्त रेखाओं व ग्रहों की मदद भी ली जाए, तो व्यक्ति को सफल बनाने की दृष्टि से काफी फायदेमंद साबित हो सकती है।

1. मस्तिष्क रेखा निर्दोष होकर मंगल ग्रह पर जाती हो, बुध ग्रह व शनि ग्रह की स्थिति अच्छी हो, हाथ भारी हो (सख्त हो या मुलायम हो) तो ऐसे व्यक्ति को कानून सम्बन्धी या विज्ञान सम्बन्धी शिक्षा लेनी चाहिए। बुध की उंगली का नाखून चौरस होने पर यह निश्चित ही होता है। ये बौद्धिक संपदा से सम्पन्न होते हैं।
2. बुध ग्रह पर तीन या अधिक खड़ी रेखाएं हों, भाग्य रेखा पहले मोटी तथा बाद में पतली हों और मस्तिष्क व जीवन रेखाओं का जोड़ लम्बा हो, तो पर बच्चे आयुर्वेद की शिक्षा या मेडिकल सम्बन्धी शिक्षा प्राप्त करते हैं। इसके लिए बुध, चन्द्र और मंगल ग्रहों का उन्नत होना भी आवश्यक है।
3. मस्तिष्क रेखा के चन्द्रमा पर या उसका झुकाव चन्द्रमा की ओर होने पर साहित्य या लेखा (एकाउन्टस) की शिक्षा लेना लाभदायक रहता है। ऐसे बच्चे साहित्यकार होते हैं। इसके लिए भाग्य रेखा का उत्तम होना, जीवन रेखा का गोल होना व चन्द्र, गुरु एवं सूर्य ग्रहों का उत्तम होना आवश्यक है।
4. उंगलियां लम्बी होने पर, मस्तिष्क रेखा के विभाजित होकर एक शाखा के चन्द्र ग्रह पर या पूरी मस्तिष्क रेखा के चन्द्र ग्रह पर जाने, सूर्य व शनि ग्रह के उत्तम होने, भाग्य रेखा के मणिबन्ध से उदय होकर शनि ग्रह तक पहुंचने, जीवन रेखा के गोल होने और अधूरी होने की स्थिति में मस्तिष्क रेखा के उन्नत होने से, गाना–बजाना, पशु पालन, बागवानी आदि कार्यों से लाभ ले सकते हैं।
5. गुरु ग्रह प्रधान होने पर सूर्य ग्रह उत्तम होने से, जीवन रेखा गोल, भाग्य रेखा के जीवन रेखा से दूरी पर होने, मस्तिष्क रेखा निर्दोष या डबल होने पर, ऐसे लोग आई.ए.एस., पी.सी.एस. जैसी प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। हाथ में नौकरी के लक्षण होने पर यह नौकरी भी करते हैं।
6. मस्तिष्क रेखा या उसकी शाखा मंगल पर हो, हाथ सख्त या मुलायम कैसा भी हो, पर भारी हो, उंगलियों के आधार बराबर हों और मंगल, चन्द्र तथा बुध ग्रह उन्नत हों तो ऐसे लोग कंप्यूटर

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

सम्बन्धी शिक्षा लेते हैं और यदि कोई दोष न हो, तो अवश्य सफल होते हैं।

7. लम्बी मस्तिष्क रेखा यदि चन्द्र पर जाए, चंद्र ग्रह उन्नत हो, हृदय रेखा का अन्त गुरु पर्वत पर हो, भाग्य रेखा मोटी से पतली हो, बुध की उंगली थोड़ी टेढ़ी और सूर्य की उंगली के ऊपर वाले पर्व से बड़ी हो, तो ऐसे छात्रों को पत्रकारिता सम्बन्धी विषयों में काफी सफलता मिलती है।
8. शनि की उंगली के बीच का पोर लम्बा हो, उंगलियों के आधार बराबर हों, भाग्य रेखा मोटी से पतली हो या इसका अन्त शनि पर्वत पर हो, हृदय रेखा में उंगलियों के नीचे त्रिकोण हो, तो इन्हें ज्योतिष सम्बन्धी शिक्षा से लाभ मिलता है।
9. सुन्दर, सुडौल, निर्दोष लम्बी मस्तिष्क रेखा वाले व्यक्ति का बुध उन्नत हो और बुध पर 4 से 5 रेखाएं हों तो औषधि निर्माण सम्बन्धी नवीन आविष्कार का श्रेय मिलता है।
10. कठोर हाथ में दोहरी मस्तिष्क रेखा होने पर उत्तम कोटि के 'शिल्पकार' बन सकते हैं और कोमल हाथ में दोहरी मस्तिष्क रेखा होने पर लेखक, राजनीतिज्ञ या जौहरी हो सकते हैं अथवा विज्ञान या राजनीति सम्बन्धी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इन हाथों में कोई उत्तम लक्षण जैसे पतली भाग्य रेखा आदि न हो, तो दोहरी मस्तिष्क रेखा होने पर भाग्यशाली होती है।
11. जीवन रेखा गोल, भाग्य रेखा निर्दोष और मोटी से पतली व मस्तिष्क रेखा दोनों ओर से विभाजित या शाखान्वित हो तो इनमें गुण अर्जित करने की इच्छा बनी रहती है। अतः ऐसे व्यक्ति को विभिन्न भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करने से काफी सफलता मिलती है। ये गाइड या अनुवादक के रूप में कार्य करके अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।
12. मस्तिष्क रेखा दोनों ओर से द्विभाजित होने पर यदि इसके अंत के द्विभाजन की एक शाखा चन्द्रमा पर या चन्द्रमा की ओर जाती हो तथा नीचे की शाखा ऊपर की ओर जाती शाखा से कुछ लम्बी हो तो यह व्यक्ति को कवि, साहित्यकार, आदि बनाती है। ऐसे हाथों में गुरु व सूर्य ग्रह का अच्छा होना आवश्यक है। शनि की उंगली लम्बी होने पर ये धार्मिक साहित्य का सृजन भी कर सकते हैं।

इस लक्षण के साथ–साथ यदि हृदय से छोटी–छोटी शाखाएं मस्तिष्क रेखा की ओर जाती हों, तो भावुकता अधिक रहती है तथा ऐसे व्यक्ति संवेदनशील व गायकी सम्बन्धी कार्य में प्रतिष्ठा हासिल कर सकते हैं।

13. हृदय व मस्तिष्क रेखाएं निर्दोष हों, हृदय रेखा पर त्रिकोण का आकार हो व हाथ उत्तम हो, तो वास्तुकला व मकान निर्माण से सम्बन्धित शिक्षा प्राप्त करना लाभदायक रहता है। हाथ उत्तम होने पर ये लोग सम्पत्ति का अर्जन स्वयं करते हैं।
14. सूर्य ग्रह उत्तम, सूर्य पर एक से अधिक रेखाएं एवं सूर्य की उंगली सीधी, बुध की उंगली टेढ़ी तथा चन्द्र और गुरू ग्रह उत्तम होने पर ऐसे लोग फैशन डिजाइनिंग, टेलरिंग से सम्बन्धी विषयों में सफल हो सकते हैं। इसके लिए अन्य लक्षणों का उत्तम होना भी आवश्यक है।
15. हृदय रेखा व मस्तिष्क रेखा में अन्तर अधिक होने, मस्तिष्क रेखा का चन्द्र पर्वत पर चले जाने या उसकी एक शाखा का चन्द्र ग्रह पर जाने, उंगलियां पतली और, शनि की उंगली सीधी होने, शुक्र ग्रह पर अधिक रेखाओं के होने शुक्र ग्रह के अधिक उठे न होने, भाग्य रेखा के जीवन रेखा से दूर होने और अंगूठा व उंगलियों के लचीले होने पर इन्हें फिल्म सम्बन्धी कार्यों से लगाव व इनकी प्रतिभा को उजागर करने का मौका भी मिलता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अध्याय 17

मानसिक अशांति और हस्त रेखाएं

मन की शान्ति भंग होने के यूं तो हजारों कारण हैं। किसी के मन की शांति बच्चों की वजह से चली जाती है, किसी की स्वास्थ्य की वजह से, किसी की प्रेम या कारोबार, तो किसी की पति, पत्नी या किसी अन्य वजह से।

पर इसके विपरीत भी कई बार देखने में आया है कि सब कुछ होते हुए भी मन अशान्त सा रहता है। ऐसा क्यों? इसका मनोवैज्ञानिक या डाक्टर कई तरह से कारण दे सकते हैं। पर एक 'हस्तरेखाविद्' होने के नाते मैं बताना चाहूंगी कि हाथों की रेखाओं में दोष होने की वजह से भी मन की अशान्ति चली जाती है। जैसे :

1. जीवन रेखा हाथ में सीधी हो, मस्तिष्क रेखा में द्वीप हो, हृदय रेखा जंजीराकार हो, शनि व सूर्य ग्रह दबे हों, शनि की उंगली तिरछी हो व भाग्य रेखा आदि से अन्त तक मोटी हो, तो से लगभग सारी जिन्दगी अशांति से और इन्हें अपने जीवन में मानसिक शान्ति कम ही मिल पाती है।
2. छोटा अंगूठा होने पर व्यक्ति जल्दबाज होता है तथा इस कारण भी इन्हें जीवन में हानि उठानी पड़ती है। ऐसे व्यक्ति का मस्तिष्क सन्तुलित नहीं होता। क्षण में कुछ सोचते हैं और क्षण में कुछ ओर, इस वजह से इनका विरोध सब जगह चलता रहता है। फलस्वरूप मानसिक अशान्ति बनी रहती है।
3. उंगलियों के मोटा होने, हाथ में कम रेखाएं होने व हाथ सख्त होने से भी बौद्धिक विकास बहुत अधिक नहीं होता। फलस्वरूप ऐसे लोग वहमी, क्रोधी, दयालु, व जल्दबाज होते हैं। वे परिणाम की चिन्ता नहीं करते। क्रोध आने पर उचित–अनुचित का विचार किए बिना कार्य कर डालते हैं और मन की शान्ति को स्वयं भंग करते रहते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. मस्तिष्क रेखा में एक से अधिक दोष हों और कुछ समय तक लगातार चलते गए हों, तो धन की कमी, स्वास्थ्य व रोजगार अनियमित होने से अशान्ति होती है।

5. मस्तिष्क रेखा का अन्त चन्द्रमा पर हो या, यह सीधी चंद्र क्षेत्र पर जाती हो, तो व्यक्ति बहुत अधिक भावुक हो जाता है। ऐसे लोग कम बातें और अधिक काम करने तथा छोटी सी बात हृदयग्राही होने पर रो पड़ने वाले होते हैं और मन को अशांत कर लेते हैं।

6. **लम्बी मस्तिष्क रेखा** : जिसका अन्त बुध की उंगली के नीचे होता है उसे लम्बी मस्तिष्क रेखा कहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को बहुत अधिक सोचने–विचारने की आदत होती है, पर इनका चिन्तन व्यर्थ न होकर किसी विषय को लेकर ही होता है। यदि इस रेखा में दोष हो, तो मन में यह विचार कुछ ज्यादा ही आते हैं कि मेरा काम होगा या नहीं होगा और ऐसी स्थिति में व्यर्थ का चिन्तन करने लगते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

7. मस्तिष्क रेखा शाखा वाली हो और शुक्र ग्रह उन्नत हो, उंगलियां मोटी हों, तो व्यक्ति किसी पर यकीन नहीं करता और अपने आप को बहुत अधिक समझदार समझता है। फलस्वरूप उसका अन्य लोगों से विरोध चलता रहता है और मन ही मन में अशान्ति रखता है।
8. मस्तिष्क रेखा मोटी हो, उंगलियां मोटी हों तथा मस्तिष्क रेखा में दोष हो या मंगल से निकल कर मस्तिष्क रेखा का उदय हो, तो इन्हें या इनकी संतान को भी दोषों के कारण मानसिक संतोष प्राप्त नहीं होता है।
9. मस्तिष्क रेखा शनि ग्रह के नीचे टूट जाए, तो भारी मानसिक परेशानी, बीमारी, कर्ज तथा अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनका स्वभाव चिड़चिड़ा सा रहता है। क्षण में कुछ तथा दूसरे क्षण में कुछ और तरह का मन हो जाता है। इस आयु में इन्हें परेशानियाँ भी अधिक आती हैं। ऐसे व्यक्ति शोर से भी घबराते हैं। ये घर से भागते हैं या भागने की धमकी भी देते रहते हैं।

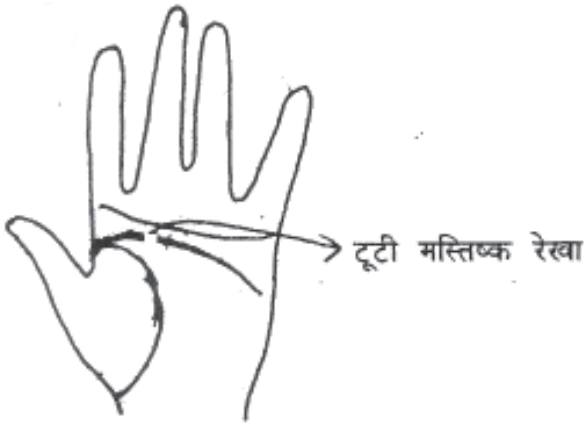

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

10. मस्तिष्क रेखा जंजीरदार होने से भी व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा और कठोर होता है व ऐसे लोगों का अपने मस्तिष्क पर नियन्त्रण नहीं होता। काम जिम्मेदारी से करने पर भी इन्हें अपने कार्य का श्रेय नहीं मिलता है। ऐसे लोग ठोकर खाने पर भी नहीं संभलते हैं। यह जिद्दी होते हैं और रूखा तथा स्पष्ट बोलते हैं, जिसकी वजह से इनके कार्य में सफलता देर से मिलती है। इनके सम्बन्ध स्थायी नहीं होते हैं। चिड़चिड़ेपन की वजह से मानसिक अशान्ति बनी रहती है।

11. मस्तिष्क रेखा में जब कोई अन्य मस्तिष्क रेखा बिल्कुल पास होकर चलती है तो उसे **कुठार रेखा** कहते हैं। यह रेखा मनुष्य को बहुत अधिक परेशानियां देती है।परिणामस्वरूप जीवन अशान्त ही रहता है।

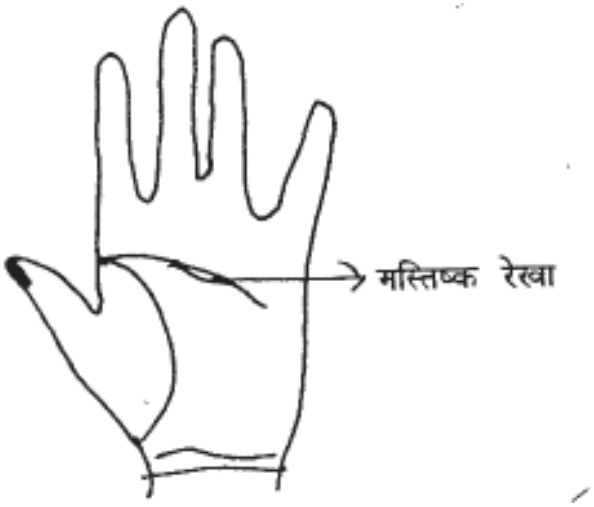

12. मस्तिष्क रेखा को स्थान–स्थान पर यदि अन्य रेखाएँ मोटी या पतली काटती हों, जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा में त्रिकोण बनता हो, तो यह एक दोषपूर्ण लक्षण होता है, जिसके होने से व्यक्ति में मानसिक अशान्ति बनी रहती है। यदि यह रेखा हृदय रेखा तक जाए तो साधारण मानसिक अशान्ति ही देती है। इस प्रकार के दोषपूर्ण लक्षण होने पर मनुष्य को अपनी स्मृति भी कमजोर होती नज़र आती है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 18

क्यों होता है तलाक?

'तलाक'– पति–पत्नी के रिश्ते को तोड़ता हुआ यह शब्द अपने अन्दर बहुत दर्द समाये हुए है। इसकी पीड़ा न जाने कितने दम्पतियों ने उठाई है। कुदरत न जाने क्यों रिश्तों को एक माला में पिरोकर तोड़ देती है, जिसका हर्जाना मासूम दिलों को उम्र भर भुगतना पड़ता है और न–न करते हुए भी आदमी या औरत का अहं उन्हें इस मुकाम तक पहुंचा देता है।

कृष्ण भक्त मीरा ने कहा है कि घायल जाने घायल का दर्द, दूसरो न जाने कोई! मेरा कहना है कि कोई इस स्थिति को क्यों सहे, जिसमें टूटते रिश्तों की बुनियाद होती है।

हस्तरेखाओं के माध्यम से पहले ही यह पता चल सकता है कि वह कौन सी रेखाएं हैं, जो जिन्दगी को एक टूटा हुआ रिश्ता दे जाती हैं। यदि यह जान लिया जाए तो फिर इस विपदा से बचने के उपाय भी किए जा सकते हैं और इसके लिए जरूरी है हस्त रेखाओं की जानकारी प्राप्त करना और अगर भविष्य में भी यह सब होने जा रहा है तो उस दर्द से बचने का प्रयास करते हुए जीवन में सही दशा का ज्ञान प्राप्त करना। आइये, उन रेखाओं, चिह्नों व ग्रहों का अध्ययन करें, जिनमें दोष होने की वजह से गृहस्थ जीवन में ऐसी दुर्भाग्यजनक घटना घटती है।

1. विवाह रेखा के मुड़ कर हृदय रेखा पर मिलने, द्वीप, क्रास, सितारा जैसे लक्षण होने पर और गुरु की उंगली के सूर्य की उंगली से छोटी होने, अंगूठे के हथेली की तरफ झुके होने, मंगल ग्रह पर अधिक रेखाएं होने पर तलाक हो जाता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि ऐसे लक्षण दोनों हाथों में होना जरूरी है, तभी तलाक जैसी दुखद स्थिति का सामना करना पड़ता है। सिर्फ एक हाथ में ऐसे लक्षण होने पर केवल विवाह सम्बन्धी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। स्त्री के बायें हाथ में व पुरुष के दाहिने हाथ में प्रमुख लक्षण अक्सर देखे जाते हैं।
   1. गुरु की अंगुली
   2. सूर्य की अंगुली
   3. विवाह रेखा
   4. मंगल रेखा
   5. हृदय रेखा

2. भाग्य रेखा में द्वीप का होना, विवाह रेखा का द्विभाजित होकर उसका हृदय रेखा पर मुड़ जाना या उससे भी आगे की ओर बढ़ जाना,

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा का जोड़ लम्बा होना, हृदय रेखा से किसी शाखा का मस्तिष्क रेखा पर मिल जाना अथवा भाग्य रेखा पर मिल जाना और भाग्य रेखा का मस्तिष्क रेखा पर अन्त और वहीं से राहु रेखा का कट जाना, आदि अच्छे लक्षण नहीं माने जाते हैं। ऐसे लक्षण तलाक या जीवन साथी की मृत्यु के सूचक होते हैं।

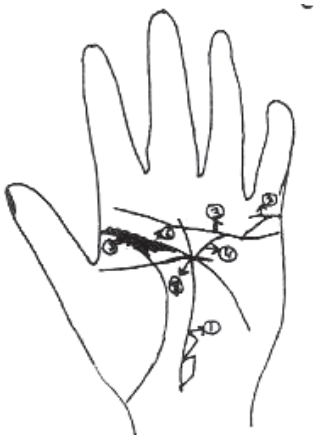

1. भाग्य रेखा में द्वीप
2. विवाह रेखा में द्विभाजन
3. हृदय रेखा
4. शाखा मस्तिष्क रेखा पर
5. जीवन रेखा
6. मस्तिष्क रेखा
7. राहु रेखा

3. विवाह रेखा का टुकड़े–टुकड़े होकर आगे बढ़ना, मस्तिष्क रेखा का निकास मंगल से होना, मंगल से किसी रेखा का आकर मस्तिष्क रेखा को छूना, अंगूठा का मोटा व कम खुलने वाला होना, उंगलियों का मोटी होना, मस्तिष्क रेखा में शनि के नीचे दोष होना, बुध ग्रह का दबा होना, भाग्य रेखा का का मोटा होना या उसमें द्वीपों का आना आदि तलाक, विछोह या जीवन साथी की मृत्यु के लक्षण होते हैं। यदि इनमें से कोई एक या दो चिह्न विद्यमान हों, तो घर में अशान्ति का वातावरण बना रहता है।

1. विवाह रेखा
2. मस्तिष्क रेखा
3. मस्तिष्क रेखा में शनि के नीचे दोष
4. भाग्य रेखा में द्वीप

शनि के नीचे दोष

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

4. मोटी भाग्य रेखा का मस्तिष्क रेखा पर रुका होना बहुत घातक होता है। इसके साथ–साथ हाथ का सख्त होना, रंग काला होना, विवाह रेखा का आगे की तरफ से फट जाना, शुक्र का उठा होना और मस्तिष्क रेखा का मोटी होना आदि व्यक्ति के अपने जीवन साथी के प्रति शंकालु होने के लक्षण हैं और तलाक या विछोह का योग बनाते हैं।

1. भाग्य रेखा मस्तिष्क रेखा पर
2. मस्तिष्क रेखा

5. जीवन रेखा के सीधी होने, दोनों हाथों में भाग्य रेखा के मस्तिष्क रेखा पर रूकी होने, हृदय रेखा की शाखा का मस्तिष्क रेखा पर होने, गुरु की अंगुली अधिक मोटी होने, और मस्तिष्क रेखा में दोष होने से तलाक या वैधव्य योग होता है, पर कोणिक हाथ होने की दशा में वैधव्य या तलाक आदि के अवसर उपस्थित नहीं होते।

1. जीवन रेखा
2. शाखा
3. मस्तिष्क रेखा
4. हृदय रेखा
5. गुरु की अंगुली

6. जीवन रेखा के साथ बड़ी रेखा या छोटी रेखा चलती हो, भाग्य रेखा में भी दोष हो अर्थात् भाग्य रेखा मोटी, टूटी, कई टुकड़ों से मिल कर बनी हो, भाग्य रेखा जीवन रेखा के समीप आती हो या मस्तिष्क रेखा पर रुकती हो तो ये दाम्पत्य जीवन के लिए अच्छे लक्षण नहीं हैं। गृहस्थ जीवन में कलह, विछोह और तलाक जैसे फल घटित होते हैं। हृदय रेखा की शाखा उस आयु में मस्तिष्क रेखा पर मिलती हो, तो निश्चित रूप से तलाक हो जाता है।

1. कुठार रेखा
2. भाग्य रेखा
3. हृदय रेखा की शाखा मस्तिष्क रेखा पर

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

7. विवाह रेखा की संख्या एक से अधिक हो, इस में दोष हो अर्थात् यह मोटी, पतली या टूट–टूट कर चलती हो, मंगल क्षेत्र से आती हुई रेखाएं जीवन रेखा को काटें, भाग्य रेखा दोनों हाथों से हृदय रेखा पर आकर रुके, मस्तिष्क रेखा से मोटी रेखाएं का हृदय रेखा को छुएं या काटें, उंगलियों के आधार ऊपर–नीचे हों, बुध क्षेत्र पर कटे–फटे का निशान हो, रेखाएं कम हों और हाथ कठोर हो, तो तलाक जैसी स्थिति जीवन में किसी भी मोड़ पर बन सकती है।

1. विवाह रेखा
2. भाग्य रेखा का हृदय रेखा पर रुक जाना
3. उंगलियों के आधार पर
4. बुध क्षेत्र

8. हाथ में बहुत अधिक रेखाओं का होना, सूर्य की अंगुली का तिरछा होना, किसी भी रेखा का स्पष्ट न होना, मस्तिष्क रेखा, हृदय रेखा, जीवन रेखा में किसी रेखा का सामान्य से अधिक मोटा होना आदि भी अक्सर तलाक जैसी स्थिति उत्पन्न करते हैं। ऐसे लोगों का दाम्पत्य जीवन शुरू से ही दुःखमय होता है।

9. हृदय रेखा गुरु व शनि की अंगुली के बीच में समाप्त हो, अंगूठा सख्त और छोटा हो, मोटी मस्तिष्क रेखा मंगल पर जाती हो, भाग्य रेखा में एक से अधिक हों, तो वैवाहिक जीवन में दरार आ जाती है और अलगाव हो जाता है। यह तलाक तभी संभव है यदि 28 वर्ष की आयु से पहले विवाह हो।

1. हृदय रेखा
2. गुरु की उंगली
3. शनि की उंगली
4. भाग्य रेखा में द्वीप
5. मंगल क्षेत्र

इसके अतिरिक्त अन्य कई ऐसे लक्षण हैं, जिनसे न केवल तलाक सम्बन्धी चिह्नों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर किया जा सकता है अपितु, पहले से ही जानकारी प्राप्त कर इस घटना के दुष्प्रभाव को कुछ धार्मिक व मांत्रिक उपायों द्वारा शांत कर जीवन में मधुरता लाई जा सकती हैं।

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अध्याय 19

हस्तरेखा विज्ञान एवं धन

Future Point

धन का इतिहास

आज जो कागज़ के रुपए या सिक्के या क्रेडिट कार्ड इत्यादि पैसे के विभिन्न रूप हैं, इनका भी अपना इतिहास है।

अरबों–करोड़ों साल पहले जब पृथ्वी पर इन्सान वानर के रूप में रहता था, तब उसे पैसे की जरूरत नहीं पड़ती थी, किन्तु तब भी मांस के टुकड़े व कन्द–मूल पैसे की तरह महत्वपूर्ण थे।

वक्त बदला, प्राकृतिक परिवर्तन आए। वानर जाति से मानव जाति निर्मित हुई। तब आधे वानर व आधे मनुष्य ने छोटे–छोटे कबीले बना लिए थे। कृषि युग शुरू हो गया था, तब फसल या पशु, धन की भूमिका निभाते थे।

मानव की बुद्धि ने, प्रकृति की दया से थोड़ी ज्यादा तरक्की कर ली, तब पितृसत्तात्मक कबीले बनने लगे। उस युग में मानव आधे–अधूरे जंगली घरों में भी रहने लगा था। तब, जैसा कि विभिन्न खुदाइयों में पुरातत्वशास्त्रियों ने पाया, पत्थर के या धातु के सिक्के बन चुके थे और उनका आदान–प्रदान चलता था।

सामंती आदिवासी कबीला युग जब आया तब मानव अपनी वर्तमान शक्ल अख्तियार कर चुका था, लकड़ी–पत्थरों के घर, वस्त्र, रथ, राजा, प्रजा, सेना, बहुपत्नी विवाह प्रथा इत्यादि प्रारंभ हो चुके थे। तब धातु के गोल–चौकोर सिक्के, शंख, कौड़ियां, चमड़े और पत्थरों के सिक्के आदि प्रयोग में आने लगे थे। उन सिक्कों पर मुद्रण चित्रकला का भी प्रयोग होने लगा था।

फिर राजाओं, सरदारों व सामंतों का युग आया। इस युग को बहुत से पाठकों ने दूरदर्शन पर वर्षों पूर्व आने वाले धारावाहिक भारत एक खोज (पं. जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक पर आधारित) में भी देखा होगा। इस युग में मानव के शरीर की रूपरेखा पूर्णतया विकसित हो चुकी थी। महल, मूर्तियां, नृत्य, खेल इत्यादि तथा कुछ प्रारंभिक वैज्ञानिक यंत्रों का प्रयोग भी शुरू हो गया था। इस युग में आभूषण, सोना–चांदी, हीरे मोती, सिक्के, जमीन, पशु, मकान तथा चमड़े के नोट इत्यादि धन की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

भारत में अंग्रेजों का प्रवेश – धन, मुद्रा, पैसे की दृष्टि से अंग्रेजों का आना महत्वपूर्ण था। अंग्रेजों ने ही वास्तव में भारत में बैंक, कागज के नोट, चैक बुक, विभिन्न सस्ती धातुओं के सिक्के इत्यादि की सही ढंग से बुनियाद डाली। उस समय में मसाले, वस्त्र, सोना, चांदी, रत्न और अन्य व्यापारिक ठोस वस्तुएं पैसे की तरह महत्वपूर्ण बन चुकी थीं। लेकिन दुर्भाग्य से उस समय का प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष ठोस धन अंग्रेज अपने देश को निर्यात कर देते थे।

वर्तमान युग– वर्तमान युग में धन की स्थिति पर विमर्श करने से पहले मैं दो जोक सुनाना पसंद करूंगी:–

संता – पता है, पैसा ही नहीं होता है सबसे महत्वपूर्ण

बंता – हां, मालूम है! क्रेडिट कार्ड, कैश कार्ड, एटीएम कार्ड, चैक, ड्राफ्ट और कार भी बहुत महत्वपूर्ण है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अमेरिका में गरीब वह माना जाता है जिसके फ्लैट और कार में ए.सी. नहीं लगा हो।

अतः आज की दुनिया की सच्चाई तो यही है कि पैसा ही सब कुछ है। कुछ समय पहले ही छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री जूदेव का यह शेर बहुत चर्चित हुआ था– पैसा खुदा तो नहीं, पर खुदा कसम, खुदा से कम भी नहीं।

आज अध्यात्मवाद, धर्मवाद या त्याग–संतोष का युग नहीं है। आज ऋषि चार्वाक का भौतिकवाद ही सर्वप्रमुख है।

मजेदार बात यह है कि जिनके पास कुछ नहीं है, वे भी गाना गाते हैं – "कब से बन्दा मांग रहा है, कब से लाइन में खड़ा है, थोड़ा सा तो लिफ्ट करा दे, मुझको ऐरोप्लेन दिला दे, दुनिया भर की सैर करा दे।"

और जिनके पास काफी कुछ है, वे गाते हैं – "थोड़ा है, थोड़े की जरूरत है।"

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि धन हर किसी की तमन्ना है, जरूरत है और इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तक की रचना की गई ताकि लोग इसे पढ़कर जान सकें कि उनके पास पैसा कब आएगा या क्यों नहीं आ रहा है या कैसे आना शुरू हो सकता है। यह पुस्तक पाठकों के जीवन स्तर और स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

हस्तरेखा विज्ञान एवं धन शास्त्र

हस्तरेखा विज्ञान प्राचीन अटल तथ्यों व तर्कों का इतिहास है। यह एक कला है, विज्ञान है और शास्त्र भी है। आज तो भारत में विश्वविद्यालयों में भी हस्तरेखाशास्त्र पढ़ाने की स्वीकृति खुद सर्वोच्च न्यायालय ने दे दी है।

मनुष्य की विभिन्न समस्याओं का हल हस्तज्योतिष में है किंतु लोग उस तरफ ध्यान ही नहीं देते। किसी विद्वान ने कहा है–जो इतिहास को भुला देते हैं, वो इतिहास को दुहराने का अभिशाप भुगतते हैं।

आज अगर मानव और हस्तज्योतिष मिल जाएं तो एक नया इतिहास बन कर तैयार हो जाए। मजे की बात यह है कि इतिहास और हस्तरेखा शास्त्र, जिन के लिए रूचि का विषय नहीं, उन्होंने भी इनमें दिलचस्पी ली है और किसी न किसी रूप में ऐसे लोग इन्हें पढ़ते या सुनते रहे हैं। हर हाथ का अपना–अपना इतिहास होता है, अलग–अलग। यह इतिहास सहजता से बताता है हस्तरेखा विज्ञान।

जब भारतीय युनिवर्सिटीयों में भी हस्तरेखाशास्त्र अध्ययन शुरू हो गया तो मुझे निश्चित लगता है कि अब हस्तरेखा शास्त्र के साथ नए आयाम जुड़ेंगे।

इतिहास तो हर पीढ़ी लिखेगी, समय की कोई अंतिम अदालत नहीं, और इतिहास आखिरी बार कभी नहीं लिखा जाता। अब भावी पीढ़ी हस्त ज्योतिष का नया इतिहास बनाने को तैयार है। किसी विद्वान ने कहा है–इतिहास हमें भूल सुधार का अवसर देता है, जो गलतियां हमने अतीत में कीं, उन्हें आज हम फिर से न दुहराएं। यह तभी संभव है, जब हम अपने अतीत में झांकें, उसे समझें।

हस्तरेखाएं देखकर किसी भी मनुष्य के जीवन की आगे–पीछे की समस्याएं और उसके अभाव और उनका समाधान बड़ी आसानी से जाना जा सकता है। किंतु हस्त निरीक्षक गूढ़ ज्ञानी, अनुभवी और सत्यनिष्ठ होना चाहिए। वास्तव में प्रकृति की नज़र में हाथ एक अलमारी है और रेखाएं उसमें रखा समस्त दैनिक सामान। हाथ को देखने का अर्थ है अलमारी खोलना और मनुष्य का भूत, भविष्य, वर्तमान, इन्सानी

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

शक्तियां, क्षमता, गुण और समाधान को निकालना।

एक विद्वान, गुणी और सत्यनिष्ठ हस्तरेखा शास्त्री की तुलना डाक्टर से की जा सकती है। डॉ. रक्त, रिपोर्ट और चेकअप करके रोग व निदान बताता है लेकिन एक हस्तरेखा शास्त्री केवल रोग की ही नहीं बल्कि जीवन, परिस्थिति, भूत–भविष्य एवं जन्म से मृत्यु तक का सम्पूर्ण लेखा–जोखा बताता है।

एक आम आदमी आमतौर पर ज्योतिष, हस्तरेखाशास्त्री और तांत्रिक तीनों को एक ही समझता है। जबकि सर्वप्रथम मैं आपको यह बताना चाहुंगा कि तीनों में अंतर है। ज्योतिष –कुंडली देखकर जीवन के बारे में बताता है, जबकि हस्तरेखा शास्त्री हाथ की रेखाएं देखकर जीवन के समस्त पहलुओं के बारे में बताता है। तांत्रिक यंत्र, मंत्र, तंत्र जैसी क्रियाएं करके समाधान करता है, किन्तु वह भूत, भविष्य सामान्यतया नहीं बताता, अपितु किसी एक विषय या घटना पर केन्द्रित रहता है।

मैं अपने निजी अनुभवों से यह मानता हूं कि कुंडली कागज पर लिखी हुई होती है, इसमें समयगणना सबसे महत्त्वपूर्ण है और कागज़ फट, गल, गुम कुछ भी हो सकता है। जबकि तांत्रिक एक अलग ही चीज है। सबसे पहले तो सच्चा व निर्लोभी तांत्रिक मिलना ही बहुत कठिन है। मैंने दिल्ली और मुंबई में विशेषकर ऐसी ढेर सारी प्रचार सामग्रियां देखी हैं, जो तथाकथित बंगाली बाबाओं की किसी चमत्कारिक शक्ति का गुणगान करती हैं, पर इनमें से तकरीबन समस्त ही तांत्रिक बाबा फ्रॉड, ढोंगी और बहरूपिये होते हैं। मुंबई में तो अभी हाल में पुलिस को ऐसे तांत्रिकों को जड़ से समाप्त करने के लिए विशेष अभियान ही चलाना पड़ा।

अब बात करते हैं हस्तरेखा शास्त्री की। धीरे–2 देश और विदेश में इसे तर्कपूर्ण और प्रामाणिक विज्ञान माना जाने लगा है। भारत में तो हस्तरेखा विज्ञान को अब कालेजों में भी पढ़ाने की अनुमति उच्चतम न्यायालय द्वारा दी जा चुकी है।

हाथों की मेहनत और हाथों की रेखाएं ही व्यक्ति को धनी या निर्धन बनाती हैं। गुलशन कुमार, नौशाद, धीरू भाई अंबानी, मनमोहन सिंह, बिल गेट्स, जानी वाकर ये सब लोग, प्रारंभ में, निर्धनों की ही श्रेणी में आते थे, किन्तु यह इनकी हाथों की रेखाओं का ही कमाल है कि ये लोग जीरो से हीरो बन गए।

कभी–कभी धनी व्यक्ति का हाथ निर्धन जैसा होता है और निर्धन व्यक्ति के हाथ में धनी होने के लक्षण स्थापित होते हैं। इसका भी एक न्यायोचित कारण है।

वास्तव में अमीरी और गरीबी दोनों स्थितियां हैं, शरीर नहीं। एक फटेहाल, अत्यंत निर्धन व्यक्ति के हाथ में अमीरी के चिह्न होते हैं। इस बात को कुछ यूं समझिए – एक आदमी अत्यंत निर्धन परिवार से है, फुटपाथ पर रहता है, उसके परिवार के सभी लोग भीख मांगते हैं, किन्तु अगर वह व्यक्ति एक रिक्शा खरीद लेता है तो वह अपने परिवार की दृष्टि से अमीर व्यक्ति हुआ।

दूसरे, एक आदमी के पास अपना छोटा सा मकान है और मामूली कंपनी की एक सेकिंडहैंड कार है। किन्तु वह रहता उच्च पूंजीपतियों की कालोनियों में है और उसके साथी परिचितों, दोस्तों या रिश्तेदारों के पास शानदार बंगले व विदेशी गाड़ियां हैं तो अपनी नज़र में वह निर्धन है और जब वह स्वयं ऐसा मानेगा तो रेखाएं भी इन मनोभावों का अनुसरण करेंगी।

संपत्ति का अर्थ केवल जमीन, मकान या गाड़ियां ही नहीं होता है, बल्कि बैंक–बैलेंस, शेयर, बीमा पॉलिसी, भारी वेतन या क्रेडिट कार्ड भी होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

हस्तरेखाओं के अनुसार संपत्ति के कई रूप या नाम होते हैं –

- **आकस्मिक धन** : जैसे लॉटरी, गड़ा हुआ या कहीं, पड़ा हुआ धन, किसी दूर के रिश्तेदार से मिली अचानक संपत्ति, वेतन का दस गुना बढ़ जाना या भारी रायल्टी मिलना या किसी प्रतियोगिता में भारी इनाम राशि मिलना या काले धन्धे से पैसा आ जाना।
- **विरासत में मिला धन** : पुत्र को पिता से प्राप्त धन या किसी नजदीकी रिश्तेदार की मृत्यु के बाद मिलने वाली संपत्ति, ससुर की मृत्यु से धन मिलना, जायदाद का मुकदमा जीतना।
- **पत्नी द्वारा प्राप्त धन** : दहेज में प्राप्त धन, पत्नी का नौकरीपेशा या व्यवसायी होना, पत्नी के गहना–जेवर, ससुर की जायदाद या ससुराल द्वारा आर्थिक सहायता। (नोट – यही संपत्ति पत्नी के हिस्से में भी आती है अर्थात् पति द्वारा प्राप्त संपत्ति में भी उपरोक्त बिन्दु स्वीकृत हैं)
- **व्यवसाय या नौकरी से प्राप्त धन** : व्यवसाय में धन का उतार – चढ़ाव चलता रहता है, किंतु नौकरी में वेतन बढ़ता है, कम नहीं होता।
- **स्व अर्जित धन** : इसमें व्यक्ति अपनी मेहनत या योग्यता से धनी बनता है। संगीतकार नौशाद लखनऊ में वाद्य यंत्रों की एक दुकान पर कार्य करते थे, भागकर मुंबई आए और एक महान संगीतकार बने। गुलशन कुमार दिल्ली में जूस की दुकान चलाते थे और अपनी मेहनत से उच्च स्तरीय व्यवसायी बने।
- **कला द्वारा अर्जित धन** : फिल्मों में, नृत्य कला, गायन कला, लेखन कला या चित्रकला द्वारा अर्जित धन।
- **राजनीति द्वारा अर्जित धन** : बताने की जरूरत नहीं, लोग खाली जेब लेकर राजनीति में आते हैं और चंद वर्षों में ही गाड़ी, बंगला, नौकर–चाकर प्राप्त कर लेते हैं।
- **अनैतिक कार्यों द्वारा अर्जित धन** : हालांकि इस प्रकार से कमाए धन को मैं नैतिक रूप से समर्थन नहीं देता हूं। किंतु यह सच है कि इस संसार में बहुत से लोग दाऊद इब्राहीम जैसे काले धंधों द्वारा भी धनी बनते हैं। जैसे ड्रग्स सप्लाई, ठगी, जिस्मफरोशी, हेराफेरी इत्यादि से धनी बनने वाले लोग भी इसी दुनियां में होते हैं।
- **शिक्षा या अध्यात्म द्वारा अर्जित धन** : अत्यंत उच्च या सामान्य शिक्षा द्वारा अथवा ट्यूशन या अध्यापन द्वारा अर्जित धन। आध्यात्म द्वारा अर्जित धन से तात्पर्य है प्रवचन, गीता कथा, धर्म–स्थलों में पूजन कार्य करवाकर , धर्मोपदेश देकर कमाया धन।
- **तकनीकी ज्ञान द्वारा अर्जित धन** : मैकेनिक, मिस्त्री आदि के रूप में अथवा इंजिनियरिंग, रिपेयरिंग इत्यादि द्वारा अर्जित धन।
- **लघु उद्योग द्वारा अर्जित धन** : मोमबत्ती, बिन्दी, अगरबत्ती, खिलौने या प्लास्टिक मोल्डिंग या दूध डेयरी इत्यादि लघु उद्योगों से भी धन अर्जित किया जाता है।
- **ब्याज द्वारा अर्जित धन** : बहुत से लोग कुछ नहीं करते हैं, केवल ब्याज पर पैसा चढ़ाकर ही धन पाते रहते हैं।
- **लेखन द्वारा धन** : पत्रकार, कवि, लेखक, स्तम्भकार इत्यादि केवल अपनी कलम की मदद से ही

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

धन कमाते हैं और अच्छा कमाते हैं।

- **तांत्रिकगिरी या झोलाछाप दवाइयों द्वारा अर्जित धन** : आजकल आपको जगह–2 तथाकथित बंगाली बाबा या सूफी बाबा के प्रचार पर्चे नज़र आते होंगे। ये लोग भी इस फ्रॉड पेशे से काफी पैसा कमाते हैं। जवानी में ताजगी लाने के नाम पर, मोटापा बढ़ाने या घटाने के नाम पर शर्तिया लड़का पैदा कराने के नाम पर दवाइयां इत्यादि बेचकर भी लोग लाखों कमाते हैं।
- **शरीर बेचकर कमाया गया धन** : यहां मेरा अर्थ वेश्यावृत्ति ही नहीं है, बल्कि गुर्दा या खून बेचकर कमाए धन या 8 घंटे के लिए अपने जिस्म को जीतोड़ मजदूरी पर लगाकर कमाए धन से भी है।

एक बात समझ लीजिए कि यह निश्चित है कि आदमी को धनी या निर्धन बनाने में भाग्य का या हस्तरेखाओं का पूरा–पूरा योगदान होता है।

आप याद कीजिए गुलशन कुमार को जो एक जूस की दुकान चलाते थे। उनकी हस्तरेखाओं में धनी बनने के स्पष्ट लक्षण थे, नतीजतन वह न केवल कैसिट–किंग बने, बल्कि एक शानदार व्यवसायी भी। धीरूभाई अम्बानी अरब में तेल कुओं में नौकरी करते थे और कालान्तर में रिलायंस कंपनी के मालिक बने। बिल गेट्स एक मिडिल क्लास स्कूल टीचर का पुत्र था, आज संसार का सबसे अधिक पैसे वाला व्यक्ति है। जानी वॉकर एवं रजनीकांत बस कंडक्टर थे और उनकी हस्तरेखाओं का ही कमाल था कि वे फिल्मों के सफल कलाकार बने। महबूब एक पनवाड़ी थे और भाग्य ने ऐसा पलटा खाया कि वे मणिरत्नम की फिल्मों के माध्यम से एक प्रसिद्ध व धनी गीतकार बन गए। हाथों की सुनहरी रेखाएं ही थीं, जिन्होंने इन लोगों को फर्श से अर्श पर पहुंचाया।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि मां–बाप का निर्णय ही सही हो। औलाद की किस्मत में अगर धन लिखा है तो हालात व घटनाक्रम एक निर्धनतम व्यक्ति को दौलत–शोहरत की ऊंचाइयों पर ले जाते हैं।

उपरोक्त तथाकथित लोगों की कुछ रेखाएं धन को लेकर प्रबल, मेहरबान और उच्च स्तरीय थीं तभी ये लोग दौलत–शोहरत पा सके।

हाथ में धन आने के लक्षण

शास्त्रों में लिखा है कि हाथ व्यक्ति का सबसे बड़ा धन है तथा सुबह उठते ही सर्वप्रथम अपने हाथों के आगे नतमस्तक होना चाहिए। हाथों में लक्ष्मी, विष्णु व विधाता ब्रह्मा का निवास होता है।

हाथों की रेखाओं में यह संकेत भी लिखा होता है कि धनी होने के कौन से लक्षण होते हैं अथवा किन लक्षणों से पता चलता है कि व्यक्ति के जीवन में धन आएगा।

- गोल जीवन रेखा, सुन्दर भाग्य रेखा, साफ सुथरी मस्तिष्क रेखा, निर्दोष व उन्नत ग्रह, हाथ भारी पर स्पर्श में कोमल हो तो धनी होने में सहायता मिलती है।
- जीवन रेखा में चतुष्कोण हो, जीवन रेखा दोनों हाथों में समान रूप से सुन्दर हो, भाग्य रेखा जीवन रेखा से दूर हो और भाग्य रेखा का अंत शनि ग्रह पर हो, हृदय रेखा व मस्तिष्क रेखा लम्बी हों तो ये लक्षण बताते हैं कि व्यक्ति अमीर खानदान से ताल्लुक रखता है। ऐसे लोगों को जन्म से ही समस्त सुख सुविधाएं प्राप्त होती हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

- भाग्य रेखाएं एक से अधिक हों, सभी ग्रह उठे हुए हों, हाथ भारी व गुलाबी हो, कोमल हो, मस्तिष्क रेखा बहुत अच्छी हो, भाग्य रेखा जिस उम्र में मोटी से पतली हो रही हो तो उसी आयु विशेष में ये लोग धनी होने की ओर अग्रसर होते हैं। इस उम्र में इनके पास धन आने के रास्ते खुलते जाते हैं। गौरतलब है कि यही लक्षण गुलशन कुमार व धीरू भाई अम्बानी के हाथों में भी थे और इसी कारण मामूली जीवन से उठकर एक आयु विशेष में ये लोग भारत के सबसे धनी व्यक्तियों में शुमार हो गए।
- यदि भाग्य रेखा चंद्र पर्वत से शनि पर्वत पर जाए, जीवन रेखा दोनों हाथों में दोहरी हो, तो ऐसे व्यक्ति जिस भी व्यापार–व्यवसाय में हाथ डालते हैं, उसमें बहुत जल्दी उन्हें तरक्की मिलती जाती है।
- यदि जीवन रेखा गुरु ग्रह से निकले तो अकस्मात धन प्राप्त होता है। दोहरी जीवन रेखा वाले व्यक्ति के हाथ में आय के कई साधन होते हैं। ऐसे लोग अपने जीवन में अपनी स्थिति बहुत ही विशेष बना लेते हैं।
- यदि हाथ में उंगलियां बहुत लंबी हों, हाथ अत्यंत नरम व गुलाबी हो, गुरु ग्रह की उंगली सूर्य की उंगली से लंबी हो, सभी उंगलियों के आधार बराबर हों, भाग्य रेखाएं एक से अधिक हों, सभी ग्रह उन्नत हों तो व्यक्ति के पास एक दिन गाड़ी, बंगला, नौकर–चाकर, आदि होते हैं और वह शानदार व्यापार–व्यवसाय का मालिक होता है। इसी हाथ में सूर्य रेखा बहुत ही सुंदर हो, नाखून छोटे हों, गुरु ग्रह पूर्ण उन्नत हो, साथ में विशेष भाग्य रेखा हो तो ऐसे व्यक्ति कला के क्षेत्र में धनी होते हैं जैसे–ऐश्वर्या राय, मकबूल फिदा हुसैन, अमिताभ बच्चन, सचिन तेन्दुलकर, खुशवंत सिंह, अमृता प्रीतम, श्यामक डावर, उस्ताद जाकिर हुसैन, रितु बेरी, सोनल मानसिंह, किरण बेदी अथवा लता मंगेशकर आदि।
- यदि हाथ में उंगलियां छोटी, पतली व सीधी हों, सभी उंगलियों के आधार बराबर हों, जीवन रेखा गोल हो, भाग्य रेखा सुन्दर हो, सूर्य रेखा मस्तिष्क को क्रास करके आगे तक बढ़ जाए, चंद्र ग्रह से भी एक भाग्य रेखा निकले तो ऐसे व्यक्ति विज्ञान, साहित्य, आविष्कार, छपाई, मुद्रण, शिक्षा, राजनीति अथवा रचनात्मक कार्य करके एक दिन उच्च स्तर पर धनवान बनते हैं।
- हृदय रेखा के नीचे यदि शनि ग्रह पर दोष हो, शुक्र ग्रह उठा हो, जीवन रेखा को मोटी रेखाएं काटती हों, शनि ग्रह कमजोर हो, तो धन आता है और खर्च हो जाता है। कुंवारेपन में तो पैसा उड़ जाता है, जुड़ता ही नहीं है।

धन आगमन में रुकावट डालते लक्षण

ऐसा भी देखा गया है कि कुछेक हाथों धन तो आना चाहिए, पर कुछ दुष्प्रभावी लक्षण उभर कर धन आगमन में अड़चनें डाल देते हैं। आइए, चर्चा करते हैं ऐसे ही लक्षणों की।

- शुक्र ग्रह पर मोटी–2 आड़ी–तिरछी रेखाएं हों, हाथ सख्त हो, शुक्र का उठान अलग ही नजर आए, जीवन रेखा शुक्र व चंद्र क्षेत्र दोनों को घेर कर निकल रही हो, भाग्य रेखा जीवन रेखा के अति समीप हो, तो ऐसे लोगों को प्रेम, लड़की, शराब, नशे, सैक्स, जुआ या शानोशौकत के झूठे दिखावे में पैसा उड़ाने की आदत होती है।
- सूर्य रेखा खंडित हो, सूर्य ग्रह दबा हुआ हो, हाथ सख्त हो, हृदय रेखा में सूर्य ग्रह के ठीक नीचे दोष हो, तो धन अभाव का सामना करना पड़ता है।
- रेखा व ग्रह दोषों के अलावा पूर्व जन्मों के कार्यों का असर भी व्यक्ति के जीवन स्तर पर बहुत पड़ता

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

है। इस सिलसिले में यहां एक कथा का उल्लेख उचित है। वह बहुत लोगों को लूट व कत्ल कर चुका था। लूटता वह सदा अमीरों को ही था। एक बार 15 दिन तक उसे कोई शिकार नहीं मिला। रात में जंगल में उसे एक नवयुवक व्यापारी दिख गया। पकड़ा उसे, व्यापारी युवक ने गिड़गिड़ा कर दया मांगी, मिन्नतें कीं, कहा, वह पहली बार परदेस से कमाई करके कुछ धन ला रहा है, डाकू उसे बख्श दे। डाकू नहीं पसीजा, तलवार दिखाकर सारा धन छीन लिया। युवक ने धन छिनते ही वहीं सिर पटककर आत्महत्या कर ली। डाकू को एकदम सदमा सा लगा। उसी पल वह सुधर गया। उसने तुरंत अपनी पत्नी को लिया और काशी चला गया। शराफत से जीवन बिताने लगा। उन पैसों से उसने छोटा मोटा व्यापार शुरू कर दिया। एक साल बाद पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। पुत्र के जन्म के बाद व्यापार प्रगति कर गया और डाकू काशी का सबसे बड़ा व्यापारी बन गया। पुत्र से उसे बड़ा मोह था। पुत्र बड़ा हुआ तो एक रूपमती कन्या से उसका विवाह कर दिया। कुछ समय बाद घर में पोता भी आ गया। एक दिन पुत्र बीमार पड़ा और ऐसा पड़ा कि सालों तक बिस्तर पर ही पड़ा रहा। उसके इलाज में सारा धन खर्च हो गया और व्यापार चौपट हो गया। डाकू का घर भी बिक गया। जब डाकू एक झोपड़ी में पुत्र को लिटा रहा था तो अचानक पुत्र जोर से हंसा और बोला– 'तूने पहचाना मुझे, मैं वही युवक व्यापारी हूं। तुझसे पिछले जन्म का धन वसूलने के लिए मैंने तेरे घर में जन्म लिया था। सारा पैसा मुझ पर खर्च हो गया है। ब्याज के नाम पर अपनी पत्नी व पुत्र तेरे नाम कर जा रहा हूं।' और उसके प्राण पखेरू उड़ गए।

इस कथा से पता चलता है कि पिछले जन्मों का पैसा भी मनुष्य को इस जन्म में चुकाना पड़ता है। इसलिए कई बार व्यक्ति अपने पूर्व जन्मों की घटनाओं के कारण भी अमीर नहीं बन पाता है।

पूर्व जन्मों के कर्मों का दंड या सुफल अवश्य भुगतना पड़ता है। महात्मा बुद्ध, भगवान श्री कृष्ण, ओशो रजनीश, महावीर स्वामी ने भी माना है कि पूर्व जन्मों के कर्मों का असर जीवन पर पड़ता है। इस्लाम धर्म की पवित्र पुस्तक में भी लिखा है कि इस जन्म में किए गए अच्छे–बुरे का फैसला, मनुष्य की मृत्यु के बाद कयामत वाले दिन उसे फिर से जीवित कर तब किया जाएगा। इस्लाम में यह भी लिखा है कि मनुष्य के अच्छे–बुरे का निर्णय इसी दुनिया इसी जीवन में उसके जीते जी भी हो जाएगा।

मस्तिष्क रेखा दोषपूर्ण हो, जीवन रेखा व मस्तिष्क रेखा का जोड़ लंबा हो, हाथ सख्त हो, मस्तिष्क रेखा को मोटी राहु रेखा काटे, प्रमुख ग्रहों में दोष हों तो धन आने में अड़चन आती है और आदमी लाख परिश्रम करता हो पर उचित पैसा नहीं आता है।

- हाथ में बुध ग्रह उन्नत न हो और रेखाओं से कटा–फटा हो, साथ में गुरु की उंगली लंबी, सूर्य की उंगली छोटी और बुध पर तिल हो तो मुकदमे, संपत्ति, विरासत, उधार अथवा शेयर मार्किट में धन रुका रहता है, आता नहीं है।
- चंद्र पर्वत अगर हाथ में उठा हुआ हो, उस पर महीन–2 रेखाओं का जाल हो और यह जाल अतीन्द्रिय ज्ञान रेखाओं के काटने से बन रहा हो, जीवन रेखा में बड़ा द्वीप हो और हृदय रेखा में दोष हो, तो जो उचित पैसा आदमी के पास आना चाहिए, वह भी नहीं आ पाता।
- दोनों मंगल ग्रह/पर्वत पर जाल हो, मंगल पर्वत पर जीवन रेखा को मोटी–मोटी रेखाएं काटें, मंगल ग्रह पर काला या लाल धब्बा हो, शुक्र पर्वत के पास वाला मंगल पर्वत उठा हुआ हो, साथ में शनि, सूर्य व बुध ग्रह दबे हुए हों तो व्यक्ति का पैसा कोर्ट कचहरी, दवाइयों, लेन–देन, दुनियादारी की रस्मों में और खराब चीज़ों को रिपेयर करवाने में ही खर्च होता रहता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

अन्य लक्षण

- यदि हाथ सख्त हो, शनि की साढ़ेसाती या शनि की ढैय्या चल रही हो तो अत्यधिक मेहनत व जतन के बाद ही धन आता है।
- उंगलियां मोटी हों, मस्तिष्क रेखा शाखाहीन हो, जीवन रेखा में दोष हो और हाथ सख्त हो, तो धन आने में कहीं न कहीं रुकावट आती रहती है।
- यदि हाथ में चंद्र पर्वत पर अत्यधिक रेखाएं हों, वहां जाली जैसी रेखाएं हों, हृदय रेखा में दोष हो और हृदय रेखा से काफी सारी रेखाएं मस्तिष्क रेखा की ओर आ रही हों तो धन आने में काफी मुश्किलें आती हैं और धन अति अल्प मात्रा में आता है। ऐसे लोग दिन–रात इसी उधेड़बुन में लगे रहते हैं कि कहां से जरूरत भर का पैसा निकाला जाए।
- हृदय रेखा व मस्तिष्क रेखा समानांतर होकर उंगलियों के पास हो, भाग्य रेखा गहरी हो और जीवन रेखा को मोटी–मोटी रेखाएं काटें, तो जीवन भर धन अभाव बना रहता है। ऐसे लोग 24 घंटे काम में व्यस्त रहने की कोशिश करते हैं और एक साथ कई काम करने को तैयार रहते हैं, किन्तु फिर भी इनपर धनाभाव बना रहता है।
- यदि भाग्य रेखा टूट कर चले, गुरु की उंगली सूर्य की उंगली से छोटी हो और शुक्र अत्यधिक उठा हो तो धन की कमी नसीब में गरीब की भूख की तरह लिखी होती है, यानी मिल गया तो खा लिया अन्यथा नहीं।
- हाथ की रेखाओं में छोटे–2 गड्ढे हों, रंग काला हो, भाग्य रेखा अधूरी हो, जीवन रेखा सीधी हो, मस्तिष्क रेखा को मोटी–2 रेखाएं काटकर हृदय रेखा की ओर आ रही हों तो व्यवसाय में या नौकरी में यह लोग पैसा, परिश्रम व लगन तो लगाते हैं फिर भी पर्याप्त पैसा नहीं आ पाता, उधार पैसा डूब जाता है, इन्सानी मदद के लिए दिया गया पैसा भी वापिस नहीं आता, और बाजार में लगा हुआ पैसा भी अधर में लटका रहता है।
- भाग्य रेखा गहरी हो और मस्तिष्क पर जाकर रुक रही हो, मस्तिष्क रेखा का निकास मंगल ग्रह से हो रहा हो, हृदय रेखा टूटी–फूटी हो, उंगलियां छोटी तथा मोटी हों और अंगूठा कम खुलता हो तो धन अटक –2 कर आता है, खर्चा रुपया होता है और आमदनी अट्ठन्नी होती है, कभी कहीं से अकस्मात पैसा नहीं आता, कोई लॉटरी भी नहीं खुलती, मुकदमेबाजी चलती रहती है, पर धन आने का निर्णय नहीं आ पाता।
- यदि कलाइयों पर तिल हो, तो धन तो आएगा, लेकिन आने से पहले ही मुसीबतें ले आएगा और फिर मुसीबतों में ही धन खर्च हो जाएगा।

धनवान व्यक्ति के हाथ के लक्षण या पहचान

हाथ में धनी होने के अनगिनत लक्षण हैं। जैसे प्रत्येक वृक्ष का हर पत्ता, हर मनुष्य के हाथों के फिंगर प्रिंट, हर सजीव वस्तु का आकार, स्वभाव व प्रकृति, प्रवृत्ति आदि अलग–अलग होते हैं, उसी तरह हर

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

धनवान व्यक्ति के हाथ में अपने में निराले, भिन्न व विशेष लक्षण होते हैं। किन्तु शोध व अनुसंधान के क्रम में एक तथ्य सामने आया कि लाखों धनिक हाथों में कुछ लक्षण एक समान और कुछ दुर्लभ होते हैं। यहां ऐसे लक्षणों से युक्त हाथों का विश्लेषण प्रस्तुत है।

- हाथ छोटा हो, गुदगुदा हो, सभी ग्रह उठे हुए हों, हाथ का रंग गुलाबी, भाग्य रेखाएं एक से अधिक हो, तो ऐसे व्यक्ति धनी होते हैं, सामर्थ्यवान और उन्हें सभी भौतिक सुख प्राप्त होते हैं। इन्हें विरासत में भी ढेर सारा धन मिलता है।
- भाग्य रेखा एक से अधिक हो तो धनी हाथ की यह पहचान है। ऐसे व्यक्ति अत्यंत उच्च पद पर आसीन होते हैं। ऐसे लोगों के पास एक से ज्यादा संख्या में मकान, गाड़ियां और बैंक बैलेंस होते हैं।
- यदि जीवन रेखा गोल हो, भाग्य रेखा व जीवन रेखा में दूरी हो, हृदय रेखा शनि ग्रह को स्पर्श कर रही हो, मस्तिष्क रेखा विभाजित हो, भाग्य रेखा शनि ग्रह से निकलकर शनि ग्रह पर ही समाप्त हो रही हो, तो ऐसे व्यक्ति अपनी मेहनत से अत्यंत धनवान बनते हैं।
- भाग्य रेखा का चंद्र क्षेत्र से निकलना और चंद्र क्षेत्र पर चंद्र रेखाओं का जाल होना, मस्तिष्क रेखा साफ सुथरी होना, हृदय रेखा या गुरु पर्वत पर त्रिकोण होना आदि धनी होने के लक्षण हैं। ऐसे लोग शेयर, लॉटरी, जुआ या आकस्मिक धन के कारण भी अमीर बनते हैं।
- भाग्य रेखा चंद्र क्षेत्र से निकले और चंद्र क्षेत्र के हिस्सा गुलाबी हो, भाग्य रेखा अत्यंत मोटी और लंबी हो, तो ऐसे लोग धनी होते हैं।

इन लक्षणों में प्रामाणिकता, सटीकता, विश्वसनीयता व अटलता है। तात्पर्य यह कि अगर ये लक्षण किसी के हाथ में नहीं भी हैं, तो निराशा की कोई बात नहीं है, क्योंकि ये लक्षण कुछ विशेष आध्यात्मिक पूजा पद्धतियों द्वारा उत्पन्न भी किए जा सकते हैं।

निर्धन व्यक्ति के हाथ के लक्षण

- यदि जीवन रेखा टूटी, मोटी, गहरी या चौड़ी हो तो व्यक्ति का जीवन आर्थिक कष्ट और अभाव की यातना में गुजरता है।
- हाथ पतला हो, उंगलियां टेढ़ी–मेढ़ी हों, जीवन रेखा मोटी और खंडित हो और, सभी ग्रह दबे हुए हों तो मनुष्य के नसीब में निर्धनता, दरिद्रता आती है, गरीबी उसकी छाया, उसकी सदा की साथी बन जाती है।
- हाथ सख्त हो, अंगूठा कम खुलता हो, भाग्य रेखा हृदय रेखा पर या मस्तिष्क रेखा पर रुकती हो, उंगलियां टेढ़ी–मेढ़ी हों, हाथ का रंग काला हो, शनि व सूर्य ग्रह दबे हुए हों तो व्यक्ति निर्धन होता है। उसे अभावों, तनावों, अड़चनों, मुसीबतों और कर्जों की त्रासदियां कदम दर कदम झेलनी पड़ती हैं।
- यदि भाग्य रेखा मोटी, खंडित व दोषपूर्ण हों, जीवन रेखा सीधी या मोटी हो, भाग्य रेखा जीवन रेखा के पास हो, जीवन रेखा को राहू रेखाएं काटें तो गुरबत, मुफलिसी, और धन व संसाधनों की कमी इतनी अधिक होती है कि आत्महत्या तक का विचार उत्पन्न हो जाता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

भविष्य में होने वाले धन लाभ

कभी–कभी मनुष्य के जीवन में ऐसा होता है कि उसे स्वयं पता नहीं चलता कि उसे कोई धन लाभ होने वाला है और वह धन की चिन्ता में अनावश्यक रूप से मानसिक तनाव की स्थिति में रहने लगता है। अगर यह पहले ही पता चल जाये कि भविष्य में उसे बढ़िया धन लाभ होने वाले हैं तो उसे मानसिक रूप से शन्ति मिल जाती है। कई बार उम्मीद होती है कि धन लाभ होने वाला है और आशा के विपरीत लाभ नहीं होता।

अगर मनुष्य इस संदेहास्पद स्थिति से निकलना चाहे तो उसके लिए हस्त रेखाओं की जानकारी होना आवश्यक है। जितनी गहराई से इसका अध्ययन होता है उतने ही बेहतर परिणाम सामने आते हैं।

आइये, उन रेखाओं का अध्ययन करें जिनसे इन धन लाभों का पता चलता है।

1. भाग्य रेखा जीवन रेखा से दूर हो, चंद्रमा से पतली रेखा भाग्य रेखा में मिल जाए, जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा व भाग्य रेखा में दोष न होकर त्रिकोण बनता हो, अंगुलियां सीधी, हाथ पतला न हो और ग्रह ठीक हों तो किसी न किसी माध्यम से अवश्य लाभ होता है। इन्हें विदेश से भी मदद मिलती रहती है।
2. विवाह रेखा निर्दोष होकर सीधे गुरु पर्वत पर जाती हो, हाथ भारी हो, उंगलियां सीधी हों, मस्तिष्क रेखा में कोई विशेष दोष न हो, हाथ में मोटी रेखाओं का जाल न हो, तो ऐसे व्यक्ति को ससुराल से या प्रेमिका होने पर प्रेमी से लाभ होता है।
3. सूर्य रेखा निर्दोष हो व संख्या एक से अधिक हो, हाथ भारी, शनि व सूर्य की उंगलियां सीधी व बराबर हों, भाग्य रेखा मणिबन्ध से निकलकर सीधे शनि पर जाए, हाथ कोमल, गुद्‌गुदा व भारी हो, तो ऐसे लोगों को निश्चित ही धन लाभ होता है।
4. चन्द्रमा की ओर से एक निर्दोष रेखा भाग्य रेखा में मिले, वहां कोई दोष न हो, भाग्य रेखा भी मोटी न हो, न ही वहां पर द्वीप हो, भाग्य रेखा सीधे शनि ग्रह के नीचे खत्म हो, हाथ भारी और कोमल हो, तो किसी दूसरे व्यक्ति से लाभ प्राप्त होता है।
5. भाग्य रेखा में मिलने वाली रेखा निर्दोष हो, भाग्य रेखा मोटी से पतली हो या सीधे शनि पर जाए, उंगलियां पतली, शनि ग्रह व अन्य ग्रह उत्तम हों, रंग साफ हो (हाथ का), उंगलियां सीधी हों तो भी अचानक धन लाभ होता है।
6. भाग्य रेखा चन्द्रमा से उदय होकर सीधे शनि क्षेत्र तक पहुंचे, जीवन रेखा से कोई रेखा निकलकर शनि के स्थान तक पहुंचे, हाथ कोमल हो, ग्रह उठे हुए हों, जीवन रेखा गोल हो, शुक्र अधिक उठा हुआ न हो, भाग्य रेखा की संख्या एक से अधिक हो, शनि की उंगली लम्बी व सूर्य की उंगली सीधी हो उंगलियों के आधार बराबर हों तो इन्हें बड़े–बड़े लोगों से धन लाभ होता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

7. जीवन रेखा गोल, मस्तिष्क रेखा द्विभाजित, सूर्य रेखाएं दो हों, शनि की उंगली सीधी, गुरु और सूर्य की उंगलियां बराबर हों, निर्दोष मस्तिष्क रेखा में त्रिकोण हो, हृदय रेखा में ऊपर की ओर त्रिकोण हो, हाथ भारी व ग्रह उच्च हो तो ऐसे लोगों को समय–समय पर अचानक धन लाभ होते हैं।
8. बृहस्पति ग्रह पर अगर स्पष्ट त्रिकोण हो, सभी ग्रह उन्नत हों, भाग्य रेखा निर्दोष हो, हाथ में चाहे बारीक रेखाएं हों तो भी इन्हें लाभ अवश्य होता है। हाथ का भारी होना अति आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त अन्य कई बारीक–बारीक लक्षण हैं जिनके द्वारा मनुष्य को धन लाभ होता है। कई बार ऐसा भी देखने में आया है कि रेखाओं में कोई दोष न होते हुए भी ग्रह दोषों व अन्य किन्हीं कारणों से मनुष्य को लाभ नहीं होता। अगर इसका विधिवत् उपाय किया जाए तो मनुष्य लक्षण होने पर लाभ अवश्य उठा मिलेगा।

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

अध्याय 20

कुछ वास्तविक हस्तचित्रों का सामान्य विवरण

(एक सुखी व सफल पुरुष का हाथ)

हाथ की प्रवृत्ति–नरम, अंगूठा–पीछे की तरफ झुका हुआ, रंग–गुलाबी

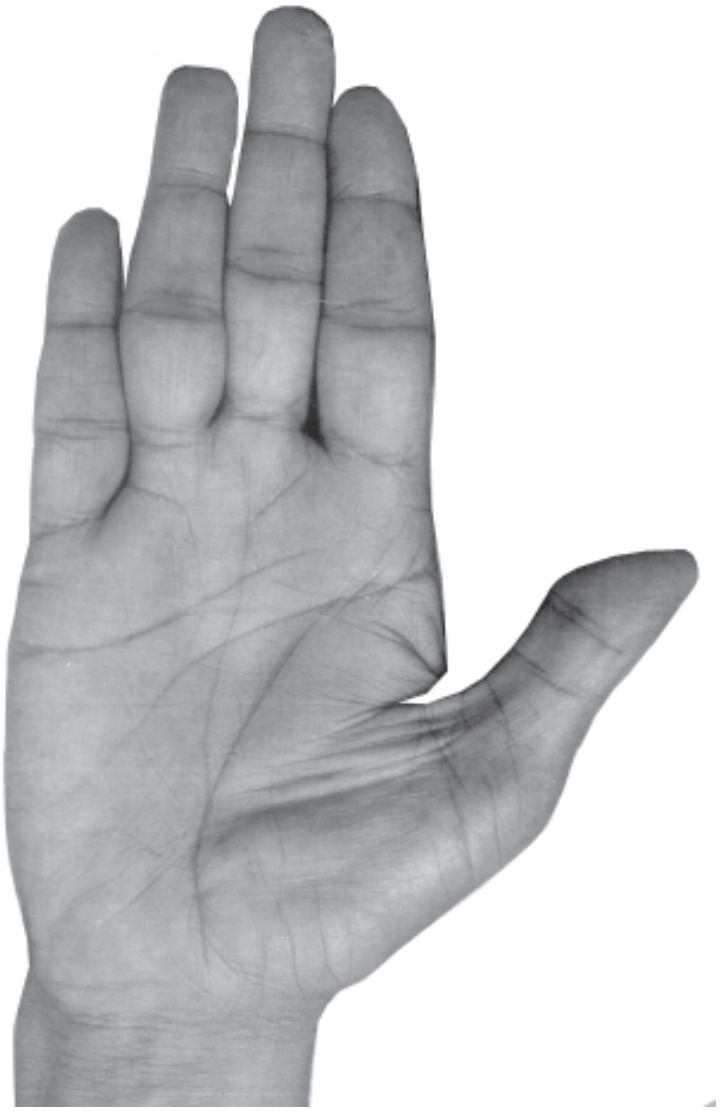

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

यह हाथ एक धनी, समझदार, मेहनती, दयावान, कुशल, सुखी दाम्पत्य जीवन जीने वाले एवं नीरोग व्यक्ति का है।

आइये, अब उन रेखाओं का अध्ययन करें, जिनसे पता चले कि इस व्यक्ति विशेष में इतनी सारी खूबियों का कारण कौन–सी हस्तरेखाएं हैं।

सर्वप्रथम यह देखना चाहिए कि यह हाथ भारी है या मुलायम। ऐसे व्यक्ति हर प्रकार से साधारण लोगों से बेहतर होते हैं। वे राजा, व्यापारी, तथा बड़े घर से सम्बन्ध रखने वाले और शीघ्र ही तरक्की करने वाले होते हैं। ऐसे लोग बौद्धिक कार्य करने वाले होते हैं। यहां पर जीवन रेखा निर्दोष है इसलिए, वृद्धावस्था में कोई बहुत बड़ा रोग नहीं होगा। गोल जीवन रेखा होने की वजह से इन्हें मां–बाप का भी पूरा सुख प्राप्त होता है। ऐसी जीवन रेखा अन्य दोषों को भी कम करती है। इनके एक से अधिक व्यापार होते हैं। ये बहुत ही उत्तरदायी किस्म के होते हैं। गोल जीवन रेखा के साथ–साथ मस्तिष्क रेखा भी निर्दोष हो, तो ऐसे लोग उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। ये जहां चाहें, वहां अपना ध्यान लगा लेते हैं। गोलाकार जीवन रेखा में बड़ा त्रिकोण होने की वजह से इन्हें पैतृक सम्पत्ति अवश्य मिलती है।

मस्तिष्क रेखा इस हाथ में मंगल के स्थान से निकल रही है, मंगल पर्वत उठा हुआ है, जीवन रेखा गोल और उंगलियां सीधी हैं। ऐसे लोग निडर और वीर स्वभाव के होते हैं। मस्तिष्क रेखा का अन्त चंद्र पर्वत पर होने की वजह से इनमें कल्पनाशक्ति, सौम्य विचार, कलात्मकता एवं भावनात्मक बुद्धि होती है। इसमें चंद्र पर्वत भी उन्नत है, इस वजह से मिलनसार व मानवीय गुण सम्पन्न होते हैं। उंगलियां सीधी और अंगूठा पीछे की ओर जाने की वजह से इन्हें फालतू झगड़ा करना पसन्द नहीं होता। यह दिन प्रतिदिन उन्नति करते चले जाते हैं।

जैसा कि आप चित्र में देख रहे हैं, हाथ उत्तम होने के साथ–साथ हृदय रेखा इस हाथ में शनि के नीचे समाप्त हो रही है और उंगलियों से दूर व मस्तिष्क रेखा के पास है, जो प्रसिद्धि प्राप्ति का संकेत देती है। दोनों हाथों में यह लक्षण होने पर इनके वंश में कोई व्यक्ति अन्नदान करता है या लंगर आदि लगाता है। धर्म में रुचि के लिए मस्तिष्क रेखा में कोई न कोई दोष होना जैसे–उसमें द्वीप का आ जाना, आदि अनिवार्य है जो थोड़ा सा इनकी मस्तिष्क रेखा में भी पाया गया है।

भाग्य रेखा इस हाथ में जीवन रेखा से निकल रही है व जीवन रेखा गोल है। साथ ही हाथ उत्तम होने पर यह अंधविश्वासी भी होते हैं। इनका अधिकांश चरित्र इनके अपने मस्तिष्क से नियन्त्रित होता है। 35 वर्ष के बाद इनकी आर्थिक स्थिति और अच्छी होने लग जाती है। इनके माता–पिता थोड़े लालची स्वभाव के होते हैं। इन्हें उनकी भी सहायता करनी पड़ती है। भाग्य रेखा जीवन रेखा से निकल कर जाने की वजह से ऐसे लोग एक साथ कई काम करते हैं, पर यह तभी संभव है जब यह भाग्य रेखा शनि पर रुके। इनके वंश में सब ही मेहनत से आगे बढ़ने वाले होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

एक महिला के वास्तविक हस्तचित्र का सामान्य विवरण

हाथ की प्रवृत्ति–ना सख्त, ना मुलायम
उंगलियां–पीछे की तरफ झुकी हुईं
अंगूठा–पीछे की तरफ झुका हुआ

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

जैसा कि आप इस चित्र में देख रहे हैं, जीवन रेखा के साथ एक अन्य जीवन रेखा सटी हुई है और इन्हें आड़ी रेखाएं काट रही हैं। इस प्रकार के लक्षण होने पर उस आयु में धन की कमी, पेट के रोग हो जाते हैं। दोनों हाथों में इस प्रकार का लक्षण होने से हृदय रोग की संभावना रहती है और गर्भाशय सम्बन्धी दोष होता है।

आप देख रहे हैं यहां मस्तिष्क रेखा में भी दोष है। यह मासिक धर्म में विकार पैदा करती है।

यहां मस्तिष्क रेखा शाखायुक्त है। यह बहुत ही अच्छा लक्षण है। इनमें प्रेम व सौहार्द की भावना पाई जाती है व कर्त्तव्य भावना अधिक होती है। स्पष्टवादिता के कारण इनका स्वभाव दूसरों से नहीं मिलता, फलस्वरूप इनमें विरोध की भावना थोड़ी कम हो जाती है। ऐसी महिलाएं चालाक नहीं होतीं। सीधी तथा स्पष्टवादी होती हैं। इन्हें गुण अर्जित करने की इच्छा लगातार बनी रहती है। ये किसी भी बात को बहुत अधिक महसूस करने वाली होती हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करती हैं। शाखायुक्त मस्तिष्क रेखा होने से पति तकनीकी कार्य में होता है। ऐसी स्त्रियां घर बनाने वाली, अपने बच्चों पर बहुत ध्यान देने वाली व समझदार होती हैं।

हृदय रेखा इस स्त्री के हाथ में गुरु पर्वत को देख रही है। उंगलियां लम्बी हैं, जिसके कारण इनमें मनुष्यता अधिक होती है। यह नहीं चाहतीं कि इनसे ऐसा कार्य हो, जो दूसरों को अच्छा न लगे। ऐसी स्त्रियां विवाह के बाद उन्नति करती हैं। पति–पत्नी में झगड़े कम होते हैं क्योंकि यह एक–दूसरे का ध्यान रख कर चलते हैं।

भाग्य रेखा जीवन रेखा से निकल रही है और जीवन रेखा के साथ एक सटी हुई पतली सी अन्य रेखा चल रही है, उंगलियां लम्बी हैं। ऐसी स्त्रियां परोपकार का कार्य अवश्य करती हैं और प्रतिष्ठा को सबसे अधिक महत्व देती हैं। ये किसी से दब कर कार्य नहीं करतीं मस्तिष्क रेखा थोड़ी दोषपूर्ण है, पर भाग्य रेखा ठीक है जिसकी वजह से धन तो आता है परंतु हानि या व्यय के कारण बचा नहीं पातीं।

भाग्य रेखा, जीवन रेखा, और मस्तिष्क रेखा में त्रिकोण होने की वजह से इन्हें पैतृक सम्पत्ति भी मिलती है, पर जीवन रेखा में दोष होने की वजह से इन्हें लाभ नहीं मिल पाता।

शनि और सूर्य को छोड़कर सभी ग्रह सामान्य हैं जिसकी वजह से कुछ समस्याएं रहते हुए भी इनका जीवन सुखी रहता है और ये जीवन में सफल रहती हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

एक वास्तविक अपराधी के हाथ का संक्षिप्त विवरण

हाथ की प्रवृत्ति–सख्त
अंगूठा–आगे की तरफ (झुका हुआ)
रंग–लालिमा युक्त

Future Point

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

जैसा कि आप इस चित्र में देख रहे हैं, रेखाएं कम हैं, अंगूठा आगे की तरफ है, गुरु, सूर्य और बुध की उंगलियां टेढ़ी है व हाथ का रंग लाल है। इस प्रकार के लक्षण होने पर व्यक्ति में सहनशीलता की कमी होती है और विरोध का सामना करना पड़ता है। छोटी सी बात होने पर झगड़े की नौबत आ पहुंचती है। ऐसे व्यक्तियों का सभी से विरोध रहता है। मां–बाप से भी विचार नहीं मिलते। ऐसे व्यक्ति के मां–बाप लोभी होते हैं। हाथ का रंग लाल और अंगूठा आगे की ओर होने की वजह से इनमें क्रोध व उग्रता अधिक होती है। इनमें कोई न कोई बुरी लत जैसे शराब पीना, सिगरेट या तम्बाकू का सेवन अवश्य पाया जाता है। ऐसे व्यक्ति जीवन में निराश रहते हैं। धन कमाने पर ये अधिक ध्यान देते हैं, और इसके लिए चोरी करना, चेन छीन लेना, डरा धमका के पैसे ले लेना आदि गलत कार्य भी करते हैं। इन्हें संघर्ष भी अधिक करना पड़ता हैं। भाग्य रेखा के छिन्न–भिन्न होने की वजह से जीवन में रुकावटें बहुत आती हैं तथा जेल योग भी बनते हैं। ऐसे लोग अनैतिकता से धन कमाने की चेष्टा करते हैं। अपना काम निकालने के लिए ऐसे व्यक्ति उचित–अनुचित सब प्रकार के उपायों का प्रयोग करते हैं।

मस्तिष्क रेखा निर्दोष होने की वजह से ये दूसरों की तारीफ करने में और उन्हें फांसने में माहिर होते हैं। बचपन से ही इनमें बिना किसी बात के झगड़ा करने व झूठ बोलने की आदत होती है। हाथ पतला व रंग लालिमा युक्त होने की वजह से इन्हें जीवन भर सफलता नहीं मिल पाती। अनेक झंझट साथ लगे रहते हैं। अंत में असफलता ही हाथ लगती है। हाथ में रंग का निर्णय करने में काफी कठिनाई होती है, अतः इसका निर्णय सावधानी के साथ करना चाहिए।

हाथ का रंग लालिमा युक्त, उंगलियां टेढ़ी, बुध की उंगली तिरछी और मस्तिष्क रेखा का अन्त मंगल पर होने की दशा में जेल यात्रा करनी पड़ती है। क्योंकि ये हमेशा समाज विरोधी कार्य करते हैं।

इस हाथ में ध्यान से देखें, थोड़े से काले रंग के धब्बे हैं व अंगूठा कम खुलता है, जिससे दूसरों के प्रभाव में आ कर इनमें चरित्र दोष आ जाता है। गलत संगति के कारण ये जीवन बरबाद कर बैठते हैं। भाग्य रेखा मस्तिष्क रेखा पर रुकने की वजह से यह एक गलती को कई बार दोहराने वाले होते हैं।

हृदय रेखा अन्य रेखाओं की अपेक्षा देखने में मोटी है व हाथ सख्त है और अंगूठा आगे की तरफ है। फलस्वरूप ये निर्दयी, लोभी तथा लोभ के वशीभूत होकर गलत कार्य करने वाले होते हैं। हाथ का रंग लाल होने की वजह से क्रोधी होते हैं तथा अन्य कई लक्षण होने से ऐसे व्यक्ति अपराधी प्रवृत्तियों वाले होते हैं।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

आसाराम बापू का हाथ

आसाराम बापू का हाथ

यह चित्र आसाराम बापू के हाथ का है। इनके हाथों की रेखाओं के अध्ययन का निष्कर्ष इस प्रकार है। बालपन से ही अध्यात्म की ओर रुझान – हाथ में उंगलियां छोटी, हाथ भारी, गुरु, शनि, सूर्य की उंगलियों के आधार बराबर और शनि, गुरु, चंद्र, सूर्य व बुध अत्यंत उन्नत हैं, फलतः इनका रुझान अध्यात्म की ओर पहुंचा। ऐसे लोग धर्म प्रचार करते हैं और बालपन से ही अध्यात्म प्रेमी होते हैं।

सफल व प्रसिद्ध महात्मा कैसे बने – हाथ भारी, मस्तिष्क रेखा द्विभाजित, उंगलियां छोटी व पतली हैं और उनके आधार बराबर हैं, भाग्य रेखाएं एक से अधिक हैं, विशेष भाग्य रेखा भी हाथ में मौजूद है और ज्यादा संख्या में है तथा चंद्र रेखा भाग्य रेखा में से उदय हो रही है। ऐसे लोगों को सफल बनाने में उपरोक्त लक्षण अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। इन कारणों और लक्षणों की वजह से संत बापू के पास उद्योग व धन की कमी भी नहीं है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

एक धनी व्यक्ति के हाथ का वास्तविक चित्र

यह एक अत्यंत धनी व्यक्ति का हाथ है, जिसके पांच विभिन्न व्यवसाय हैं। श्री शर्मा एक स्वनिर्मित व्यक्ति हैं और गुड़गावां के सर्वोच्च धनी व्यक्तियों में से एक हैं। 27 साल की उम्र तक श्री शर्मा नौकरी करते थे। फिर इन्होंने एक छोटा सा रेस्टोरेंट खोला, किस्मत की लकीरों ने इस रेस्टोरेंट को सफल कर दिया। इन्होंने एक और रेस्टोरेंट खोल लिया। फिर मुनाफा होने पर श्री शर्मा ने मशीनों की मैन्युफैक्चरिंग की कंपनी खोली और भाग्य–नक्षत्र प्रबल निकले, इनका मशीनों का काम भी तरक्की कर गया।

अब इनके ढेर सारे गेस्ट हाउस हैं, इनके आयात–निर्यात का कारोबर विदेशों तक जा पहुंचा है, इन्होंने अब अनेक रेस्टोरेंट खोल लिए हैं। श्री शर्मा एक सफल व धनी व्यवसायी हैं, इनके सभी व्यवसाय उच्च स्तर पर चल रहे हैं।

श्री शर्मा के हाथ में धनी होने के कारण व लक्षण

इनके हाथ में जीवन रेखा गोल है, हाथ भारी और नरम है। गुरु, सूर्य व शनि की उंगलियां बिल्कुल सीधी हैं, भाग्य रेखा सीधी गुरु पर्वत पर जा रही है, भाग्य रेखा मणिबंध से उदित है और मोटी से पतली हो रही है जिसके कारण इन्हें व्यवसाय में प्रबल सफलता मिली।

हृदय रेखा उंगलियों से काफी नीचे हैं, मस्तिष्क रेखा पर एक साफ सुथरा त्रिकोण है, जिसके कारण इन्हें नए–नए व्यवसायों में धन की अति प्रप्ति के अवसर मिले।

हाथ में शनि, सूर्य व गुरु ग्रह के आधार बराबर हैं। चंद्र, बुध, गुरु व शुक्र ग्रह की स्थिति बहुत अच्छी है जिसके कारण यह मशीनों के काम में और विदेशों में कारोबार जमाने में सफल रहे।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति का हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

मध्यवर्गीय वर्ग या मिडिल क्लास व्यक्ति निर्धन लोगों से ऊपर और धनी वर्ग से नीचे के समाज का होता है।

मेरे विचार में यह एक किस्म का "बेचारा व्यक्ति" होता है। मिडिल क्लास व्यक्ति अधर में लटका होता है। वह इतना अमीर नहीं होता कि अपनी तमाम जरूरतें पूरी कर सके और इतना गरीब नहीं होता कि भीख मांग सके।

धनी व्यक्ति के पास पैसा और उनके ऊंचे संबंध होते हैं। लोग उनसे प्रभावित होते हैं, उनसे नजदीकी बढ़ाना चाहते हैं। इसलिए उन्हें हमेशा तोहफे देते रहते हैं। अगर एक अरबपति फिल्म स्टार किसी ढाबे या कपड़े की दुकान में चला जाए, तो दुकानदार इसे अपना अहोभाग्य मानेगा और उससे पैसे नहीं मांगेगा। कहना अनुचित न होगा कि अमीर आदमी अपने रसूख से रोटी, कपड़ा, मकान मुफ्त प्राप्त कर सकता है।

अब बात करते हैं निर्धन व्यक्ति की। अगर निर्धन व्यक्ति अपनी दयनीय स्थिति में उसी ढाबे या कपड़े की दुकान पर चला जाए तो दुकानदार तरस खाकर उसे रोटी कपड़ा मुफ्त दे देता है।

शेष रह जाता है मिडिल क्लास व्यक्ति। इससे न तो कोई प्रभावित होता है और न कोई इस पर तरस खाता है। यह वर्ग बेचारा जितना कमाता है, उसमें ही रोटी, कपड़ा, मकान की जुगाड़ करता रहता है।

यह हाथ सुशील कुमार का है, जो मध्यम वर्गीय परिवार से संबंधित हैं। इनकी जूते–चप्पलों की छोटी सी दुकान है। सुशील जी मेहनती हैं, जुझारू हैं लेकिन इनका जीवन संघर्षपूर्ण है।

सुशील का सख्त हाथ और जीवन रेखा के साथ मंगल रेखा मेहनती होने का लक्षण है, भाग्य रेखा सबसे पतली, महीन है जिसके कारण सुशील जी जीवन की प्रबल सफलता न छू सके। बहुत मेहनत व संघर्ष करने के बाद भी वह कभी उच्च मात्रा में धन न कमा सके। अपने व्यवसाय से वह केवल गुजारा व जरूरी खर्चे चला पाते हैं।

इनके हाथ में भाग्य रेखा के ऊपर द्वीप है, जो हर कार्य में अड़चनें पैदा करता है।

इनके हाथ में शनि, बुध व सूर्य ग्रह दबे हुए हैं, इस कारण लाख प्रयत्न पर भी इन्हें मनचाही सफलता प्राप्त नहीं होती है।

गुरु की उंगली सूर्य की उंगली से छोटी है, अतः इन्हें उचित यश या मान प्राप्त नहीं होता है।

इनके हाथ में चंद्र रेखाएं भी टूटी–फूटी हैं। चंद्र रेखा टूटी–फूटी होने से सफलता धीरे–धीरे आती है, पैसा आता है और खर्चों में चला जाता है।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

एक निर्धन व्यक्ति का हाथ

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

उपरोक्त हाथ अभाव, संघर्षों व जटिलताओं से भरा जीवन जीने वाले एक निर्धन व्यक्ति का है।

आइए, देखते हैं कि किन हस्तरेखाओं व ग्रहों की कमी के कारण यह व्यक्ति अब तक निर्धन है, अथवा क्यों अभावग्रस्त है।

यह हाथ मजदूर रामप्रसाद का है, जो मजदूरी या छोटी–मोटी नौकरी–चाकरी करके अपना पेट भरता है। यह खानाबदोश किस्म का आदमी है। काम के सिलसिले में इधर से उधर भटकता रहता है, इसने कभी कोई काम स्थायी तौर पर या स्थिरता से नहीं किया। जहां से जितना मिल गया, गुजारा कर लिया, मन हुआ तो छोड़ दिया।

जैसा कि चित्र में दिखाया गया है, जीवन रेखा अधूरी और मोटी है, साथ में हृदय रेखा मोटी, खंडित है और इसकी मोटी शाखाएं नीचे गिर रही हैं, इसी वजह से इसके जीवन में सदा धन का अभाव बना रहता है।

रामप्रसाद की उंगलियां टेढ़ी–मेढ़ी, हाथ सख्त, हाथ का रंग काला, मटमैला सा है जो पूर्वजन्मों के बुरे कामों का संकेत है। ऐसे व्यक्तियों का जीवन सदा अभाव, संघर्ष, फटेहाली में बीतता है।

राम प्रसाद के हाथ में मस्तिष्क रेखा चंद्र पर्वत पर है और भाग्य रेखा मोटी है। यह आलस्य, लापरवाही व अनिश्चितता की पहचान है, कार्य करने में ऐसे लोग जी चुराते हैं और जब तक अति आवश्यकता न हो, कठोर परिश्रम नहीं करते।

इनके हाथ में गुरु, शनि, बुध और राहु, ग्रह खराब स्थिति में हैं, इस कारण से इन्हें जीवन भर स्थायी काम, सामाजिक सहयोग और मित्र बंधु का भावनात्मक, आर्थिक या सहानुभूतिपूर्ण सहयोग नहीं मिलता है। जो मित्र बनते भी हैं वे कामचलाऊ, पाखंडी और स्वार्थी होते हैं और राहु ग्रह की कुदृष्टि के कारण मित्र निष्ठावान, समर्पित, ईमानदार नहीं होते तथा पीठ पीछे उपहास व तिरस्कार करते हैं, इतना ही नहीं ऐसे लोग शराब–तम्बाकू में भी पैसा बरबाद करते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

एक धनवान महिला का हाथ

यह हाथ सुश्री बीना बजाज का है। बीना तीन सफल बूटिक की मालकिन हैं। वह एक सफल फैशन डिजाइनर हैं। वह कई फिल्मों व टीवी सीरियलों के लिए ड्रेस डिजाइनिंग कर चुकी हैं। राजधानी में चल रहे इनके तीनों बूटिक अत्यंत सफल व मुनाफेदार हैं। इन्होंने 20 साल की उम्र से ही ड्रेस डिजाइनिंग का काम शुरू कर दिया था।

बीना के हाथ नरम और गुलाबी हैं जिसके कारण यह शुरू से ही रचनात्मक, क्रियात्मक, व्यावहारिक व क्रियाशील विचारों की युवती हैं। इनके हाथ में जीवन रेखा गोल है, जिसके कारण यह स्त्री धन कमाने में चतुर है।

इनकी मस्तिष्क रेखा साफ सुथरी है। ऐसे लोग बहुत ही सोच–समझकर खर्च करते हैं। जीवन रेखा गोल है, गुरु, शनि, सूर्य व बुध ग्रह सब उन्नत हैं। भाग्य रेखा जीवन रेखा में से निकल रही है, जिसकी वजह से दो या तीन जगहों पर ऐसी स्त्रियां अपना व्यवसाय खोल लेती हैं।

इनके हाथ में शनि व सूर्य की उंगली के आधार बराबर हैं, मस्तिष्क रेखा साफ सुथरी है, चंद्र रेखा हाथ में बहुत सुन्दर बनी है, जिसके कारण इन्हें प्रतिष्ठा, यश, धन व प्रगति मिलती है। ऐसी युवतियों को खाली बैठने का मौका नहीं मिलता है, उनके जीवन में कुछ न कुछ रचनात्मक चलता रहता है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री एच. एस. सुहरावर्दी का हैंडप्रिंट

सुहरावर्दी पूर्वी पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री थे और उन्होंने ही पूर्वी पाकिस्तान को अंग्रेजों के अधिकार से आजाद करवाया। पूर्वी पाकिस्तान अब बंग्लादेश बन गया है।

जीवन, मस्तिष्क रेखाएं राहु से प्रभावित हैं। जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा तथा हृदय रेखा पर शत्रु रेखाएं प्रभावी हैं ; नतीजतन इन पर जानलेवा हमले होते रहे। सूर्य रेखा छिन्न–भिन्न होने से इन्हें अधिक मान–प्रसिद्धि प्राप्त नहीं हो सकी।

भाग्य रेखा टूटी–फूटी होने के कारण इन्हें स्थायी शासन, स्थायी शांति और स्थायी यश प्राप्त न हो सका।

Future Point
www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

फिल्म कलाकार अशोक कुमार का हैंडप्रिंट

अशोक कुमार भारतीय सिने जगत के प्रथम सुपरस्टार थे। वह एक अति भाग्यवान व्यक्ति थे। सर्वाधिक धनी, सर्वश्रेष्ठ कलाकार, सम्मानित बुजुर्ग, ज्योतिष व चिकित्सा शास्त्र में रुचि रखनेवाले तथा दीर्घायु व्यक्ति थे अशोक कुमार।

जीवन रेखा बलवती व लंबी है, इसका अर्थ है कि जातक की लंबी उम्र है और इनके खानदान में सभी लंबी आयु प्राप्त थे। मस्तिष्क रेखा मंगल से मंगल तक है अर्थात् ऐसे लोगों को ज्योतिष शास्त्र, तंत्र, आयुर्वेद में रुचि होती है। ये उच्च विद्वान हैं। गुरु पर्वत पर क्रॉस, स्वास्तिक व अधिक रेखाएं धर्म–प्रेम और सुविधा संपन्नता का प्रतीक हैं।

हृदय रेखा गुरु व शनि ग्रह के बीच से प्रारंभ है। ऐसे लोग अपनी मनमर्जी करने वाले, सौंदर्य प्रेमी और स्त्री–प्रेमी, होते हैं।

भाग्य रेखा शनि से राहु ग्रह तक है, इसलिए उन्होंने प्रगति की, अत्यधिक धन, नाम तथा यश कमाया एवं हर क्षेत्र में सफल रहे।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

फिल्म कलाकार मनोज कुमार का हैंडप्रिंट

अपने जमाने के लोकप्रिय कलाकार मनोज कुमार एक बहुआयामी प्रतिभा के व्यक्ति हैं। वे नायक, फोटोग्राफर, संपादक, गीतकार, कहानीकार, निर्देशक, निर्माता एवं राजनीति प्रचारक सब एक साथ हैं।

इनकी भाग्य रेखा चंद्र ग्रह से निकलकर शनि ग्रह पर पहुंच रही है। इसका अर्थ है सर्वोच्च उपलब्धियां, उच्चतम प्रगति, धन की वर्षा।

गुरु पर्वत पर क्रॉस है तथा यात्रा रेखाएं भाग्यरेखा को छू रही हैं, नतीजतन उन्होंने विदेश यात्राएं कीं।

इनके हाथ में सूर्य रेखा मस्तिष्क व हृदय रेखा को काटती हुई आगे बढ़ रही है फलतः इनका मस्तिष्क रचनात्मक और व्यक्तित्व बहुआयामी है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

बहुत रेखाओं वाला हाथ

Future Point

यह एक बुद्धिजीवी, उच्च शिक्षित, रूपवती एवं कुंवारी महिला का हाथ है। हाथों में ज्यादा रेखाएं ज्यादा चिन्ता की प्रतीक हैं। ऐसी स्त्रियां गहन चिन्तन–मनन, परवाह करती हैं। इन्हें तनाव, बदहजमी और मनोरोग लगे रहते हैं।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com

Future Point

कम रेखाओं वाला हाथ

यह एक लम्बा हाथ है। रेखाएं मोटी हैं, हाथ गुदाज नहीं है, भाग्य रेखा अनुपस्थित है, मस्तिष्क रेखा द्विशाखी और छोटी है।

इससे पता चलता है कि व्यक्ति निम्न वर्ग का, कठोर परिश्रम करने वाला है, अक्ल मोटी है, दिमाग से काम नहीं लेता और स्वार्थी व बदजुबान है। जीवन कोई खास सुखी नहीं है।

www.futurepointindia.com www.leogold.com www.leopalm.com